THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.co

वर्ष–29 अंक : 118 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) आषाढ शु.14 2081 शनिवार, 20 जुलाई–2024

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

बीजेपी सांसद को जान से मारने की धमकी! जज की नौकरी छोड़ लड़े थे चुनाव

भोपाल, 19 जुलाई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के बीजेपी सांसद को जान से मारने की धमकी मिली है। जानकारी के अनुसार देवास-शाजापुर क्षेत्र से बीजेपी सांसद महेंद्र सिंह सोलंकी को उत्तर प्रदेश के कानपुर के एक नंबर से कॉल आया था। बता दें कि सांसद सोलंकी ने एसपी से शिकायत की है। पुलिस उस नंबर को ट्रेस कर रही है जिससे कॉल आया था। दरअसल, देवास-शाजापुर क्षेत्र के बीजेपी सांसद महेंद्र सिंह सोलंकी दूसरी बार चुने गए हैं। वे अपने हिंदू और सनातनी छवी के लिए जाने जाते हैं।

>14

आखिर थम गई दुनिया, कौन है इसका जिम्मेदार

दुनियाभर में 1400 फ्लाइट कैंसिल; बैंक, स्टॉक मार्केट और टीवी चैनल पर भी असर

नई दिल्ली, 19 जुलाई (एजेंसियां)। माइक्रोसॉफ्ट की क्लाउड सर्विसेज में दिक्कत से शुक्रवार (19 जुलाई) को दुनियाभर में एयरलाइंस, टीवी टेलिकास्ट, बैंकिंग और कई कार्पोरेट कंपनियों के कामकाज पर असर पड़ा है। सिस्टम ब्लू स्क्रीन में आने के बाद रीस्टार्ट हो रहे हैं। ये समस्या एंटीवायरस 'क्राउडस्ट्राइक' के अपडेट के बाद आई है। अमेरिका, ब्रिटेन और भारत सहित कई देशों में करीब 1400 फ्लाइट कैंसिल हुई हैं। वहीं 3 हजार विमानों ने देरी से उड़ान भरी। भारत में इंडिगो, स्पाइसजेट जैसी एयरलाइन्स ने बताया कि उनकी बुकिंग, चेक-इन और फ्लाइट अपडेट सर्विस प्रभावित हुई है। बोर्डिंग पास हाथ से लिखकर दिए जा रहे हैं। दुनिया भर में माइक्रोसॉफ्ट विंडोज के कुछ यूजर्स को अपने लैपटॉप पर नीली स्क्रीन दिखाई दे रही है। इससे उनके सिस्टम ऑटोमैटिकली रीस्टार्ट या शटडाउन हो गए हैं। डेल टेक्नोलॉजीज ने कहा कि यह समस्या हालिया क्राउडस्ट्राइक अपडेट के कारण हुई है। क्राउडस्ट्राइक एक साइबर सिक्योरिटी प्लेटफ़ॉर्म है जो यूजर्स को सिक्योरिटी सॉल्यूशन देता है।

क्राउडस्ट्राइक के अपडेट के कारण ही माइक्रोसॉफ्ट के एज्योर क्लाउड और माइक्रोसॉफ्ट 365 सर्विसेज में परेशानी आई है। माइक्रोसॉफ्ट ने कहा, हमें समस्या की जानकारी है और हमने कई टीमों को इसे सुलझाने में लगाया है। हमने इसके कारण का पता लगा लिया है।" इससे वहीं यूजर प्रभावित हुए हैं जो माइक्रोसॉफ्ट एज्योर का इस्तेमाल करते हैं।

माइक्रोसॉफ्ट ऐज्योर क्लाउड कंप्यूटिंग प्लेटफॉर्म है। ये एप्लिकेशन और सर्विसेज को बनाने, डिप्लॉय और मैनेज करने का काम करता है। वहीं माइक्रोसॉफ्ट 365 प्रोडक्टिविटी सॉफ्टवेयर है, जिसमें वर्ड, एक्सेल, पावरपॉइंट, आउटलुक और वन नोट जैसे लोकप्रिय एप्लिकेशन शामिल हैं। ब्लू स्क्रीन ऑफ डेथ एक क्रिटिकल एरर स्क्रीन है जो विंडोज ऑपरेटिंग सिस्टम पर दिखाई देती है। ऐसा तब होता है जब सिस्टम किसी गंभीर समस्या के कारण क्रैश हो जाता है जो इसे सुरक्षित रूप से काम करने से रोकता है।

>14

बजट सत्र से पहले रणनीति बनाने में जुटा एनडीए

विपक्षी दलों को एक सुर में देगा जवाब

नई दिल्ली, 19 जुलाई (एजेंसियां)। संसद का आगामी बजट सत्र 22 जुलाई से शुरू होने जा रहा है और इसके 12 अगस्त तक चलने की संभावना है। यह मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल का दूसरा संसद सत्र है और इसलिए केंद्र की सत्तारूढ़ पार्टी भाजपा और केंद्र सरकार कई स्तरों पर इसे लेकर तैयारी कर रही है। लोकसभा में विपक्ष के नेता बनने के बाद राहुल गांधी ने पिछले सत्र के दौरान, जिस अंदाज में सरकार को घेरने की कोशिश की थी और जिस तरह से विपक्ष के कई राजनीतिक दल राहुल गांधी का साथ देते नजर आए।

पिछले सत्र में विपक्ष के रवैये को देखते हुए भाजपा और सरकार ने सोमवार से शुरू होने जा रहे सत्र को लेकर काउंटर रणनीति तैयार कर ली है। बताया जा रहा है कि संसद सत्र के दौरान भाजपा, एनडीए गठबंधन के सहयोगी दलों के साथ मिलकर उन तमाम मुद्दों पर एक साझा जवाब तैयार करेगी, जिन मुद्दों को सदन में उठाने की तैयारी विपक्षी दल कर रहे हैं। सरकार के रणनीतिकारों का जोर इस बात पर ज्यादा होगा कि विपक्षी दलों के आरोपों और हमलों का जवाब एनडीए गठबंधन में शामिल सभी दल एक सुर में देते हुए नजर आएं।

23 जुलाई को पेश होगा बजट

बता दें कि सोमवार से शुरू होने जा रहे संसद सत्र के दूसरे दिन 23 जुलाई को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण सुबह 11 बजे लोकसभा में मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल का पहला पूर्ण बजट पेश करेंगी। सरकार आगामी बजट सत्र के दौरान, केंद्रीय बजट पारित करवाने के साथ ही 5 अन्य विधेयकों - आपदा प्रबंधन (संशोधन) विधेयक-2024, बॉयलर विधेयक-2024, भारतीय वायुयान विधेयक-2024, कॉफी (संवर्धन और विकास) विधेयक-2024 और रबड़ (संवर्धन और विकास) विधेयक-2024 भी पारित करवाने का प्रयास करेगी।

इसके अलावा जम्मू-कश्मीर संघ राज्य क्षेत्र का बजट पेश करना और चर्चा के बाद पारित करवाना भी सरकार के एजेंडे में शामिल है।

काशी विश्वनाथ की फर्जी वेबसाइट बनाकर श्रद्धालुओं को ठगा

वाराणसी, 19 जुलाई (एजेंसियां)। वाराणसी में काशी विश्वनाथ मंदिर की फर्जी वेबसाइट बनाकर श्रद्धालुओं से ठगी हुई है। दर्शन, आरती और रुद्राभिषेक के नाम पर श्रद्धालुओं से 10 लाख रुपए तक ठग लिए हैं। इसका खुलासा तब हुआ, जब श्रद्धालुओं ने मंदिर से संपर्क किया। मामला सामने आने के बाद काशी न्यास के सीईओ ने डीजीपी से शिकायत की। पुलिस ने साइबर एक्सपर्ट को जांच के लिए लगाया है। पुलिस के मुताबिक, सावन में देश-विदेश से भक्त दर्शन के लिए काशी विश्वनाथ पहुंचते हैं। साइबर अपराधियों ने काशी विश्वनाथ मंदिर के नाम पर फर्जी वेबसाइट बनाकर बुकिंग शुरू कर दी। इसमें दर्शन, पूजन, रुद्राभिषेक समेत आरती की बुकिंग की गई। अभी मंदिर की ओरिजिनल वेबसाइट साइट पर अभी सावन के चलते सभी तरह की बुकिंग बंद है।

चार धाम के नाम पर दूसरे मंदिर-ट्रस्ट नहीं बनेंगे

देहरादून, 19 जुलाई (एजेंसियां)। देश में चार धाम- बद्रीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री के नाम से दूसरा मंदिर या ट्रस्ट नहीं बनेगा। मंदिरों से मिलता-जुलता नाम रखने पर भी सख्त एक्शन लिया जाएगा। उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में 18 जुलाई को हुई कैबिनेट मीटिंग में इस पर कानून बनाने का फैसला किया गया है।

दरअसल, 10 जुलाई को दिल्ली के बुराड़ी में 'श्री केदारनाथ धाम' नाम से मंदिर का शिलान्यास हुआ था। इसमें उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी शामिल हुए थे। 15 जुलाई को मुंबई में गोवर्धन पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद और प्रमुख संतों ने इसका विरोध किया था।

कैबिनेट मीटिंग के बाद मुख्यमंत्री के सचिव शैलेश बगौली ने कहा- हमारी जानकारी में आया है कि उत्तराखंड के चार धाम (केदारनाथ, बद्रीनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री) के साथ कई अन्य प्रमुख मंदिरों के नाम का इस्तेमाल करके दूसरे मंदिर और ट्रस्ट बनाए जा रहे हैं।

इससे लोगों के बीच असमंजस की स्थिति बन रही है। साथ ही स्थानीय परंपराओं और धार्मिक मान्यताओं को ठेस पहुंच रही है। स्थानीय लोगों के बीच आक्रोश का माहौल बन रहा है। ऐसे में सरकार ने इसको लेकर कड़े प्रावधान लाने का प्रस्ताव पास किया है। जल्द ही इसको लेकर कानून लागू किया जाएगा।

हिमंता बोले- 2041 तक मुस्लिम राज्य बन जाएगा असम

इसे कोई नहीं रोक सकता; राहुल गांधी एंबेसडर बनें तो जनसंख्या कंट्रोल कर सकते हैं

गुवाहाटी, 19 जुलाई (एजेंसियां)। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने शुक्रवार (19 जुलाई) को कहा राज्य में मुस्लिम आबादी हर 10 साल में 30% बढ़ रही है। ऐसे में साल 2041 तक असम मुस्लिम बहुल राज्य बन जाएगा। यह हकीकत है और इसे कोई नहीं रोक सकता। उन्होंने कहा अगर राहुल गांधी जनसंख्या नियंत्रण के ब्रांड एंबेसडर बन जाते हैं तब इस पर नियंत्रण लग सकता है, क्योंकि मुस्लिम समुदाय केवल उनकी बात सुनता है।

असम सीएम ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि डेमोग्राफिक डेटा के मुताबिक असम की मुस्लिम आबादी 40 फीसदी हो गई है। जबकि हिंदू समुदाय की आबादी हर 10 साल में करीब 16 फीसदी ही बढ़ रही है। इससे पहले सीएम सरमा ने गुरुवार (18 जुलाई) को बताया कि मंत्रिमंडल ने मुस्लिम मैरिज एक्ट 1935 को रद्द करते हुए नए कानून बनाने को मंजूरी दे दी है। उन्होंने कहा कि नए कानून से शादी और तलाक के नियमों में समानता आएगी। साथ ही बाल विवाह जैसी कुप्रथा पर भी रोक लगेगी। नए कानून के बिल पर संसद के मानसून सत्र में चर्चा की जाएगी। मौजूदा एक्ट लड़कियों को 18 और लड़कों को 21 साल की उम्र से पहले शादी करने की अनुमति देता है।मंत्रिमंडल को निर्देश दिए गए हैं कि असम में मुस्लिम मैरिज रजिस्ट्रेशन के लिए एक कानून लाया जाए। जिस पर विधानसभा के अगले सत्र में विचार किया जाएगा। इससे पहले इसी साल फरवरी में असम सरकार के मंत्रिमंडल ने असम मुस्लिम मैरिज एंड डिवोर्स रजिस्ट्रेशन एक्ट एंड रूल्स ऑफ 1935 को रद्द करने पर सहमति व्यक्त की थी। इसे असम रिपीलिंग बिल 2024 के माध्यम से हटाया जाएगा।

इलेक्टोरल बॉन्ड पर 22 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई

नई दिल्ली, 19 जुलाई (एजेंसियां)। इलेक्टोरल बॉन्ड का मामला एक बार फिर सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। एनजीओ कॉमन कॉज और सेंटर फॉर पब्लिक इंटरेस्ट लिटिगेशन ने बॉन्ड के लेनदेन को लेकर सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में एसआईटी जांच की मांग की है। 22 जुलाई को इस पर सुनवाई होगी।

सीजेआई डी.वाई. चंद्रचूड़, जस्टिस जे.बी. पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच सुनवाई करेगी। एडवोकेट प्रशांत भूषण ने यह याचिका लगाई है। कोर्ट याचिका स्वीकार कर ली है और कहा है कि इससे जुड़े अन्य याचिकाओं को भी साथ में सुना जाएगा। इलेक्टोरल बॉन्ड का डेटा सामने आने के बाद यह याचिका लगाई गई है। इसमें दो मांगें रखी गई हैं। पहला- इलेक्टोरल बॉन्ड के जरिए कॉरपोरेट्स और

राजनीतिक दलों के बीच लेन-देन की जांच एसआईटी से कराई जाए। एसआईटी की निगरानी सुप्रीम कोर्ट के रिटायर जज करें।

दूसरा- याचिका में कहा गया है कि आखिर घाटे में चल रहीं कंपनियों (शैल कंपनियां भी शामिल) ने पॉलिटिकल पार्टीज को कैसे फंडिंग की। अधिकारियों को निर्देश दिया जाए की पॉलिटिकल पार्टियों से इलेक्टोरल बॉन्ड में मिली राशि वसूल करें। क्योंकि यह अपराध से जरिए कमाई गई राशि है।

याचिकाकर्ताओं का दावा है कि कंपनियों ने फायदे के लिए पॉलिटिकल पार्टियों को बॉन्ड के जरिए फंडिंग की। इसमें सरकारी काम के ठेके, लाइसेंस पाने, जांच एजेंसियों (सीबीआई, आईटी, ईडी) की जांच से बचने और पॉलिसी में बदलाव शामिल है। आरोप है कि घटिया दवाईयां बनाने वाली कई फार्मा कंपनियों ने इलेक्टोरल बॉन्ड खरीदे जो भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 का उल्लंघन है।

गवर्नर के खिलाफ छेड़छाड़ का आरोप

ममता सरकार को नोटिस; सुप्रीम कोर्ट राज्यपालों को आपराधिक मुकदमे से मिली छूट की जांच को तैयार

कोलकोता, 19 जुलाई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट संविधान के अनुच्छेद 361 की रूपरेखा की जांच करने के लिए तैयार हो गया है। संविधान का यह प्रावधान राज्यों के राज्यपालों और राष्ट्रपति को किसी भी तरह के आपराधिक मुकदमे से पूरी तरह की छूट देता है।

यह मामला बंगाल गवर्नर सीवी आनंद बोस के खिलाफ छेड़छाड़ के आरोप से जुड़ा है। गवर्नर पर राजभवन की महिला संविदा कर्मचारी ने छेड़छाड़ का आरोप लगाया था। लेकिन संवैधानिक प्रावधान के चलते उन पर कोई केस दर्ज नहीं हुआ। इसके बाद महिला ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई, जिसमें राज्यपाल को छूट देने वाले संविधान के अनुच्छेद 361 की न्यायिक जांच की मांग की है और विशेष दिशा-निर्देश देने की मांग की है। शुक्रवार 19 जुलाई को सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ की बेंच ने इस मामले में अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी से मदद मांगी है। साथ ही पश्चिम बंगाल सरकार को भी नोटिस जारी किया है।

सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल राजभवन की महिला कर्मचारी से कहा है कि वह अपनी याचिका में केंद्र को भी पार्टी बनाए। महिला ने अपनी याचिका में पश्चिम बंगाल पुलिस से मामले की जांच करने और पीड़िता और उसके परिवार को सुरक्षा देने के साथ-साथ उसकी प्रतिष्ठा को हुए नुकसान के लिए सरकार से मुआवजा दिलाने की भी मांग की है।

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 361 के मुताबिक किसी राज्यपाल के पद पर रहते हुए उसके खिलाफ कोर्ट में कोई आपराधिक कार्यवाही नहीं की जा सकती। राष्ट्रपति या राज्यपाल अपने पद पर रहते हुए अपनी शक्तियों के प्रयोग के लिए किसी भी कोर्ट में व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी नहीं होते। राष्ट्रपति और राज्यपालों के खिलाफ कोई भी सिविल कार्यवाही 2 महीने की पूर्व सूचना के बाद ही शुरू की जा सकती है।

चिनाब ब्रिज पर 15 अगस्त को पहली ट्रेन चलेगी

यह दुनिया का सबसे ऊंचा आर्च ब्रिज, 8 तीव्रता के भूकंप को झेल सकता है

श्रीनगर, 19 जुलाई (एजेंसियां)। जम्मू कश्मीर के रियासी जिले में बने दुनिया के सबसे ऊंचे स्टील आर्च ब्रिज पर स्वतंत्रता दिवस यानी 15 अगस्त को पहली ट्रेन चलेगी। संगलदान से रियासी के बीच चलने वाली यह ट्रेन सर्विस उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक प्रोजेक्ट का हिस्सा है।

इस ब्रिज पर 20 जून को ट्रेन का ट्रायल रन हुआ था। इससे पहले 16 जून को ब्रिज पर इलेक्ट्रिक इंजन का ट्रायल हुआ था। यह ब्रिज पेरिस के एफिल टावर से 29 मीटर ऊंचा है। एफिल टॉवर की ऊंचाई 330 मीटर है, जबकि 1.3 किमी लंबे इस ब्रिज को चिनाब नदी पर 359 मीटर की ऊंचाई पर बनाया गया है।

यह ब्रिज 40 किलो तक विस्फोटक और रिक्टर स्केल पर 8 तीव्रता तक के भूकंप को झेल सकता है। पाकिस्तानी सीमा से

इसका एरियल डिस्टेंस महज 65 किमी है। इस ब्रिज के शुरू होने से कश्मीर घाटी हर मौसम में ट्रेन के जरिए भारत के दूसरे हिस्सों से जुड़ जाएगी।

प्रोजेक्ट 1997 से शुरू हुआ था। इसके तहत 272 किमी की रेल लाइन बिछाई जानी थी। अब तक अलग-अलग फेज में 209 किमी लाइन बिछाई जा चुकी है। इस साल के अंत तक रियासी को कटरा से जोड़ने वाली आखिरी 17 किमी लाइन बिछाई जाएगी, जिसके बाद जम्मू के रियासी से कश्मीर के बारामूला तक पैसेंजर ट्रैवल कर सकेंगे।

कांवड़ यात्रा को लेकर यूपी सरकार के आदेश पर विवाद

प्रियंका गांधी ने कहा-यह लोकतंत्र पर हमला; मुस्लिम जमात फैसले के समर्थन में

लखनऊ, 19 जुलाई (एजेंसियां)। यूपी में कांवड़ यात्रा मार्गों पर पड़ने वाली दुकानों में दुकानदार को अपना नाम लिखना होगा। इसमें दुकान मालिक का नाम और डिटेल लिखी जाएगी। शुक्रवार को सीएम योगी ने यह आदेश दिया।

सरकार का कहना है कि कांवड़ यात्रियों की शुचिता बनाए रखने के लिए यह फैसला लिया है। इसके अलावा, हलाल सर्टिफिकेशन वाले प्रोडक्ट बेचने वालों पर भी कार्रवाई होगी। यूपी के बाद उत्तराखंड के हरिद्वार में भी यह आदेश लागू कर दिया गया है।

पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने इस फैसले को असंवैधानिक बताया। कहा- यह फैसला चुनावी लाभ के लिए है। यह प्रयास धर्म विशेष के लोगों का आर्थिक बायकॉट करने का है। वहीं, प्रियंका गांधी ने इस फैसले को लोकतंत्र पर हमला बताया है। जबकि ऑल इंडिया मुस्लिम जमात ने सरका के फैसले का समर्थन किया है। यूपी कांग्रेस प्रमुख अजय राय ने कहा- यह अव्यावहारिक कार्य है। इसको तत्काल निरस्त करना चाहिए।

यूपी में मुजफ्फरनगर पुलिस ने सबसे पहले दुकानों के बाहर दुकानदारों को अपना नाम लिखने का आदेश दिया था। पुलिस का तर्क था कि इससे कांवड़ यात्रियों में कंफ्यूजन नहीं होगा। मतलब, दुकानदार का धर्म पता चल सकेगा।

इस साल कांवड़ यात्रा 22 जुलाई से शुरू हो रही है, जो 19 अगस्त तक चलेगी। यूपी में हर साल 4 करोड़ कांवड़िए हरिद्वार से जल उठाते हैं।

शिवाजी का 'बाघ नख' भारत लौटा; अंग्रेजों ने 3 साल के लिए उधार दिया

मुंबई, 19 जुलाई (एजेंसियां)। तारीख- 10 नवंबर 1659। जगह- महाराष्ट्र के सतारा का प्रतापगढ़ किला। छत्रपति शिवाजी महाराज सैनिकों के साथ किले में बैठकर अफजल खान का इंतजार कर रहे थे। अफजल खान बीजापुर की आदिल शाही हुकूमत का बेहतरीन योद्धा था। किले में दाखिल होते ही उसने शिवाजी को गले लगा लिया। शिवाजी कुछ समझते तभी अफजल खान ने कटार से हमला कर दिया।

शिवाजी ने अफजल खान की कमर को जकड़ा और पेट में 'बाघ नख' घुसा दिया। वहीं दाहिने हाथ से अफजल पर बिछुवे से हमला किया। शिवाजी का प्रहार इतना तेज था की अफजल खान की मौत हो गई। बाद में इस बाघ नख को अंग्रेज अफसर भारत से इंग्लैंड लेकर चले गए।

महाराष्ट्र के संस्कृति मंत्री सुधीर मुनगंटीवार ने कहा है बुधवार को बाघ नख लंदन के एक संग्रहालय से मुंबई लाया गया। इसे अब महाराष्ट्र के सतारा ले जाया जाएगा। वहां 19 जुलाई से इसका प्रदर्शन किया जा रहा है। इसे ब्रिटेन के विक्टोरिया और अल्बर्ट म्यूजियम से तीन साल के लिए उधार लिया गया है।

17वीं सदी की बात है। छत्रपति शिवाजी राजे भोसले के पिता शाहजी भोसले एक महान राजा व रणनीतिकार थे। बीजापुर दरबार के एक बड़े सिपहसालार अफजल खान के साथ शिवाजी की कई कड़वी यादें जुड़ी हुई थीं। अफजल खान 1648 में शिवाजी के पिता शाहजी को बेड़ियों में जकड़कर बीजापुर लाया था और 1654 में उनके बड़े भाई सांभाजी की मौत में भी उसका हाथ था।

यह वो दौर था, जब उत्तर से लेकर दक्षिण तक भारत में अहम बदलाव हो रहे थे। भारत के पश्चिमी भाग मे तीन इस्लामी सल्तनतें थीं- अहमदनगर की निजाम शाही, बीजापुर की आदिलशाही और गोलकुंडा की कुतुबशाही। ये तीनों भी आपस में लड़ते रहते थे। वहीं, मुगल इन सल्तनतों को अपने राज्य में मिलाने के लिए लगातार दबाव डाल रहे थे, ताकि दक्षिण भारत में उनका वर्चस्व हो। 1657 में दुनिया का सबसे अमीर बादशाह शाहजहां गंभीर रूप से बीमार पड़ता है। उस समय दक्कन में मौजूद औरंगजेब अपने पिता की खबर पाते ही उत्तर की ओर सेना के साथ रवाना हो गया। अगले साल औरंगजेब मुगल बादशाह बनता है।

औरंगजेब ने जाते-जाते बीजापुर के सुल्तान को शिवाजी से सावधान रहने को कहा था। औरंगजेब ने शिवाजी को खतरनाक मराठा योद्धा बताया। दरअसल, उस वक्त अपनी गुरिल्ला युद्ध शैली के दम पर शिवाजी एक के बाद एक किले जीतते जा रहे थे। यह बात न तो ताकतवर मुगलों को हजम हो रही थी और न ही दक्कन की बड़ी सल्तनत बीजापुर को। उस वक्त बीजापुर का सुल्तान था अली आदिल शाह द्वितीय।

सुल्तान अली आदिल शाह तब कम उम्र का था। इस कारण राजकाज एक तरह से उसकी सौतेली मां बड़ी बेगम साहिबा ही चला रही थी। उसे शिवाजी से चिढ़ थी। वो हमेशा शिवाजी को अपना दुश्मन मानती थी। उसने एक दिन दरबार में खास लोगों को बुलावा भेजा। सामने एक तश्तरी रखी, जिसमें पान का बीड़ा था।

दरबार में आए लोगों से कहा गया कि जिसमें शिवाजी को खत्म करने की हिम्मत हो, वह बीड़ा उठाए। दरबार में खामोशी छा गई। बीजापुर की बड़ी सेना के बावजूद शिवाजी से टकराना बच्चों का खेल नहीं था। सभी को डर लग रहा था। तभी एक बड़ी कद काठी का शख्स सामने आया और उसने बीड़ा उठा लिया।

यह शख्स बीजापुर सल्तनत का सिपहसालार अफजल खान था। उसी दिन से अफजल खान ने छत्रपति शिवाजी को अपना दुश्मन मान लिया। अब अफजल किसी भी तरह शिवाजी से मुलाकात कर उनको मारने का प्लान बनाने लगा।

इस के बाद दोनों के बीच कई संदेशों का आदान-प्रदान हुआ। आखिरकार तय हुआ कि 10 नवंबर 1659 को दोनों की मुलाकात होगी। अफजल खान एक पालकी में दो से तीन सैनिकों के साथ आएगा, उसे अपने हथियार लाने की अनुमति होगी। शिवाजी को भी अपने साथ उतने ही सैनिक और हथियार लाने की परमिशन होगी।

साथ में दो विश्वास पात्र सैनिक जीवा महाला और संभाजी कावजी थे। हालांकि अफजल खान शिवाजी के महल में तो सिर्फ दो सैनिकों के साथ पहुंचा, लेकिन बाहर कुछ दूर बड़ी संख्या में अपने सैनिकों को हमले के लिए तैयार रहने को कहा था। महल में पहुंचते ही अफजल खान ने शिवाजी को गले लगाने के लिए अपनी बांहें फैला दीं। जैसे ही दोनों गले मिले शिवाजी अचानक परेशान हो गए, क्योंकि अफजल खान ने अचानक उनके गले को अपनी बाहों में जकड़ लिया और कटार से उन पर हमला किया।

>14

बिलकिस बानो केस के दो दोषियों को झटका

सुप्रीम कोर्ट ने ठुकराई ये मांग

नई दिल्ली, 19 जुलाई (एजेंसियां)। बिलकिस बानो केस के दो दोषियों की अंतरिम जमानत पर सुनवाई से सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार (2024) को इनकार कर दिया है। राधेश्याम और राजूभाई ने मांग की थी कि जब तक उनकी रिहाई पर गुजरात सरकार फैसला लेती है, तब तक उन्हें अंतरिम जमानत दे दी जाए। कोर्ट ने याचिका के औचित्य पर सवाल उठाते हुए सुनवाई से इनकार कर दिया। जस्टिस संजीव खन्ना और पी।वी। संजय कुमार की पीठ ने मामले की सुनवाई करते हुए कहा कि दोषियों को ऐसा कोई लाभ नहीं दिया जाएगा। अदालत ने पूछा, यह याचिका क्या है? यह कैसे स्वीकार कर सकते हैं। यह बिल्कुल गलत है। (अनुच्छेद) 32 में हम अपील पर कैसे विचार कर सकते हैं? इसके बाद दोनों ने अपनी याचिका वापस ले ली।

दोषियों ने दी थी अदालत में ये दलील

दरअसल, दोनों दोषी इसी साल मार्च में सुप्रीम कोर्ट पहुंचे थे और अंतरिम जमानत के लिए यह तर्क दिया था कि समान जजों की दो बेंचों ने गुजरात सरकार के फैसले पर अलग-अलग रुख अपनाया है। दोषियों ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट की ही एक बेंच ने महाराष्ट्र सरकार को उपयुक्त माना था, जबकि दूसरी बेंच ने गुजरात सरकार को। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट यह स्पष्ट करे कि किस सरकार का फैसला सही होगा। दोषियों ने याचिका में फैसले को विरोधाभासी बताया था और इसलिए इसे बड़ी बेंच के पास भेजने की मांग की थी। हालांकि, शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने इस याचिका पर सुनवाई से साफ इनकार कर दिया।

8 जनवरी को गुजरात सरकार के फैसले को पलटा था

गौरतलब है कि इस साल 8 जनवरी को सुप्रीम कोर्ट ने बिलकिस बानो सामूहिक बलात्कार मामले में गुजरात सरकार की ओर से सभी दोषियों को माफी देकर दी गई छूट को रद्द कर दिया था। 8 जनवरी के फैसले में शीर्ष अदालत ने निष्कर्ष निकाला था कि बिलकिस बानो मामले में ग्यारह बलात्कार दोषियों पर लागू छूट नीति महाराष्ट्र (जहां बलात्कार मामले की सुनवाई हुई) की छूट नीति थी, न कि गुजरात सरकार की।

उज्जैन में भाजपा नेता और बिल्डर को रिटायर्ड फौजी ने सीने में गोली मारी

उज्जैन, 19 जुलाई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के उज्जैन जिले में भाजपा नेता और सीएम मोहन यादव के खास माने जाने वाले बिल्डर प्रकाश यादव को रिटायर्ड फौजी ने गोली मार दी। दोनों के बीच बच्चों को लेकर विवाद चल रहा था। घटना देर रात नागझिरी थाना क्षेत्र के हामुखेड़ी की है। आर्मी से रिटायर्ड जवान सुरेंद्र प्रताप सिंह और भाजपा नेता व बिल्डर प्रकाश यादव का आसपास में ही मकान है। जानकारी के अनुसार गुरुवार रात करीब 12:45 बजे हामुखेड़ी में रहने वाले भाजपा आर्थिक प्रकोष्ट के नगर संयोजक व बिल्डर प्रकाश यादव और रिटायर्ड फौजी सुरेंद्र प्रताप सिंह के बीच विवाद हो गया था। इसी बीच सुरेंद्र सिंह ने प्रकाश यादव के सीने में गोली मार दी। घटना के बाद अफरा तफरी मच गई।

भाजपा के दो सांसद होंगे टीएमसी में शामिल कुणाल घोष के दावे से बंगाल में हलचल

कोलकाता, 19 जुलाई (एजेंसियां)। टीएमसी के सीनियर नेता कुणाल घोष के दावे ने बंगाल की राजनीति में हलचल मचा दी है। उन्होंने दावा किया है कि भाजपा के दो सांसद 21 जुलाई को टीएमसी में शामिल होने वाले हैं। उन्होंने गुरुवार को कहा कि भाजपा के दो सांसदों ने 21 जुलाई को आयोजित होने वाले शहीद दिवस समारोह के दौरान तृणमूल कांग्रेस में शामिल होने की इच्छा जताई है। घोष ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी और राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी सभी पहलुओं पर विचार करने के बाद अंतिम फैसला लेंगे। घोष ने दावा किया, 'हाल ही में हुए लोकसभा चुनाव में भाजपा के 12 सांसद चुने गए हैं और उनमें से दो हमारे संपर्क में हैं। उन्होंने हमसे संपर्क करके तृणमूल कांग्रेस में शामिल होने की इच्छा जताई है। वे ममता बनर्जी के नेतृत्व में काम करना चाहते हैं और 21 जुलाई के कार्यक्रम के दौरान पार्टी में शामिल हो सकते हैं।' उन्होंने कहा कि इन सांसदों की पहचान इस समय उजागर नहीं की जा सकती। घोष ने बताया कि ये सांसद हाल ही में निर्वाचित हुए हैं। इसलिए तृणमूल नेतृत्व ने उन्हें दलबदल रोधी कानून के दायरे में आने से बचने के लिए कुछ समय इंतजार करने की सलाह दी है। उन्होंने कहा, 'ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी ही इस मामले में अंतिम फैसला करेंगे।'

भाजपा की बंगाल ईकाई के अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार ने घोष के इस दावे को तवज्जो नहीं देते हुए कहा, 'कुणाल घोष अक्सर ऐसे बयान देते हैं जिन्हें गंभीरता से नहीं लिया जाना चाहिए।' मजूमदार ने कहा, 'आइए 21 जुलाई तक इंतजार करें। हमने पहले भी घोष जैसे नेताओं के इसी तरह के दावे देखे हैं। वह प्रचार के लिए इस तरह के बयान देने के लिए जाने जाते हैं।' भाजपा ने कहा कि टीएमसी की ओर से तो ऐसे दावे होते ही रहे हैं। अब इन लोगों की बातों को गंभीरता नहीं देनी चाहिए।

22 जुलाई को शपथ लेंगे तीन नव निर्वाचित विधायक

शिमला, 19 जुलाई (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश विधानसभा के सदस्यों की संख्या सोमवार को पूरी 68 हो जाएगी। 22 जुलाई को तीन नवनिर्वाचित विधायक पद व गोपनीयता की शपथ ग्रहण करेंगे। यह शपथ ग्रहण समारोह सुबह 11 बजे विधानसभा परिसर में बनी लाइब्रेरी में होगा। हिमाचल प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया तीनों नव निर्वाचित विधायकों को शपथ दिलवाएंगे। इनमें देहरा से कमलेश ठाकुर, नालागढ़ से बावा हरदीप सिंह और हमीरपुर से आशीष शर्मा शामिल हैं।

आशीष शर्मा बीजेपी, जबकि अन्य दो विधायक कांग्रेस की टिकट पर चुनाव जीतकर आए हैं। इससे पहले छह विधानसभा क्षेत्र में हुए उपचुनाव में चार सीट पर कांग्रेस और दो सीट पर बीजेपी ने जीत हासिल की थी। तीन नव निर्वाचित विधायकों के शपथ लेने के बाद हिमाचल प्रदेश विधानसभा में सदस्यों की संख्या पूरी 68 हो जाएगी। इनमें कांग्रेस के 40 और बीजेपी के 28 विधायक शामिल हैं। अब विधानसभा में एक भी निर्दलीय विधायक नहीं रह गया है।

मोदी सरकार के बजट से पहले आतिशी ने दिल्ली के लिए कर दी ये बड़ी मांग

नई दिल्ली, 19 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली सरकार की मंत्री आतिशी मार्लेना ने शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस किया। इसमें उन्होंने कहा कि 23 जुलाई को केन्द्र सरकार का बजट आने वाला है। सरकार की जिम्मेदारी है कि लोगों के टैक्स के पैसे से जो पैसा केन्द्र को मिला है, उसे लोगों के विकास में खर्च किया जाए। दिल्ली के लोग भी टैक्स भरते है और उनकी भी उम्मीद है कि उनके टैक्स के पैसे से दिल्ली का विकास हो। आतिशी ने कहा कि पिछले साल 35 हजार करोड़ दिल्ली के लोगों ने टैक्स दिया था। इस टैक्स को दिल्ली सरकार ने लोगों की शिक्षा, स्वास्थ्य और बिजली, पानी की सेवाओं को बेहतर करने में खर्च किया था। दिल्ली के लोगों ने केन्द्र सरकार को भी टैक्स दिया है। दिल्ली के लोगों ने 2.70 लाख करोड़ टैक्स के तौर पर केन्द्र सरकार को दिया है। इसके अलावा जीएसटी के तौर पर भी जो टैक्स दिया जाता है, वो भी केन्द्र सरकार को दिया गया।

आतिशी ने की ये मांग

आतिशी ने पूछा कि यह पैसा जो केन्द्र को गया है, उसमें से कितना पैसा दिल्ली को केन्द्र से मिला? सच ये है कि दिल्ली को इस पैसे में से कुछ भी केन्द्र ने नहीं दिया। एक रुपया भी दिल्ली के बजट में नहीं दिया गया। दिल्ली के लोगों के साथ ये सौतेला व्यवहार क्यों? दिल्ली वालों को उनका हक मिलना चाहिए। हम पूरा पैसा नहीं मांग रहे है, लेकिन इसका कुछ हिस्सा दिल्ली को मिलना चाहिए, ताकि दिल्ली का बेहतर विकास हो सके, लोगों को सुविधाएं मिल सके। आतिशी ने कहा कि 2001 से 325 करोड़ रुपये दिल्ली को बजट में मिलते आ रहे हैं, लेकिन इतने सालों से एक रुपया नहीं बढ़ाया गया। पिछले साल से तो इसमें से भी एक रुपया दिल्ली को नहीं दिया जा रहा है। हमें दिल्ली के टैक्स का 5% भी मिल जाए तो वो काफी है। आतिशी ने आगे कहा कि जैसा दिल्ली के साथ हो रहा है, वैसा दुनिया में कहीं और होता होगा? क्या अमेरिका की सरकार न्यू यार्क से पैसा लेती होगी और बदले में एक पैसा भी नहीं देती होगी? जापान की सरकार टोक्यो और ब्रिटेन की सरकार लंदन के साथ ऐसा करती होगी? मुझे नहीं लगता कि ऐसा होता होगा। आज केंद्र सरकार भी दिल्ली के साथ भी सौतेला व्यवहार कर रही है। वह दिल्ली वालों से पैसा ले रही है, लेकिन उनपर एक पैसा भी खर्च नहीं कर रही है।

महाराष्ट्र के विशालगढ़ किले पर कार्रवाई मामले में हाई कोर्ट ने प्रशासन को लगाई फटकार

विशालगढ़, 19 जुलाई (एजेंसियां)। विशालगढ़ में हिंसा और अतिक्रमण ने कोल्हापुर और महाराष्ट्र भर में तनाव पैदा कर दिया है। इस मामले में हाई कोर्ट में अपील की मांग की गई थी। शुक्रवार को मामले की तत्काल सुनवाई हुई। मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति कुलबावाला, न्यायमूर्ति बी।पी। और न्यायमूर्ति फिरदोश पुन्नीवाला की पीठ के समक्ष हुई। इस दौरान जज ने प्रशासन को जमकर फटकार लगाई। इस दौरान कोर्ट ने विशालगढ़ किले पर कार्रवाई तुरंत रोकने का भी निर्देश दिया। हाई कोर्ट ने आदेश दिया है कि तोड़फोड़ की कार्रवाई तुरंत रोक दी जाए और सितंबर तक कोई नई तोड़फोड़ की कार्रवाई न की जाए। अदालत ने यह भी पूछा कि भारी बारिश में वहां निर्माण पर हथौड़ा चलाने की क्या जरूरत थी? कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ताओं का यह आरोप गंभीर है कि प्रदर्शनकारियों ने विशालगढ़ की मस्जिद पर हमला किया है। हाईकोर्ट ने शाहुवाड़ी पुलिस स्टेशन के मुख्य अधिकारी को अदालत में उपस्थित होने के निर्देश जारी किए हैं। याचिकाकर्ताओं ने उस दिन विशालगढ़ में हुई बर्बरता का वीडियो कोर्ट में दिखाया। याचिकाकर्ताओं ने दावा किया कि वीडियो से साफ है कि शिवभक्त 'जय श्री राम' का नारा लगाते हुए तोड़फोड़ कर रहे थे।

किडनी टांसप्लांट रैकेट का पर्दाफांस,आठ गिरफ्तार आरोपियों में से तीन पहले भी किडनी डोनर रह चुके हैं

नई दिल्ली, 19 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने राजधानी दिल्ली और एनसीआर में चल रहे किडनी ट्रांसप्लांट रैकेट का पर्दाफाश किया है। इस रैकेट में शामिल 8 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रांच के डीसीपी अमित गोयल ने मामले को लेकर जानकारी दी है। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच की गिरफ्त में आए 8 लोगों का संबंध 5 राज्यो से है। इन आरोपियों में से तीन पहले किडनी डोनर रह चुके है। पहले उन्होंने किडनी दी फिर गैंग से जुड़ गए। किडनी डोनेट करने वालों को 4 से 5 लाख रुपए दिए जाते थे। आरोपी पुनीत नकली दस्तावेज बनाता था और सुमित डोनर का स्क्रीनिंग पास कराता था इसके लिए डोनर को ट्रेंड करता था। जांच के दौरान पता चला है कि संदीप आर्या 35 से 40 लाख रुपए में इनसे किडनी लेता था। 11 अस्पतालों में करीब 35 लोग किडनी ट्रांसप्लांट करा चुके है। मामले में जांच अभी जारी है। किडनी डोनर को सोशल मीडिया के जरिए ढूंढा जाता था। 122 सोशल मीडिया ग्रुप से आरोपी जुड़े हुए थे। इस गैंग का अभी बांग्लादेश से कोई लिंक नहीं मिला है। सभी आरोपी भारतीय हैं। अस्पताल की भूमिका की अभी जांच की जा रही है। वहीं मामले में अभी किसी डॉक्टर का नाम सामने नहीं आया है।

इससे पहले दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने 9 जुलाई को भी बड़ी कार्रवाई की थी। इस दौरान एक इंटरनेशनल किडनी ट्रांसप्लांट रैकेट का पर्दाफाश किया था। जांच के दौरान पता चला था कि किडनी डोनर से 4 से 5 लाख रुपए में किडनी लेकर उसे 20 से 30 लाख रुपए में बेचा जाता था। मामले में जाने-माने अस्पतालों की एक महिला डॉक्टर समेत 7 लोगों को गिरफ्तार किया गया था। इस रैकेट के तार बांग्लादेश से जुड़े हुए थे।

मध्य प्रदेश में भी सीबीआई को जांच की लेनी होगी अनुमति, गृह विभाग ने अधिसूचना जारी की

भोपाल, 19 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को अब मध्य प्रदेश में भी जांच के लिए राज्य सरकार से अनुमति लेना होगी। राज्य सरकार ने दिल्ली विषय पुलिस स्थापना अधिनियम की धारा-3 की शक्तियों के तहत प्रदेश में जांच को लेकर नोटिफिकेशन जारी किया है। इसके अनुसार सीबीआई को सरकारी अधिकारी कर्मचारियों के अपराधिक मामले की जांच के लिए अनुमति लेने की जरूरत होगी। यह आदेश 1 जुलाई 2024 से प्रभावी हो गया है। इसके अनुसार अब सीबीआई को जांच के लिए राज्य सरकार की लिखित अनुमति लेनी होगी। इसके बाद ही निजी, सरकारी या अन्य लोगों के खिलाफ सीबीआई जांच होगी। बता दें पश्चिम बंगाल की ममता सरकार भी यह व्यवस्था लागू कर चुकी है, जिस पर उच्चतम न्यायालय की मुहर भी लग चुकी है।

बॉम्बे हाई कोर्ट से महाराष्ट्र सरकार को झटका

शिक्षा के अधिकार अधिनियम में संशोधन असंवैधानिक करार

मुंबई, 19 जुलाई (एजेंसियां)। बॉम्बे हाई कोर्ट ने 19 जुलाई को महाराष्ट्र सरकार के उस परिपत्र को रद्द कर दिया, जिसमें सरकारी स्कूलों के एक किलोमीटर के दायरे में आने वाले निजी गैर-सहायता प्राप्त स्कूलों को 25 फीसदी शिक्षा के अधिकार (आरटीई) कोटे के तहत छात्रों को प्रवेश देने से छूट दी गई थी। कोर्ट ने शिक्षा के अधिकार अधिनियम में महाराष्ट्र सरकार के संशोधन को असंवैधानिक करार दिया है। शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई) जो सामाजिक-आर्थिक रूप से पिछड़े, वंचित वर्गों के छात्रों को निजी स्कूलों में 25 प्रतिशत आरक्षित सीटें प्रदान करता है। मुंबई नगर निगम के नगर शिक्षा विभाग के तहत आरटीई मंजूरी के बिना चल रहे 218 निजी गैर-सहायता प्राप्त स्कूलों में से कुल 192 स्कूलों को आरटीई मंजूरी दी गई थी। हालांकि, राज्य सरकार की ओर से जारी अध्यादेश के कारण यह उद्देश्य विफल हो गया। इसके खिलाफ हाई कोर्ट में अपील की मांग की गई। हाई कोर्ट ने निजी, गैर सहायता प्राप्त स्कूलों को आरटीई से बाहर करने के संबंध में राज्य सरकार द्वारा 9 फरवरी को जारी अधिसूचना को चुनौती स्वीकार कर ली थी। हाई कोर्ट ने मई महीने में ही इस नोटिफिकेशन पर रोक लगा दी थी। हालांकि, हाई कोर्ट ने यह भी निर्देश दिया था कि इस दौरान अन्य छात्रों को दिए गए दाखिले प्रभावित नहीं होने चाहिए। राज्य सरकार ने दावा किया था कि आरटीई के कारण सरकारी स्कूलों में छात्रों की संख्या कम हो रही है। हालांकि कोर्ट ने इस दलील को खारिज कर दिया। यहां बता दें, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की सरकार ने आरटीई में संशोधन किया था कि 25 फीसदी दाखिले की शर्त उन स्कूलों पर लागू नहीं होगी, जहां निजी गैर सहायता प्राप्त स्कूलों के 1 किमी के दायरे में सरकारी या सहायता प्राप्त स्कूल हैं। इस संबंध में शिक्षा निदेशक ने दिनांक 15.04.2024 को पत्र जारी किया था।

हावेरी में भारी बारिश के कारण घर की छत गिरने से तीन लोगों की मौत, पूर्व सीएम ने की मुआवजे की मांग

बैंगलूरू, 19 जुलाई (एजेंसियां)। कर्नाटक में हावेरी जिले के सावनूर तालुक के मदापुरा गांव में भारी बारिश के कारण एक घर की छत गिरने से एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत हो गई। मरने वालों में दो बच्चे भी शामिल है। इस हादसे तीन अन्य घायल भी हुए। मृतकों की पहचान 38 वर्षीय चेन्नम्मा, दो जुड़वां बच्चियां अनुश्री और अमूल्या के तौर पर की गई है। इस हादसे पर पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने पीड़ितों के लिए राज्य सरकार से उचित मुआवजे की मांग की। पुलिस के अनुसार, 35 वर्षीय मुत्तप्पा हरकुनी, उनकी 30 वर्षीय सुनीता, 70 वर्षीय मां यल्लम्मा और जुड़वां बेटियां और बहन चेन्नम्मा गांव के कच्चे घर में रह रहे थे।

गुरुवार की शाम को यहां भारी बारिश हुई थी और अगले दिन घर की छत ढह गई। इस घटना के दौरान परिवार वाले सो रहे थे। हावेरी के पुलिस अधीक्षक अंशू कुमार ने कहा कि मुत्तप्पा, उनकी पत्नी और मां को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। उनका फिलहाल इलाज जारी है। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने परिवार के लिए मुख्यमंत्री राहत कोष से उचित मुआवजे की मांग की। बता दें कि बोम्मई हावेरी से लोकसभा सदस्य भी हैं। इस घटना पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि हावेरी जिले में लगातार हो रही बारिश के कार सावनूर तालुक के मदापुरा गांव में एक घर की छत गिरने से दो बच्चों समेत तीन लोगों की मौत हो गई। यह खबर सुनकर बहुत दुख हुआ। इस घटना में अन्य तीन लोग घायल भी हुए हैं। राज्य सरकार को घायलों का उचित इलाज कराना चाहिए।

जगन्नाथ पुरी मंदिर में 46 साल बाद निकला खजाना 4 आलमारियों और 3 संदूकों में भरा था इतना सोना

पुरी, 19 जुलाई (एजेंसियां)। ओडिशा के पुरी में महाप्रभु जगन्नाथ मंदिर के भीतरी रंत्न भंडार में रखे खजाने को गुरुवार को निकाल लिया गया। इस काम के लिए राज्य सरकार की तरफ से 11 सदस्यीय कमेटी का गठन किया गया था। सुबह 9.15 बजे कमेटी के लोग अंदर गए। बता दें कि मंदिर के अंदर से मिले खजाने को अस्थाई स्ट्रॉन्ग रूम में शिफ्ट कर दिया गया है। एएसआई की टीम मंदिर के तहखाने की मरम्मत करेगी। मरम्मत के बाद खजाने को पुराने कमरे में शिफ्ट में किया जाएगा। बता दें कि तीसरे कमरे से 4 आलमारियां और 3 संदूक मिले हैं। जगन्नाथ मंदिर के लिए बनी निगरानी समिति ने मंदिर में और जांच के लिए सरकार को निर्देश देने की सिफारिश की है। पूर्व जस्टिस विश्वनाथ रथ ने सरकार से यह मांग की है ताकि लोगों के भ्रम को दूर किया जा सके।

भगवान जगन्नाथ के मंदिर के पहले कमरे में 3.48 किलोग्राम सोना मिला। दूसरे कमरे में 95.32 किलोग्राम सोना मिला और तीसरे कमरे में 50.6 किलोग्राम सोना मिला। पहले कमरे में 30.35 किलोग्राम चांदी मिला। पहले कमरे में मिले सोने और चांदी का उपयोग अनुष्ठान में किया जाता है। वहीं दूसरे कमरे में 19.48 किलोग्राम चांदी मिला। दूसरे कमरे और सोने चांदी का उपयोग त्योहारों को समय किया जाता है। वहीं तीसरे कमरे में 134.50 किलोग्राम चांदी मिला। तीसरे कमरे में मिले सोने और चांदी का उपयोग आज तक नहीं किया गया है।

रत्नगृह में गई निगरानी समिति को तीसरी कमरे में 6.50एक्स 4 फीट की एक आलमारी और 3एक्स4 फीट की संदूक मिली। अबतक कुल 9 संदूक और 4 आलमारी मिल चुके हैं। बता दें कि जगन्नाथ मंदिर का पहला कक्ष पूजा के लिए रोज खोला जाता है। वहीं दूसरा कक्ष विशेष पूजा के लिए खुलता है, जबकि तीसरा कक्ष पिछले 46 सालों से बंद था। बता दें कि दुनियाभर में बसे करोड़ों हिंदुओं के साथ-साथ देशभर की निगाहें इस जगन्नाथ मंदिर पर टिकी हुई हैं। मंदिर के तीन कमरों के सीरे हीरे, जवाहरात, सोना, चांदी सभी को अस्थाई स्ट्रॉन्ग रूम में शिफ्ट किया जा चुका है।

लोकायुक्त अधिकारियों ने 12 अधिकारियों के यहां की छापेमारी, आय के अज्ञात सोर्स से जुड़ा है मामला

बेंगलूरू, 19 जुलाई (एजेंसियां)। कर्नाटक में शुक्रवार को लोकायुक्त अधिकारियों ने आय के ज्ञात स्रोत से अधिक संपत्ति के मामले में दो नगर आयुक्त समेत 12 सरकारी अधिकारियों के परिसरों पर छापेमारी की। एक लोकायुक्त अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि इनमें से एक निकाय आयुक्त राज्य के एक प्रमुख तटीय शहर में तैनात हैं। अधिकारी के अनुसार, छापेमारी बेंगलुरु, तुमकूर, शिवमोगा, यादगिरी और कलबुर्गी में की गई। उन्होंने बताया, ''अधिकारियों ने आज सुबह 54 स्थानों पर छापेमारी शुरू की, जिसमें 100 से अधिक अधिकारी शामिल थे।''

अलग-अलग अधिकारियों के यहां छापेमारी

अधिकारी ने बताया कि इन्वेस्ट कर्नाटक फोरम, यादगीर जिला पंचायत, पशु चिकित्सा विभाग, बेंगलुरु के हेब्बागोडी, मंगलुरु, श्रम विभाग, वाणिज्यिक कर विभाग, कर्नाटक औद्योगिक क्षेत्र विकास बोर्ड, बागवानी विभाग, और भद्रावती ग्राम पंचायत में तैनात अधिकारियों के परिसरों पर छापेमारी की गई। शुक्रवार को लोकायुक्तों की कार्रवाई कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार को सुप्रीम कोर्ट से झटका लगने के कुछ ही दिनों बाद हुई। दरअसल आय से अधिक संपत्ति मामले में सुप्रीम कोर्ट ने डीके शिवकुमार के खिलाफ सीबीआई की एफआईआर को रद्द करने से इनकार कर दिया था। शिवकुमार ने सीबीआई द्वारा दर्ज आय से अधइक संपत्ति मामले को रद्द करने की मांग की थी।

क्या है पूरा मामला?

दरअसल सुप्रीम कोर्ट डीके शिवकुमार द्वारा दायर एकयाचिका पर सुनवाई कर रहा था, जिसमें कर्नाटक उच्च न्यायालय के 19 अक्तूबर 2023 के आदेश को चुनौती दी गई थी, जिसने उनकी याचिका को खारिज कर दिया था। उच्च न्यायालय ने सीबीआई को अपनी जांच पूरी करने और तीन महीने के भीतर एक रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया था। सीबीआई ने आरोप लगाया है कि शिवकुमार ने पिछली कांग्रेस सरकार में मंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान 2013 से 2018 के बीच अपनी आय के ज्ञात स्त्रोतों से अधिक संपत्ति अर्जित की है। सीबीआई ने 3 सितंबर 2020 को एफआईआर दर्ज की थी और शिवकुमार ने इसे 19 अक्तूबर 2023 को उच्च न्यायालय में चुनौती दी थी।

तालाब पर पानी पी रहे बकरे का मगरमच्छ ने किया शिकार, वन विभाग ने लगाई जाने पर पाबंदी

दमोह, 19 जुलाई (एजेंसियां)। दमोह जिले में इस समय मगरमच्छ का आतंक है। आए दिन लोगों पर हमले हो रहे हैं। गुरुवार को दमोह के मुड़ारी राजघाट गांव में बस्ती के पास बने एक तालाब में मगरमच्छ आ गया है। मगरमच्छ ने पानी पीने गए बकरियों के झुंड पर हमला बोल दिया। एक बकरे को जबड़े में जकड़ लिया। चरवाहे के चिल्लाने और पथराव करने से मगरमच्छ बकरे को छोड़कर तालाब के पानी में चला गया। हालांकि, थोड़ी देर बाद बकरे की मौत होने गई। डिप्टी रेंजर नेक नारायण खरे ने कहा कि बस्ती के समीप स्थित तालाब में मगरमच्छ ने बकरे पर हमला किया था। ग्राम मुंडारी निवासी गजराज बंसल ने बताया कि बकरी चराने के लिए मेरी मां गई हुई थी। दोपहर में गाव के पास बने तालाब में बकरियों को पानी पिलाने तालाब में ले गई थी। अचानक से मगरमच्छ ने बकरे पर हमला बोल दिया। चिल्लाने और पथराव की वजह से बकरे को छोड़कर मगरमच्छ तालाब के पानी में चला गया। बताया जाता है

चिकलोद जंगल में मिला बाघ का कंकाल शिकार के आरोप में 5 संदिग्ध हिरासत में

भोपाल, 19 जुलाई (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश में बाघों के मौत का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। राजधानी भोपाल से 35 किलोमीटर दूर चिकलोद के जंगल में एक बाघ का कंकाल मिला था। ये कंकाल करीब 10 से 12 दिन पुराना बताया गया है। इस मामले के संबंध में वन विभाग की स्पेशल टास्क फोर्स ने 5 संदिग्धों को हिरासत में लिया है। जानकारी के मुताबिक पांचों संदिग्ध मुरारी गांव के रहने वाले हैं। औबेदुल्लागंज डीएफओ (डिस्ट्रिक्ट फॉरेस्ट ऑफिसर) हेमंत रायकवार के अनुसार बाघ के कंकाल के पास 5 संदिग्ध दिखें थे, जिन्हें फिलहाल हिरासत में ले लिया गया है।

स्पेशल टास्क फोर्स इनसे पूछताछ कर रही हैं। बता दें कि चिकलोद के जंगल में अमला बीते दो दिनों से बाघ की तलाश कर रहा था। सर्च के दौरान रविवार को वन अमले को बाघ का कंकाल मिला।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सुविचार: प्रण को तोड़ने से पुण्य नष्ट हो जाते हैं।

अपराधियों को बख्शा नहीं जाएगा

राचकोंडा सीपी सुधीर बाबू ने दी चेतावनी

विवाहित महिला की हत्या के मामले में पति को आजीवन कारावास

हैदराबाद, 19 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पहाड़ी शरीफ में दर्ज एक घटना में एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी को बार-बार परेशान करने के बाद गुस्से में आकर उसकी हत्या कर दी, पहाड़ी शरीफ पुलिस स्टेशन में धारा 498(ए), 302 आईपीसी, एससी नंबर 779/2017 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। एल.बी. नगर रंगारेड्डी जिला द्वितीय एडीजे कोर्ट ने मुख्य आरोपी मुहम्मद नसीरुद्दीन उर्फ फहादुद्दीन निवासी मुस्तफा मस्जिद के पास, वादी-ए-मुस्तफा कॉलोनी, जलपल्ली गांव, सरुनगर, आरोपी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई और एक हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया।

गलतफहमी के कारण हुई हत्या :

एक निर्दोष महिला ने अपने पति की क्रूरता के कारण अपनी जान गंवा दी, जबकि पति-पत्नी को एक-दूसरे के साथ रहकर अपनी मुश्किलें और खुशियां साझा करनी थीं। मानसिक और शारीरिक रूप से अपरिपक्व उम्र में होने वाले प्रेम विवाह में दंपत्ति के बीच गलतफहमियों के कारण होने वाली दुर्घटनाओं में पति अपना विवेक खो देता है और पत्नी एक हमले में अपनी जान गंवा देती है।

डिग्री की पढ़ाई के साथ-साथ पार्ट टाइम शिक्षिका के रूप में काम कर रही और अपने माता-पिता के साथ रह रही सलमा नामक युवती का जीवन उसकी शादी के पांच महीने बाद ही अप्रत्याशित रूप से समाप्त हो गया। मुहम्मद नसीरुद्दीन, जिस पति को अपनी पत्नी का हर तरह से साथ देना था, जो उस पर विश्वास करती थी, उसने शादी के कुछ दिनों बाद ही अपनी पत्नी को शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित करना शुरू कर दिया और अक्सर उसके साथ मारपीट करता था। शुरू में तो दोनों परिवारों के मुखिया आपस में झगड़ते थे। लेकिन जैसे-जैसे दिन बीतते गए, पति की क्रूरता ने आखिरकार महिला की जान ले ली।

एक दिन पति फहादुद्दीन ने गुस्से में आकर अपनी पत्नी की गला दबाकर हत्या कर दी। महिला के भाई की शिकायत पर पहाड़ी शरीफ पुलिस ने सभी कोणों से मामले की जांच की और हत्या की शिकार महिला के परिवार वालों और गवाहों के बयान दर्ज किए। न्यायालय में प्रस्तुत साक्ष्यों की जांच के पश्चात न्यायालय ने आरोपी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई तथा एक रुपए का जुर्माना लगाया।

गलती नजरअंदाज नहीं किया जा सकता :

कमिश्नर सुधीर बाबू ने चेतावनी दी है कि महिलाओं के विरूद्ध अपराध एवं उत्पीड़न करने वालों को नजरअंदाज नहीं किया जाएगा तथा उनके विरूद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि हम राचकोंडा में सभी प्रकार के अपराधों में निष्पक्ष एवं त्वरित जांच के माध्यम से अपराधियों को अधिकतम सजा दिलाने के लिए काम कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि अपराधों को नियंत्रण में रखने के लिए सभी प्रकार के कानूनी सुरक्षा उपाय किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि राचकोंडा के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के कुशल कार्य के कारण सजा दर में वृद्धि हो रही है तथा अपराध दर में धीरे-धीरे कमी आ रही है।

सीसीएस एलबीनगर टीम भविष्य में भी अच्छा प्रदर्शन करें : सुधीर बाबू

हैदराबाद, 19 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हाल ही में सीसीएस एलबी नगर रेंज में तीन स्नैचिंग के मामले दर्ज किए गए हैं, जिनमें बीएनएस एलबी नगर पुलिस स्टेशन, वनस्थलीपुरम पुलिस स्टेशन और सरूर नगर शामिल हैं। इन मामलों में पुलिस स्टेशन अधिकारियों ने बहुत ही कुशलता से काम किया और 24 घंटे के भीतर अपराधी को पकड़ लिया। श्रीनिवास, सीसीएस इंस्पेक्टर, एस. राज कुमार, पीसी, एम. शांति स्वरूप, पीसी, एस. श्रीनिवास, पीसी को आज नरेडमेट स्थित कार्यालय में डीसीपी क्राइम अरविंद बाबू के साथ कमिश्नर सुधीर बाबू द्वारा पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

पिछड़ा वर्ग जनगणना के बाद होंगे पंचायत चुनाव : पोंगुलेटी

करीमनगर, 19 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्व एवं आवास मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने जानकारी दी है कि पिछड़ा वर्ग जनगणना के बाद तेलंगाना में पंचायत चुनाव होंगे। मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार चारदीवारी के भीतर निर्णय नहीं लेगी और वह लोगों की राय के अनुसार काम कर रही है। शुक्रवार को यहां मीडिया से बात करते हुए पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने आरोप लगाया कि पिछली बीआरएस सरकार ने केंद्र से झगड़ा किया था और राज्य को धन लाने में विफल रही थी। पोंगुलेटी ने आरोप लगाया, तेलंगाना के 30 प्रतिशत गांवों तक बहुप्रचारित मिशन भागीरथ जल योजना अभी तक नहीं पहुंच पाई है। पिछले दस वर्षों के दौरान हजारों करोड़ रुपये के सार्वजनिक धन का दुरूपयोग किया गया है। बीआरएस नेताओं ने सबसे युवा राज्य तेलंगाना को बर्बाद कर दिया है और बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार किया है। पिछली सरकार ने कभी भी केंद्र सरकार से विभिन्न योजनाओं के तहत धन नहीं मांगा और राज्य के हितों की रक्षा करने में विफल रही। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार जल्द ही धरणी अधिनियम में संशोधन करने जा रही है, जिससे आम आदमी को पानी सुलभ हो सके।

टीजी सरकार ने एचवाईडीआरएए के गठन के लिए आदेश जारी किए

हैदराबाद, 19 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार ने शुक्रवार को हैदराबाद आपदा प्रतिक्रिया और संपत्ति संरक्षण एजेंसी (एचवाईडीआरएए) के गठन के लिए तौर-तरीके जारी करते हुए एक आदेश जारी किया। मुख्य सचिव शांति कुमारी द्वारा जारी सरकारी आदेश के अनुसार, राज्य सरकार ने हैदराबाद आपदा प्रतिक्रिया और संपत्ति संरक्षण एजेंसी (एचवाईडीआरएए) नामक एक समर्पित संगठन बनाया है, जो शहरी आपदाओं की तैयारी और रोकथाम के उपायों की योजना बनाने, आयोजन, समन्वय और कार्यान्वयन के लिए एक समर्पित एजेंसी होगी, जो क्षेत्र में उत्पन्न होने वाली किसी भी आपदा की स्थिति या आपदा में त्वरित प्रतिक्रिया और बचाव कार्यों के लिए अन्य राज्य और राष्ट्रीय एजेंसियों के साथ समन्वय करेगी।

एचवाईडीआरएए आयुक्त आपदा प्रबंधन, संपत्ति संरक्षण, प्रवर्तन और सरकार द्वारा समय-समय पर सौंपी गई अन्य जिम्मेदारियों से संबंधित जिम्मेदारियों का निर्वहन करेंगे। संगठनात्मक संरचना: एचवाईडीआरएए, एम एंड डी विभाग के अंतर्गत एक अलग विभागाध्यक्ष (एचओडी) होगा और एचवाईडीआरएए के आयुक्त, जो सरकार के सचिव के पद से नीचे का वरिष्ठ अधिकारी नहीं होगा, सरकार के प्रधान सचिव एम एंड यूडीविभाग के समग्र पर्यवेक्षण और मार्गदर्शन में कार्य करेगा। क्षेत्राधिकार: एचवाईडीआरएए के क्षेत्राधिकार में जीएचएमसी का संपूर्ण क्षेत्र और ओआरआरतक के सभी यूएलबी और आरएलबी और कोई भी क्षेत्र शामिल होगा जिसे सरकार द्वारा भविष्य में समय-समय पर विशेष रूप से शामिल या बाहर रखा जा सकता है। तदनुसार, एचवाईडीआरएए में एसेट प्रोटेक्शन विंग, डिजास्टर मैनेजमेंट विंग और लॉजिस्टिकल सपोर्ट विंग शामिल होंगे और एचवाईडीआरएए के तीनों विंग की भूमिकाओं और जिम्मेदारियों की एक सांकेतिक सूची नीचे दी गई है। जब भी एचवाईडीआरएए को अन्य प्रासंगिक प्राधिकरणों में निहित दंडात्मक या नियामक शक्तियों का प्रयोग करने की आवश्यकता होती है, एचवाईडीआरएए ऐसे प्राधिकरणों के साथ समन्वय और कार्य कर सकता है या प्रासंगिक अधिनियमों/नियमों के तहत स्थापित प्रक्रिया के अनुसार एचवाईडीआरएए को प्रासंगिक शक्तियां और जिम्मेदारियां सौंप सकता है।

कौशल विश्वविद्यालय के लिए मसौदा योजना तैयार करें : सीएम रेवंत ने अधिकारियों को निर्देश दिया

हैदराबाद, 19 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने अधिकारियों को दिल्ली और हरियाणा राज्यों की तर्ज पर तेलंगाना में एक कौशल विश्वविद्यालय के लिए मसौदा तैयार करने का निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री ने उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क के साथ शुक्रवार को यहां सचिवालय में कौशल विश्वविद्यालय पर अधिकारियों के साथ बैठक की। राज्य सरकार आगामी विधानसभा सत्र में ही तेलंगाना कौशल विश्वविद्यालय विधेयक पेश करने की योजना बना रही है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री दोनों ने मसौदे में कई सुझाव दिए। अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को प्रस्तावित विश्वविद्यालय में प्रमाणन पाठ्यक्रम और डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के बारे में विस्तार से बताया। मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालय के संगठनात्मक ढांचे पर भी कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए और अधिकारियों से मांग वाले पाठ्यक्रमों पर अधिक ध्यान केंद्रित करने को कहा। प्रशिक्षण पूरा करने वाले छात्रों को नौकरी और रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए योजनाएं तैयार की जानी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को विभिन्न कंपनियों के साथ इस मामले पर पहले से चर्चा करने और कौशल विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए धन पर समझौता नहीं करने का सुझाव दिया।

66 एचसी एएसआई के रूप में पदोन्नत

हैदराबाद, 19 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। आईजीपी मल्टीजोन-II वी. सत्यनारायण ने चारमीनार जोन में बड़े पैमाने पर 66 एचसी को सहायक उपनिरीक्षक (एएसआई) के रूप में पदोन्नत किया है। मल्टीजोन-II आईजीपी श्री वी. सत्यनारायण ने कहा कि चारमीनार जोन-VI में कुल 66 हेड कांस्टेबल को सिविल एएसआई के रूप में पदोन्नत किया गया है।

बताया गया है कि ये पदोन्नतियां हेड कांस्टेबल से एएसआई के पद पर पदोन्नति के लिए चारमीनार जोन के अंतर्गत हैदराबाद, साइबराबाद, विकाराबाद और संगारेड्डी से प्राप्त प्रस्तावों के आधार पर की गई हैं।

मौजूदा एएसआई रिक्तियों में से 66 हेड कांस्टेबल की पदोन्नति के लिए आदेश जारी किए गए हैं। ये पदोन्नतियां तदर्थ आधार पर की जा रही हैं और सरकारी नियमों के अनुसार स्वीकृत की जाएंगी।

वैश्विक माइक्रोसॉफ्ट क्लाउड आउटेज के बीच मंत्री ने यात्रियों की भलाई सुनिश्चित की

हैदराबाद, 19 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। वैश्विक माइक्रोसॉफ्ट क्लाउड आउटेज के कारण, भारतीय हवाई अड्डों को अप्रत्याशित देरी का सामना करना पड़ रहा है। नागरिक उड्डयन मंत्री राममोहन नायुडू ने यात्रियों को आश्वासन दिया कि मंत्रालय और भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) न्यूनतम व्यवधान सुनिश्चित करने के लिए मैनुअल तरीकों का उपयोग करके स्थिति को सक्रिय रूप से प्रबंधित कर रहे हैं। मंत्री नायडू ने कहा, मैंने हवाईअड्डा अधिकारियों और एयरलाइनों को निर्देश दिया है कि वे देरी से प्रभावित यात्रियों के लिए दयालु बनें और अतिरिक्त बैठने की जगह, पानी और भोजन उपलब्ध कराएं। हम आपकी चिंताओं को समझते हैं और आपकी सुरक्षित और तेज यात्रा सुनिश्चित करने के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं। आपके धैर्य और सहयोग की बहुत सराहना की जाती है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने एएआई के सहयोग से परिचालन निरंतरता बनाए रखने के लिए मैनुअल बैकअप सिस्टम लागू किया है। यात्रियों को सलाह दी जाती है कि वे व्यवधान की इस अवधि के दौरान हवाईअड्डा कर्मचारियों के साथ सहयोग करें। मंत्रालय असुविधा को कम करने और सभी यात्रियों की भलाई सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

टर्मिनल संचालन टीम यात्रियों को कम से कम व्यवधान और असुविधा सुनिश्चित करने के लिए एयरलाइंस और केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के साथ मिलकर काम कर रही है। इसके अतिरिक्त, नागरिक उड्डयन महानिदेशालय सभी सुरक्षा और प्रक्रियात्मक उपायों को सुनिश्चित करने के लिए एयरलाइंस के साथ स्थिति की बारीकी से निगरानी कर रहा है।

मंत्री नायुडू ने यात्रियों के साथ संचार बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया, हमने सभी एयरलाइंस और हवाईअड्डा अधिकारियों को यात्रियों को उनकी उड़ान की स्थिति के बारे में सूचित रखने और आवश्यक सहायता प्रदान करने का निर्देश दिया है। अतिरिक्त उपायों में बेहतर संचार शामिल है: यात्रियों को सूचित रखने के लिए उड़ान की स्थिति पर नियमित अपडेट प्रदान किए जाएंगे, बढ़ी हुई सहायता: यात्रियों की सहायता करने और उनकी चिंताओं को दूर करने के लिए अतिरिक्त कर्मचारी तैनात किए गए हैं।

टीजी सरकार ग्रुप-2 परीक्षा स्थगित करने की योजना बना रही है

हैदराबाद, 19 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार ने ग्रुप 2 परीक्षा स्थगित करने के प्रस्ताव पर विचार करने का फैसला किया है और संबंधित अधिकारियों को दिसंबर महीने के आखिरी सप्ताह में परीक्षा आयोजित करने के विकल्प तलाशने का निर्देश दिया है।

उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने शुक्रवार को यहां सचिवालय में ग्रुप-2 के उम्मीदवारों के साथ बैठक की। बैठक के दौरान, उपमुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि वह दिसंबर में ग्रुप-2 परीक्षा पर विचार करने के प्रस्ताव पर विचार करेंगे और आदेश दिया। तेलंगाना राज्य लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष महेंद्र रेड्डी को मामले की जांच करने के लिए। उन्होंने यह भी बताया कि राज्य सरकार जल्द ही नौकरी कैलेंडर की घोषणा करेगी और बिना किसी ओवरलैपिंग के प्रतियोगी परीक्षाएं आयोजित करेगी। पिछली बीआरएस सरकार पिछले दस वर्षों के दौरान नौकरियों को भरने में विफल रही और नौकरी की अधिसूचनाओं में बेरोजगार युवाओं की उपेक्षा की। मैंने सीएलपी नेता के रूप में और रेवंत रेड्डी ने पीसीसी अध्यक्ष के रूप में नौकरी की अधिसूचनाओं के मुद्दे को हमारी पार्टी के चुनावी एजेंडे के रूप में बनाया था। राज्य सरकार सभी रिक्त पदों पर भर्ती करने और बेरोजगार युवाओं के साथ न्याय करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने आगे कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले उम्मीदवारों के लिए जल्द ही हर विधानसभा क्षेत्र में अंबेडकर ज्ञान केंद्र खोले जा रहे हैं। हम उन्नत तकनीक के साथ अंबेडकर ज्ञान केंद्र स्थापित कर रहे हैं। नौकरी के इच्छुक उम्मीदवारों को प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए ऑनलाइन कोचिंग की पेशकश की जाती है। उपमुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि वे नौकरी के इच्छुक उम्मीदवारों की समस्याओं पर गौर करेंगे और मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के साथ चर्चा करने के बाद सभी का समाधान करेंगे।

डीईओ ने अपनी जान को बताया खतरा, मांगी सुरक्षा

निजामाबाद, 19 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। निजामाबाद जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) दुर्गाप्रसाद ने पुलिस सुरक्षा की मांग करते हुए दावा किया है कि कुछ शिक्षकों से उनकी जान को खतरा है। अपनी शिकायत में डीईओ ने दावा किया कि उन्हें सेवानिवृत्त शिक्षक शांतन और स्कूल सहायक बलय्या तथा ओमाजी से खतरा है, जो क्रमशः सिरिकोंडा मंडल के जेडपीएचएस रौतला और नंदीपेट मंडल के जेडपीएचएस वेलमाल में कार्यरत हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि तीनों ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से उन्हें मानसिक तनाव में डाला। डीईओ ने कहा कि अगर उन्हें या उनके परिवार के सदस्यों को कुछ हुआ तो इसके लिए ये तीनों व्यक्ति जिम्मेदार होंगे। उन्होंने पुलिस से सुरक्षा प्रदान करने की अपील की है।

शिक्षकों का आरोप है कि डीईओ ने प्रगतिशील मान्यता प्राप्त शिक्षक संघ (पीआरटीयू) के कुछ नेताओं के साथ मिलकर शिक्षकों के तबादलों में अनियमितताएं की हैं, इसलिए अधिकारियों का ध्यान भटकाने के लिए डीईओ झूठे दावे कर रहे हैं और शिक्षकों को निशाना बना रहे हैं। पता चला कि शिक्षकों और सेवानिवृत्त शिक्षकों ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर दुर्गाप्रसाद पर अनियमितताओं में लिप्त होने के संबंध में टिप्पणियां पोस्ट की हैं। यह पोस्ट शिक्षकों और अन्य स्थानीय समूहों में घूम रही है। शिक्षकों ने दावा किया कि सोशल मीडिया पोस्ट ने कथित तौर पर डीईओ की छवि को बहुत नुकसान पहुंचाया है, इसलिए इसका मुकाबला करने के लिए वह यह नाटक कर रहे हैं कि उनकी जान को खतरा है।

डीसीए के अधिकारियों ने महंगी एंटीफंगल दवाइयां जब्त की

हैदराबाद, 19 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। औषधि नियंत्रण प्रशासन, तेलंगाना ने जयशंकर भूपलपल्ली जिले के भूपलपल्ली मंडल के कोम्पल्ले गांव में महंगी एंटीफंगल दवा 'इट्राकार-200 कैप्सूल' (इट्राकोनाजोल कैप्सूल 200 मिलीग्राम) जब्त की। केंद्र सरकार द्वारा उत्पाद के लिए तय की गई अधिकतम खुदरा कीमत की तुलना में दर्शाया गया एमआरपी बहुत अधिक है। अलग-अलग घटनाओं में, औषधि नियंत्रण प्रशासन ने भ्रामक विज्ञापनों के कारण कुछ दवाएं जब्त कीं। त्रिफला टैबलेट, एक आयुर्वेदिक दवा, जिसका दावा है कि वह 'ट्यूमर' और 'मधुमेह' का इलाज करती है। डी-को-डी टैबलेट, एक सिद्ध दवा, जिसका दावा है कि वह 'मधुमेह' का इलाज करती है।

जयशंकर भूपलपल्ली जिले के भूपलपल्ली मंडल के कोम्पल्ले गांव में अधिक कीमत पर बिक रहे 'इट्राकार-200 कैप्सूल' (इट्राकोनाजोल कैप्सूल 200 मिलीग्राम) भी जब्त किए गए। 18 और 19 जुलाई को की गई

छापेमारी के दौरान, डीसीए अधिकारियों ने जयशंकर भूपलपल्ली जिले के भूपलपल्ली मंडल के कोम्पल्ले गांव में स्थित एक मेडिकल दुकान से 'इट्राकार-200 कैप्सूल' (इट्राकोनाजोल कैप्सूल 200 मिलीग्राम) जब्त किया।

'इट्राकार-200 कैप्सूल' ब्रांड नाम से बेचे जाने वाले उत्पाद इट्राकोनाजोल कैप्सूल 200 मिलीग्राम औषधि (मूल्य नियंत्रण) आदेश, 2013 के अनुसार मूल्य नियंत्रण के अधीन हैं और उत्पाद की कीमत राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए), भारत सरकार द्वारा निर्धारित 'सीलिंग मूल्य' के अनुसार होगी। उत्पाद 'इट्राकार-200 कैप्सूल' (इट्राकोनाजोल कैप्सूल 200 मिग्रा) बी.नं.: आईटीआर.230101, विनिर्माण दिनांक: 05/2023, समाप्ति दिनांक: 04/2025, निर्माता: कार्टेल लैबोरेटरीज, प्लॉट नं. 10/ए और 11/ए, चेगीचेरला, मेडचल- मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना के लेबल पर 4 कैप्सूल के लिए 150/- रुपये यानी एक कैप्सूल के लिए 37.50/- रुपये एमआरपी अंकित है, जो कि औषधि (मूल्य नियंत्रण) आदेश, 2013 का उल्लंघन है। उत्पाद इट्राकोनाजोल कैप्सूल 200 मिग्रा के लिए थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) सहित केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित अधिकतम मूल्य एक कैप्सूल के लिए 22.12 रुपये (अधिकतम मूल्य) है।

इसलिए, अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) यानी जीएसटी 127 सहित एक कैप्सूल के लिए 24.77 रुपये से अधिक नहीं होना चाहिए (एमआरपी=सीलिंग प्राइस+जीएसटी) फर्म ने उत्पाद की कीमत बढ़ा दी। फर्म ने 4 कैप्सूल के लिए 51 रुपये से अधिक कीमत ली, जो ड्रग्स (मूल्य नियंत्रण) आदेश, 2013 का उल्लंघन है। पी. पवनी, ड्रग्स इंस्पेक्टर, भूपलपल्ली ने डॉ. जी. राज्यलक्ष्मी, सहायक निदेशक, वारंगल की देखरेख में छापेमारी की।

संपूर्णता अभियान तत्वों के विकास पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए : अपर कलेक्टर

आसिफाबाद, 19 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जिला अपर कलेक्टर दीपक तिवारी ने कहा कि नीति आयोग के संपूर्णता अभियान कार्यक्रम के तहत विकास के मुद्दों पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए।

शुक्रवार को एकीकृत जिला समाहरणालय सभाकक्ष में संपूर्ण अभियान कार्यक्रम में तरियानी प्रखंड अंतर्गत शिक्षा, चिकित्सा, कृषि, स्वास्थ्य, बाल कल्याण एवं सड़क विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर संबंधित पदाधिकारियों के साथ समीक्षा की गयी।

अपर कलेक्टर ने कहा कि गर्भवती महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य का ख्याल रखा जाये और सुदूरवर्ती गांवों तक भी चिकित्सा सेवा पहुंचाने के लिए उचित कदम उठाये जाएं।

गर्भवती महिलाओं, शिशुओं, किशोरियों और बच्चों को आंगनबाड़ियों के माध्यम से समय पर पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया जाए और विशेष मानसून के दौरान स्वास्थ्य समस्याओं से बचाव के लिए सावधानियां बरती जाएं।

उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र के विकास के तहत किसानों को फसल उगाने के लिए आवश्यक तकनीक उपलब्ध कराने के साथ-साथ प्रतिबंधित उर्वरकों और नकली बीजों पर नियंत्रण के उपाय किये जाने चाहिए। सरकारी स्कूलों में विद्यार्थियों को बिना किसी परेशानी के पूरी सुविधाएं मिलनी चाहिए, गांवों में आंतरिक सड़कों और नालियों के निर्माण के लिए उचित कदम उठाए जाने चाहिए और आदिवासियों के कल्याण पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए।

CLASSIFIEDS

FLAT FOR SALE

Brand new premium 3-bedroom east-facing flat, 2284 sq ft, perfectly aligned with vastu , available for immediate occupancy in Somajiguda. Ph:8106287873/9963814987

चाहिए

लायन्स सेकूरिटी सिकन्दराबाद को तुरन्त अनुभवी फील्ड आफिसर्स और आपरेशन्स मैनेजर चाहिए। अच्छी पगार के साथ अन्य फायदे। ज्यादा जानकारी के लिये सेल न. 6303887220 पर सम्पर्क करे।

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

NOTICE FOR REGISTRATION OF NEW POLITICAL PARTY

(Published as Per the directions of Telangana State Election Commission)

Dated: 19-07-2024

Notice is hereby given to the general public that Shri. **K. Shiva Kumar,** President intends to register a political party without reserved symbol with the State Election Commission, Telangana, under the name and style of **YUGA THULASI PARTY** with location of its head office **H.No.5-9-296, Flat No.310, Prasad Apartment, Gunfoundry, Abids, Hyderabad 500001 Telangana.** Under the Registration of Political Parties and Allotment of Symbols order 2018. The main office bearers of the party are **1. Sri K.Laxmaiah** Vice-President, **2. Smt. K.Shailaja** General Secretary, **3. Sri. J.Ramesh** Treasurer. Objections, if any for such registration from the general public shall be sent to the secretary State Election Commission, Telangana, 1st Floor, DTCP Building, Opp: PTI Building, A.C.Guards, Hyderabad-500004 within 15days from the date of publication of this notice. If no objections are received within the time stipulated the commission will process to register **YUGA THULASI PARTY** as a political party to contest elections to Local Bodies (Sthanika Samsthalu) held on party basis in Telangana State.

K. SHIVA KUMAR
President
YUGA THULASI PARTY

गोंडा ट्रेन हादसे के बाद

उठी कवच सिस्टम लागू करने की मांग सुप्रीम कोर्ट में दाखिल की याचिका

गोंडा, 19 जुलाई (एजेंसियां)। गुरुवार 18 जुलाई को गोंडा जिले में बड़ा हादसा हुआ। चंडीगढ़ से डिब्रूगढ़ जा रही 15904 डिब्रूगढ़ एक्सप्रेस ट्रेन पटरी से उतर गई। ट्रेन के 10 कोच पटरी से उतर गए। इस हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई और 27 लोग घायल हो गए हैं। इस घटना के बाद से ही कवच सिस्टम को भारतीय रेल यात्रियों की सुरक्षा के मद्देनजर लागू करने की मांग उठने लगी, जो कि सुप्रीम कोर्ट तक पहुंची। ट्रेन का डिरेल होने का यह कोई पहला हादसा नहीं है, इससे पहले भी ऐसे हादसे देखें गए हैं, जिसके बाद कवच सिस्टम को लेकर सुप्रीम कोर्ट से रिटायर्ड जज के नेतृत्व में एक विशेषग्य समिति बनाकर पूरे देश में रेल यात्रियों के जान माल की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग उठाई जा रही है।

क्या होता है कवच सिस्टम

कवच एक ऑटोमेटिक ट्रेन प्रोटेक्शन सिस्टम है, जिसे भारतीय रेलवे ने आरडीएसओ के जरिए विकसित किया है। कवच सिस्टम पर रेलवे ने साल 2012 में काम करना शुरू किया था। कवच टेक्नोलॉजी इस तरह काम करती है कि ट्रेन आपस में न भिड़े, ट्रेनों को आपस में भिड़ने से रोका जाए। इस तकनीक में अगर ट्रेन सिग्नल को जंप कर देती है तो वो खुद रुक जाती है। हालांकि यह सिस्टम अभी सभी ट्रेनों तक नहीं पहुंच पाया है।

ओडिशा हादसे के बाद उठी मांग

ओडिशा में पिछले साल ऐसा ही एक हादसा सामने आया था जहां बालासोर में ट्रेन पटरी से उतर गई थी। ओडिशा में हुई दुर्घटना के बाद कवच सिस्टम लागू करने की याचिका का सुप्रीम कोर्ट ने अप्रैल, 2024 में तब निपटारा कर दिया था, जब रेलवे ने सुप्रीम कोर्ट में कवच सिस्टम को लागू करने समेत अन्य कदम उठाने का हवाला दिया था।

सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल

याचिका में पिछले साल हुए ओडिशा हादसे के बाद भी सामने आई रेल दुर्घटनाओं और यात्रियों की जान माल का हवाला देते हुए सुप्रीम कोर्ट से इस मामले में हस्तक्षेप करने की मांग की गई है। याचिकाकर्ता और अधिवक्ता ने सुप्रीम कोर्ट में आश्वासन के बावजूद रेलवे कि ओर से कवच सिस्टम लागू करने और यात्रियों कि जानमाल के मद्देनजर कदम उठाने में देरी को याचिका में आधार बनाया है। कवच सिस्टम को लेकर जून में निपटायी गई याचिका का हवाला देते हुए समान मुद्दे पर दाखिल याचिका पर जल्द सुनवाई कर उचित आदेश जारी करने की मांग सर्वोच्च अदालत से की गई है।

अस्पताल में कुत्तों-चूहों का हाई कोर्ट ने लिया संज्ञान

एक सप्ताह में मांगी रिपोर्ट

प्रयागराज, 19 जुलाई (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने प्रयागराज मंडल में सबसे बड़े चिकित्सालय स्वरूपरानी नेहरू (एसआरएन) अस्पताल की हालत का निरीक्षण करने के लिए दो वकीलों की टीम नियुक्त कर उनसे एक सप्ताह में रिपोर्ट मांगी है। एसआरएन अस्पताल में आवारा कुत्तों-चूहों के आतंक से मरीज और उनके तीमारदार परेशान हैं। वार्डों में कुत्ते टहलते हैं। चूहे सरकारी दवाई के साथ-साथ मरीजों का रखा सामान खा जाते हैं। ऐसी खबरों को लेकर इलाहाबाद हाई कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लेते हुए जनहित याचिका कायम की है। न्यायमूर्ति एमके गुप्ता तथा न्यायमूर्ति मनीष कुमार निगम की खंडपीठ ने इस याचिका की सुनवाई करते हुए राज्य सरकार के दो वकीलों को मोतीलाल नेहरू मेडिकल कालेज के इस अस्पताल में जाकर निरीक्षण करने और कोर्ट में रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया। अपर मुख्य स्थायी अधिवक्ता एके गोयल और स्थायी अधिवक्ता नीरज कुमार कोर्ट के निर्देश के तत्काल अस्पताल पहुंचे और निरीक्षण किया। इस केस में मेडिकल कालेज की तरफ से एक हलफनामा दाखिल किया गया है, जो सुनवाई के दौरान रिकार्ड पर उपलब्ध नहीं था। बता दें, एसआरएन अस्पताल में इलाज के लिए मप्र के रीवा -सिंगरौली तक से मरीज आते हैं। मरीज और उनके तीमारदार की आमतौर पर शिकायत यही रहती है कि डाक्टरों के साथ-साथ पैरा मेडिकल स्टाफ का व्यवहार रूखा रहता है।

कंस्ट्रक्शन कंपनी एसपी सिंगला के ठिकानों पर ईडी की रेड

पटना से दिल्ली तक खंगाले जा रहे दस्तावेज

पटना, 19 जुलाई (एजेंसियां)। विवादों में रही कंस्ट्रक्शन कंपनी एसपी सिंगला के ठिकानों पर ईडी की रेड चल रही है। सुबह-सुबह ईडी की छापेमारी से हड़कंप मच गया है। पटना से लेकर दिल्ली तक के कई ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की खबर है। ईडी ने एक बार फिर मनी लॉन्ड्रिंग केस में यह छापेमारी की है। विवादों में रही एसपी सिंगला कंस्ट्रक्शन कंपनी के ठिकानों पर ईडी की टीम दस्तावेजों को खंगाल रही है। मिली जानकारी के अनुसार मनी लॉन्ड्रिंग की शिकायत पर प्रवर्तन निदेशालय की टीमें एसपी सिंगला कंस्ट्रक्शन कंपनी के ठिकानों पर शुक्रवार की सुबह-सुबह दबिश दी है। पटना के अलावा दिल्ली में भी कंपनी के ठिकानों पर रेड चल रही है। कंपनी के क्षेत्रीय कार्यालय समेत प्रोजेक्ट कार्यालयों में भी छापेमारी चल रही हैं। ईडी की टीम ठिकानों पर दस्तावेजों की खोल और पड़ताल कर रही है।

पुल हादसे के बाद लगे थे कई आरोप

एसपी सिंगला कंस्ट्रक्शन कंपनी बिहार के भागलपुर के सुल्तानगंज में अगुआनी पुल का निर्माण सिहत कई परियाजना पर काम कर रही है। अगुआनी घाट पर निर्माणाधीन पुल का एक हिस्सा गिरने के बाद यह कंपनी चर्चा में रही थी। इस घटना को लेकर खूब हंगामा हुआ था। अगुवानी पुल का निर्माण कर रही एसपी सिंगला कंपनी के ऊपर की गंभीर आरोप भी लगे थे।

बीपीएससी जल्द जारी करेगा टीआरई-1 का सप्लीमेंट्री रिजल्ट

पटना एचसी ने दिया आदेश; अभ्यर्थियों में खुशी की लहर

पटना, 19 जुलाई (एजेंसियां)। पटना हाईकोर्ट ने शिक्षक भर्ती परीक्षा (प्रथम चरण) को लेकर बड़ा फैसला सुनाते हुए बीपीएससी को टीआरई-1 का पूरक परिणाम जारी करने का आदेश दिया है । न्यायाधीश नानी तागिया ने धीरेंद्र कुमार समेत 100 अन्य याचिकाकर्ताओं की याचिका पर सुनवाई कर निर्णय सुरक्षित रखा था, जिसे सुनाया गया। कोर्ट ने बीपीएससी को यह निर्देश दिया है कि विज्ञापन संख्या 26/2023 के तहत ली गई परीक्षा का वह जल्द से जल्द पूरक परिणाम जारी करे। याचिकाकर्ताओं का कथन था कि उन्होंने प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों के लिए बीपीएससी द्वारा प्रकाशित योग्यता अंक प्राप्त किया, लेकिन बीपीएससी द्वारा निर्धारित जन्मतिथि की कट-ऑफ के कारण उनका नाम मेरिट सूची में शामिल नहीं किया गया। इसमें याचिकाकर्ता चयनित उम्मीदवारों की तुलना में उम्र में कम थे, लेकिन सामान्य विषय श्रेणी के तहत विज्ञापित 67,066 पदों के खिलाफ, प्राथमिक शिक्षक के पदों को भरने के लिए बीपीएससी द्वारा केवल 62,653 उम्मीदवारों का चयन किया गया।

पूरक परिणाम को लेकर दायर की थी याचिका

उन्होंने यह भी तर्क दिया कि प्राथमिक शिक्षक की 4619 रिक्तियां उत्पन्न हुई हैं बीपीएससी को रिक्तियों को भरने के लिए पूरक/अतिरिक्त चयन सूची प्रकाशित करनी चाहिए थी। इसके बाद आयोग की ओर से कहा गया कि बची सीटों को दूसरे चरण में शिक्षकों की रिक्तियां भरी जाएंगी।

आयोग के इस निर्णय के विरुद्ध पटना हाईकोर्ट में याचिकाएं दायर की गयी। इस मामले में याचिकाकर्ताओं का पक्ष वरीय अधिवक्ता वाईवी गिरि एवं अधिवक्ता प्रणव कुमार ने रखा। सभी पक्षों को सुनने के बाद हाई कोर्ट ने शिक्षा विभाग को यह भी निर्देश दिया है कि वे अपेक्षित योग्यता के अभाव में विज्ञापन संख्या 26/2023 के अनुसार कक्षा एक से चार के लिए प्राथमिक शिक्षक के रूप में बीपीएससी द्वारा अनुशंसित उम्मीदवारों की नियुक्ति न किए जाने के कारण उत्पन्न रिक्तियों की संख्या की भी पहचान कर बीपीएससी को सूचित करे।

मानसून ने पकड़ी रफ्तार

20 जिलों में भारी बारिश आईएमडी की चेतावनी

गोंडा, 19 जुलाई (एजेंसियां)। बादलों की आवाजाही के बीच बीते चार दिनों से उमस भरी गर्मी से लोग परेशान हैं। शुक्रवार की रात पूर्वी यूपी के कुछ जिलों में हल्की बूंदाबांदी हुई है। शनिवार की सुबह तेज धूप निकलने से उमस भरी गर्मी बढ़ी है। लेकिन बादलों की आवाजाही शुरू हो गई है। मौसम विभाग ने ताजा अपडेट जारी करते हुए अगले 24 घंटे में पूर्वी यूपी के 20 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है।

आईएमडी के अनुसार पूर्वी यूपी के जिलों में आज आंधी तूफान के साथ आकाशीय बिजली गिरने की चेतावनी जारी की गई है। घंटे बाद लगातार तीन दिनों तक भारी बारिश के लिए अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग ने शुक्रवार की सुबह ताजा अपडेट जारी करते हुए आज पूर्वी यूपी के जिलों में आंधी तूफान और कुछ इलाकों में बिजली गिरने का अलर्ट जारी किया है। कल यानी 20 जुलाई से लगातार तीन दिनों तक मूसलाधार बारिश के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। गुरुवार को यूपी में अधिकतम तापमान 38.8 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 30.5 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।

यूपी के इन जिलों में तीन दिन भारी बारिश को लेकर अलर्ट

गोंडा, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, देवरिया, गोरखपुर, संत कबीर नगर, बस्ती, कुशीनगर, महाराजगंज, सिद्धार्थनगर, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, हरदोई, बाराबंकी, बिजनौर मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर और उसके आसपास के इलाके में 20 जुलाई से लगातार तीन दिनों तक भारी बारिश की संभावना है।

'मुझसे शादी करोगी

बस ये बात सुन युवती ने युवक के खिलाफ दर्ज कराया मुकदमा जानें पूरा मामला

नोएडा, 19 जुलाई (एजेंसियां)। सेक्टर 113 थाना क्षेत्र के सोहरखा गांव की रहने वाली युवती ने पड़ोसी युवक पर जबरन शादी करने के दबाव बनाने का आरोप लगाया है। युवक के खिलाफ थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। युवती का कहना है कि युवक को पड़ोसी होने के नाते जानती है। युवक शादी करने के प्रस्ताव को लेकर घर भी आ चुका है। युवती व उसके परिजन युवक के प्रस्ताव को खारिज कर चुके है। आरोप है कि युवक आए दिन फोन करता है और पीछा कर परेशान करता रहता है। शादी से इनकार करने को लेकर डराता व धमकाता रहता है। युवती ने मामले में युवक के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है।

जीतन सहनी हत्याकांड पर मांझी के बेटे का बड़ा दावा

लालू-राबड़ी का नाम लेकर कही ये बात

पटना, 19 जुलाई (एजेंसियां)। हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एंव राज्य सरकार में मंत्री डॉ. संतोष कुमार सुमन ने कहा कि वीआईपी प्रमुख मुकेश सहनी के पिता जीतन सहनी की निर्मम हत्या के मात्र 36 घंटे के अंदर मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी और पूरे मामले का खुलासा करना, कानून के राज का सबूत है। उन्होंने कहा कि अपराध की घटनाएं कभी शून्य नहीं हो सकतीं, लेकिन जब कानून का राज होता है, तब घटना के बाद पुलिस कार्रवाई में न्यनूतम समय लगता है। लालू-राबड़ी राज में अधिकतर आपराधिक घटनाओं के बाद पुलिस बहुत देर से मौके पर पहुंचती थी और अक्सर घटना के सबूत भी मिट जाते थे।

संतोष सुमन ने दावा किया कि एनडीए का शासन हमेशा राजद राज से बेहतर रहा है, इसलिए जनता ने बार-बार एनडीए पर भरोसा जताया। जदयू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन ने कहा कि राजद के राज में सत्ता की शह पर अपराध होते थे। अपराधियों के लिए स्वर्णकाल था लालू-राबड़ी राज। राजीव रंजन ने कहा कि मुकेश सहनी के पिता के हत्यारों की महज 36 घंटों के अंदर गिरफ्तारी यह दिखाता है कि सरकार अपराधियों के खिलाफ कितनी तेजी से कार्रवाई करती है।

उन्होंने कहा कि नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव अगर पढ़ने की थोड़ी-सी जहमत उठाएं तो उन्हें पता चल जाएगा कि उनके माता-पिता का राज अपराधियों के लिए स्वर्णकाल था। उनके राज के अंतिम वर्ष 2005 की ही बात करें तो उस वर्ष 34 71 हत्याएं हुईं और अपहरण की 251 वारदात। राजीव रंजन ने कहा कि नीतीश कुमार की सरकार में सभी तरह के अपराधों पर लगाम लगी। वर्ष 2005 -2010 के पहले कार्यकाल के दौरान ही लगभग 50 हजार अपराधियों को सजा मिली।

भाजपा नेता और उसकी पत्नी के खिलाफ एससीएसटी की एफआईआर, आईजी के आदेश पर कार्रवाई

बरेली, 19 जुलाई (एजेंसियां)। बरेली की साक्षी मिश्रा के पति अजितेश ने भाजपा के जिला कार्यसमिति सदस्य आर्येन्द्र मिश्रा और उनकी पत्नी समिता मिश्रा, नितिन गुप्ता समेत दो अज्ञात लोगों के खिलाफ एससीएसटी एक्ट की रिपोर्ट दर्ज कराई है। आरोपियों पर जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल और मारपीट करने के बाद अपहरण की कोशिश का आरोप है। थाना इज्जतनगर की रहने वाली साक्षी मिश्रा फेसबुक और यूट्यूब पर एक्टिव रहती हैं। साक्षी मिश्रा की एक पोस्ट पर समिता मिश्रा पत्नी आयेंद्र मिश्रा ने अभद्र और आपत्तिजनक कमेंट कर दिये, जिसको लेकर साक्षी मिश्रा ने एक वीडियो पोस्ट की। वीडियो को देख समिता का पति भड़क गया। आयेंद्र ने अजितेश को मंगलवार रात करीब 12 बजे फेसबुक पर कॉल की, लेकिन उन्होंने नहीं उठाई। अगले दिन नितिन गुप्ता नाम के व्यक्ति का कॉल आया तो वीडियो डिलीट करने का दबाव बनाने लगा। बुधवार दोपहर करीब 2 ।30 बजे अजितेश किसी काम से संदेश कनौजिया कार्यालय पर पहुंचे तो आयेंद्र मिश्रा, नितिन गुप्ता, समिता मिश्रा और 2 अज्ञात वहां पहुंच गए। अजितेश से वीडियो डिलीट करने को लेकर झगड़ा करने लगे और जातिसूचक गालियां दीं। मामला इतना बढ़ गया कि अजितेश से मारपीट करने लगे।

क्या जीतन सहनी की हत्या के संदिग्धों में शामिल हैं परिवार के भी सदस्य? एसएसपी ने कही बड़ी बात

दरभंगा, 19 जुलाई (एजेंसियां)। कुछ दिन पहले ही विकासशील इंसान पार्टी के सुप्रीमो मुकेश सहनी के पिता जीतन सहनी की दरभंगा में हत्या कर दी गई थी। वहीं अब इस हत्या के मामले की तहकीकात में पुलिस जुटी हुई है। पुलिस ने इस मामले में एक आरोपी काजिम अंसारी को गिरफ्तार किया है। पुलिस आरोपी काजिम को रिमांड पर लेकर फिर से पूछताछ करेगी। इस बात की जानकारी दरभंगा के एसएसपी जगुनाथ रेड्डी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान दी। इसके अलावा उन्होंने बताया कि गिरफ्तार काजिम अंसारी फिलहाल जेल में है। वहीं उन्होंने कहा कि पुलिस की ओर से जांच की जा रही है। सभी संदिग्धों से पूछताछ चल रही है।

पुलिस रिमांड पर लिया जाएगा आरोपी

दरभंगा के एसएसपी जगुनाथ रेड्डी ने कहा कि मर्डर वेपन खोजने के लिए कल भी हम लोगों ने कोशिश की थी, लेकिन अभी तक हम लोगों को वेपन नहीं मिला है। इसी क्रम में हम लोग न्यायालय में रिक्वेस्ट करेंगे कि आरोपी को पुलिस रिमांड पर दिया जाए। ताकि आरोपी से फिर से पूछताछ की जा सके। वहीं उन्होंने बताया कि आज हम लोगों ने कार्रवाई के दौरान अगल-बगल लगे सभी सीसीटीवी कैमरे की जांच कर रहे हैं। कुछ लोग संदिग्धता के घेरे में आ रहे हैं। उन लोगों की भी जांच की जा रही है।

उन्होंने कहा कि जांच पूरी तरह से निष्पक्ष रूप से की जा रही है। मोबाइल नंबर का भी एनालिसिस कर रहे हैं। घटनास्थल से जो कागज, बाइक व अन्य सामान बरामद हुए है, उनका भी वेरिफिकेशन किया जा रहा है। अभियुक्त से पूछताछ के क्रम में जो बातें सामने आई हैं, उनका क्रॉस वेरिफिकेशन करना जरूरी होता है इसलिए हम लोग मोबाइल वेरिफिकेशन करते हैं। इसमें जो भी नाम आएंगे उनके ऊपर सख्ती से कार्रवाई की जाएगी। वहीं परिवार के सदस्यों की संलिप्ता को लेकर पूछे गए सवाल पर एसएसपी ने कहा कि परिवार के लोग भी अनुसंधान के घेरे में हैं। किसी को अभी क्लीन चिट नहीं मानी जाएगी।

पटना एम्स के 4 स्टूडेंट्स की गिरफ्तारी के बाद एक और आरोपित पकड़ा गया, 4 दिनों की रिमांड मिली

पटना, 19 जुलाई (एजेंसियां)। नीट पेपर लीक मामले में पटना से एक और आरोपित सुरेंद्र कुमार को सीबीआई ने गिरफ्तार किया है। सीबीआई ने 4 दिनों के लिए सुरेंद्र कुमार को रिमांड पर लिया है। पटना एम्स से 4 स्टूडेंट्स की गिरफ्तारी के बाद सुरेंद्र कुमार का नाम आया। इसके बाद उसकी भी गिरफ्तारी कर ली गई। दरअसल सीबीआई को शक है कि सुरेंद्र कुमार परीक्षा माफिया और गिरफ्तार पटना एम्स के स्टूडेंट्स के बीच बिचौलिया है। पटना एम्स के गिरफ्तार स्टूडेंट्स इस बिचौलिया के संपर्क में थे। पटना एम्स के स्टूडेंट्स ने पूछताछ में सुरेंद्र कुमार का नाम बताया है। इसके बाद इसे भी बीते गुरुवार को हिरासत में ले लिया गया। बताया जाता है कि सुरेंद्र कुमार को सीबीआई की टीम ने बिहार से ही उठाया है। अब पटना एम्स के चारों स्टूडेंट्स और सुरेंद्र सबको आमने-सामने बैठा कर सीबीआई पूछताछ करेगी। हाल ही में पटना से पंकज उर्फ आदित्य जो गिरफ्तार हुआ था उस पर शक है कि हजारीबाग से ट्रंक से प्रश्न पत्र चोरी करने के बाद इन चारों एमबीबीएस के छात्रों को सॉल्व करने के लिए दिया था। इन चारों ने पेपर सॉल्व किए थे। पटना एम्स के गिरफ्तार स्टूडेंट्स को भी सीबीआई ने रिमांड पर लिया है। बता दें कि पंकज और राजू भी सीबीआई की रिमांड पर हैं। एम्स स्टूडेंट्स, सुरेंद्र, पंकज और राजू को भी आमने-सामने बैठा कर सीबीआई की टीम पूछताछ करेगी। गिरफ्तार आरोपित छात्रों का नाम चंदन कुमार, राहुल कुमार, करण जैन और कुमार शानू है। इसमें तीसरे साल के तीन और दूसरे साल का एक स्टूडेंट है। कुल 10 मेडिकल स्टूडेंट्स से पेपर सॉल्व करवाने का शक है। इसमें से छह बिहार और चार झारखंड के हैं। सीबीआई की टीम बाकी छात्रों की भी तलाश में जुटी है।

क्या चाचा पर भारी पड़ेगा भतीजा? नीतीश सरकार को लेकर तेजस्वी की बड़ी तैयारी, बिहार विधानमंडल मानसून सत्र 22 से

पटना, 19 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार विधानमंडल में मानसून सत्र की शुरुआत आगामी 22 जुलाई से होने जा रही है। ऐसे तो यह सत्र काफी छोटा होने वाला है, जो 26 जुलाई तक केवल 5 दिन चलेगा। इस दौरान वित्तीय वर्ष 2024-25 का प्रथम अनुपूरक बजट पेश होगा और साथ ही विनियोग विधेयक पर भी मुहर लगेगी। इस दौरान एक ओर जहां सत्ता पक्ष अपनी उपलब्धियां गिनाएगा, वहीं इस सत्र के दौरान सरकार को घेरने की पुरजोर तैयारी विपक्ष ने कर रखी है। खास तौर पर सबको इंतजार एक बार फिर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के आमने-सामने होने को लेकर है। बता दें कि सदन की कार्यवाही सुचारू रूप से चले, इसके लिए गुरुवार को विधानसभा अध्यक्ष नंदकिशोर यादव की अध्यक्षता में प्रेस दीर्घा समिति की बैठक हुई जिसमें सदन को सुचारू रूप से चलाने को लेकर चर्चा हुई। इस बैठक में विधानसभा के उपाध्यक्ष नरेंद्र नारायण यादव भी मौजूद रहे। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि सदन कार्यवाही के दौरान सरकार की ओर से दिये जा रहे जवाब को समाचार में प्रमुखता से जगह मिलनी चाहिए।

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, मानसून सत्र के पहले दिन नये सदस्य का शपथ और शोक प्रकाश भी रखा गया है। सत्र के दूसरे दिन मंगलवार 23 जुलाई और तीसरे दिन बुधवार 24 जुलाई को राजकीय विधेयक एवं अन्य राजकीय कार्य लिये जाएंगे। 25 जुलाई को 2024-25 के प्रथम अनुपूरक व्यय विवरणी पर वाद -विवाद, मतदान एवं विनियोग विधेयक पेश किये जाएंगे। सत्र के अंतिम दिन शुक्रवार 26 जुलाई को गैर सरकारी संकल्प लिये जाएंगे।

विधानसभा अध्यक्ष नंद किशोर यादव की ओर से सदन को सुचारू रूप से चलाने की बात कही गई है, लेकिन विपक्ष के तेवर को देखते हुए लग रहा है कि 5 दिन का सत्र भी जोरदार और हंगामेदार रहने वाला है। लॉ एंड ऑर्डर के मुद्दे पर नीतीश सरकार को लगातार घेर रहे नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव एक बार फिर हमलावर होंगे। वहीं, आरजेडी के नेतृत्व में विपक्षी खेमा इस बार सरकार को घेरने की तैयारी में है।

राजद विधायक डॉ मुकेश रौशन कहते हैं कि राज्य की लचर कानून व्यवस्था से लेकर विभिन्न विभागों में फैली भ्रष्ट्राचार और अनियमितता से जुड़े सवाल हम लोग सदन के अंदर से लेकर बाहर तक उठायेंगे। सरकार अगर माकूल जवाब नहीं देती तो हम लोग सरकार के खिलाफ सदन से लेकर सड़क तक हल्ला बोलेंगे। इधर कांग्रेस नेता प्रेमचंद्र मिश्रा कहते हैं कि यह मॉनसून सत्र जनता से जुड़े सवाल को लेकर बुलाई जाता है, लेकिन जब सरकार जनता से जुड़े मुद्दे को गंभीरता से नहीं लेती और सिर्फ अपना गुणगान करती है, जो इस बार हमारी पार्टी नहीं होने देगी। हम लोग काम का हिसाब सरकार से लेंगे।

दूसरी ओर विपक्ष के इस तेवर का एहसास पहले ही जेडीयू और बीजेपी को हो चुका है सो इसको देखते हुए बीजेपी और जेडीयू ने भी अपनी रणनीति बना ली है। एनडीए खेमा कह रहा है कि अगर विपक्ष जनता से जुड़े मुद्दे सही तरीके से सदन में उठाएगा तो हम लोग भी उसका जवाब देंगे, अन्यथा उनका काम ही है सदन के कार्यवाही को हल्ला गुल्ला कर बाधित करना है।

22 से 26 जुलाई तक चलेगा सत्र

बता दें कि इस बार बिहार विधानमंडल में मॉनसून सत्र 22 जुलाई से शुरू होकर 26 जुलाई तक चलेगा। इन पांच दिनों के कार्यदिवस के दौरान एक तरफ जहां सरकार को अपना कामकाज की जानकारी जनता के बीच पहुंचाना उद्देश्य होगा, वहीं विपक्ष इस चलते सत्र के दौरान जनता को यह बताने की कोशिश करेगा कि विपक्ष ही जनता के ज्वलंत मुद्दों को लेकर सदन से सड़क तक खड़ी है सरकार सिर्फ अपनी गाल बजा रही है।

गुजरात में बढ़ता जा रहा चांदीपुरा वायरस का कहर

जानलेवा बीमारी से अब तक बच्चों की जान जा चुकी है

अहमदाबाद, 19 जुलाई (एजेंसियां)। पिछले कुछ दिनों से गुजरात में लगातार चांदीपुरा वायरस के मामले सामने आ रहे हैं। इस वायरस से अब तक गुजरात में 15 बच्चों की जान जा चुकी है। वहीं, इससे संक्रमित लोगों की संख्या 29 तक पहुंच गई है। इस जानलेवा बीमारी के बढ़ते मामलों को देखते हुए अब अलग-अलग राज्यों में हाई अलर्ट जारी किया गया है। यह वायरस दिमाग में सूजन का कारण बनता है और फ्लू जैसे लक्षणों के साथ कोमा और मौत तक का कारण बनता है। इसे बीमारी को लेकर देशभर में चिंता और डर का माहौल बना हुआ है। ऐसे में इस बीमारी के बारे में विस्तार से जानने के लिए हमने मणिपाल हॉस्पिटल, गोवा में इंटरनल मेडिसिन के सलाहकार डॉ। पोकले महादेव वी से बातचीत की। आइए जानते हैं क्या है यह बीमारी और क्यों है यह खतरनाक डॉक्टर बताते हैं कि चांदीपुरा वायरस (सीएचपीवी) रबडोविरिडे फैमिली से संबंधित एक अर्बोवायरस है, जहां रेबीज वायरस भी मौजूद होता है। इसका मतलब यह है कि वायरस सेंट्रल नर्वस सिस्टम को संक्रमित करता है, जो तेजी से अल्टर्ड सेंसरियम, दौरे और फोटोफोबिया का कारण बन सकता है। इसमें ब्रेन के टिश्यू की सूजन बाद में एन्सेफलाइटिस और कोमा में बदल सकती है। इतना ही नहीं यह वायरस शरीर की कई अन्य प्रणालियों को भी प्रभावित कर सकता है। यही वजह है कि इससे बचाव के उपायों के साथ-साथ लक्षणों सहित इसके कारणों के बारे में ज्यादा जानना जरूरी है। चांदीपुरा वायरस यानी सीएचपीवी पहली बार साल 1965 में महाराष्ट्र में पाया गया था।

यहां इस वायरस ने 36 वर्षों में बड़े पैमाने पर बच्चों की जानें ली और एक प्रकोप की तरह फैलकर पूरे चांदीपुरा गांव को नष्ट कर दिया था। इसी गांव के आधार पर इस वायरस का नाम चांदीपुरा वायरस रखा गया। डॉक्टर ने बताया कि इस वायरस को फैलाने में फ्लेबोटोमाइन सैंडफ्लाइज और फ्लेबोटोमस पापटासी प्रजातियां मुख्य किरदार निभाती हैं।

इसके अलावा एडीज एजिप्टी, जो डेंगू बुखार के फैलने का भी कारण बनता है, मच्छर की एक और ऐसी प्रजाति है, जो रेबीज की तरह ही इस बीमारी को फैलाती है। इसलिए, यह ट्रिपैनोसोमा क्रूजी जैसे परजीवियों के लिए प्राकृतिक जलाशयों में पाया जा सकता है। साथ ही जब कीड़े इंसानों या बिल्ली जैसे अन्य जानवरों को काटता है, तो यह बीमारी फैलती है।

चांदीपुरा वायरस का इलाज

इसके इलाज (चांदीपुरा वायरस उपचार) के बारे में डॉक्टर ने बताया कि वर्तमान में, इस मामले के लिए विशेष रूप से एंटीरेट्रोवाइरल दवा या वैक्सीनेशन मौजूद नहीं है। ऐसे में इसके इलाज के तौर पर मरीजों को सिर्फ लक्षणों से राहत देने और जटिलताओं को रोकने के लिए सहायक देखभाल दी जा सकती है। इसके अलावा, एन्सेफलाइटिस से पीड़ित व्यक्तियों को तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया जाना चाहिए और आईसीयू में उनकी देखभाल की जानी चाहिए।

वायरस का निदान

सीएचपीवी का निदान आमतौर पर इसे संकेतों, न्यूरोलॉजिकल गड़बड़ी और लक्षणों के जरिए किया जाता है। हालांकि, लैब टेस्ट से ही इसे स्पष्ट किया जा सकता है। इसलिए, खून के सैंपल या मस्तिष्कमेरु द्रव के नमूनों में वायरल आरएनए का पता लगाने के लिए, आमतौर पर आरटी-पीसीआर का उपयोग किया जाता है।

चांदीपुरा वायरस से बचाव

इस बीमारी के खतरनाक परिणाम से बचने के लिए जरूरी है कि बचाव (चांदीपुरा वायरस उपचार) के कुछ तरीके अपनाए जाएं। ऐसे में इससे बचने के लिए मॉस्किटो रिपेलेंट का इस्तेमाल और मच्छरदानी इस्तेमाल करें। मच्छरों को पनपने से रोकने के लिए घर के आसपास पानी न जमा होने दें। इसके अलावा मच्छरों को काटने से रोकने के लिए सुरक्षात्मक कपड़े पहनना भी एक कारगर उपाय है।

इंदौर में बढ़ने लगा डेंगू का कहर

जुलाई में आए अब तक रिकॉर्ड 50 मामले स्वास्थ्य विभाग ने जारी की एडवाइजरी

इंदौर, 19 जुलाई (एजेंसियां)। शहर में इस साल अब तक डेंगू के 132 से अधिक मामले सामने आ चुके हैं। इसके अलावा जुलाई महीने में रिकॉर्ड 50 मामले सामने आ चुके हैं। बढ़ते मामलों से चिंतित स्वास्थ्य विभाग ने इसके रोकथाम के लिए एडवाइजरी जारी की है। बीते मंगलवार को इंदौर में डेंगू के नौ मामले दर्ज किए गए थे। मानसून शुरू होने के साथ ही शहर में जानलेवा वेक्टर जनित बीमारियां बढ़ रहे हैं। जिसमें डेंगू सबसे आम होता जा रहा है। इस साल कुल 132 मामलों में से 9 मरीज ऐसे हैं, जो पिछले दो दिनों में डेंगू की चपेट में आए हैं। 9 नए मामलों में से सात मरीज पुरुष और दो महिलाएं हैं, इसके अलावा उनमें से एक बच्चा है। जहां तक डेंगू के मामलों की बात है, तो 132 मामलों में से 72 पुरुष और 60 महिलाएं इस बीमारी से पीड़ित हैं। इनमें से 11 बच्चे हैं। आने वाले दिनों में डेंगू के और मामले सामने आ सकते हैं। डेंगू के मच्छर साफ पानी में पनपते हैं। यह मुख्य रूप से लोगों पर निर्भर करता है कि वे जलभराव को रोकें और बीमारी से बचने के लिए पूरी आस्तीन के कपड़े पहनें। फिलहाल शहर में 12 सक्रिय मामले हैं और सब घर पर ही इलाज करा रहे हैं। जिला स्वास्थ्य विभाग के जरिये मानसून के मौसम की शुरूआत में ही डेंगू को लेकर एडवाइजरी जारी किया गया था। इस एडवाइजरी में बताया गया कि डेंगू से निपटने के लिए सावधानी सबसे असरकारक है। हेल्थ एक्सपर्ट मुताबिक, अगर किसी महिला को प्रेगनेंसी के दौरान डेंगू का संक्रमण होता है, तो उसके साथ साथ पेट में पल रहे बच्चे की ग्रोथ पर भी असर पड़ता है। डेंगू होने पर मां के पेट में पल रहे बच्चे को लो बर्थ रेट का सामना करना पड़ सकता है। इसके अलावा डेंगू होने पर अजन्मे बच्चे को हैमरेज यानी दिमाग में ब्लीडिंग का भी रिस्क बढ़ जाता है। अगर मां को डेंगू हो गया है तो आशंका है कि बच्चे की प्रीमैच्योर डिलीवरी हो जाए। इसके अलावा डेंगू अगर बिगड़ जाए तो पहली तिमाही में गर्भपात का खतरा भी पैदा हो जाता है। बता दें, मां को डेंगू होने पर बच्चे में वर्टिकल ट्रांसमिशन जैसे भी रिस्क काफी बढ़ जाते हैं।

यूपीएससी ने आईएएस पूजा खेडकर पर दर्ज कराई एफआईआर

उम्मीदवारी रद्द करने के लिए जारी किया शो-कॉज नोटिस

मुंबई, 19 जुलाई (एजेंसियां)। आईएएस पूजा खेडकर की मुश्किलें बढ़ गई है। आज यूपीएससी ने आईएएस पूजा दिलीप खेडकर के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। ये मामला कथित जालसाजी के तहत दर्ज कराया गया है साथ ही ट्रेनी आईएएस को उनकी उम्मीदवारी रद्द करने के लिए कारण बताओ नोटिस जारी किया है। इससे पहले महाराष्ट्र सरकार ने उनकी ट्रेनिंग रद्द कर दी थी और एलबीएसएनएए ने उन्हें 23 जुलाई को मसूरी रिपोर्ट करने का आदेश जारी किया था। यूपीएसएसी की नोटिस में लिखा गया कि यूपीएससी ने सिविल सर्विस परीक्षा 2022 की ट्रेनी आईएएस पूजा मनोरमा दिलीप खेडकर के कदाचार को लेकर गहन जांच की। इस जांच में यह पता चला कि आईएएस ने अपना नाम, अपने पिता का नाम और माता का नाम, अपनी फोटो/सिग्नेचर, मेल आईडी, मोबाइल नंबर और एड्रेस बदलकर अपना फर्जी पहचान बनाकर परीक्षा नियमों के तहत रिजर्वेशन का धोखाधड़ी से लाभ उठाया। इस कारण यूपीएससी ने उसके खिलाफ कार्रवाई शुरू की है, जिसमें पुलिस को उम्मीदवार के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। साथ ही सिविल सर्विस एग्जाम की उसकी उम्मीदवारी को रद्द करने के लिए कारण बताओ नोटिस भी जारी किया है। धोखाधड़ी बर्दाश्त नहीं की जाएगी

आगे कहा गया कि यूपीएसएसी अपने संवैधानिक दायित्वों को पूरा करने में, अपने संवैधानिक जनादेश का सख्ती से पालन करता है और बिना किसी समझौते के साथ सभी परीक्षाओं सहित अपनी सभी प्रक्रियाओं का संचालन करता है। यूपीएससी ने अत्यंत निष्पक्षता और नियमों के सख्त पालन के साथ अपनी सभी परीक्षा प्रक्रियाओं की पवित्रता और अखंडता सुनिश्चित की है। यूपीएससी ने जनता, विशेषकर उम्मीदवारों से विश्वास और विश्वसनीयता कमाई है। आयोग यह सुनिश्चित करने के लिए स्पष्ट रूप से प्रतिबद्ध है कि विश्वास और विश्वसनीयता का ऐसे ही बरकरार रहे और किसी भी हाल में इससे समझौता न किया जाए।

देश में बाल विवाह के मामलों में सजा की दर मात्र 11 प्रतिशत, अब सख्त कानून की जरूरत

नई दिल्ली, 19 जुलाई (एजेंसियां)। देश में बाल विवाह अधिनियम में सजा की दर काफी चिंताजनक है। भारत बाल संरक्षण (आईसीपी) अनुसंधान टीम की एक रिपोर्ट के अनुसार देश में बाल विवाह के मामले में सजा की दर मात्र 11 प्रतिशत है। इसके अनुसार पिछले पांच वर्षों में बाल विवाह के जितने मामले पंजीकृत किए गए हैं वह देश में एक दिन में होने वाले बालिका बाल विवाह की संख्या से भी कम है। इस रिपोर्ट को राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) ने जारी किया है। रिपोर्ट के अनुसार 2022 में बाल विवाह निषेध अधिनियम के तहत अदालतों में सुनवाई के लिए सूचीबद्ध कुल 3,563 बाल विवाह मामलों में से केवल 181 मामलों में सुनवाई पूरी हुई थी। यानी 3,365 मामले आज भी लंबित हैं। अनुमान है कि 2022 तक के लंबित मामलों को निपटाने में 19 साल लग सकते हैं। 2022 में प्रति जिला बाल विवाह का औसतन केवल एक मामला अभियोजन के लिए पंजीकृत किया गया। बाल विवाह को नियंत्रित करने के मामले असम का प्रदर्शन काफी बेहतर है। राज्य में 2021-22 और 2023-24 के बीच बाल विवाह के मामलों में 81 प्रतिशत की कमी आई है। अध्ययन में शामिल असम के गांवों में बाल विवाह की घटनाएं 2021-22 में 3,225 मामलों से घटकर 2023-24 में 627 मामले हो गई हैं।

सख्त कानून की जरूरत

रिपोर्ट के अनुसार सर्वेक्षण में शामिल असम के गांवों के 98 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने माना कि सख्त कानून की वजह से ही उनके समुदायों के भीतर बाल विवाह में कमी आई है। असम की सरकार ने पिछले कुछ वर्षों से बाल विवाह के खिलाफ व्यापक अभियान चलाया है। असम मंत्रिमंडल ने कुछ महीने पहले यह फैसला किया था कि 14 साल से कम उम्र की लड़कियों से शादी करने वालों पर पॉक्सो अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया जाएगा।

पानी की कमी को लेकर हाईवे किया जाम भड़क गई हिंसा, भाजपा मीडिया प्रभारी समेत कई घायल

मुक्तसर, 19 जुलाई (एजेंसियां)। पंजाब की मुक्तसर जेल में शुक्रवार को कैदियों ने जमकर हुड़दंग मचाया। इतना ही नहीं जेल में कैदियों की गुंडागर्दी भी देखने को मिली। कैदियों ने जेल वार्डन पर जानलेवा हमला कर उसे जख्मी कर दिया। जेल में पिक्स मशीनों के साथ छेड़छाड़ कर उनका दुरुपयोग करने से रोकने पर दो कैदियों ने नुकीले हथियार से जेल वार्डन पर हमला कर दिया। घायल जेल वार्डन को सिविल अस्पताल में भर्ती करवाया गया। आरोपी कैदी हत्या सहित अन्य आपराधिक मामलों में जेल में बंद है। इस मामले में जेल के सहायक सुपरिंटेंडेंट के बयान पर थाना सदर में कैदी हरदीप सिंह निवासी कालबनजारा (बरनाला) और अप्रैल सिंह उर्फ शेरा निवासी खुरशेरपुर (जालंधर) के खिलाफ जेल में माहौल खराब करने और सरकारी ड्यूटी में बाधा डालने के आरोप में केस दर्ज कर लिया है। जेल के सहायक सुपरिंटेंडेंट वरुण ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उक्त दोनों कैदी जेल में पिक्स मशीनों के साथ छेड़छाड़ कर उनका दुरुपयोग करने का प्रयास कर रहे थे।

17 जुलाई को जेल कर्मियों ने इन कैदियों को समझाया कि पिक्स मशीनों को हैंग करने से जेल का सिस्टम क्रैश होता है और अन्य कैदियों को अपने परिजनों से बातचीत करने के लिए समस्या आती है। 18 जुलाई को लीगल सर्विस अथॉरिटी मुक्तसर से आए वकीलों द्वारा जेल के अंदर बंदियों को लीगल एड की जानकारी देने के लिए बैरकों का दौरा किया जा रहा था। इस दौरान इन कैदियों को समझाने के लिए अन्य बैरक में डालने के लिए बुलाया गया। कैदियों ने आने से इन्कार कर दिया।

दिल्ली-एनसीआर में उमस भरी गर्मी कई राज्यों में बारिश ने किया परेशान

नई दिल्ली, 19 जुलाई (एजेंसियां)। भारत में मॉनसून ने कई राज्यों में तबाही मचा रखी है। देश की राजधानी दिल्ली में उमस जहां लोगों को परेशान कर रही है, वहीं असम की बाढ़ से लाखों लोग प्रभावित हुए हैं। दिल्ली-एनसीआर के मौसम की बात करें तो यहां रुक-रुक कर बारिश देखने को मिल रही है। बारिश से पहले और बारिश के बाद मौसम सुहाना दिख रहा होता है। लेकिन फिर उमस भरी गर्मी का लोगों को सामना करना पड़ता है। हालांकि उमस भरी गर्मी से दिल्ली-एनसीआर के लोगों को राहत मिलती हुई नहीं दिख रही है। मौसम विभाग ने बताया कि मॉनसून का झुकाव फिलहाल दक्षिण भारत की तरफ ज्यादा है। इस कारण केरल, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और कई जिलों में भारी बारिश की वजह से रेड अलर्ट जारी कर दिया गया है।

दिल्ली-यूपी का कैसा रहेगा मौसम

मौसम विभाग की रिपोर्ट के मुताबिक, दिल्ली, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, बिहार में गुरुवार को हल्की बारिश देखने को मिली। दिल्ली के लिए मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी कर दिया है। यानी आज भी दिल्ली में हल्की बारिश होने की संभावना है। बता दें कि गुरुवार को दिल्ली में हल्की बारिश दर्ज की गई थी। वहीं बंगाल की खाड़ी के मध्य और उससे सटे उत्तरी भाग पर कम दबाव के क्षेत्र के प्रभाव के कारण तटीय कर्नाटक और दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में अगले तीन दिनों के लिए अत्यधिक भारी बारिश की संभावना जताई है। मौसम विभाग ने यह जानकारी दी। बता दें कि दक्षिण कन्नड, उडुपी, उत्तर कन्नड और दक्षिण कर्नाटक में 20 जुलाई के लिए रेड अलर्ट जारी किया गया है।

दक्षिण का कैसा रहेगा मौसम

कर्नाटक में भारी बारिश होने की संभावना जताई गई है। हरंगी और काबिनी जलाशय में बारिश का पानी भरने लगा है। ऐसे में जलाशय की क्षमता पहले ही पूरी हो चुकी है। इस बीच कोडागु और उडुपी जिले में एहतियात के तौर पर स्कूल, कॉलेजों में छुट्टी का ऐलान कर दिया गया है। वहीं दक्षिण कन्नड जिले के पांच तालुकाओं में अवकाश घोषित कर दिया गया है। वहीं मंगलुरु और आसपास के इलाकों में भी भारी बारिश हुई है।

हिमाचल प्रदेश का मौसम

हिमाचल प्रदेश के कुछ हिस्सों में बुधवार से ही रुक-रुक कर बारिश देखने को मिल रही है। स्थानीय मौसम विभाग के मुताबिक अगले 4 दिनों तक राज्य के अलग-अलग इलाकों में भी भारी बारिश का पूर्वानुमान लगाया है। इसे लेकर राज्य में येलो अलर्ट जारी कर दिया गया है। शिमला स्थित मौसम विभाग ने 23 जुलाई तक भारी बारिश का पूर्वानुमान लगाया है।

जीटीबी फायरिंग मामले में 3 आरोपी गिरफ्तार, आरोपियों में नाबालिग सरगना भी शामिल

नई दिल्ली, 19 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली के शाहदरा जिले की स्पेशल स्टाफ और जीटीबी एनक्लेव थाना की संयुक्त टीम ने जीटीबी अस्पताल के अंदर हुए सनसनीखेज शूटआउट-मर्डर का खुलासा कर दिया है. इस मामले में पुलिस ने गिरोह के नाबालिग सरगना समेत तीन आरोपियों को पकड़ने में कामयाबी पाई है. पकड़े गए आरोपियों की पहचान, सैफ (19) और फैजान (22) के रूप में हुई है. ये दिल्ली के सीलमपुर और यूपी के लोनी के रहने वाले हैं. डीसीपी सुरेंद्र चौधरी ने बताया कि, इस गिरोह का सरगना 5वीं पास नाबालिग आरोपी है, इसने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर इसके जैसे युवाओं को गैंगस्टर रील्स के माध्यम से प्रेरित कर 20-30 नाबालिगों वाली अपनी गैंग बनाई है. जीटीबी अस्पताल में हुए शूटआउट मर्डर का ये मुख्य आरोपी है

सुंदरकांड पाठ की अनुमति देने वाले थाना प्रभारी को नोटिस जारी, कांग्रेस के विरोध पर लिया गया एक्शन

भोपाल, 19 जुलाई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के पुलिस थाने में सुंदरकांड का पाठ किया गया. इसकी अनुमित देने के मामले में अब पुलिस प्रशासन थाना प्रभारी पर बड़ी कार्रवाई की है. भोपाल पुलिस कमिश्नर हरि नारायणचारी ने मंजूरी देने वाले थाना प्रभारी को 'कारण बताओ नोटिस' जारी किया है. साथ ही, यह सवाल भी उठाया जा रहा है कि सुंदरकांड पाठ की अनुमति किस आधार पर दी गई है? अब इसकी जांच होगी. थाना प्रभारी से इस मामले में स्पष्टीकरण मांगा गया है और उनसे पूछ गया कि किस आधार पर अनुमति दी गई है.

बता दें कि बीजेपी नेताओं ने बीते गुरुवार 18 जुलाई को अशोक गार्डन थाने में सुंदरकांड पाठ कर एक कार्यकर्ता का जन्मदिन मनाया था. इस मुद्दे को लेकर कांग्रेस एमपी में बीजेपी सरकार पर हमलावर है. मामले को लेकर प्रदेश में सियासी पारा गरमा गया है. वहीं, इस मामले को लेकर पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह और पीसीसी चीफ जीतू पटवारी डीजीपी से मुलाकात करने दफ्तर पहुंचे हैं. मध्य प्रदेश कांग्रेस के राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह ने कहा था कि अगर थाने में सुंदर कांड का पाठ हो रहा है तो अब कांग्रेस बकरीद भी थानों में ही मनाएगी. उन्होंने कहा कि 10 साल तक वह भी प्रदेश के मुख्यमंत्री थे,

लेकिन ऐसा कोई नियम नहीं देखा था. दरअसल, मध्य प्रदेश नर्सिंग घोटाला मामले में दिग्विजय सिंह बीजेपी के मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने गए थे। लेकिन वहां थाने में सुंदर कांड का पाठ चल रहा था, जिसका कांग्रेस ने विरोध किया. कांग्रेस द्वारा इसको लेकर विरोध दर्ज कराया गया, जिसके बाद पुलिस प्रशासन ने अशोक गार्डन थाना प्रभारी के खिलाफ एक्शन लेने का फैसला किया.

कोर्ट का यह फैसला यूसीसी को गलत कहने वालों के लिए सबक, लिव-इन रिलेशनशिप में रहने वालों के लिए राहत

देहरादून, 19 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तराखंड देश में यूसीसी (समान नागरिक संहिता) लागू करने वाला पहला प्रदेश बन गया है। ऐसे में इसके अंदर शादी से लेकर जमीन-जायदाद में हिस्सेदारी और लिव-इन रिलेशनशिप को लेकर भी नियम बनाए गए हैं। इस कानून में लिव-इन रिलेशन में रहने वाले जोड़ों को लेकर यह कहा गया है कि वह ऐसी स्थिति में अपना पंजीकरण कराएं ताकि किसी भी विषम परिस्थिति में शासन-प्रशासन के द्वारा उनकी सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। इसको लेकर खूब विरोध किया गया। इस कानून का विरोध करने वाले लोग पहले तो यह मान ही नहीं रहे थे कि लिव इन रिलेशन जैसी कोई चीज होती है और अगर होती भी है तो इसकी जानकारी शासन-प्रशासन को देना और इसको रजिस्टर्ड कराना राइट टू प्राइवेसी का उल्लंघन है। क्योंकि किसी के साथ किसी के संबंधों की जानकारी निजी होती है ऐसे में इसे शासन-प्रसासन को मुहैया कराना राइट टू प्राइवेसी का उल्लंघन है। अब लिव इन रिलेशन में रहने वाला एक जोड़ा उत्तराखंड हाई कोर्ट के समक्ष अपनी सुरक्षा की गुहार लेकर पहुंचा। उस जोड़े ने अदालत को बताया कि वे लिव इन रिलेशन में रह रहे हैं। ऐसे में उन्हें बार-बार परिवार वालों की तरफ से धमकी मिल रही है।

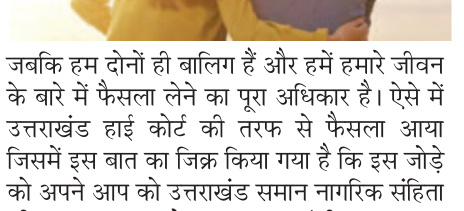

जबकि हम दोनों ही बालिग हैं और हमें हमारे जीवन के बारे में फैसला लेने का पूरा अधिकार है। ऐसे में उत्तराखंड हाई कोर्ट की तरफ से फैसला आया जिसमें इस बात का जिक्र किया गया है कि इस जोड़े को अपने आप को उत्तराखंड समान नागरिक संहिता की धारा 378(1) के तहत अपना पंजीकरण कराना चाहिए। यानी इस रिलेशनशिप को रजिस्टर्ड कराना चाहिए और साथ ही प्रशासन को यह ऑर्डर किया गया कि इस जोड़े की सुरक्षा सुनिश्चित करे। अदालत की तरफ से इस ऑर्डर में कहा गया कि आप अपने लिव इन रिलेशन को रजिस्ट्रार के पास 48 घंटे के अंदर रजिस्टर्ड करें और इसके साथ ही प्रशासन इस जोड़े की सुरक्षा को सुनिश्चित करे। उत्तराखंड सरकार के द्वारा समान नागरिक संहिता की धारा 378(1) के अनुसार लिव-इन रिलेशनशिप में रहने वालों के लिए यह अनिवार्य होगा

हत्यारे भतीजे का कबूलनामा: शराब पीकर चाचा करता था गलत सलूक... तंग आकर पहले शराब पिलाई, फिर छत से दिया धक्का

गाजियाबाद, 19 जुलाई (एजेंसियां)। गाजियाबाद के कस्बा फरीदनगर में मंगलवार रात करीब 11 बजे कुलदीप शर्मा (60) की छत से धक्का देकर हत्या कर दी गई। हत्या के आरोप में पुलिस ने बुधवार देर रात कुलदीप शर्मा के भतीजे अमित शर्मा को गिरफ्तार कर लिया। अमित ने बताया कि चाचा शराब पीकर उनके परिवार को बहुत परेशान करता था और गाली-गलौज करता था। पड़ोसी को हत्या में फंसाने के लिए उसने वारदात को अंजाम दिया लेकिन पुलिस ने जब सीसीटीवी फुटेज देखी तो सारा भेद खुल गया। एसीपी ने बताया कि कुलदीप का अपनी पत्नी गीता और पुत्र आकाश से कई सालों से झगड़ा चल रहा था। इसके कारण वह कुलदीप से अलग मोदीनगर में रहते हैं।

अजब एसडीएम साहब का गजब सरकारी फरमान, 'सभी पटवारी भगाएं आवारा जानवर'; मंत्री बोले- यह तो राष्ट्र सेवा है

छतरपुर, 19 जुलाई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में एक जिले के एसडीएम ने गजब सरकारी फरमान जारी किया है। छतरपुर जिले के बिजावर एसडीएम ने पटवारी को सड़कों पर बैठी आवारा पशुओं को गौशाला भेजने के लिए आदेश दिया है। इसके बाद से ही राज्य की राजनीति में हलचल मची हुई है। पटवारी इस आदेश का विरोध कर रहे हैं तो विपक्ष सरकार को निशाने पर ले रहा है।

बिजावर एसडीएम ने अपने आदेश में लिखा सड़क पर आवारा पशुओं के जमाव के चलते मार्ग में दुर्घटना को कम करने के लिए पटवारी, सचिव, कोटवारों को शाम 6:00 से रात 10:00 आवारा पशुओं को गौशाला भेजने की ड्यूटी लगाई जाती है। इस पर पटवारियों ने

एसडीएम के आदेश का विरोध शुरू कर दिया। पटवारियों ने कहा कि हमारे पास राजस्व संबंधी सीमांकन नामांकन जैसे महत्वपूर्ण काम होते हैं, ऐसे में गाय भागने की जिम्मेदारी हमें मंजूर नहीं है। वहीं, आगे गया कहा कि आदेश नहीं हुआ वापस तो पूरे प्रदेश में उग्र आंदोलन करेंगे। इधर नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने इस मामले पर सरकार को घेरा है। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा, अब एक पटवारी हो चाहे शिक्षक हो रात को 6:00 बजे से 10:00 बजे तक रोड पर गाय बैल हांकने का काम दे रही है तो आप समझ सकते हो कि सरकार किस प्रकार से उन कर्मचारियों को हीन भावनाओं से देखते हैं। मैं समझता हूं कि वह (पटवारी व शिक्षक) एक महत्वपूर्ण इकाई है उन्हें सम्मान देना चाहिए। आगे कहा,सरकार गाय की बात तो करती है, पर गाय के लिए खजाने में पैसा रखती है, लेकिन खजाने का पैसा किसके हाथ में जाता है यह नहीं पता? पटवारी से, शिक्षकों से, कर्मचारी से शाम को 6:00 बजे से रात की 10:00 बजे तक गाय-बैल हटवाना अगर आपने प्रावधान की व्यवस्था की है तो उन्हें नए बजट में प्रोविजन करें, आप इनको लगाकर इस काम पर लगाकर क्या बाकी गतिविधियां, जो सरकार की जमीन स्तर की गतिविधियां हैं, क्या बंद करना चाहती हैं।

इधर सरकार के राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा ने कहा, मानवता के नाते अगर कर रहे काम तो गलत नहीं, अच्छी बात है बुरी बात नहीं है। मैं भी लोगों से कहता हूं कोई भी व्यक्ति हो आम आदमी हो गाय को गौशाला तक पहुंचा दे तो यह राष्ट्र की सेवा है। पटवारी के पास बहुत सारे काम होते हैं ये मैं समझता हूं।

स्वतंत्र वार्ता

शनिवार, 20 जुलाई- 2024

याद रखना, भूल ना जाना वतन पर मरने वालों को

आर.के. सिन्हा

अब कुछ दिनों के बाद ही 26 जुलाई को सारा देश "कारगिल विजय दिवस" के रूप में मनाएगा। उस युद्ध में भारतीय सेना ने सभी बाधाओं को पार करते हुए भारी बलिदान देते हुये भी कारगिल क्षेत्र के बर्फीले पहाड़ों से पाकिस्तानी घुसपैठियों को खदेड़ दिया था। यह भारत का पहला टेलीविजन युद्ध भी था जिसके दौरान टोलोलिंग और टाइगर हिल जैसे अज्ञात निर्जन शिखर सारे देश की जुबान पर आ गए थे। कारगिल युद्ध भारत और पाकिस्तान के बीच मई और जुलाई 1999 के बीच हुआ था। परवेज मुशर्रफ की सरपरस्ती में पाकिस्तान की सेना और कश्मीरी उग्रवादियों ने भारत और पाकिस्तान के बीच की नियंत्रण रेखा पार करके भारत की जमीन पर कब्जा करने की कोशिश की। पाकिस्तान ने दावा किया कि लड़ने वाले सभी कश्मीरी उग्रवादी हैं, लेकिन युद्ध में बरामद हुए दस्तावेज़ों और पाकिस्तानी नेताओं के बयानों से साबित हो गया था कि पाकिस्तान की सेना प्रत्यक्ष रूप में इस युद्ध में शामिल थी। भारतीय सेना और वायुसेना ने पाकिस्तान के कब्ज़े वाली जगहों पर हमला किया और धीरे-धीरे अंतर्राष्ट्रीय सहयोग से पाकिस्तान को सीमा पार घुसपैठ को छोड़, अपने वतन में वापिस जाने को मजबूर किया। कारगिल युद्ध ऊँचाई वाले इलाके पर हुआ था और भारतीय सेनाओं को पहाड़ियों के नीचे से लड़ने में काफ़ी मुश्किलों का सामना करना पड़ा था। परमाणु बम बनाने के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच हुआ यह पहला सशस्त्र संघर्ष था। अंततः 26 जुलाई 1999 को भारत ने कारगिल युद्ध में विजय हासिल की थी। इसलिए 26 जुलाई हर वर्ष "कारगिल विजय दिवस" के रूप में मनाया जाता है। उस करीब दो महीने तक चले युद्ध में भारतीय सेना ने लगभग 527 से अधिक वीर योद्धाओं को खोया था वहीं 1300 से ज्यादा घायल हुए थे। युद्ध में 2700 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए थे। उन शहीदों के नाम कोई भी राजधानी के राष्ट्रीय युद्ध स्मारक में जाकर देख सकता है। उस जंग में दुश्मन के दांत खट्टे करने वाले शहीद कैप्टन अनुज नैयर की शौर्यगाथा को किसने नहीं सुना? राजधानी के दिल्ली पब्लिक स्कूल, धौला कुआं के छात्र रहे कैप्टन अनुज नैयर जाट रेजिमेंट में थे। कैप्टन अनुज नायर ने कारगिल जंग में टाइगर हिल्स सेक्टर में अपने साथियों के घायल होने के बाद भी मोर्चा सम्भाले रखा था। उन्होंने दुश्मनों को धूल में मिलाकर इस सामरिक चोटी "टाइगर हिल्स" को शत्रु के कब्जे से मुक्त करवाया था। अब बात करें कैप्टन हनीफुद्दीन की। कैप्टन हनीफुद्दीन राजपूताना राइफल्स के अफसर थे। कैप्टन हनीफुद्दीन ने कारगिल की जंग के समय तुरतुक में शहादत हासिल की थी। कारगिल के तुरतुक की ऊंची बर्फ से ढंकी पहाड़ों पर बैठे दुश्मन को मार गिराने के लिए हनीफुद्दीन ऊपर से हो रहे गोलाबारी के बावजूद आगे बढ़ते रहे थे। उत्तर प्रदेश के नोएडा के सेक्टर 18 में कैप्टन विजयंत थापर मार्ग है। कैप्टन थापर कारगिल युद्ध में देश के लिए कुर्बानी देने वाले सबसे कम उम्र के जांबाज थे। जून 1999 में कैप्टन विजयंत थापर ने तोलोलिंग पहाड़ी पर विजय हासिल की और भारत का तिरंगा लहराया। ये तो छोटी सी शौर्य गाथाएं हैं हमारे कुछ वीरों की। ये और बाकी तमाम वीरों को इसलिए रणभूमि में अपने प्राणों का बलिदान देना पड़ा, क्योंकि परवेज मुशर्रफ पर एक तरह से पागलपन सवार था। अंततः उसका उसे नुकसान ही हुआ। आजादी के बाद देश की सेनाओं ने चीन के खिलाफ 1962 में और पाकिस्तान के खिलाफ 1948, 1965, 1975 और 1999 में जंग लड़ी। ये सारी लड़ाइयां हम पर थोपी गईं। हमने तो कभी आक्रमण किया ही नहीं। 1987 से 19990 तक श्रीलंका में ऑपरेशन पवन के दौरान भारतीय शांति सेना के शौर्य को भी नहीं भुलाया जा सकता है। 1948 में 1,110 जवान, 1962 में सबसे ज्यादा 3,250 जवान, 1995 में 3,64 जवान, श्रीलंका में 1,157 जवान और 1999 में 522 जवान शहीद हुए। हमारी सेना में ऐसे जवानों की भी कमी नहीं है जो अलगाववादियों को पस्त करते हुए शहीद हुए। इस बीच, पिछले सप्ताह जम्मू कश्मीर में आतंकियों से लड़ते हुए शहीद पांचों जवानों के शव विगत मंगलवार को देहरादून के जौलीग्रांट एयरपोर्ट लाए गए। उत्तराखण्ड को समृद्ध सैन्य परंपरा को अपने अदम्य साहस और पराक्रम से गौरवान्वित करने वाले अमर शहीदों की शहादत को कोटिशः नमन और अश्रुपूरित श्रद्धांजलि। इन शहीदों में जूनियर कमीशन अधिकारी (जेसीओ) समेत पांच जवान शहीद और पांच अन्य घायल हो गए थे। शहीद होने वाले जवानों में सूबेदार आनंद सिंह, हवलदार कमल सिंह, राइफलमैन अनुज नेगी, राइफलमैन आदर्श नेगी, नायक विनोद सिंह शामिल हैं। गुस्ताखी माफ, कभी-कभी तो लगता है कि रणबांकुरों को लेकर समूचे भारतीय समाज का रुख ठंडा ही रहा है। इससे अधिक निराशाजनक बात क्या हो सकती है कि पाठ्यपुस्तकों में उन युद्धों पर अलग से अध्याय तक नहीं हैं, जिनमें हमारे जवानों ने जान की बाजी लगा दी। हमारे बच्चे आज भी मुगलों और अंग्रेजों के इतिहास ही पढ़ रहे हैं। हां, हम गणतंत्र दिवस और स्वाधीनता दिवस के मौके पर जवानों को याद करने की रस्म अदायगी जरूर कर लेते हैं। कुछ समय पहले खबर आई थी कि पंजाब के लुधियाना शहर के मुख्य चौराहे पर 1971 की जंग के नायक शहीद फ्लाइंग ऑफिसर निर्मलजीत सिंह सेंखो की आदमकद मूर्ति के नीचे लगी पट्टिका को ही उखाड़ दिया गया। लुधियाना सेंखो का गृहनगर था। उन्हें अदम्य साहस और शौर्य के लिए मरणोप्रांत परमवीर चक्र से सम्मानित किया गया था। यह सिलसिला यहीं नहीं थम जाता। मोदीनगर (उत्तर प्रदेश) में 1965 युद्ध के नायक शहीद मेजर आशा राम त्यागी की मूर्ति देखकर तो किसी भी सच्चे भारतीय का कलेजा फटने लगेगा। इस तरह से दिल्ली सरकार ने भी शायद ही कभी कोशिश की हो कि 1971 की जंग के नायक अरुण खेत्रपाल के नाम पर किसी सड़क या अन्य स्थान का नामकरण किया जाए। मुग़ल और अंग्रेज शासकों के नाम पर सड़कों की भरमार है। कौन कहता है कि दिल्ली बेदिल है। ये अपने शूरवीरों को याद रखती है। अब बातें-याद करें मेजर (डॉ.) अश्वनी कान्वा की।

वे भारतीय शांति रक्षा सेना (आईपीकेएफ) के साथ 1987 में जाफना, श्रीलंका गए थे। यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेज के स्टुडेंट रहे थे मेजर अश्वनी कान्वा। हमेशा टॉपर रहे। मेजर कान्वा 3 नवंबर,1987 को अपने कैंप में घायल भारतीय सैनिकों के इलाज में जुटे हुए थे। उस मनहूस दिन शाम के वक्त उन्हें पता चला कि हमारे कुछ जवानों पर कैंप के बाहर ही हमला हो गया है। वे फौरन वहां पहुंचे। वे जब उन्हें फर्स्ट एड दे रहे थे तब छिपकर बैठे लिट्टे के आतंकियों ने उन पर गोलियां बरसा दीं। अफसोस कि दूसरों का इलाज करने वाले डॉ. मेजर कान्वा को फर्स्ट एड देना वाला कोई नहीं था। बेहद हैंडसम मेजर अश्वनी की शादी के लिए लड़की ढूंढी जा रही थी जब वे शहीद हुए। वे तब 28 साल के थे। आपको इस तरह के न जाने कितने ही उदाहरण मिल जाएँगे। ज़रूरत है कि वतन के लिए अपनी जान का नजराना देने वालों को सदा याद रखे भारत।

कब रुकेंगी रेल दुर्घटनाएं

एक ओर तो रेल महकमा दावा करते नहीं अघा रहा है कि उसने रेलवे को आधुनिक स्वरूप देने, उच्च तकनीकी से लैस करने में कोई कसर बाकी नहीं रखा है तो दूसरी ओर पटरियों पर आए दिन रेल गाडियां लुढ़क रही हैं। जिससे जान-माल का खतरा बढ़ता जा रहा है। आए दिन देश के अलग-अलग हिस्सों में जिस तरह लगातार ट्रेन हादसे हो रहे हैं, उससे ऐसा लगता है दुर्घटनाएं अब नीयति बन गई हैं। खास बात यह है कि हादसे के सुर्खियों में आने के बाद सरकार अपना रटारटाया घोषणा जारी कर औपचारिकता निभाने का फर्ज नहीं भूलती। साथ में यह तुक्का भी लगाती है कि घटना की जांच की जाएगी, ऐसे उपाय किए जाएंगे, ताकि भविष्य में ऐसा हादसा न हो। लेकिन समय बीतने के साथ ही सबकुछ पहले की तरह ही चलने लगता है। नतीजतन कुछ अंतराल के बाद देश के किसी हिस्से से बड़ी रेल दुर्घटना की खबर आ जाती है। इसके बावजूद रेल दुर्घटनाओं की जिम्मेदारी किसकी होती है इसका भी खुलासा नहीं हो पाता। बता दें कि उत्तर प्रदेश के गोंडा जिले में गुरुवार को चंडीगढ़ से डिब्रूगढ़ जा रही एक्सप्रेस ट्रेन के चौदह डिब्बे पटरी से उतर गए, जिनमें से पांच पलट गए। इस घटना में चार लोगों की मौत हो गई और कम से कम बीस अन्य के घायल हो गए। इस हादसे ने साबित कर दिया कि रेल यात्रा को सुरक्षित बनाने के सरकार के तमाम दावे महज आश्वासन तक ही सिमट कर रह गए हैं। इस घटना के बाद एक बार फिर इसके कारणों को लेकर लंबी पड़ताल की रस्मअदायगी चलेगी। आम जनता को शायद ही पता चले कि इसकी क्या वजह थी और इसके लिए किसे जिम्मेदार ठहराया गया, क्या कार्रवाई हुई और इस संदर्भ में सरकार ने क्या ऐसे ठोस उपाय किए, जिससे भविष्य में ऐसे हादसों पर लगाम लगाई जा सके। देखा जाए तो इस तरह की कवायदें सभी हादसों के बाद होती हैं, मगर कुछ समय बाद होने वाले हादसे सरकारी आश्वासनों की हकीकत बताने के लिए काफी होते हैं। ट्रेनों के आपस में टकरा जाने के अलावा हाल के दिनों में पटरियों पर से उतर जाने की घटनाएं जिस रफ्तार से बढ़ी हैं, उससे यह साफ है कि या तो किसी रूप में पटरियों से छेड़छाड़ की आपराधिक घटनाएं हो रही हैं या फिर रखरखाव के पहलू से रेल महकमा पर्याप्त निगरानी और मरम्मत का काम सुनिश्चित करने में नाकाम है। आए दिन यह बताया जाता है कि रेल दुर्घटनाओं को पूरी तरह रोकने के लिए आधुनिक तकनीक का सहारा लिया जा रहा है। 'कवच प्रणाली' के जरिए ट्रेनों के आपस में टक्कर होने को पूरी तरह रोकने का दावा किया जाता है। मगर कुछ समय के अंतराल पर आमने-सामने या पीछे से ट्रेनों की टक्कर और उसमें लोगों के मारे जाने से कवच प्रणाली की सीमा का पता चलता है कि यह कितनी ट्रेनों को उपलब्ध कराया गया है या जिसमें है, उसमें कितना कारगर है। ट्रेनों की रफ्तार को और ज्यादा बढ़ाने को एक यात्री सुविधा के रूप में पेश किया जाता है, मगर पटरियों की गुणवत्ता का क्या हाल है इस पर कितना ध्यान दिया जा रहा है इसकी पडताल कौन करेगा? बुलेट ट्रेन या अन्य तेज रफ्तार ट्रेनों की व्यवस्था के दावे सुर्खियों में होते हैं, वहीं मौजूदा रेल-संचालन को भी यात्रियों के लिए पूरी तरह सुरक्षित नहीं बनाया जा सका है। रेल महकमे में कितने पद खाली हैं और उन पर भर्तियों को लेकर क्या योजना है, उस पर विचार करना और इसे हादसों के कारण के रूप में चिह्नित करना भी उपेक्षित मसला है। सवाल है कि पटरियों पर हर वक्त एक जोखिम के साथ दौड़ती ट्रेनों के सफर को किस भरोसे अंतरराष्ट्रीय स्तर का बनाने का दावा किया जा रहा है! लेकिन इसे अब सिद्ध करना भी जरूरी लगने लगा है।

सबका सपना - स्वच्छ यमुना

डॉ. नीरज भारद्वाज

बरसात के मौसम में बाढ़ शब्द सबसे ज्यादा सुनाई देता है। समाचार सुनते हैं तो उसमें पता चलता है कि सभी नदियां और बरसाती नाले उफान पर हैं। कहीं कोई बह गया, कहीं फसल नष्ट हो गई आदि आदि बातें चलती रहती हैं। कुछ लोग कहते हैं कि नदियों में पानी अधिक छोड़ा जा रहा है, नदियों पर बांध बनाने चाहिए आदि। सही मायनों में तो लोगों की गिरती सोच ने नदियों में भी अतिक्रमण करना शुरू कर दिया है। पहाड़ी क्षेत्र हों या समतल क्षेत्र लोग नदी के किनारे और नदी के अंदर ही घर बना बनाकर रहे रहे हैं। कोई जानने-समझने वाला नहीं है। लोग धीरे-धीरे नदी का मार्ग और उसके रास्ते को दुर्गम कर रहे हैं। जैसे ही बरसात का मौसम आता है, नदियां अपने यौवन में आती हैं और जो भी नदियों के अंदर अतिक्रमण हुआ है, वह उसे बहा ले जाती हैं या सभी कुछ जलमग्न हो जाता है, बचाओ-बचाओ का शोर मचाया जाता है। मुआवजा की बात होनी शुरू हो जाती है। सरकार को दोष दिया जाता है, अपने अंदर कोई झांकना नहीं चाहता है। नदियों की सफाई, छटाई और रख-रखाव कौन करे? यह बड़ा प्रश्न है। उत्तराखंड के पवित्र पहाड़ों में छोटी-बड़ी कितनी ही पवित्र नदियों का उद्गम स्थल है। अलकनंदा, भागीरथी आदि नाम से बहती हुई, यह नदियां बाद में मां गंगा के नाम से आगे बहती है। यमुना में भी ऐसे ही छोटी-बड़ी नदियां और बरसाती नाले मिल जाते हैं और इसका भी विराट स्वरूप होता चला जाता है। यह पवित्र नदियां जन जीवन को खुशहाल बनाती हैं, साथ ही लोक मंगल के काम करती हुई आगे बढ़ जाती हैं। अपने मधुर स्वर के साथ बहती हुई, यह नदियां एक नया जीवन देती हैं। मां गंगा भारत की सबसे लंबी नदी है। हमारे पूज्य संतों ने और हमारे शास्त्रों ने नदियों की पूजा की है, जो आज भी कर रहे हैं। पूज्य संत चिदानंद मुनि जी महाराज मां गंगा के किनारे रोजना गंगा आरती में जन को नया संदेश देते हैं। दिल्ली भारतवर्ष की राजधानी है और यह महानगर मां यमुना नदी के किनारे बसा हुआ है।

लेकिन आज यमुना नदी राजधानी महानगर से आगे और पीछे दयनीय स्थित में है। दिल्ली के वजीराबाद पुस्ते से कालिंदी कुंज पुस्ते तक मां यमुना पूरी तरह नाला बन गयी है। दिल्ली के लगभग सभी गंदे नाले मां यमुना में डाले जा रहे हैं। दिल्ली महानगर में रहने वाले लोग फ्री राशन, फ्री पानी, फ्री बिजली, फ्री बस सेवा आदि की बात करते हैं और यह योजनाएं चाहते हैं। राजनीति भी इसी के आस-पास चल रही है लेकिन मां यमुना की सफाई, रख-रखाव और उसके बचाव के लिए कितना काम हो रहा है, यह सोचने की बात है। मां यमुना की सफाई और रख-रखाव को एक जन आंदोलन बनाना होगा। हर एक व्यक्ति को इसके बारे में विचार करना होगा और सोचना होगा। हम प्रकृति, पर्यावरण, नदी, वृक्षों आदि का केवल उपभोग कर रहे हैं, इनके रख-रखाव में हमारी कितनी भूमिका है इस पर विचार करना होगा। एसी कमरे में सोने के साथ-साथ हमें वृक्षों को भी लगाना होगा, जिससे पर्यावरण की रक्षा हो सके। मां यमुना हमारी भक्ति, आस्था, इतिहास, कला आदि सभी से जुड़ी हुई है, फिर भी वर्तमान में इसकी इतनी अनदेखी क्यों हो रही है? यह एक बड़ा प्रश्न मन में बार-बार उठता है।

चिंता जनक है बंगलादेश में हिन्दू समुदाय व धर्मस्थलों पर बढ़ते हमले!

मनोज कुमार अग्रवाल

बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर अत्याचार बढ़ गया है. हिंदू समुदाय के लोगों को लगातार निशाना बनाया जा रहा है साथ ही उनके धार्मिक स्थलों पर भी हमले किए जा रहे हैं. लोगों की जमीन पर कब्जा किया जा रहा है. हिन्दू नाबालिग लड़कियों को अगुआ कर निकाह की वारदातों की झड़ी लगी है। हिन्दू मंदिरों और रिहायशी बस्तियों पर चरमपंथियों के हमले होना आम बात है। इस सब दमनकारी वारदातों में बंगलादेश पुलिस और प्रशासन कारवाई के नाम पर सिर्फ लकीर पीटने का काम करता रहा है जिसके चलते कट्टरपंथियों के हौसले बुलंद है और अल्पसंख्यकों खासकर हिन्दू अल्पसंख्यकों का जीवन एक रिपोर्ट की माने तो पिछले एक साल में करीब एक हजार से ज्यादा ऐसे मामले आए हैं जहां अल्पसंख्यकों को निशाना बनाया गया है, वहीं हिंसा में 45 लोगों की मौत हुई है। यह वही बंग्लादेश है जो 1971 के 'मुक्ति संग्राम' में पाकिस्तान की हार के बाद अस्तित्व में आया था। लेकिन बंगलादेश में भी कट्टरपंथी तत्वों द्वारा पाकिस्तान की भांति ही अल्पसंख्यक हिंदुओं, बौद्धों, ईसाइयों तथा अन्य अल्पसंख्यकों पर हिंसा जारी है एक ताजा रिपोर्ट बताती है कि पिछले सिर्फ एक साल में एक हजार से ज्यादा ऐसे मामले आए हैं जहां अल्पसंख्यकों को निशाना बनाया गया है, वहीं हिंसा में 45 लोगों की मौत हुई है। बांग्लादेश हिंदू, बुद्धिस्ट, क्रिश्चियन ओइक्या परिषद ने एक रिपोर्ट पेश की जिसमें ये चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। इन्हीं सबको लेकर 12 जुलाई को ढाका नेशनल प्रेस क्लब के सामने हिंदुओं के कुछ समूह ने प्रदर्शन भी किया। बंगलादेश में कट्टरपंथी ताकतें किस तरह नफरत की फसल तैयार करने में लगीं है इस का अंदाजा पिछले कुछ दिनों में सामने आई निम्न घटनाओं से लगाया जा सकता है। 16 फरवरी, 2024 को 'ब्राह्मणबारिया' जिले के 'पाइकपारा' इलाके में कुछ बदमाशों ने सरस्वती पूजा पंडाल पर हमला करके मूर्ति को तोड़ दिया तथा शिकायत दर्ज करवाने के बावजूद पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की इसी दिन 'दिनाजपुर' जिले में एक विश्वविद्यालय में कुछ मुस्लिम छात्रों ने सरस्वती पूजा के मंडप में तोड़फोड़ की तथा एक अन्य घटना में 'पिरोजपुर' जिले में कुछ उपद्रवियों ने हिंदुओं के कई मकानों को आग लगा दी।वहीं 8 फरवरी को 'मौलवी बाजार' शहर में स्थित काली मंदिर की मूर्तियां तोड़ी गईं और आभूषण लूट लिए गए।3 मार्च को कट्टरपंथी तत्व गोपालगंज में एक महिला पुजारी की हत्या करने के बाद देवी के मंदिर से सोना और गहने लूट कर ले गए। 22 मार्च को 'सिराजगंज' में उपद्रवी तत्वों द्वारा 'काली मंदिर' पर हमला करके कई मूर्तियां तोड़ दी गईं। 17 अप्रैल को 'बरीसल' में 'राधा-गोबिंद सेवाश्रम मंदिर' पर हमला करके तोड़-फोड़ की गई।23 अप्रैल को ढाका के निकट 'फरीदपुर' के 'पंचपल्ली काली मंदिर' में उपद्रवी तत्वों ने देवी की साड़ी में आग लगा दी।21 मई को 'मागुरा' शहर में स्थित मंदिर में तोड़फोड़ करने के बाद मंदिर तथा कुछ मकानों को आग लगाकर जला दिया गया। 26 मई को एक हिन्दू छात्र उत्सव कुमार 'ज्ञान' को ईश निंदा के आरोप में मुस्लिम भीड़ ने पकड़ कर बेरहमी से पीटा जिससे वह बेहोश हो गया। 10 जुलाई को हिन्दुओं पर हमले की नवीनतम घटना राजधानी ढाका की हिन्दू बहुल 'मीरांजिला कालोनी' में हुई जहां सत्तारूढ़ अवामी लीग के गुंडों ने हिन्दुओं के अनेक मकानों और मंदिर को क्षति पहुंचाने के अलावा कालोनी में रहने वाले हिन्दुओं पर हमला करके 60 से अधिक लोगों को घायल कर दिया जिनमें से कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है। उपद्रवी तत्वों ने यह हमला उस समय किया जब अल्पसंख्यक हिन्दुओं के पुनर्वास के लिए ढाका में बनाई गई समिति के सदस्यों ने कालोनी का दौरा किया। इसका विरोध कर रहे स्थानीय मुसलमानों के एक वर्ग ने हिन्दुओं पर जबरदस्त पत्थरबाजी शुरू कर दी और उनके मकानों तथा मंदिर को तहस-नहस कर दिया। बंगलादेश में इसी वर्ष 7 जनवरी को हुए आम चुनावों के बाद वहां रहने वाले हिन्दुओं ने प्रधानमंत्री शेख हसीना की पार्टी 'अवामी लीग' को वोट दिया था ताकि वे देश में सुरक्षित और शांतिपूर्वक रह सकें। परंतु शेख हसीना सरकार अल्पसंख्यकों पर हमले रोकने में नाकाम रही है। अल्पसंख्यक संगठनों का दावा है कि उनके सदस्यों पर हर माह कम से कम 3 हमले हो रहे हैं। यही नहीं, इसी वर्ष 24 जनवरी से बंगलादेश में कुछ एक्टीविस्ट समूहों व विरोधी दलों द्वारा 'इंडिया आऊट' अभियान भी शुरू करके भारतीय वस्तुओं के बहिष्कार तथा हिन्दू और मुसलमानों के संबंध बिगाड़ने की कोशिशें शुरू कर दी गई हैं। इस तरह के हालात के बीच बंगलादेश में हिंदुओं की आबादी घट रही है। अमरीका की 'अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता रिपोर्ट' के अनुसार 2022 में देश की 165.7 मिलियन आबादी में 91 प्रतिशत मुस्लिम तथा 9 प्रतिशत हिंदू रह गए हैं जबकि 2011 में 89 प्रतिशत मुस्लिम तथा 10 प्रतिशत हिंदू थे। भारत सरकार को यह मामला गंभीरता पूर्वक बंगलादेश की शेख हसीना सरकार के सामने उठाना चाहिए जिसके साथ हमारे अच्छे सम्बन्ध हैं। बांग्लादेश के हिंदू एक्टिविस्ट डॉ गोविन्दा चंद्र प्रामाणिक ने कहा कि बांग्लादेश में हिंदू ख़तरे में हैं, और सरकार चुप हैं.यहां 70% मामले भूजिहाद से संबंधित हैं। हिन्दुओं को जबरन अवैध बेदखली के 47 मामले सामने आए हैं जबकि मंदिरों पर हमले की 94 घटनाएं सामने आई हैं और 40 मूर्तियां तोड़ी गईं। दर्जनों हिंदू लड़कियों का अपहरण कर धर्म परिवर्तन कराया गया.25 हिंदू लड़कियों के साथ बलात्कार/सामूहिक बलात्कार किया गया (उनमें से अधिकतर नाबालिग थीं).45 हिंदुओं की हत्या कर दी गई.जबकि36 हिंदुओं को हत्या की धमकी देने के आरोप हैं। विभिन्न हमलों में 479 हिंदू घायल हुए हैं। अमीर हिंदू बिजनेसमैन से जबरन वसूली के 11 मामले सामने आए हैं वहीं काल्पनिक ईशनिंदा के आरोप में 8 हिंदू गिरफ्तार किया गया। ये आंकड़े बताते हैं कि बंगलादेश में हिन्दुओं के साथ कितना अत्याचार और दमन किया जा रहा है। आपको पता हो कि मुस्लिम देश होने के बावजूद बंगलादेश के लोगों पर अविभाजित भारत की बंगला संस्कृति का प्रभाव है तथा इस देश ने अनेक राष्ट्र भक्त और क्रांतिकारी व देशभक्ति की भावना से परिपूर्ण क्रांतिकारी कवि और साहित्यकार दिए हैं। ऐसे में बंगलादेश में उग्रवादी तत्वों का उभार चिंता का विषय है। यदि समय रहते इस पर रोक न लगाई गई तो बंगलादेश में कट्टरपंथी तत्वों के और अधिक प्रभावी होने और वहां का सामाजिक ताना-बाना को नष्ट करने की आशंका बढ़ जाती है ।भारत सरकार को गंभीरता से सख्त संदेश देना चाहिए।

मिट्टी में मिलते जा रहे, मिट्टी के बर्तन बनाने वाले कुम्हारों के अरमान

प्रियंका सौरभ

आधुनिक फ्रिज और एसी ने मिट्टी के बर्तन बनाने वाले कारीगरों के सपनों को भी चकनाचूर कर दिया है। ये मिट्टी के बर्तन बनाकर रखते हैं लेकिन बिक्री न होने की वजह से खाने के भी लाले पड़ जाते हैं। परिवार कैसे चलेगा। कोई भी मटके खरीदने नहीं आ रहा है। धंधे से जुड़े लोगों ने ठेले पर रखकर मटके बेचने भी बंद कर दिए हैं। देश भर में प्रजापति समाज के लोग मिट्टी के बर्तन बनाने का काम करते हैं। कुम्हार अपना पुश्तैनी काम छोड़ नहीं सकते. इसलिए उनके पास मिट्टी के बर्तन और गर्मी के दिनों में घड़े बेचने के अलावा कमाई का दूसरा विकल्प नहीं है। हालात ये हैं कि अब कुम्हार परिवार अपने काम को जिंदा रखने के लिए कर्ज लेकर व्यवसाय कर रहे हैं। लेकिन इससे भी इनकी लागत नहीं निकल रही. कुम्हार (कुंभकार) जाति के लोग मिट्टी से ही अपना रोजी-रोटी एवं जीवन-यापन करते हैं। कुम्हार शब्द, कुम्भकार से निकला हुआ प्रतीत होता है, जिसका अर्थ कुम्भ, यानि घड़ा बनाने वाला होता है। इन्हें कुम्हार, प्रजापति, प्रजापत, घुमियार, घुमर, कुमावत, भांडे, कुलाल या कलाल आदि नामों से भी अलग-अलग प्रदेशों में जाना जाता है। कुम्हारों की हस्तकला ही, उनके रोजगार का साधन होता है। कुम्हार अपने हाथों से मिट्टी की वस्तुएँ बनाते हैं। कुम्हार मिट्टी से वस्तुएँ बनाने के लिए काली मिट्टी, लाल मिट्टी, रेत व राख आदि को एक साथ मिलाकर, पानी डाल कर अच्छे से मिक्स करते हैं। उसके बाद चाक (चकरी) में मिट्टी को रखकर उनको आकार देते हैं, और भिन्न-भिन्न वस्तुओं का निर्माण करते हैं। देवी-देवताओं की मूर्तियां, दीया, बोरा, बैल, करसा, कलास, ठेकुआ, पुरा, मर्की, ओम, देवा, चूल्हा व बच्चों के खिलौने। मिट्टी के बर्तन पकने के बाद, उनको नजदीकी बाजार एवं चौक-चौराहों में बेचने के लिए ले जाते हैं। और उसके बाद, उसी वस्तुओं के पैसे से जो आमदनी उनको प्राप्त होती है, उसी से यह अपना जीवन-यापन और अपने बच्चों का पालन पोषण करते हैं। लेकिन इन मिट्टी के बर्तन या खिलौने का मूल्य उतना ज्यादा नहीं रहता, जीतना उसमें मेहनत लगता है। और-तो-और लेने वाला व्यक्ति भी, वस्तुएं लेने पर मोलभाव करके, उसमें पैसा कम करवा ही लेता है। इन कुम्हारों का रोजगार उतना अच्छा नहीं रहता। क्योंकि, पहले के समय में, सभी लोग मिट्टी के बर्तन व मिट्टी के वस्तुएं उपयोग करते थे। लेकिन अभी, वर्तमान के समय में, मिट्टी के बर्तनों को लोग नहीं के बराबर इस्तेमाल करते हैं। क्योंकि, सभी लोग स्टील के बर्तन, फाइबर के बर्तन आदि का अधिक यूज़ करते हैं। जिससे इनकी आमदनी, पहले के समय से कम होती है। गणेश पक्ष, दुर्गा पक्ष व विश्वकर्मा पक्ष आदि में ही इन लोगों को थोड़ी आमदनी हो पाती है और बाकी समय में इनको एक दिन में 100 से 200 रुपये भी मिलना मुश्किल हो जाता है। बहुत से कुम्हार, आमदनी अच्छी ना होने के कारण, मिट्टी के वस्तु बनाना छोड़ दिए हैं। और कुछ अन्य काम, अपने जीवन-यापन करने के लिए पकड़ लिए हैं और उसी में लगे हुए हैं। वह लोग इस काम को और करना नहीं चाहते। क्योंकि, इसमें मेहनत अधिक और आमदनी कम है। वर्तमान में कुम्हारों का स्थिति बहुत ही खराब है। क्योंकि, पहले जैसा अभी के समय में लोग मिट्टी के समान उपयोग करना बंद कर दिए हैं। इस कारण, इनके पास जो बना हुआ वस्तु भी रहता है। वह भी बिक नहीं पाता है, जिससे इनको नुकसान ही उठाना पड़ता है। बाकि मिट्टी के वस्तुएं, अपने सीजन में ही बिक पाते हैं। बाकी समय इनका बिकना मुश्किल हो जाता है। मिट्टी व पानी की समस्या ने इस धंधे की कमर तोड़ दी है। पहले इस व्यवसाय के लिए यह गांव काफी चर्चित था। लेकिन समय बीतने के साथ यह धंधा कुछ खत्म होने लगा है। गांव में कच्चे मकान की संख्या काफी कम हो गई है। जिस कारण छत में लगने वाले खपड़े की बिक्री नहीं के बराबर होती है। अब इस धंधे से लाभ नहीं है। सबसे ज्यादा परेशानी मिट्टी के लिए होती है। पहले वर्षों से मिट्टी वन विभाग की जमीन से लाई जाती थी। लेकिन वर्तमान में इस पर रोक लगा दी गई है। पानी की समस्या एवं कोयले के दाम में बढ़ोत्तरी। जिसने इस धंधे की कमर तोड़ कर रख दी है। परिवार के चार सदस्यों की कड़ी मेहनत के बाद एक दिन में ढाई सौ खपड़े का निर्माण हो पाता है। जिसे पकाकर तीन हजार रुपये में बेचा जाता है। लागत के अनुसार उन्हें लाभ नहीं मिल पाता है। मिट्टी के बर्तन बनाने के अलावा इनके पास और कोई दूसरा रोजगार नहीं है, न ही कृषि करने के लिए इनके पास भूमि है। और न अन्य साधन, जिससे आय का आवक हो पाए। यह जैसे-तैसे करके अपने परिवार को पाल रहे हैं। मौजूदा दौर में एल्युमीनियम, थर्माकोल व प्लास्टिक बर्तनों का खूब चलन चला है, जो कि हमारे स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होते हैं। हमारे पूर्वज अपने समय में मिट्टी, लोहे व काँसे के बने बर्तनों का उपयोग करते थे। इसलिए उन्हें मौजूदा दौर की बीमारियाँ नहीं हुईं।

पुलिसिया अंदाज़ में...

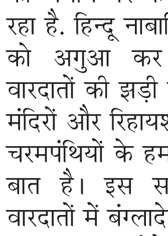

सुरेश मिश्रा

बचपन से दो ही शौक रहे हैं - साहित्य पढ़ना और सौंदर्य देखना। अब साहित्य मुझसे दूरी बना रहा था, सो मैंने सौंदर्य की ओर कदम बढ़ाने का निर्णय किया। लाइन मारने का इरादा जो था, सोचा पहले मुंह धो लिया जाए। इंसेशन जमेगा यही सोचकर नल के पास गया। पानी कम था, सोचा ड्राई क्लीन कर लिया जाए। तभी लगा कि कोई मेरे जेब की लक्ष्मी पर कुदृष्टि डाल रहा है।

मेरे होते हुए कोई मेरा धन चुरा ले तो बर्दाश्त नहीं होगा, राष्ट्रीय नहीं व्यक्तिगत अस्मिता का भी सवाल था। मैंने तुरंत उस टपोरी लड़के को पकड़ा, जो मेरी जेब की एकमात्र इज्जत चाह रहा था। पर एन वक्त पर चश्मे से झांकती मेरी छोटी आंखों ने उसे धर दबोचा। मैंने अपने रूपए वापस ले लिए, यानी छीन लिए। अब मुझे उस भारत के भविष्य से कोई सरोकार नहीं था। लेकिन फिर भी बुद्धिजीवी और विद्वान होने के नाते मैंने अपने ज्ञान के थोक भंडार से राष्ट्र की सेवा हेतु कुछ ज्ञान खर्च किया। या फिर यूं समझ लीजिए, उन कन्याओं को अपने ज्ञान की होलसेल दुकान दिखाकर इंप्रेस करने हेतु मैं उस बालक पर ज्ञान की बौछार एक साथ करने लगा। वह इस ज्ञान की बारिश से भीग गया। लेकिन मुझे उसकी कोई परवाह नहीं थी।

चोरी करना पाप है। भगवान ने दो हाथ दिए हैं, कमाकर खाने की नियत नहीं। घरवालों ने चोरी करना सिखाया क्या? बोल अंदर करवा दूं? पता नहीं थोक भाव में कहां-कहां के पैदा हो जाते हैं। अचानक जीजाश्री वाले मामाजी मेरे पास आए, यानी कांस्टेबल। एक बार कि मैं घबरा गया क्योंकि मुझे जन्मजात पुलिस फोबिया है। लेकिन सज्जनता उनके चेहरे पर फेयर एंड लवली की तरह चमक रही थी। उन्होंने हाथ मिलाना चाहा पर मैंने नहीं मिलाया। मन के किसी कोने में डर अभी भी दबा हुआ बैठा था। मुझे घूर कर पूछा क्या बात हुई? मैंने कहा - कुछ नहीं, यह लड़का मेरी जेब काट रहा था। या फिर बात नहीं हुई... सौ ही रुपए की बात थी, तो मैंने सोचा जाने दो। पर लड़के को थोड़ा समझाना उचित समझा इसलिए... मैंने अटकते हुए कहा... सारे समाज को सुधारने का ठेका आपने ले रखा है? हम क्यों बैठे हैं यहां? उसने धमकाते हुए कहा। मैं सकुचाते हुए बोला - अजी छोड़िए भी! कुछ खास नहीं! उसका तमतमाया चेहरा अपनी वाली पर उतर आया, कड़क कर बोला... बुद्धिजीवी के बच्चे! तुम्हें भी अंदर कर दूं तो कैसी रहे? साले... पुलिस कुछ करती है तो करने नहीं देते। ना करें तो भ्रष्टाचार का लांछन लगाते हैं। आए बड़े समाज सुधारक! चल मुकदमा दर्ज कर अंदर कर दूँ, तब तुम्हें समझ आएगा।

आषाढ़ मास की पूर्णिमा को क्यों कहा जाता हैं गुरु पूर्णिमा

हिन्दू धर्म में पूर्णिमा तिथि को बहुत ही महत्वपूर्ण माना जाता है। मान्यता है कि पूर्णिमा पूजा-पाठ करने से विशेष लाभ प्राप्त होता है। वैदिक पंचांग के अनुसार, आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि पर गुरु पूर्णिमा व्रत का पालन किया जाता है। यह पर्व गुरु पूजन के लिए समर्पित है और इसका हिंदू धर्म में विशेष महत्व है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, गुरु पूर्णिमा के दिन स्नान-दान, पूजा-पाठ करने से विशेष लाभ प्राप्त होता है। लेकिन कुछ लोगों के मन में गुरु पूर्णिमा की तिथि को लेकर संशय है। ऐसे में आइए जानते हैं, सही तिथि और पूजा विधि।

गुरु पूर्णिमा 2024 तिथि

वैदिक पंचांग के अनुसार, आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि 20 जुलाई शाम 05:59 पर शुरू हो रही है और यह तिथि 21 जुलाई दोपहर 03:45 पर समाप्त होगी। ऐसे में गुरु पूर्णिमा पर्व 21 जुलाई 2024, रविवार के दिन मनाया जाएगा। बता दें कि गुरु पूर्णिमा के दिन सर्वार्थ सिद्धि योग का निर्माण हो रहा है, जो सुबह 05:30 से मध्य रात्रि 12:24 तक रहेगा।

गुरु पूर्णिमा 2024 शुभ मुहूर्त

शास्त्रों में बताया गया है कि ब्रह्म मुहूर्त में स्नान-ध्यान करने से विशेष लाभ मिलता है। इस दिन ब्रह्म मुहूर्त का समय सुबह 04:13 से सुबह 04:50 के बीच रहेगा। वहीं दान-पुण्य के लिए अभिजीत मुहूर्त को बहुत ही उत्तम माना जाता है। अभिजीत मुहूर्त दोपहर 12:01 से दोपहर 12:55 के बीच रहेगा। संध्या पूजा के लिए शुभ मुहूर्त शाम 07:24 से रात्रि 08:25 के बीच रहेगा।

गुरु पूर्णिमा के दिन करें यह कार्य

गुरु पूर्णिमा के दिन माता-पिता, गुरु और देवी देवताओं की उपासना के लिए समर्पित है। इस विशेष दिन पर माता-पिता और गुरु जनों का आशीर्वाद लेना चाहिए। साथ ही देवी-देवताओं को प्रसन्न करने के लिए पूजा-अनुष्ठान करना चाहिए। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस विशेष दिन पर पवित्र स्नान करने से अक्षय पुण्य की प्राप्ति होती है और व्यक्ति के सभी पाप और कष्ट दूर हो जाते हैं। इसके साथ जो व्यक्ति इस विशेष दिन पर जरूरतमंद लोगों को भोजन, वस्त्र या धन का दान करता है, उन्हें सुख, समृद्धि और ऐश्वर्य की प्राप्ति होती है।

गुरु पूर्णिमा के ये उपाय हर समस्या का समाधान

गुरु पूर्णिमा के दिन आपको सुबह स्वच्छ होने के बाद घर के मंदिर में दीपक जलाना चाहिए या फिर किसी मंदिर में जाना चाहिए। घर के पूजा स्थल या मंदिर में जाकर आपको गुरु ग्रह के बीज मंत्र 'ॐ ग्रां ग्रीं ग्रौं सः गुरवे नमः' का कम से कम 108 बार जप करना चाहिए। इसके बाद हर बृहस्पति वार के दिन 11 बार आपको इस मंत्र का जप करना चाहिए। यह उपाय अगर आप आजमा लेते हैं तो आपके जीवन में गुरु की कृपा बरसने लगती है। आपको धन-धान्य और पारिवारिक सुख प्राप्त होता है।

बृहस्पति ग्रह के साथ ही आपको गुरु पूर्णिमा के दिन भगवान विष्णु की पूजा भी करना चाहिए। विष्णु पूजन से भी कुंडली में बृहस्पति की स्थिति मजबूत होती है। इस दिन आप पीले रंग के पुष्प, मिठाई और कपड़े अगर बृहस्पति देव और विष्णु भगवान को अर्पित करते हैं तो जीवन में सकारात्मकता आने लगती है। यह उपाय आपको आर्थिक उन्नति देने वाला भी साबित होता है।

अगर संभव हो तो आपको गुरु पूर्णिमा के दिन व्रत रखना चाहिए और विधि-विधान से विष्णु भगवान और बृहस्पति देव की पूजा करनी चाहिए। व्रत रखने से कुंडली में मौजूद गुरु दोष तो दूर होगा ही, साथ ही अन्य ग्रह भी मजबूत होंगे।

हिंदू धर्म में पूर्णिमा के दिन किए गए दान का बड़ा महत्व है। इस दिन आपको बृहस्पति का ध्यान करते हुए दान देना चाहिए। दान में आप धन, पीले रंग के वस्त्र या सामर्थ्य अनुसार कोई भी वस्तु दे सकते हैं। इस दिन किए गये दान से आपको न केवल देवी-देवताओं बल्कि पितरों का आशीर्वाद भी प्राप्त होता है।

जगन्नाथ भगवान ने क्यों जकड़ा हनुमान जी को बेड़ियों में?

पौराणिक कथाओं के अनुसार, पुरी में जब जगन्नाथ धाम बना तो इसके दर्शन के लिए न केवल मनुष्य बल्कि देवी-देवता और गंधर्व भी आए। इन सब को पुरी धाम की ओर जाते देख समुद्र के मन में भी जगन्नाथ महाप्रभु के दर्शन करने की इच्छा जागी।

समुद्र जब जगन्नाथ जी के दर्शन करने आया तो वहां मौजूद भक्तों को परेशानी होने लगी, धाम के आस पास समुद्र का पानी आ गया। ऐसा केवल एक दिन नहीं बल्कि बार-बार होने लगा। इसके बाद भक्तों ने जगन्नाथ जी से मदद मांगी। तब भगवान जगन्नाथ जी ने बजरंगबली को कहा कि, वो समुद्र को नियंत्रित करें। मान्यताओं के अनुसार, हनुमान जी ने जगन्नाथ की आज्ञा पाकर समुद्र को बांध दिया।

जब हनुमान जी के बंधन के बाद समुद्र जगन्नाथ जी के दर्शन करने नहीं जा पाया तो उसने एक चाल चली। समुद्र ने हनुमान जी से कहा कि, तुम प्रभु के कैसे भक्त हो? तुम्हें जगन्नाथ जी के दर्शनों की लालसा नहीं होती? बार-बार समुद्र ने जब ये बात दोहरानी शुरू कर दी तो हनुमान जी के मन में प्रभु के दर्शन करने की लालसा जाग उठी। इसके बाद हनुमान जी जगन्नाथ जी के दर्शनों के लिए निकल पड़े और उनके पीछे समुद्र भी मंदिर तक जा पहुंचा।

हनुमान जी ने जब बार-बार मंदिर में जाना शुरू कर दिया तो समुद्र भी बार-बार धाम तक पहुंचने लगा। भक्त फिर से परेशान होने लगे और उन्होंने जगन्नाथ जी से इस समस्या को सुलझाने को कहा।

इसके बाद जगन्नाथ जी ने हनुमान जी की इस आदत को छुड़वाने के लिए, समुद्र के निकट उनके पैरों में सोने की बेड़ियां बांध दी। जगन्नाथ पुरी में समुद्र के पास आज भी बेदी हनुमान या बेड़ी हनुमान जी का मंदिर स्थित है।

जगन्नाथ धाम से जुड़ी रहस्यमयी बातें

पुरी धाम में प्रवेश के बाद समुद्र की आवाज आपके कानों में नहीं आती, माना जाता है कि आज भी हनुमान जी सुमद्र को जगन्नाथ धाम तक जाने से रोकते हैं और इसीलिए समुद्र की आवाज तक धाम के अंदर तक नहीं पहुंचती। इस मंदिर का प्रसाद भी बेहद रहस्यमयी तरीके से हमेशा उतना ही बनता है जितने की आवश्यकता है।

यानि भक्त कम हों या ज्यादा प्रसाद की कमी इस मंदिर में कभी नहीं होती।

आपने कई मंदिर के शिखर या गुंबद पर पक्षियों को बैठे देखा होगा या फिर मंदिर के ऊपर से उड़ते देखा होगा। लेकिन पुरी धाम में ऐसा कुछ नहीं होता ना ही मंदिर के ऊपर पक्षी बैठते हैं और ना ही मंदिर के ऊपर से उड़ते हैं। यहां तक कि हवाई विमान भी मंदिर के ऊपर से नहीं उड़ाया जा सकता।

इस मंदिर से जुड़ा एक रहस्य जिसके बारे में अधिकतर लोग जानते हैं, वो ये है कि मंदिर के शिखर पर लगा ध्वज हमेशा हवा के विपरीत लहराता है।

पन्ना रत्न किन राशियों को धारण करना चाहिए किन राशियों को नहीं ?

पन्ना रत्न बुध ग्रह का है इसका स्वामी बुध है बुध वाणी व्यापार तथा बहन बुआ मौसी का कारक होते है पन्ना रत्न बुध का रत्न है यह रत्न गहरे हरा तथा हल्के हरा रंग का होता है सभी रत्नों में पन्ना को काफी महत्व दिया जाता है।

वृष लग्न

वृष लग्न में बुध दुसरे और पंचम भाव के स्वामी एक योग कारक ग्रह बन जाता है इस लगन के वयोक्ति पन्ना रत्न धारण करने सुख संपति,संतान मान -सम्मान यश तथा भाग्योदय प्राप्त होता है इसे अगर हीरा रत्न के साथ धारण करते है और लाभ होता है।

मिथुन लग्न

मिथुन लग्न वाले पन्ना रतन धारण करते है इन लगन को बुध चौथे भाव के स्वामी है पन्ना रतन धारण करने से कष्ट तथा विपत्ति को दूर करता है।

कन्या लग्न

कन्या लग्न में बुध लगन तथा तथा दशम भाव के स्वामी है इस लगन के वयोक्ति को शाररिक,मानसिक एवं सामाजिक तौर पर रक्षा करता है आयु में वृद्धि तथा व्योपार में उन्नति होती है।

तुला लग्न

तुला लग्न में बुध नवम भाव और दशम भाव का स्वामी होते है द्वादश भाव में बुध की त्रिकोण का स्वामी होने के कारण बुध को तुला लगन के लिए नीच ग्रह माना जाता है तुला लगन वाले अगर हीरा के साथ पन्ना रत्न धारण करने से लाभ मिलेगा।

मकर लग्न

मकर लग्न में बुध छठा भाव के तथा नवम भाव के स्वामी होते है नवम त्रिकोण में बुध की मूल त्रिकोण राशि में कन्या होती है बुध के मित्र राशि शनि है इसलिए मकर लगन के लोगो के लिए पन्ना रतन धारण करना बहुत ही लाभकारी होता है।

कुंभ लग्न

कुम्भ लग्न में बुध पंचम त्रिकोण तथा आठवें भाव के स्वामी है इसलिए कुम्भ लगन के लिए पन्ना रतन धारण करना बहुत ही शुभ होता है बुध की महादशा में अगर पन्ना रतन धारण करे बहुत ही उत्तम लाभ होता है।

यदि जन्मकुंडली में बुध छठा भाव तथा आठवें भाव में हो पन्ना रत्न धारण करने से बहुत ही लाभकारी होता है।

यदि जन्मकुंडली में बुध उच्च के भाव 2 ,3,4,5 7,9,10 अथवा 11 भाव का स्वामी होकर छठे भाव में हो पन्ना रतन धारण करने से सभी कष्ट दूर होते है तथा लाभ मिलता है।

पन्ना रत्न धारण करने की विधि

पन्ना रत्न को दाएं हाथ की छोटी उंगली में धारण करे इसे आप चांदी या सोने की अंगूठी में पन्ना रत्न को धारण करने से पहले इसको दूध में धो ले फिर पानी से साफ करे छोटी कटोरी में दूध ले उसमे पन्ना रत्न डाल दे उसमे हल्दी, कुमकुम डाले अपने कुल देवता का पूजन करके गणेश जी के मंत्र को 108 बार पढ़े बुधवार की सुबह 10 बजे के पहले पन्ना रत्न को धारण करे।

जन्मकुंडली, वास्तु, तथा व्रत त्यौहार से सम्बंधित किसी भी तरह से जानकारी प्राप्त करने हेतु दिए गए नंबर पर फोन करके जानकारी प्राप्त कर सकते है।

यहां माता पार्वती के साथ हर रात चौसर खेलने आते हैं भोलेनाथ !

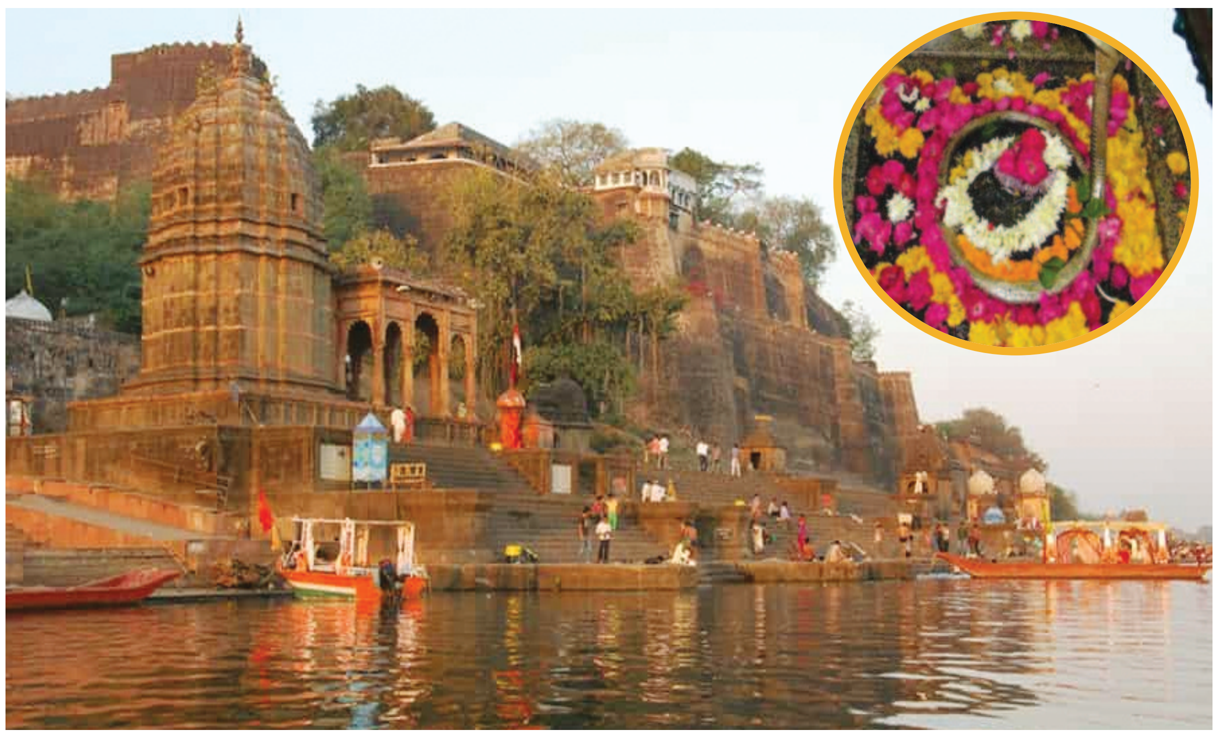

ओंकारेश्वर मंदिर मध्य प्रदेश के खंडवा जिले में स्थित नर्मदा नदी के बीच मन्धाता नाम के द्वीप पर स्थित है। यह ज्योतिर्लिंगों में से एक माना जाता है और भगवान शिव के भक्तों के लिए एक महत्वपूर्ण तीर्थस्थल है। यह ज्योतिर्लिंग नर्मदा नदी के किनारे ॐ के आकार वाले द्वीप पर स्थित है, इसलिए ही इस मंदिर का नाम 'ओंकारेश्वर' पड़ा। इस मंदिर का उल्लेख हिन्दू धर्म के अनेक प्राचीन ग्रंथों जैसे कि स्कंद पुराण, विष्णु पुराण और महाभारत में भी मिलता है। यहां पर भगवान शिव को ओंकारेश्वर और ममलेश्वर दो रूपों में पूजा जाता है।

ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग को लेकर मान्यताएं

ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग को लेकर बहुत सी मान्यताएं प्रचलित हैं। इनमें से सबसे प्रमुख मान्यता ये है कि भगवान शिव रात के समय ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग में निवास करते हैं। वे यहां आकर रात में विश्राम करते हैं। इसलिए रात में यहां भगवान शिव के लिए बिस्तर लगाया जाता है।ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग को लेकर एक अन्य मान्यता यह भी है कि इस मंदिर में भगवान शिव माता पार्वती के साथ चौसर या चौपड़ खेलते हैं। इसलिए रात्रि के समय यहां पर चौपड़ बिछाई जाती है और गर्भगृह के दरवाजे को बंद कर दिया जाता है। सबसे आश्चर्य की बात ये है कि मंदिर के भीतर रात के समय कोई भी नहीं जा सकता है, फिर भी यहां सुबह चौसर और उसके पासे इस तरह से बिखरे हुए मिलते हैं, जैसे रात्रि के समय किसी ने यहां चौपड़ खेला हो।

ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग को लेकर एक खास मान्यता ये भी है कि ओंकारेश्वर मंदिर में जल चढ़ाए बिना, साधक की सभी तीर्थ यात्राएं अधूरी मानी जाती हैं।

ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग की स्थापना की पौराणिक कथा

ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग की स्थापना को लेकर कुछ पौराणिक कथाएं हैं जिनमें से सबसे खास राजा मांधाता से जुड़ी हुई कथा है। इस पौराणिक कथा के अनुसार, प्राचीन काल में, राजा मांधाता बहुत धार्मिक और शक्तिशाली शासक थे। वे भगवान शिव के परम भक्त थे। एक बार उन्होंने भगवान शिव को प्रसन्न करने और उनकी कृपा प्राप्त करने के लिए ओंकार पर्वत पर स्थित नर्मदा नदी के किनारे कठोर तपस्या आरंभ की। उनकी तपस्या इतनी गहन और कठिन थी कि उसका प्रभाव संपूर्ण ब्रह्मांड पर पड़ा।

उनकी तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने प्रकट होकर उन्हें दर्शन दिए और उनसे दो वरदान मांगने को कहा। राजा मांधाता ने पहले वरदान में भगवान शिव से इसी पवित्र स्थान पर सदैव विराजमान रहकर अपने सभी भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण करने को कहा। अपने दूसरा वरदान उन्होंने ये मांगा कि इस पवित्र स्थान के नाम के साथ मेरा नाम भी हमेशा के लिए आपसे जुड़ा रहे, ताकि लोग मुझे याद रखें।

तब भगवान शिव ने राजा मांधाता के दोनों वरदान को पूर्ण किया और उस स्थान पर ज्योतिर्लिंग के रूप में विराजमान हो गए। इसलिए ही माना जाता है कि ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग स्वयंभू है, यानी इसका निर्माण किसी मनुष्य ने नहीं करवाया, बल्कि ये स्वयं प्रकट हुआ है। तब से भगवान शिव ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग के रूप में इस पवित्र स्थान पर विराजमान हैं। और इस क्षेत्र को मांधाता के नाम से जाना जाता है।

धार्मिक महत्व

हिंदू धर्म में ओंकारेश्वर मंदिर का अत्यधिक धार्मिक महत्व है। माना जाता है कि ओंकारेश्वर मंदिर में भगवान शिव की पूजा करने और नर्मदा नदी में स्नान करने से व्यक्ति के सभी पाप धुल जाते हैं और व्यक्ति को मोक्ष की प्राप्ति होती है। इस पवित्र स्थल पर ध्यान और पूजा करने से मन को शांति और आध्यात्मिक बल मिलता है। यह स्थान ध्यान और साधना के लिए बहुत शानदार है। ओंकारेश्वर में स्थित ज्योतिर्लिंग से दिव्य ऊर्जा का संचार होता है। यहां की सकारात्मक ऊर्जा से व्यक्ति के जीवन में सुख-शांति और समृद्धि का आगमन होता है और सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।

घर में वास्तु के अनुसार लगाएं पोछा

वास्तु शास्त्र में ऐसे कई नियम बताए गए हैं, जिनका ध्यान रखने पर व्यक्ति को अनगिनत फायदे मिल सकते हैं। इसी प्रकार यदि आप पोछा लगाते समय भी वास्तु के कुछ नियमों का ध्यान रखते हैं, तो इससे आपको कई तरह के लाभ मिल सकते हैं। ऐसे में चलिए जानते हैं पोछा लगते समय किन वास्तु नियमों का ध्यान रखना चाहिए।

पोछा लगाने का सही समय

वास्तु के अनुसार घर की साफ-सफाई के लिए सबसे सही समय ब्रह्म मुहूर्त को माना गया है। ऐसे में आप इस समय में पोछा लगा सकते हैं। यह असल में सूर्योदय से पहले की अवधि होती है। ब्रह्म मुहूर्त सुबह 04 बजे से सुबह 5 बजकर 30 के बीच का समय होता

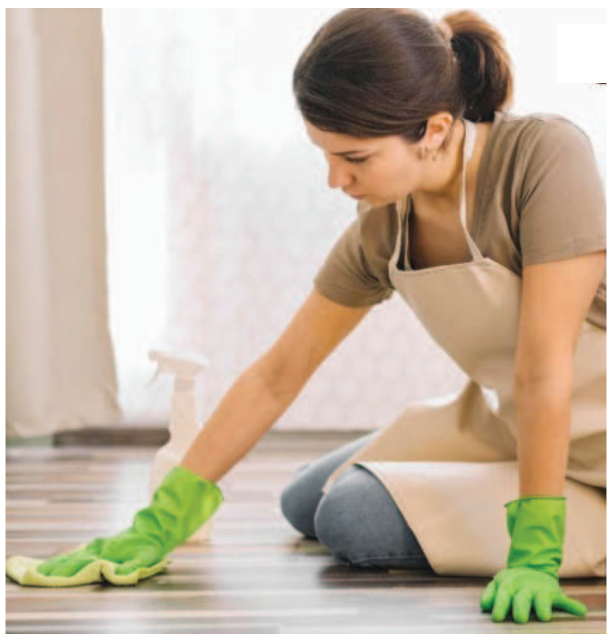

है। ऐसे में इस समय में घर में पोछा लगाने से घर सकारात्मकता बढ़ती है और शांत वातावरण बना रहता है। इसके साथ ही सूर्योदय के दौरान या उसके तुरंत बाद भी पोछा लगाना अच्छा माना जाता है।

इस तरह लगाएं पोछा

पोछा हमेशा घर के प्रवेश से लगाना शुरू करना चाहिए। इसके बाद घर के बाकी हिस्सों में पोछा लगाएं। अलग-अलग कमरों में पोछा लगाते समय, दक्षिणावर्त दिशा का पालन करें। ऐसा करने से प्राकृतिक ऊर्जा का प्रवाह बना रहता है। कोशिश करें कि पोछा हमेशा मुख्य द्वार के पास से शुरू करने इसी स्थान पर समाप्त करें।

इन बातों का रखें ध्यान

कभी भी दोपहर के समय घर में पोछा नहीं लगाना चाहिए। ऐसा करने से नकारात्मकता उत्पन्न हो सकती है। इसके साथ ही आप चाहें तो पोछे के पानी में थोड़ी-सी मात्रा में सेंधा या फिर नींबू का रस मिला सकते हैं। इससे घर का वास्तु ठीक बना रहता है और नकारात्मक ऊर्जा भी कोसों दूर बनी रहती है।

बॉयफ्रेंड राहुल मोदी संग शादी करने वाली हैं श्रद्धा कपूर?

बॉलीवुड एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर की अपकमिंग फिल्म 'स्त्री 2' का ट्रेलर गुरुवार को रिलीज कर दिया गया है। फिल्म के ट्रेलर को अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। मुंबई में 18 जुलाई को फिल्म 'स्त्री 2' का टेलर लॉन्च इवेंट हुआ और इस दौरान फिल्म कास्ट मौजूद रही है। राजकुमार राव, श्रद्धा कपूर, पंकज त्रिपाठी और अभिषेक बनर्जी ने मीडिया के सवाल के जवाब दिए। फिल्म 'स्त्री 2' की ट्रेलर लॉन्च इवेंट के दौरान श्रद्धा कपूर से उनकी शादी को लेकर सवाल किया गया। इस पर श्रद्धा कपूर ने काफी दिलचस्प जवाब दिया है। आइए जानते हैं कि फिल्म 'स्त्री 2' की एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर ने क्या कहा है।

इंडस्ट्री की पॉपुलर एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर ने बीते दिनों अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर किया था। जिससे क्लियर हो गया था कि वह स्क्रीनराइटर राहुल मोदी को डेट कर रही हैं। अब श्रद्धा कपूर अपनी फिल्म 'स्त्री 2' के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में पहुंची थीं और उन्होंने रेड कलर की साड़ी पहन रखी थी। यहां पर उनसे सवाल किया गया, 'आप दुल्हन बनकर आई हो, ये तो अभी का था। लोग इंतजार कर रहे हैं कि आप रियल लाइफ में दुल्हन बन रही हो।' श्रद्धा कपूर इस पर कहती हैं, 'वो स्त्री है, उसे जब दुल्हन बनना है वो बनेगी।' बताते चलें कि बीते साल 2023 में खबर आई थी कि श्रद्धा कपूर अपनी फिल्म 'तू झूठी मैं मक्कार' के राइटर राहुल मोदी को डेट कर रही हैं। श्रद्धा कपूर और राहुल मोदी की फिल्म 'तू झूठी मैं मक्कार' के सेट पर नजदीकियां बढ़ी थीं।

श्रद्धा कपूर की फिल्म 'स्त्री 2' 15 अगस्त को होगी रिलीज

श्रद्धा कपूर के वर्क फ्रंट की बात करें तो उनकी फिल्म 'स्त्री 2' सिनेमाघरों में 15 अगस्त को रिलीज होगी। अमर कौशिक के डायरेक्शन में बनने वाली इस फिल्म में श्रद्धा कपूर के अलावा राजकुमार राव, पंकज त्रिपाठी, अभिषेक बनर्जी और अपारशक्ति खुराना नजर आने वाले हैं। श्रद्धा कपूर पिछली बार साल 2023 में रिलीज हुई फिल्म 'तू झूठी मैं मक्कार' में नजर आई थीं।

'कल्कि' की कामयाबी पर अमिताभ ने कहा - प्रभास के लिए तो रुटीन है 1000 करोड़ कमाने वाली फिल्में

नाग अश्विन के निर्देशन में बनी फिल्म 'कल्कि 2898 AD' ने 1000 करोड़ से ज्यादा का कलेक्शन कर लिया है। इस सफलता पर फिल्म में अश्वत्थामा का रोल करने वाले एक्टर अमिताभ बच्चन ने एक वीडियो शेयर किया। वीडियो में बिग बी ने पब्लिक को शुक्रिया कहा है। साथ ही को-स्टार प्रभास की भी तारीफ की है।

पूरी टीम को सफलता की बधाई: अमिताभ

अमिताभ ने कहा, 'मैं यहां आप सभी लोगों को शुक्रिया कहने आया हूं। आप लोगों ने इस फिल्म को इतना प्यार दिया कि इसने 1000 करोड़ रुपए कमा लिए। मैं अपने को-आर्टिस्ट कमल हासन, प्रभास और दीपिका को भी धन्यवाद करता हूं। साथ ही इस फिल्म की पूरी टीम को सफलता की बधाई देता हूं।'

'उम्मीद है सेकेंड पार्ट में भी नजर आऊंगा'

वीडियो में बिग-बी ने आगे कहा, 'मेरे लिए तो 1000 करोड़ कुछ नया है पर प्रभास के लिए तो यह रुटीन की तरह है।' वीडियो में अमिताभ ने यह भी बताया कि वो अब तक इस फिल्म को चार बार देख चुके हैं। अंत में उन्होंने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि वो इस फिल्म के सेकेंड पार्ट में भी नजर आएंगे।'

फिल्म 'कल्कि' में अमिताभ के अलावा प्रभास, दीपिका पादुकोण और कमल हासन जैसे एक्टर्स भी नजर आए। जल्द ही इसके सेकेंड पार्ट की शूटिंग शुरू होगी।

राम चरण ने देश का बढ़ाया मान, मेलबर्न में फहराएंगे तिरंगा, सिनेमा में योगदान के लिए मिलेगा सम्मान

25 अगस्त से शुरू होने वाला इंडियन फिल्म फेस्टिवल 10 दिनों तक चलेगा. इसमें राम चरण की बेहतरीन फिल्मों का प्रदर्शन किया जाएगा. फिल्म इंडस्ट्री में उनके अद्भुत सफर को दिखाया जाएगा. एक्टर ने खास सम्मान के लिए आभार जताते हुए कहा, 'मेलबर्न का इंडियन फिल्म फेस्टिवल, अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारतीय फिल्म इंडस्ट्री जगत की विविधता और समृद्धि को दर्शाता है. मैं इसका हिस्सा बनकर गर्व की अनुभूति कर रहा हूं.'

एक्टर ने आगे कहा, 'इंडियन फिल्म इंडस्ट्री का प्रतिनिधित्व करना और दुनिया भर के फैंस से जुड़ना एक सौभाग्य की बात है. 'आरआरआर' की सफलता और दुनियाभर से मिले प्यार को देख मैं बहुत खुश हूं और मैं मेलबर्न में दर्शकों के साथ उस पल को साझा करने के लिए उत्सुक हूं. मैं मेलबर्न में हमारे राष्ट्रीय ध्वज को फहराने के शानदार अवसर का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं.'

आईएफएफएम की फेस्टिवल डायरेक्टर मीतू भौमिक लांगे ने कहा कि आईएफएफएम के 15वें संस्करण में राम चरण की मौजूदगी उत्साह को और बढ़ा देगी. उन्होंने कहा, 'आरआरआर' में उनके काम ने न केवल नया बेंचमार्क सेट किया है, बल्कि आज भारतीय सिनेमा में सबसे प्रभावशाली अभिनेताओं में से एक के रूप में खुद को साबित भी किया है. हमें मेलबर्न में उनका स्वागत करते हुए खुशी होगी.' यह फेस्टिवल भारत और भारतीय उपमहाद्वीप की फिल्मों संग 15 साल का जश्न मनाएगा.

फिल्म 'आरसी16' में आएंगे नजर

काम की बात करें, तो राम चरण पॉलिटिकल थ्रिलर 'गेम चेंजर' में नजर आएंगे. इसमें उनके साथ कियारा आडवाणी भी दिखाई देंगी. वह जाह्नवी कपूर के साथ 'आरसी16' और ब्लॉकबस्टर 'पुष्पा' का निर्देशन करने वाले सुकुमार द्वारा निर्देशित 'आरसी17' में दिखाई देंगे. एक्टर के करियर की बात करें तो, राम चरण ने अपने करियर की शुरुआत साल 2007 में फिल्म 'चिरुथा' से की. इस फिल्म के लिए उन्हें 'बेस्ट मेल डेब्यू एक्टर-साउथ' का फिल्मफेयर अवॉर्ड मिला था.

तलाक के बाद नताशा स्टेनकोविक ने शेयर किया वीडियो

अगस्त्य का 'अकेलापन' देख भर आएगा दिल

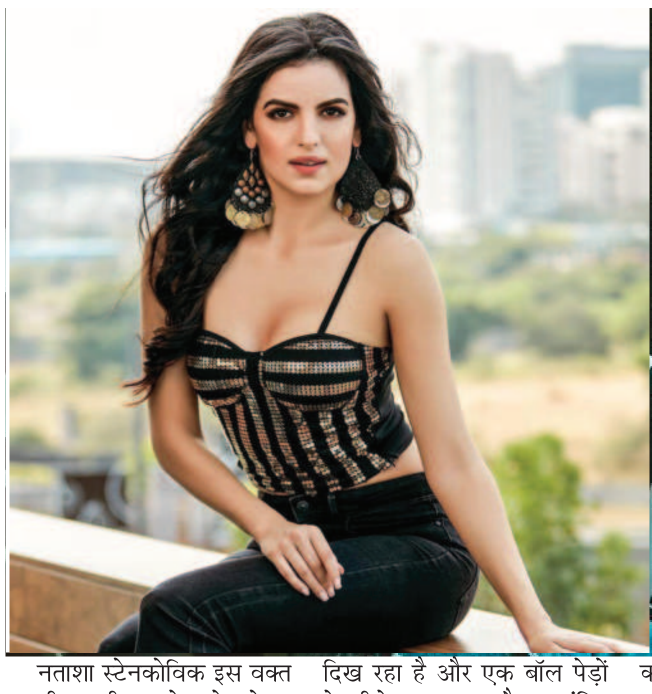

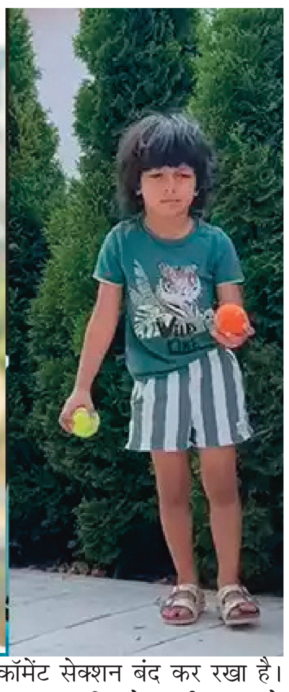

नताशा स्टेनकोविक इस वक्त अपनी शादी टूटने को लेकर खबरों में हैं। नताशा और हार्दिक पांड्या अलग हो गए हैं और एक्ट्रेस ने हाल ही में सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर इस खबर को कन्फर्म भी किया था। तलाक को लेकर अनाउंस के करीब 15 घंटे बाद नताशा ने बेटे अगस्त्य पांड्या की झलक सोशल मीडिया पर फैन्स को दिखाई है।

मां ने पूछा- चोट तो नहीं लगी?

नताशा ने बेटे का वीडियो शेयर किया है जिसमें वो बॉल से खेलता दिख रहा है और एक बॉल पेड़ों के नीचे चला जाता है। हालांकि, वह उसे ढूंढ निकालता है और नताशा उनका वीडियो बनाते हुए पूछ रही हैं कि क्या उन्हें चोट लगीं? वह कहता है- नहीं, डस्ट... और हाथ में लगी गंदगी दिखाता है।

लंबा-चौड़ा नोट शेयर कर नताशा ने तलाक की खबर की कन्फर्म

बता दें कि सोशल मीडिया पर नताशा ने एक लंबा-चौड़ा नोट शेयर कर बताया है कि वह हार्दिक से अलग हो रही हैं। हालांकि उन्होंने इस पोस्ट का कॉमेंट सेक्शन बंद कर रखा है। दरअसल, पिथले काफी समय से हार्दिक संग अपनी तलाक की खबरों को लेकर नताशा आलोचनाएं सुननी पड़ रही थीं और ऐसे में इस तरह के कॉमेंट से बचने के लिए उन्होंने पोस्ट का कमेंट सेक्शन बंद कर रखा है।

नताशा ने लिखा- इस रिश्ते को बनाए रखने में अपना सबकुछ लगा दिया

इस पोस्ट में उन्होंने लिखा था, '4 साल तक के लंबे साथ के बाद मैंने और हार्दिक ने आपसी सहमति से अलग होने का फैसला लिया है। हमने साथ रहने की पूरी कोशिश की और इस रिश्ते को बनाए रखने में अपना सबकुछ लगा दिया। लेकिन हमें लगता है कि यही हमारे लिए सबसे सही फैसला है। ये हमारे लिए एक मुश्किल फैसला था, जिससे हमें वह खुशी, सम्मान और साथ मिला जिसे हमने एक-दूसरे के साथ रहकर पाया और हमारा परिवार बढ़ता गया।'

बेटे के लिए नताशा ने कही ये बात

वहीं आगे उन्होंने लिखा था, 'हमारा बेटा अगस्त्या हमेशा हम दोनों की जिंदगी का सेंटर होगा और उसकी खुशी के लिए हम साथ मिलकर उसकी परवरिश करेंगे। हम ये तय करने की पूरी कोशिश करेंगे कि हम उसे वो खुशी और वह सबकुछ दें जो हम दे सकते हैं।' इसी के साथ उन्होंने अपनी लाइफ के इस मुश्किल वक्त में प्राइवेसी की भी मांग की थी।

सर्बिया में बेटे के साथ रह रहीं नताशा

नताशा इस वक्त बेटे के साथ सर्बिया में हैं। बुधवार को ही वह बेटे अगस्त्य के साथ सर्बिया रवाना हो गई थीं और इसी दौरान वो मुंबई एयरपोर्ट पर नजर आई थीं। इससे पहले एक्ट्रेस कई सारे ऐसे पोस्च कर चुकी हैं जो उनके टूटे रिश्ते के दर्द का इशारा करती हैं।

संजय दत्त की फिल्म 'डबल इस्मार्ट' पर विवाद, गाने में केसीआर के डायलॉग पर भड़की भारत राष्ट्र समिति ने दी चेतावनी

राम पोथिनेनी और संजय दत्त की तेलुगू फिल्म 'डबल इस्मार्ट' विवाद में फंस गई है। फिल्म के मेकर्स जहां इसे अगस्त महीने में रिलीज करने की तैयारी कर रहे हैं, वहीं अब फिल्म में तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के एक डायलॉग के इस्तेमाल पर हल्ला मच गया है। भारत राष्ट्र समिति ने फिल्म के मेकर्स से डायलॉग हटाने की मांग की गई है।

'डबल इस्मार्ट' साल 2024 की उन फिल्मों में से है, जिसका दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। पहले ही इस फिल्म के थएटिर राइट्स करोड़ों में बिक चुके हैं। इस फिल्म को राम पोथिनेनी की ही 2019 में आई सुपरहिट फिल्म 'इस्मार्ट शंकर' का सीक्वल माना जा रहा है। हाल ही फिल्म का गाना 'मार मुंथा छोड़ चिंता' रिलीज किया। जिस डायलॉग को लेकर विवाद हो रहा है, वह इसी गाने में इस्तेमाल किया गया है।

पवनी गौड़ ने मेकर्स को दी है चेतावनी

रिपोर्ट के मुताबिक, भारत राष्ट्र समिति की नेता पवनी गौड़ का कहना है कि गाने में पूर्व सीएम के. चंद्रशेखर राव का एक डायलॉग है, मेकर्स को इसे हटाना होगा। उन्होंने चेतावनी भी दी कि यदि ऐसा नहीं होता है तो इसके परिणाम भुगतने होंगे। गाने में बीआरएस नेता केसीआर के

डायलॉग 'एन चेड्डामंतवु मारी' को हुक लाइन के रूप में इस्तेमाल किया गया है। 'मार मुंथा छोड़ चिंता' गाना बीते मंगलवार को ही रिलीज हुआ है और खूब ट्रेंड भी कर रहा है।

बता दें कि गाने में राम पोथिनेनी और काव्या थापर नजर आ रहे हैं। 'मार मुंथा छोड़ चिंता' गाने को कसारला श्याम ने लिखा है। इसमें एक खास हैदराबादी स्लैंग है और यही कारण है कि गाना बड़ी जल्दी लोगों की जुबान पर चढ़ गया है। गाने को राहुल सिप्लीगुंज, धनुंजन सीपना और कीर्तना शर्मा ने आवाज दी है। 'डबल इस्मार्ट' फिल्म 15 अगस्त, 2024 को रिलीज होने वाली है। फिल्म में संजय दत्त खलनायक की भूमिका में हैं और उनके किरदार का नाम बिग बुल है।

शुभमन गिल से शादी की अफवाहों पर बोलीं रिद्धिमा पंडित

कहा, 'वो बहुत क्यूट हैं लेकिन मैं उनसे कभी नहीं मिली हूं; हम पर्सनली एक-दूसरे को जानते तक नहीं'

टीवी एक्ट्रेस रिद्धिमा पंडित इन दिनों अपनी शादी की खबरों को लेकर चर्चा में हैं। उनका नाम क्रिकेटर शुभमन गिल से जोड़ा जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि एक्ट्रेस दिसंबर 2024 में अपने से 9 साल छोटे शुभमन गिल के साथ शादी करने जा रही हैं। इन खबरों पर रिद्धिमा ने अब एक इंटरव्यू में सफाई दी है। साथ ही उन्होंने शुभमन को क्यूट भी कहा है।

रिद्धिमा ने कहा, 'पहली बात तो ये है कि मैं शुभमन को जानती तक नहीं हूं। वो एक बेहतरीन खिलाड़ी हैं लेकिन मैं उन्हें पर्सनली जानती नहीं हूं। जब मैं कभी उन्हें मिलूंगी तो मुझे पक्का पता है कि हम हंसेंगे इस बारे में बात करके। वो बेहद क्यूट हैं लेकिन फिलहाल ऐसी कोई बात नहीं है।'

पहले भी सफाई दे चुकी हैं रिद्धिमा

कुछ महीने पहले भी रिद्धिमा ने शुभमन के साथ अपनी शादी की खबरों का सोशल मीडिया पर खंडन कर दिया था। उन्होंने एक पोस्ट शेयर करके कहा था- मेरी सुबह की शुरुआत बहुत सारे जर्नलिस्ट के कॉल से हुई। सभी को मेरी होने वाली शादी के बारे में जानना था। लेकिन कौन सी शादी? किसके साथ ? अगर मेरे जीवन में ऐसा कुछ हो रहा है। मैं शादी के बारे में सोच रही हूं तो इसकी अनाउंसमेंट खुद सामने से आकर करूंगी। फिलहाल इस खबर में कोई सच्चाई नहीं है।

रिद्धिमा पंडित 'बहू हमारी रजनीकांत' और 'खतरा खतरा खतरा' जैसे टेलीविजन शो में नजर आई थीं। जल्द ही वह टीवी के मशहूर शो 'नागिन' के सातवें सीजन से वापसी कर रही हैं। बताया जा रहा है कि इस शो में रिद्धिमा का किरदार श्रीदेवी की फिल्म नगीना से प्रेरित होगा। रिद्धिमा से पहले शुभमन का नाम सचिन तेंदुलकर की बेटी सारा तेंदुलकर और सारा अली खान के साथ भी जोड़ा जा चुका है।

अथिया शेट्टी-के एल राहुल ने खरीदा 20 करोड़ का घर

अपार्टमेंट के लिए चुकाई 1.20 करोड़ की स्टाम्प ड्यूटी, 15 जुलाई को हुआ प्रॉपर्टी का रजिस्ट्रेशन

केएल राहुल और अथिया शेट्टी ने मुंबई में एक लग्जरी अपार्टमेंट खरीदा है। इकोनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, ये अपार्टमेंट मुंबई के पॉश एरिया पाली हिल में स्थित एक हाईराइज बिल्डिंग संधू पैलेस में है। इस अपार्टमेंट का कारपेट एरिया 3350 स्क्वायर फीट है जिसकी कीमत 20 करोड़ रुपए है।

1.20 करोड़ की स्टाम्प ड्यूटी चुकाई

अथिया और राहुल ने इस अपार्टमेंट के लिए 15 जुलाई को 1.20 करोड़ की स्टाम्प ड्यूटी के साथ-साथ 30,000 रुपए की रजिस्ट्रेशन फीस चुकाई है। फिलहाल ये बात साफ नहीं है कि राहुल और अथिया कब से इस नए अपार्टमेंट में रहना शुरू करेंगे लेकिन इस अपार्टमेंट की पजेशन के बाद उन्हें चार कार पार्किंग स्लॉट्स भी मिलेंगे।

पाली हिल, बांद्रा मुंबई के पॉश इलाकों में से एक है जहां कई बॉलीवुड सेलेब्स रहते हैं। इनमें शाहरुख खान, सलमान खान, टाइगर श्रॉफ, रणबीर कपूर, आलिया भट्ट, सैफ अली खान, करीना कपूर, आमिर खान के नाम शामिल हैं।

2023 में की थी शादी

अथिया और इंडियन क्रिकेटर केएल राहुल ने 4 साल तक एक-दूसरे को डेट करने के बाद 23 जनवरी, 2023 को शादी की थी। इस शादी में फैमिली मेंबर्स और क्लोज फ्रेंड्स मिलाकर सिर्फ 100 लोग ही शामिल हुए थे। फंक्शन में अथिया की खास दोस्त कृष्णा श्रॉफ, अंशुला कपूर, डायना पेंटी, क्रिकेटर ईशांत शर्मा और वरुण एरोन भी मौजूद रहे थे।

अथिया ने 2015 में की थी करियर की शुरुआत

अथिया ने 2015 में सूरज पंचोली के साथ फिल्म 'हीरो' में काम कर बॉलीवुड में अपने करियर की शुरुआत की थी। साथ ही उन्होंने दो और फिल्मों में भी काम किया है, जो हैं फिल्म 'मुबारकां' और 'मोतीचूर चकनाचूर', जिसमें उनके साथ नवाजुद्दीन सिद्दीकी भी लीड रोल में थे।

पैसों के लिए साउथ फिल्में करते हैं नवाजुद्दीन सिद्दीकी

बोले, 'इतना पैसा मिलता है कि समझ नहीं आता क्या कर रहा हूं, बाद में पछतावा होता है'

एक्टर नवाजुद्दीन सिद्दीकी का कहना है कि वो पैसों की परवाह नहीं करते लेकिन साउथ इंडियन फिल्म इंडस्ट्री में वो इसलिए काम करते हैं क्योंकि वहां उन्हें अच्छा पैसा दिया जाता है। नवाज ने ये बात भी कबूली कि साउथ फिल्मों में उनका रोल भले ही अच्छा न हो लेकिन पैसों के चलते वो उन्हें कर लेते हैं।

इंटरव्यू में नवाजुद्दीन ने कहा, 'जब मैं 'रमन राघव' जैसी फिल्मों में काम करता हूं तो मेरा इमोशन, थॉट्स, सोल पर कंट्रोल रहता है लेकिन जब मैं साउथ फिल्में करता हूं तो मैं उनमें किरदारों के प्रति श्योर नहीं होता। मगर मुझे अच्छा पैसा मिलता है तो मैं हामी भर देता हूं। मुझे गिल्ट भी होता है। सोचता हूं कि इतना सारा पैसा दे दिया लेकिन समझ नहीं आ रहा क्या कर रहे हैं।'

नवाज ने आगे कहा कि साउथ फिल्मों में काम करके उन्हें लगता है कि वो चीटिंग कर रहे हैं। नवाजुद्दीन बोले, 'ऑडियंस को समझ नहीं आता लेकिन मुझे पता होता है। ये ऐसा है जैसे कोई विज्ञापन हो। मेरा उस प्रोडक्ट के प्रति कोई इमोशन नहीं होता बस मुझे उससे मिलने वाले पैसे से मतलब होता है। बता दें कि

नवाज ने साउथ सुपरस्टार्स रजनीकांत की 'पेट्टा' और वेंकटेश की 'सैंधव' जैसी फिल्में की हैं।'

पैसों के लिए फिल्मों में नहीं आया: नवाज

नवाज ने आगे कहा कि वो पैसों के लिए फिल्मों में नहीं आए। नवाज बोले, 'हमारे बुढाना में शुगर फैक्ट्री है। मैं उतना पैसा नहीं कमा पाता, अगर मैं वहीं काम करता रहता। बता दें कि 19 मई, 1974 को उत्तर प्रदेश के कस्बे बुढ़ाना में जन्मे नवाजुद्दीन तकरीबन 15 साल के संघर्ष के बाद बॉलीवुड में अपनी पहचान बना पाए। एक जमाने में वॉचमैन रह चुके नवाज आज भी वक्त निकालकर अपने गांव जाते हैं और खेती-बाड़ी भी करते हैं।'

'गैंग्स ऑफ वासेपुर' से मिली नवाज को पहचान

नवाज ने करियर की शुरुआत 1999 में आई फिल्म 'सरफरोश' से की। हालांकि इसमें उनका छोटा सा रोल था। साल 2012 तक नवाज ने कई छोटी-बड़ी फिल्मों में काम किया, लेकिन उन्हें कोई खास पहचान नहीं मिली। फिर अनुराग कश्यप उन्हें फैजल बनाकर 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' में लाए और फैजल के रोल ने उन्हें घर-घर में पॉपुलर बना दिया। नवाज की पिछली फिल्म 'रौतू का राज' थी।

बुरे वक्त पर इस लड़की ने दिया था हार्दिक पंड्या का साथ

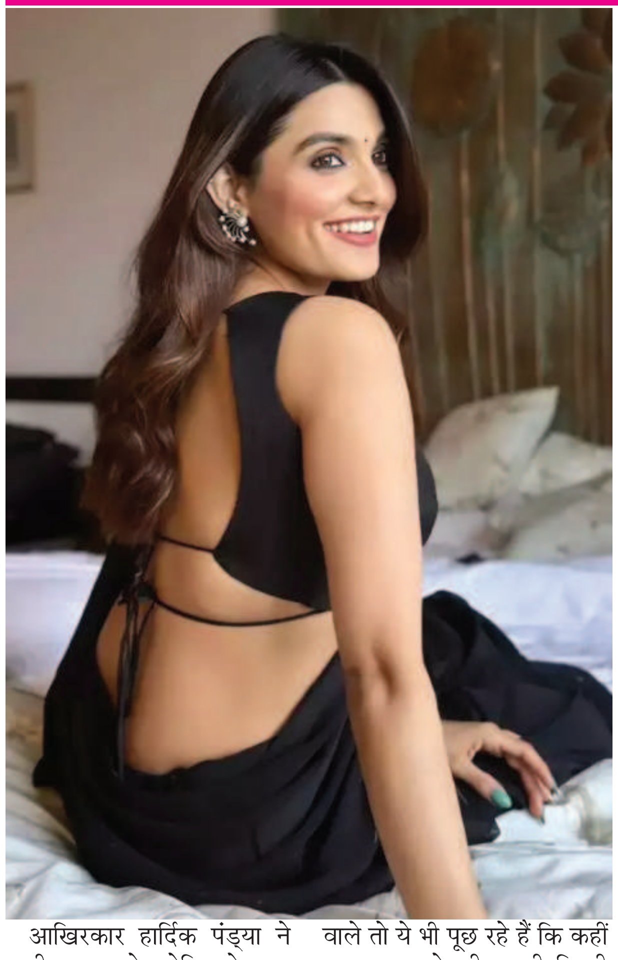

आखिरकार हार्दिक पंड्या ने पत्नी नताशा स्टेनकोविक के साथ अपना रिश्ता खत्म करने का ऐलान कर ही दिया। बीते कई महीने से इस पावर कपल के बीच खटपट और मनमुटाव जारी थी, जो आईपीएल 2024 के दौरान खुलकर सामने आ गया। अब भारतीय टीम के स्टार ऑलराउंडर ने सर्बियाई मूल की अपनी मॉडल और एक्ट्रेस वाइफ को तलाक देने का फैसला कर लिया है। इस बीच मिस्ट्री गर्ल प्राची सोलंकी की तस्वीरें एकबार फिर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। ये युवती कौन हैं? कहां रहती हैं? क्या करती हैं? हार्दिक के साथ उनका क्या रिश्ता है, ऐसे कई सवाल अब एकबार फिर लोगों के जेहन में तैरने लगे हैं। पत्नी से अलगाव और खराब रिश्तों के बीच अकेले समय में हार्दिक पंड्या का सहारा बनने वाली इस मिस्ट्री गर्ल के बारे में पूरी दुनिया जानना चाहती है। सवाल करने वाले तो ये भी पूछ रहे हैं कि कहीं इस तलाक के बीच यही मिस्ट्री गर्ल तो नहीं?

तस्वीर से शुरू हुई चर्चा

9 जुलाई यानी आज से 10 दिन पहले सोशल मीडिया पर एक तस्वीर वायरल होने लगती है, जिसमें हार्दिक पंड्या एक खूबसूरत लड़की के साथ पोज देते नजर आते हैं। आज से पहले इस लड़की को कोई नहीं जानता था, लेकिन चंद घंटों में ये लड़की इंटरनेट सेंशेसन बन गई। कहा जाने लगा कि ये पंड्या की नई गर्लफ्रेंड है।

पता चला कि लड़की का नाम प्राची सोलंकी है। प्राची ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर पंड्या परिवार के साथ उनके घर में मुलाकात की, इस दौरान की कुछ चुनिंदा तस्वीरें उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट भी की। हार्दिक के बाद उन्होंने उनके बड़े भाई क्रुणाल पंड्या के साथ पोज दिया।

मॉडल और एक्ट्रेस हैं प्राची सोलंकी

क्रुणाल पंड्या की बीवी और हार्दिक पंड्या की भाभी पंखुरी के साथ भी प्राची सोलंकी ने फोटोज क्लिक की। इस पोस्ट को सात लाख से ज्यादा लाइक्स मिल चुके हैं। शायद ये प्राची का सबसे वायरल और इंगेजिंग पोस्ट था। हार्दिक पंड्या से मुलाकात के बाद उनके इंस्टाग्राम फॉलोअर्स लगभग सवा छह लाख हो चुके हैं।

प्राची और हार्दिक में क्या रिश्ता?

प्राची सोलंकी के साथ तस्वीरों में हार्दिक पंड्या बेहद खुश नजर आ रहे हैं। कहा जा रहा है कि बीवी नताशा के साथ तनाव भरे रिश्ते और आईपीएल में सामूहिक ट्रोलिंग के बीच प्राची ही उनके साथ मजबूती से खड़ी रही। जब वह अलग-थलग पड़ गए थे तब उनका साथ दिया। वैसे इस बात में कितनी सच्चाई है ये कोई नहीं जानता। प्राची ने खुद को हार्दिक का फैन बताया था, लेकिन दोनों एक-दूसरे को कब से जानते हैं, उनके बीच क्या रिश्ता है, इसका भगवान ही मालिक है।

इस बीच हार्दिक पंड्या और नताशा स्टेनकोविक दोनों ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक संयुक्त बयान में तलाक का खुलासा किया। उन्होंने इंस्टाग्राम पर लिखा, 'चार साल साथ रहने के बाद नताशा और मैंने मिलकर अलग होने का फैसला किया है। हमने साथ मिलकर सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया और सब अपना सर्वश्रेष्ठ दिया। अब हम लोगों को लगता है कि अलग होने में हम दोनों की भलाई है। यह हमारे लिए एक मुश्किल फैसला था क्योंकि हमने साथ मिलकर परिवार के तौर पर आनंद लिया, एक दूसरे का सम्मान किया और साथ दिया।'

जब पुरुष टीम को ट्रॉफी जीतने में 10 साल लगे ? आईसीसी ट्रॉफी जीतने पर स्नेह राणा ने दिया बयान

स्नेह राणा ने कहा कि, जहां तक आईसीसी ट्रॉफी का संबंध है तो हम जितने ज्यादा मैच खेलेंगे, उतने ही अनुभवी बनेंगे। स्नेह राणा को एशिया कप अभियान के लिए टीम में शामिल नहीं किया गया है और उनके सामने सफेद गेंद की टीम में अपना स्थान हासिल करने की चुनौती है।

भारतीय महिला टीम आज पाकिस्तान के खिलाफ एशिया कप 2025 में अपने अभियान की शुरुआत करेगी। वहीं भारतीय टीम एशिया कप 2025 को जीतने की सबसे बड़ी दावेदार है। हालांकि, टीम की असली परीक्षा अक्टूबर में टी20 वर्ल्ड कप और अगले साल होने वाले वनडे वर्ल्ड कप में होगी। फिलहाल टीम की स्पिन ऑलराउंडर स्नेह राणा का कहना है कि रोहित शर्मा एंड कंपनी के हाल में टी20 वर्ल्ड कप ट्रॉफी जीतने से भारतीय महिला टीम को भरोसा मिला है कि वे अपनी पहली आईसीसी ट्रॉफी जीतने की मुहिम को जारी रखेंगे।

स्नेह राणा ने शुक्रवार को पीटीआई से कहा कि, अगर आप पिछले दो-तीन साल में भारतीय महिला क्रिकेट टीम का प्रदर्शन देखो तो टीम अपना सर्वश्रेष्ठ कर रही है। उन्होंने कहा कि, आईसीसी ट्रॉफी जीतने की बात करें तो पुरुष टीम का उदाहरण देखिए, उन्हें ट्रॉफी जीतने में लगभग 10 साल लगे। वे लंबे समय से मेहनत और तैयारी कर रहे थे। स्नेह ने आगे कहा कि, कुछ बड़ा हासिल करना है तो ये रातोंरात नहीं होगा, इसमें समय लगेगा। इसके लिए काफी संघर्ष और बलिदान लगेगा। लेकिन अंत में हम ऐसा करेंगे।

क्षेत्ररक्षण टीम के लिए चिंता का विषय रहा है लेकिन उनका कहना है कि इसमें सुधार करने के लिए जज्बे में कोई कमी नहीं हुई है। 2014 में डेब्यू करने वाली स्नेह राणा ने कहा कि, जब हम इतने मैच खेलते हैं तो गलतियों का काफी ज्यादा मौका होता है। लेकिन इसका मतलब ये नहीं है कि कोई खिलाड़ी इसमें खराब है। निश्चित रूप से जब आप मैदान पर होते हो तो आप अपने देश के लिए सर्वश्रेष्ठ करना चाहते हो।

भारत के लिए 25 टी20 अंतर्राष्ट्रीय और 27 वनडे खेलने वाली स्नेह राणा ने कहा कि, जहां तक आईसीसी ट्रॉफी का संबंध है तो हम जितने ज्यादा मैच खेलेंगे, उतने ही अनुभवी बनेंगे। स्नेह राणा को एशिया कप अभियान के लिए टीम में शामिल नहीं किया गया है और उनके सामने सफेद गेंद की टीम में अपना स्थान हासिल करने की चुनौती है। उन्होंने कहा कि, जब मुझे टीम में शामिल नहीं किया गया तो मैं थोड़ी निराश हो गई थी। आप भारत के लिए खेलना चाहते हैं भले ही ये टेस्ट क्रिकेट हो या फिर सफेद गेंद का क्रिकेट।

मार्क वुड की रफ्तार ने ट्रेंट ब्रिज में रचा इतिहास वेस्टइंडीज के खिलाफ बनाया शानदार रिकॉर्ड

भारत के तेज गेंदबाज मार्क वुड ने वेस्टइंडीज के खिलाफ अपनी तेज गेंदबाजी से कहर ढाया। उनकी कहर बरपाती गेंदों के सामने वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों के पसीने छूट गए। मार्क वुड ने नॉटिंघम में खेले जा रहे इस मैच में इंग्लैंड की ओर से सबसे तेज ओवर डालने का रिकॉर्ड बनाया। वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन मार्क वुड को गेंदबाजी करने का मौका मिला। उन्होंने अपने पहले ओवर में एक के बाद एक तेज रफ्तार से गेंद डाली। उन्होंने पहली गेंद 151.1 kmph की रफ्तार से फेंकी। इसके बाद अगली गेंद 154.65 kmph की रफ्तार से गेंद डाली। तीसरे गेंद 152.88, चौथी गेंद 148.06, पांचवीं गेंद 155.30 और आखिरी गेंद 153.20 kmph की रफ्तार से डाली। यह ओवर इंग्लैंड की ओर से घरेलू मैदान पर सबसे तेज रफ्तार वाला ओवर है। वुड ने अपने दूसरे ओवर में ही यह रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। उन्होंने पहली गेंद 152 kmph, दूसरी गेंद 149.66 kmph, तीसरी गेंद 152 kmph, चौथी गेंद 154.49 kmph, पांचवीं गेंद 156.26 kmph और आखिरी गेंद 151.27 kmph की रफ्तार से गेंद डाली।

सूर्यकुमार यादव का डेब्यू से कप्तानी तक का सफर, टी20 करियर की बड़ी बातें

27 जुलाई से श्रीलंका के खिलाफ टीम इंडिया को टी20 सीरीज खेलनी है। जिसके लिए टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर ने अपनी पहली टीम का ऐलान कर दिया है। वहीं इस टीम में टी20 सीरीज केलिए सूर्यकुमार यादव को कप्तान बनाया गया है।

इसी महीने 27 जुलाई से श्रीलंका के खिलाफ टीम इंडिया को टी20 सीरीज खेलनी है। जिसके लिए टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर ने अपनी पहली टीम का ऐलान कर दिया है। वहीं इस टीम में टी20 सीरीज केलिए सूर्यकुमार यादव को कप्तान बनाया गया है। 33 साल की उम्र में सूर्या को ये जिम्मेदारी मिलना अपने आप में बहुत बड़ी बात है। क्योंकि 30 साल की उम्र के बाद भारतीय क्रिकेट में खिलाड़ी को बूढ़ा समझा जाने लगता है जिस कारण उसे लगातार आलोचना का शिकार होने के दौरान उसकी उम्र बढ़ने के ताने भी दिए जाते हैं। लेकिन सूर्या की इस मामले में कहानी पूरी तरह से उलटी नजर आ रही है।

टी20 क्रिकेट के दिग्गज खिलाड़ी सूर्यकुमार यादव ने 30 साल की उम्र में टीम इंडिया के लिए अपना डेब्यू किया था। 33 साल की उम्र में वह कप्तान बने, 2026 में अगला टी20 वर्ल्ड कप होना है। तब वह 35 साल के होंगे। सबकुछ ठीक रहा तो वह टीम इंडिया की कप्तानी भी करते दिखेंगे। एक दौर था जब सूर्या घरेलू क्रिकेट में बेहतरीन प्रदर्शन करते थे। आईपीएल में धुआंधार बल्लेबाजी करते थे। इसके बाद टीम में नहीं चुने जाते थे। नाम ना आने पर खिलाड़ी के परिवारवालों से लेकर फैंस तक हर कोई हैरान रह जाता था।

एक इंटरव्यू के दौरान सूर्या ने बताया था कि, मेरे पिताजी भी इंडिया ए टीम की घोषणा होती है वेबसाइट चेक करते हैं। वे मुझे फोन करते हैं और बताते हैं कि तुम्हारा नाम उसमें नहीं है। मैं उनसे कहता हूं कि कोई समस्या नहीं है। सूर्या ने 30 साल की उम्र में डेब्यू किया, इसके बाद से उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा, केवल 3 साल में ही वह फर्श से अर्श तक पहुंच गए।

सूर्या के टी20 करियर की बड़ी बातें

30 साल की उम्र में टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू

31 साल की उम्र में पहला टी20 इंटरनेशनल शतक।

32 साल की उम्र में नंबर 1 टी20 इंटरनेशनल बल्लेबाज

32 साल की उम्र में टी20 इंटरनेशनल में 900 रेटिंग पॉइंट तक पहुंचने वाले पहले एशियाई खिलाड़ी।

32 साल की उम्र में पहली बार आईसीसी टी20 इंटरनेशनल 'क्रिकेट ऑफ द ईयर' चुने गए।

33 साल में दूसरी बार आईसीसी टी20 इंटरनेशनल 'क्रिकेट ऑफ द ईयर' चुने गए।

33 साल की उम्र में टीम इंडिया के टी20 कप्तान बने।

चैंपियन कभी हारते नहीं, न हथियार डालते हैं... टूटकर बिखर न जाना हार्दिक पंड्या!

कहते हैं कि रात के अंधेरे के बाद सुबह का उजाला जरूर आता है... ऐसे में इस अंधेरे से या बुरे वक्त से घबराना नहीं चाहिए। ऐसा ही कुछ टीम इंडिया के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या के साथ चल रहा है। हार्दिक पंड्या की पर्सनल लाइफ इन दिनों मुश्किल दौर से गुजर रही है। सर्बियाई मॉडल नताशा स्टैनकोविक से उनकी शादी सिर्फ चार साल ही टिक पाई। ये वही हार्दिक पंड्या हैं जिन्होंने अपने प्यार को साबित करने के लिए एक बार नहीं दो-दो बार शादी के बंधन में बंधे थे।

ऐसे में सवाल ये उठता है कि आखिरी ऐसी कौन सी वजह रही होगी कि सात जन्मों के साथ का वादा सिर्फ चार साल में ही टूट गया। ऐसी क्या परेशानी हुई कि हार्दिक को अपने जिगर के टुकड़े से दूर होने पर मजबूर होना पड़ा। पूरी दुनिया को पता है हार्दिक पंड्या अपने बेटे अगस्त्य से कितना प्यार करते हैं जो कि अब उनके पास नहीं हैं। अगस्त्य अपनी मां के साथ सर्बिया चले गए हैं।

चैंपियन हैं हार्दिक पंड्या टूटेंगे नहीं

भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार खिलाड़ी हार्दिक पंड्या एक चैंपियन हैं। बचपन उनका बहुत ही गरीबी में बिता, लेकिन क्रिकेट के प्रति उनका जुनून और कड़ी मेहनत ने उन्हें सुपरस्टार बना दिया। ऐसे में हार्दिक को पता है कि मुश्किल समय में खुद को कैसे संभालना है। ऐसा ही कुछ अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट की शादी में देखने को मिला जब वह मदमस्त होकर डांस कर रहे थे।

किसी को नहीं पता था कि उनके अंदर क्या चल रहा है। चेहरे पर खुशी ऐसी थी, कि मानों उनके लाइफ में सब कुछ नॉर्मल है, लेकिन जैसे ही वह अपने होमटाउन बड़ौदा पहुंचे उसके बाद सोशल मीडिया पर उन्होंने अपनी वाइफ से तलाक की जानकारी दी। हालांकि, हार्दिक और नताशा के अलग होने की खबरें तो लंबे समय चल रही थी, लेकिन अब औपचारिक रूप से तय हो गया ये दोनों साथ नहीं हैं। हार्दिक के अंदर क्या चल रहा है ये तो सिर्फ वही जानते होंगे, लेकिन वह जिस तरह के व्यक्तित्व हैं उससे साफ है कि इस मुश्किल घड़ी में वह खुद को संभाल लेंगे टूट कर बिखरेंगे नहीं।

कैसे उठी थी हार्दिक और नताशा के तलाक की खबरें

इंडियन प्रीमियर लीग 2024 के दौरान जब हार्दिक पंड्या मुंबई इंडियंस के कप्तान के तौर पर संघर्ष कर रहे थे उसी बीच सोशल मीडिया पर उनके नताशा से अलग होने की खबर ने भूचाल ला दिया था। रेडिट पर एक पोस्ट में यह इशारा किया गया कि दोनों एक दूसरे से अलग होने वाले हैं। क्योंकि नताशा ने अपने इंस्टाग्राम पर सरनेम से पंड्या हटा लिया था। इसके अलावा वह आईपीएल के मैच के दौरान हार्दिक को सपोर्ट करने स्टेडियम में मैच देखने भी नहीं आ रही थी। इन सबके बीच नताशा लगातार अपने इंस्टाग्राम पर क्रिप्टिक मैसेज शेयर करती जा रही थी, अफवाहों को और मजबूती दे दी। ऐसे में धीरे-धीरे उनके तलाक की चर्चा तेज हो गई और आखिरकार 18 जुलाई को यह अफवाह सच साबित हुई।

अलग होने के आखिरी पैगाम में क्या-क्या कहा?

हार्दिक ने अपने इंस्टा पोस्ट में कहा, 'चार साल साथ रहने के बाद नताशा और मैंने आपसी सहमति से अलग होने का फैसला किया है। हमने साथ मिलकर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया और अपना बेस्ट दिया। हमें विश्वास है कि यह हम दोनों के लिए हित में यही है।'

उन्होंने कहा, 'यह हमारे लिए एक मुश्किल फैसला था, क्योंकि हमने साथ मिलकर आनंद, आपसी सम्मान और म्यूजिक का आनंद लिया और परिवार बढ़ाया।' उन्होंने कहा, 'हमें आशीर्वाद के रूप में अगस्त्य मिला है, जो हमारे दोनों के जीवन का केंद्र बना रहेगा और हम को-पेरेंट रहेंगे होंगे ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि हम उसकी खुशी के लिए वह सब कुछ दें जो हम कर सकते हैं।' हार्दिक ने कहा, 'हम ईमानदारी से आपसे इस कठिन और संवेदनशील समय के दौरान हमें प्राइवेसी प्रदान करने के लिए समर्थन और समझने का अनुरोध करते हैं।'

'ऋण वृद्धि जमा वृद्धि से अधिक नहीं हो'

आरबीआई गवर्नर ने बैंको को चेताया, कहा- संतुलन रखें

नई दिल्ली, 19 जुलाई (एजेंसियां)। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने शुक्रवार को मुंबई में आयोजित एफई मॉडर्न बीएफएसआई समिट 2024 को संबोधित किया। उन्होंने कहा, भारत में वित्तीय परिदृश्य एक संरचनात्मक बदलाव के दौर से गुजर रहा है, और आरबीआई सक्रिय रूप से यूपीआई जैसे नवाचारों को बढ़ावा दे रहा है। उन्होंने कहा कि वित्तीय सेवाओं की पहुंच बढ़ाने और भारत में अधिक समावेशी वित्तीय क्षेत्र बनाने के लिए भुगतान प्रणालियों को फिर से तैयार किया है। मुंबई में आयोजित कार्यक्रम में आरबीआई गवर्नर ने कहा कि बैंकों को अन्य स्रोतों पर निर्भरता बढ़ाकर क्रेडिट और जमा के अंतर को कम करने की कोशिश की है। इससे ब्याज दरों के प्रति उनकी संवेदनशीलता बढ़ जाती है और तरलता प्रबंधन के लिए चुनौतियां पैदा होती हैं। इसमें बदलाव करें करने की जरूरत है। CASA जमाओं के विभिन्न निहितार्थ हैं जिन्हें बैंकों को ध्यान में रखना होगा क्योंकि ऋण वृद्धि मजबूत बनी हुई है।

बैंकों को ऋण हामीदारी मानकों पर ध्यान देने की आवश्यकता है। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास कहा, आरबीआई सक्रिय रूप से यूपीआई जैसे नवाचारों को बढ़ावा दे रहा है, पहुंच बढ़ाने और भारत में अधिक समावेशी वित्तीय क्षेत्र बनाने के लिए भुगतान प्रणालियों को फिर से तैयार कर रहा है... क्रेडिट वृद्धि जमा वृद्धि से आगे नहीं बढ़नी चाहिए, दोनों के बीच उचित संतुलन होना चाहिए।

आईटीआर भरते समय भूल कर भी न करें ये 10 गलतियां

जुर्माने के साथ हो सकती है जेल

नई दिल्ली, 19 जुलाई (एजेंसियां)। इनकम टैक्स रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करने की आखिरी तारीख करीब है. 31 जुलाई 2024 तक बिना किसी शुल्क के इनकम टैक्स रिटर्न भरा जा सकता है. अगर आप भी इनकम टैक्स रिटर्न भरने जा रहे हैं तो जान लीजिये कि आईटीआर भरते समय की गई कुछ गलतियां आप पर भारी पड़ सकती हैं.

आयकर विभाग का क्या है नियम?

आयकर विभाग के नियम के अनुसार अगर आप इनकम टैक्स रिटर्न भरते समय कोई गलत जानकारी देते हैं या सोर्स ऑफ इनकम या फिर इससे संबंधित किसी भी तरह की जानकारी छुपाते हैं तो आयकर विभाग आपको नोटिस भी भेज सकता है और आप पर कार्रवाई भी कर सकता है. इस कार्रवाई के तहत दोषी पाए जाने पर जुर्माने से लेकर जेल तक का प्रावधान है. ऐसे में अगर आप भी आयकर रिटर्न दाखिल कर रहे हैं तो यहां बताई गई गलतियां बिल्कुल न करें.

आईटीआर फाइल करते समय न करें ये गलतियां:

1. सही आईटीआर फॉर्म चुनें- आईटीआर दाखिल करते समय सही आईटीआर फॉर्म चुनें. आईटीआर फॉर्म का चुनाव अपनी आय और इनकम के सोर्स के आधार पर करें क्योंकि गलत आईटीआर फॉर्म भरने पर आपको जुर्माना देना पड़ सकता है.

2. सही व्यक्तिगत जानकारी दें आईटीआर भरते समय अपनी व्यक्तिगत जानकारियां एकदम सही-सही दें. आपका नाम, पैन कार्ड डिटेल्स, आधार कार्ड डिटेल्स, बैंक अकाउंट की डिटेल्स, घर का एड्रेस आदि सभी डिटेल्स को ठीक-ठीक भरें. आजकल सभी जानकारियां विभाग के पास किसी न किसी दस्तावेज के माध्यम से सेव रहती हैं. ऐसे में आपकी एक गलती आपको बड़े मुसीबत में डाल सकती है.

3. इनकम की पूरी जानकारी दें इनकम टैक्स रिटर्न भरते समय अपनी आय और आय के स्रोत की सही जानकारी दें. अपनी सैलरी, किसी भी सोर्स से आ रहे ब्याज, किराये से होने वाले आय, कैपिटल गेन सहित किसी भी तरह के आय और उसके स्रोत की विस्तृत जानकारी देना अनिवार्य है. अगर आपने कोई आय या स्रोत छुपाई तो आपको जुर्माना देना पड़ सकता है.

4. टीडीएस क्रेडिट की जानकारी दें आपकी कंपनी की तरफ से दिए गए फॉर्म 16/16 ए से टीडीएस की सभी जानकारी अपने आईटीआर फॉर्म में जरुर दिखाएं. अगर आप इसे छुपाते हैं तो आप पर कार्रवाई की जा सकती है.

5. इंवेस्टमेंट की सही जानकारी दें इनकम टैक्स अधिनियम 80सी, 80डी, 80जी के तहत टैक्स में बेनिफिट लेने के लिए, आपको अपने सभी इन्वेस्ट जैसे- एसआईपी, एफडी, पॉलिसी सहित अपने खर्चे और कटौती की पूरी जानकारी दें.

6. ब्याज से होने वाले इनकम की जानकारी दें अगर आपने कहीं ऐसी जगह इन्वेस्ट किया है जहां से आपको ब्याज से इनकम हो रही है तो इसकी भी पूरी जानकारी दें. अगर आप इसकी जानकारी छुपाते हैं या गलत जानकारी देते हैं तो आप पर कार्रवाई की जा सकती है.

बजट से पहले हफ्ते के आखिरी सेशन में शेयर बाजार धड़ाम

निवेशकों को हुआ 8 लाख करोड़ रुपये का नुकसान

नई दिल्ली, 19 जुलाई (एजेंसियां)। अगले हफ्ते मंगलवार 23 जुलाई को बजट पेश होगा। और उसके पहले हफ्ते के आखिरी कारोबारी सत्र में भारतीय शेयर बाजार भारी गिरावट के साथ क्लोज हुआ है। एनर्जी, ऑटो, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स सेक्टर के स्टॉक्स में भारी बिकवाली के चलते बाजार में ये गिरावट देखने को मिली है। मिडकैप और स्मॉलकैप स्टॉक्स भी आज के सत्र में औंधे मुंह गिरकर क्लोज हुए। बाजार बंद होने पर बीएसई सेंसेक्स 739 अंकों की गिरावट के साथ 80,604 अंकों पर क्लोज हुआ है। तो नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 270 अंकों नीचे गिरकर 24,530 अंकों पर क्लोज हुआ है।

निवेशकों को लगी 8 लाख करोड़ की चपत

भारतीय शेयर बाजार में तेज गिरावट के चलते निवेशकों को भारी नुकसान हुआ है। बीएसई पर लिस्टेड स्टॉक्स का मार्केट कैपिटलाइजेशन 446.25 लाख करोड़ रुपये पर क्लोज हुआ है जो पिछले सत्र में 454.32 लाख करोड़ रुपये पर बंद हुआ था। यानि आज के सत्र में निवेशकों को 8.07 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है।

चढ़ने-गिरने वाले शेयर्स

आज के सत्र में तेजी वाले शेयरों पर नजर डालें तो इंफोसिस 1.92 फीसदी, आईटीसी 0.89 फीसदी, एशियन पेंट्स 0.53 फीसदी, एचसीएल टेक 0.03 फीसदी की तेजी के साथ क्लोज हुआ है। गिरने वाले शेयरों में टाटा स्टील 5.17 फीसदी, जेएसडब्ल्यू स्टील 4.36 फीसदी, एनटीपीसी 3.51 फीसदी, टाटा मोटर्स 3.43 फीसदी, अल्ट्राटेक सीमेंट 3.28 फीसदी, टेक महिंद्रा 3.16 फीसदी, विप्रो 2.78 फीसदी, पावर ग्रिड 2.158 फीसदी, रिलायंस 1.92 फीसदी, बजाज फाइनेंस 2.44 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ है।

सेक्टोरल अपडेट

आज के कारोबारी सत्र में कोई भी सेक्टर तेजी के साथ बंद नहीं हुआ है। गिरने वालों में एनर्जी सेक्टर के शेयरों में बड़ी गिरावट देखने को मिली है जिसके चलते निफ्टी का एनर्जी इंडेक्स 1173 अंकों की गिरावट के साथ बंद हुआ है। इसके अलावा ऑटो, आईटी ,फार्मा, मेटल्स, एफएमसीजी , फार्मा, हेल्थकेयर, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, ऑयल एंड गैस और बैंकिंग स्टॉक्स गिरावट के साथ क्लोज हुए। बाजार के उठापटक को मापने वाला इंडेक्स इंडिया Vix 2.14 फीसदी के उछाल के साथ 14.82 पर क्लोज हुआ है।

इस साल 100,000 डॉलर तक जा सकती है बिटकॉइन की कीमत

नई नई दिल्ली, 19 जुलाई (एजेंसियां)। बड़ी, सबसे पुरानी और सबसे लोकप्रिय क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन की कीमत इस साल के अंत तक 100,000 डॉलर तक जा सकती है। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति चुनाव जीतने की संभावना बढ़ने के साथ ही बिटकॉइन की कीमत में भी उछाल आ रही है। हाल में ट्रंप पर एक चुनावी रैली के दौरान हमला हुआ था। इस हमले में वह बाल-बाल बचे थे लेकिन इस घटना की वजह से बिटकॉइन की कीमत में काफी तेजी देखने को मिली थी। अगर बिटकॉइन की कीमत 100,000 डॉलर पहुंचती है तो इसका मार्केट कैप 2 ट्रिलियन डॉलर हो जाएगा और क्रिप्टो की टोटल मार्केट वैल्यू करीब चार ट्रिलियन डॉलर पहुंच जाएगी। अभी बिटकॉइन की कीमत 64,500 डॉलर के आसपास है। @Kalshi के मुताबिक प्रिडक्शन मार्केट्स इस साल के अंत तक बिटकॉइन के 100,000 डॉलर तक पहुंचने की 22 फीसदी उम्मीद है। बिटकॉइन के इस साल 80,000 डॉलर या उससे ज्यादा तक पहुंचने का चांस 57 फीसदी है। आठ फीसदी चांस इसके इस साल के अंत तक 150,000 डॉलर तक

पहुंचने का भी है। बिटकॉइन के फ्यूचर प्राइस पर दांव लगा रहे इनवेस्टर्स ने ये अनुमान जताए हैं। ट्रंप के राष्ट्रपति चुनाव जीतने की संभावना हाल के दिनों में बढ़ी है। उसी के मुताबिक बिटकॉइन की कीमत में भी तेजी आई है। ट्रंप को क्रिप्टोकरेंसीज का समर्थक माना जाता है। बिटकॉइन को सतोशी नाकामोतो ने क्रिएट किया था। इसका पहला ट्रांजेक्शन मई 2009 में हुआ था। इसके पीछे उनकी सोच दुनिया में एक ऐसी करेंसी लाना था जिसमें बैंकों और दलालों की कोई भूमिका नहीं होगी। साल 2009 में जब बिटकॉइन लॉन्च हुई थी तब इसकी कीमत मात्र 0.060 रुपये थी। अप्रैल 2011 में पहली बार इसकी कीमत एक डॉलर पहुंची। अप्रैल 2013 में इसका भाव 220 डॉलर पर पहुंच गया। बिटकॉइन की कीमतों में बड़ा उछाल 2017 में आया। जून 2019 में इसका भाव 10 हजार डॉलर के पास था। इस साल मार्च के मध्य में इसकी कीमत $73,803.25 पहुंची।

एक्शन में आई सरकार, कंपनी से कहा- जल्दी दूर करो समस्या

नई दिल्ली, 19 जुलाई (एजेंसियां)। दुनियाभर में आई माइक्रोसॉफ्ट में खराबी को लेकर केंद्र सरकार हरकत में आ गई है। इस खराबी के कारण भारत समेत दुनिया की कई एयरलाइंस का संचालन ठप हो गया। सिर्फ एयरलाइंस ही नहीं, बैंकों के सर्वर बंद हो गए और लंबी लाइन लग गईं। दिल्ली, मुंबई समेत कई एयरपोर्ट पर ऑनलाइन चेक-इन की सुविधा बंद हो गई। इंडियो एयरलाइंस ने हाथ से बोर्डिंग पास जारी किया। इसी समस्या के समाधान को लेकर भारतीय दूरसंचार विभाग और इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय माइक्रोसॉफ्ट के संपर्क में हैं और बातचीत चल रही है।वहीं दूसरी ओर नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने देश की सभी एयरलाइंस कंपनियों को निर्देश दिया है कि अगर उनकी कोई उड़ान में देरी है या रद्द हो गई है तो इसकी जानकारी मेसेज के जरिए ग्राहकों को दी जाए। एक मंत्रालय के प्रवक्ता के मुताबिक एयरलाइंस को कहा गया है कि चेक-इन में देरी हो रही है तो इसके बारे में सभी यात्रियों को एसएमएस के जरिए जानकारी दी जाए। साथ ही अगर कोई फ्लाइट रद्द कर दी गई है तो इसकी भी जानकारी यात्री को दें। सरकार ने माइक्रोसॉफ्ट से इस समस्या को जल्द दूर करने के लिए कहा है। इस समस्या का सबसे ज्यादा असर अमेरिका और दूसरे देशों में देखा गया है। इसकी वजह से इंडिगो, स्पाइसजेट, अकासा आदि एयरलाइंस के अलावा कई और विदेशी एयरलाइंस की उड़ानें प्रभावित हुईं।

नवीन जिंदल की कंपनी के सीईओ पर यौन उत्पीड़न का आरोप, भाजपा सांसद ने शिकायतकर्ता को दिया भरोसा

नई दिल्ली, 19 जुलाई (एजेंसियां)। जिंदल स्टील एंड पावर के चेयरमैन नवीन जिंदल ने कोलकाता से अबू धाबी जा रहे एक विमान में उनके समूह के एक सीईओ पर लगे छेड़छाड़ के आरोपों की जांच कराने का वादा किया है। उन्होंने कहा है जिंदल समूह की ऐसे मामलों में कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति है। उद्योगपति नवीन जिंदल ने एक्स पर शिकायतकर्ता के एक पोस्ट के जवाब में यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा, ... इस बारे में आवाज उठाने के लिए बोलने के लिए धन्यवाद! आपने जो किया उसे करने के लिए बहुत साहस चाहिए और मैं चाहता हूं कि आप यह जान लें कि हमारे पास ऐसे मामलों के लिए शून्य सहिष्णुता की नीति है। मैंने टीम से तुरंत मामले की जांच करने को कहा है और उसके बाद सख्त से सख्त और आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि जिंदल की एक कंपनी की सीईओ ने कोलकाता से अबू धाबी जाने वाले विमान में उसके साथ छेड़छाड़ की थी। शिकायतकर्ता ने कहा, 'मैं इस घटना की जानकारी जिंदल स्टील के स्थापक नवीन जिंदल तक पहुंचाने के लिए काम कर रही हूं ताकि वह इस बात से अवगत हों कि उनके नेतृत्व में किस तरह के लोग हैं। मुझे इस बात का भी डर है कि यह छेड़छाड़ करने वाला अपनी महिला कर्मचारियों के साथ कैसा व्यवहार कर रहा होगा?' उनके आरोपों के अनुसार, कंपनी के अधिकारी ने उन्हें कुछ अश्लील वीडियो भी दिखाए।

गौतम अडानी ने कहां खर्च किए 23000 करोड़, ऐसे पहुंचाएगा कंपनी को फायदा?

नई दिल्ली, 19 जुलाई (एजेंसियां)। भारत के दूसरे सबसे अमीर ईसान गौतम अडानी और अडानी ग्रुप के प्रमोटर्स ने अप्रैल-जून तिमाही में 23,000 करोड़ रुपए का निवेश किया है. इससे उन्हें निजी तौर पर तो फायदा होगा ही, साथ ही अडानी ग्रुप की कंपनियों के लिए भी फायदेमंद होने वाला है.दरअसल कंपनी के प्रमोटर्स ने समूह की 5 कंपनियों में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाई है. इसमें अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस, अडानी एंटरप्राइजेज, अंबुजा सीमेंट्स, अडानी पावर लिमिटेड और अडानी ग्रीन एनर्जी शामिल हैं.अडानी ग्रुप के प्रमोटर्स ने समूह की सीमेंट कंपनी अंबुजा सीमेंट्स में 3.59 प्रतिशत हिस्सेदारी बढ़ाई है. पहले ये 66.74 प्रतिशत थी, जो अब 70.33 प्रतिशत हो गई है. गौतम अडानी और उनके परिवार ने ही अंबुजा सीमेंट में करीब 8,339 करोड़ रुपए का निवेश किया है. इसी कंपनी में अडानी फैमिली ने अक्टूबर 2022 में 5000 करोड़ रुपए और फिर साल मार्च में 6,661 करोड़ रुपए का निवेश किया था.अडानी ग्रुप के प्रमोटर्स ने ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज में 2.11 प्रतिशत हिस्सेदारी बढ़ाई है. अब उनकी हिस्सेदारी 74.72 प्रतिशत हो गई है. इसके अलावा अडानी ग्रीन में अब प्रमोटर्स की हिस्सेदारी 1.15 प्रतिशत बढ़कर 57.52 प्रतिशत होगी.अडानी परिवार ने अडानी पावर में 0.96 प्रतिशत हिस्सेदारी बढ़ाई है और अब ये 72.71 प्रतिशत होगी.

सोना चांदी 68900 रुपये पर रुकी सोने की कीमत, चांदी में 400 की कमी; जानें कैसे तय होता है ज्वेलरी का रेट

नई दिल्ली, 19 जुलाई (एजेंसियां)। सावन का पवित्र महीना शुरू होने वाला है. इसकी शुरुआत से पहले सर्राफा बाजार में उतार चढ़ाव का दौर जारी है. यूपी के वाराणसी में शुक्रवार (19 जुलाई) को सर्राफा बाजार खुलने के साथ सोने की कीमत में कोई बदलाव नहीं हुआ. वहीं, बात चांदी की करें तो उसकी कीमत में 400 रुपये प्रति किलो की कमी आई है. बता दें कि सोना- चांदी की कीमत हर दिन टैक्स,उत्पाद शुल्क के कारण घटती बढ़ती रहती है.19 जुलाई को सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोने की कीमत में 75150 रुपये प्रति 10 ग्राम रही. इसके पहले 18 जुलाई को भी इसका यही भाव था. इससे इतर बात 22 कैरेट सोने की करें, तो शुक्रवार को इसकी कीमत 68900 रुपये प्रति 10 ग्राम रही. वहीं 18 कैरेट सोने का भाव 56,370 रुपये प्रति 10 ग्राम रही.

चांदी में आई कमी

वाराणसी के सर्राफा बाजार में शुक्रवार को चांदी के कीमत में गिरावट देखी गई. चांदी 400 रुपये प्रति किलो टूटकर 95600 रुपये प्रति किलो हो गई. इसके पहले 18 जुलाई को इसकी कीमत 96000 रुपये प्रति किलो थी.

ऐसे तय होता है ज्वेलरी का रेट

सोने के ज्वेलरी का रेट सोने का भाव, मेकिंग चार्ज, हॉलमार्क चार्ज और 3 प्रतिशत जीएसटी को जोड़कर तय किया जाता है. हालांकि कुछ दुकानदार गोल्ड रेट का 1 प्रतिशत मेकिंग चार्ज के तौर पर लेते हैं.उदाहरण के तौर पर यदि 10 ग्राम सोने की कीमत 67000 रुपये है, तो मेकिंग चार्ज 670 रुपये लिया जाएगा.

हैदराबाद में सोने के भाव देश के साथ ही अंतराष्ट्रीय कारणों पर भी निर्भर करते हैं, जिनमें इन्फ्लेशन, वैश्विक नीतियां, सेंट्रल बैंक का गोल्ड रिजर्व और सीजन के अनुसार मांग शामिल हैं।। हैदराबाद में आज का सोने(गोल्ड) का रेट 24 कैरेट के लिए 74,350 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट के लिए 68,150 रुपये है।

सही फैसलों से पेटीएम को मिली शानदार 'विजय'

ऐसे बढ़ा कंपनी का रेवेन्यू

नई दिल्ली, 19 जुलाई (एजेंसियां)। देश के सबसे बड़े डिजिटल पेमेंट प्लेटफॉर्म में से एक पेटीएम की मालिक कंपनी वन 97 कम्युनिकेशंस की ताकत फिर से दिखाई दे रही है। कंपनी का ऑपरेटिंग रेवेन्यू तिमाही दर तिमाही सुधर रहा है और चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में 1500 करोड़ रुपए के स्तर को पार कर चुका है। पेटीएम ने हाल में अपनी सर्विसेस को बेहतर किया है और यूपीआई पेमेंट के अलावा क्यूआर कोड पेमेंट सर्विस, साउंड बॉक्स और अन्य फाइनेंशियल प्रोडक्ट्स पर ध्यान दिया है।अपने समय तक का देश में सबसे बड़ा आईपीओ लाने वाली पेटीएम ही लाई थी। कंपनी के फाउंडर विजय शेखर शर्मा ने हाल में कई अहम फैसले लिए हैं, जिसका असर उसके कामकाज पर दिख रहा है। अब कंपनी ने अपने तिमाही परिणामों का ऐलान कर दिया है। ऑपरेटिंग रेवेन्यू बेहतर होने से कंपनी के ओवरऑल घाटे में गिरावट दर्ज की गई है।

पेटीएम का ऑपरेटिंग रेवेन्यू बेहतर

पेटीएम ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया है कि अप्रैल-जून में उसका ऑपरेटिंग रेवेन्यू 1502 करोड़ रुपए रहा है। कंपनी की टैक्स चुकाने से पहले की इनकम (ईबीआईटीडीए) की गणना करने पर उसका नेट लॉस 792 करोड़ रुपए रहा है।

कंपनी का कहना है कि रेवेन्यू बेहतर होने से आने वाले समय में उसकी प्रॉफिटेबिलिटी भी अच्छी होने की उम्मीद है। कंपनी की फाइनेंशियल सर्विसेस से इनकम 280 करोड़ रुपए रही है। जबकि मार्केटिंग सर्विसेस से कंपनी ने 321 करोड़ रुपए का रेवेन्यू कमाया है। कंपनी का 50 मार्जिन 50 प्रतिशत रहा है, जिससे कंट्रीब्यूशन प्रॉफिट 755 करोड़ रुपए रहा है। कंपनी की बैलेंस शीट बेहतर हुई है और उसके पास 8,108 करोड़ रुपए का कैश है। पेटीएम के प्रवक्ता का कहना है कि हमारा कंज्यूमर बेस स्थिर हुआ है। वहीं मर्चेंट ऑपरेटिंग मीट्रिक्स में सुधार देखने को मिलता है।

ये आने वाले दिनों में बेहतर रिकवरी के हमारे रास्ते को दिखाता है।

इन वजहों से पेटीएम ने किया बाउंस बैक

पेटीएम ने अपने वित्तीय परिणाम में बताया है कि उसका मर्चेंट पेमेंट ऑपरेटिंग कारोबार जनवरी 2024 के लेवल पर लौट आया है। कंपनी ने फिर से दुकानदारों के यहां अपने क्यूआर कोड और साउंडबॉक्स लगाने शुरू किए हैं।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य -दक्षिणायन- ऋतु -वर्षा
महावीर निर्वाण संवत् -2550,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426875
सूर्योदय -05-55
सूर्यास्त. -18-49
कलियुग संवत् -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885125
दिशाशूल --पूर्व - अदरक खाकर घर से निकले
तिथि- चतुर्दशी 17-59 तक उपरान्त पूर्णिमा
मास - आषाढ़ शुक्ल , शनिवार 20 July
नक्षत्र - पूर्वाषाढा 01-48 तक उपरान्त उत्तराषाढ़ा
योग - वैधृति 00-07 तक उप विष्कुंभ
करण- गर 06-55 तक उप वणिज
विशेष:- पूर्णिमा व्रत कोकिला व्रत
व्रत -त्योहार - शिव शयनोत्सव

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	कर्क	मे	कर्क-	05-39 बजे
चंद्र-	धनु	मे	सिंह-	07-52 बजे
मंगल	वृष	मे	कन्या-	09-58 बजे
बुध-	सिंह	मे	तुला-	12-04 बजे
गुरु-	वृष	मे	वृश्चिक-	14-13 बजे
शुक्र-	कर्क	मे	धनु-	16-27 बजे
शनि-	कुंभ.	मे	मकर-	18-33 बजे
राहु-	मीन	मे	कुंभ-	20-24 बजे
केतु-	कन्या	मे	मीन-	22-02 बजे
			मेष---	23-38 बजे
			वृष--	01-23 बजे
			मिथुन-	03-23 बजे

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 09:08 से 10:45 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
काल	05:55 - 07:30	अशुभ	लाभ	18:49 - 20:15	शुभ
शुभ.	07:30 - 09:08	शुभ	उत्पात	20:15 - 21:37	अशुभ
रोग	09:08 - 10:45	अशुभ	शुभ	21:37 - 22:59	शुभ
उत्पात	10:45 - 12:22	अशुभ	अमृत.	22:59 - 00:23	शुभ
चंचल	12:22 - 13:59	शुभ	चंचल	00:23 - 01:45	शुभ
लाभ	13:59 - 15:37	शुभ	रोग	01:45 - 03:08	अशुभ
अमृत	15:37 - 17:15	शुभ	काल	03:08 - 04:31	अशुभ
काल.	17:15 - 18:49	अशुभ	लाभ	04:31 - 05:55	शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
आज आप एक चिंतनशील अवस्था में रहेंगे । आज आपके उस काम में उत्कृष्टता प्राप्त करने की संभावना है जिसमे गहरी सोच और चिंतन शामिल हो । आज शिक्षक , प्रचारकों , वकील, विवादकर्ताओं और राजनेताओं के अपने अपने कार्य क्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन करने की संभावना है।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आपका मन अभी आनंद और प्रेम की तरफ भाग रहा है , हालाँकि इसके विपरीत आपका मन हमेशा कार्यो में उलझा रहता है । लेकिन यह ठीक है, काम से एक दिन की छुट्टी ले और अपने दिन का आनंद लें। ज्यादा चिंता न करे , क्योकि आपको आनंद लेने और कार्य करने की सीमा ज्ञात है । कार्यस्थल पर प्रबंधन आपके काम से बहुत प्रभावित है और आपको पदोन्नति भी मिल सकती है!

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
इस बात के काफी मजबूती से संकेत मिल रहे है की आप को अपनी नौकरी की वजह से विदेश जाना पड़ सकता है । जिन विद्यार्थियों ने वीसा के लिए आवेदन किया हुआ है उनका काम आज पूर्ण होने के आसार बन रहे है । आपका कार्य स्थान का परिवर्तन ऐसी जगह हो सकता है जिससे आप अनजान हो ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आप अच्छे स्वभाव के व्यक्ति हैं और सामाजिक कार्यो में भी भाग लेते रहे है । आज आपके इन गुणों की बहुत सराहना की जाएगी और उनके लिए पुरस्कार भी दिया जाएगा । आपको अपने आत्मविश्वास को बढ़ावा देने के लिए अदभुत सलाह भी मिल सकती है और आप वो सब पा सकते है जो अपने बलबूते पर पाना इतना आसान नहीं था ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
नए और अलग अलग कार्य करने के अवसर आज आपके रास्ते में आएंगे । आज नए ग्राहक और विभिन परियोजनाए आपके पास आ सकती है और कुछ में तो इतनी संभावना होगी की वो आपकी सपनो की या महत्वपूर्ण परियोजना बन सकती है । इस अवसर का फायदा उठाने के लिए, आपको आज अतिरिक्त मेहनत करनी होगी।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
आप आज कुछ अतिरिक्त जिम्मेदारी ले। अगर आप इसे अच्छी तरह से करते हैं, तो आपको एक दैनिक आधार पर इस तरह की जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है। इस के साथ, वेतन में वृद्धि भी आयेगी । इसलिए ईमानदारी से काम करते रहे और लगातार अपने आप को प्रेरित करते रहे। हो सकता है की लाभ आज दिखाई न दे।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आज आप पेशेवर आत्मविश्वास से भर जायेंगे । आप अपनी कार्य सम्भंधि चिन्ताओ को सशक्त तरीके से आगे रखेंगे एवं कोई भी मुश्किल आपको बड़ी नहीं लगेगी । कुछ सूक्ष्म संकट कार्यस्थल पर आ सकते है , परन्तु आप उन संकटो से आसानी से आत्मविश्वास के साथ बाहर आयेंगे । आज आपके सहकर्मी आपकी क्षमता से प्रभावित होंगे ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
आज आप अपने वित्त के संबंध में दुविधा की स्थिति में रहेंगे । विरोधाभासी ग्रहों के प्रभाव की वजह से अलग अलग दिशाओं में आपका अंतर्मन भागेगा । आप महंगी खरीदारी के बारे में सोचेंगे , लेकिन आखिरी समय में अंतिम निर्णय लेने में आपको मुश्किल हो सकती है। इस तरह की दुविधा आपके निवेश में भी प्रतिबिंबित होगी।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
कुछ समय से अपने कार्यालय में आप काफी अच्छा काम कर रहे है और ये खूबी आज आपको अपने मालिक की नजरो में काफी ऊपर उठाएगी । पदोन्नति भी आपका इतंजार कर रही है परन्तु आपके सहकर्मियों की द्वेष एवं जलन आपका मन ख़राब कर सकती है । ये आपके लिए एक मुश्किल चुनौती की तरह है।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
कुछ भ्रम की स्थिति आज आपके कार्य क्षेत्र में आने की संभावना है। आप अपने कार्य क्षेत्र में काफी अच्छे तरीके से कार्य कर रहे है , साथ ही साथ आपको एक व्यापार में शामिल होने के लिए एक प्रस्ताव मिल सकता है जो काफी भरोसेमंद है और पुरस्कार से भरपूर भी परन्तु इस तरह का प्रस्ताव आप ने पहले न देखा न सुना इसलिए आप अनिर्णय की स्थिति में रहेंगे ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आपके वित्तीय संसाधनो का विस्तार होगा जिसका लाभ लेने के लिए आप पूरी तरह तैयार है । आप आज अपने घर , व्यवसाय या वाहन के लिए भी ऋण के लिए आवदेन कर सकते है जो की आराम से मंजूर हो जायेगा । जिन विद्यार्थियों ने शिक्षा ऋण के लिए आवदेन किआ हुआ है उन्हें भी शुभ सन्देश की प्राप्ति होगी ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
यह आपके व्यवसाय के खिलने के लिए के लिए एक शुष्क मौसम है, इसलिए अभी आप अपने व्यक्तित्व को सवारने का प्रयत्न कर सकते हैं। आप एक सक्रिय व्यक्ति हैं और आपकी अच्छी ग्राहक सेवा असंख्य बार आपके ग्राहकों को वापस लाने के लिए प्रेरित करेगी । आपके व्यय नियंत्रण में है क्योकि आप हमेशा से सरल तरीको से अपने खर्चे का निर्वाह करते हैं ।

पं। महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

महत्वाकांक्षा का कोई अंत नहीं

लोगों को मानवता के लिए काम करना चाहिए : मोहन भागवत का बड़ा बयान

गुमला, 19 जुलाई (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने गुरुवार को कहा कि लोगों को मानव जाति के कल्याण के लिए अथक प्रयास करना चाहिए। विकास और मानव महत्वाकांक्षा की खोज का कोई अंत नहीं है। भागवत ने कहा कि आत्म-विकास के लिए एक व्यक्ति 'सुपरमैन', फिर 'देवता' और 'भगवान' बनना चाहता है और 'विश्वरूप' की आकांक्षा रखता है, लेकिन कोई भी जानता कि आगे क्या है?

एक गैर-लाभकारी संगठन विकास भारती की ओर से आयोजित ग्राम-स्तरीय कार्यकर्ता बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने यह भी कहा कि कुछ लोग इंसान होते हुए भी मानवीय गुणों से रहित हैं। उन्हें पहले इसे अपने अंदर विकसित करना चाहिए। भागवत ने कहा कि मानवीय गुणों को प्राप्त करने के बाद, मनुष्य अलौकिक शक्तियों के साथ सुपरमैन बनने और फिर 'देवता' और 'भगवान' का दर्जा प्राप्त करने की आकांक्षा रखता है। फिर वह परम शक्ति का सर्वव्यापी रूप चाहता है। इसके आगे क्या है, कोई भी नहीं जानता।

भागवत ने कहा कि कोविड-19 महामारी के बाद पूरी दुनिया को पता चला कि भारत के पास शांति और खुशहाली का रोडमैप है। उन्होंने यह भी कहा कि 'सनातन धर्म' मानव जाति के कल्याण में विश्वास करता है। उन्होंने कहा कि देश की बेहतरी के लिए बहुत से लोग मिलकर काम कर रहे हैं। इसलिए उन्हें देश के भविष्य की फिक्र नहीं है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से समाज के कल्याण के लिए अथक प्रयास करने का अनुरोध किया। भागवत ने कार्यकर्ताओं से कहा कि वे देश के कल्याण के लिए प्रयास करें। मोहन भागवत ने कहा, पिछले 2,000 वर्षों में कई प्रयोग किए गए, लेकिन वे भारत की पारंपरिक जीवन शैली में निहित खुशी और शांति प्रदान करने में विफल रहे। कोरोना के बाद दुनिया को पता चला कि भारत के पास शांति और खुशहाली का रोडमैप है। उन्होंने कहा कि उन्हें देश के भविष्य की कभी चिंता नहीं रही, क्योंकि कई लोग मिलकर इसकी बेहतरी के लिए काम कर रहे हैं, जिसका नतीजा सामने आना तय है। उन्होंने कहा, देश के भविष्य को लेकर कोई संदेह नहीं है, अच्छी चीजें होनी चाहिए, सभी इसके लिए काम कर रहे हैं, हम भी प्रयास कर रहे हैं।

आएसएस प्रमुख ने यह भी कहा कि आदिवासी पिछड़े हुए हैं और उनके लिए शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में बहुत काम करने की जरूरत है। उन्होंने कहा, जंगल के इलाकों में जहां आदिवासी पारंपरिक रूप से रहते हैं, वहां के लोग शांत और सरल स्वभाव के होते हैं, जो बड़े शहरों में नहीं मिलते। यहां मैं ग्रामीणों पर आंख मूंदकर भरोसा कर सकता हूं, लेकिन शहरों में हमें सावधान रहना होगा कि हम किससे बात कर रहे हैं।

आरएसएस प्रमुख ने कहा कि भारत के लोगों का अपना अलग स्वभाव है। कई लोग बिना किसी नाम या प्रसिद्धि की इच्छा के देश के कल्याण के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा, हमारे यहां पूजा की अलग-अलग शैलियां हैं। हमारे यहां 33 करोड़ देवी-देवता हैं और यहां 3,800 से अधिक भाषाएं बोली जाती हैं। यहां तक कि खान-पान की आदतें भी अलग-अलग हैं। इतने सारे अंतर के बावजूद हमारा मन एक है और यह दूसरे देशों में नहीं पाया जा सकता।

मोहन भागवत ने कहा कि आजकल तथाकथित प्रगतिशील लोग समाज को कुछ देने में विश्वास करते हैं, जो भारतीय संस्कृति में निहित है। उन्होंने कहा, शास्त्रों में ऐसा कहीं नहीं लिखा है, लेकिन पीढ़ी दर पीढ़ी यह हमारे स्वभाव में है। उन्होंने गांव के कार्यकर्ताओं से समाज के कल्याण के लिए अथक प्रयास करने का भी आग्रह किया।

सहायक पुलिसकर्मियों पर लाठीचार्ज

वेतन बढ़ाने की मांग को लेकर सीएम हाउस का घेराव करने पहुंचे थे सुरक्षाबलों के साथ पथराव, कई घायल

रांची, 19 जुलाई (एजेंसियां)। रांची के मोरहाबादी मैदान में आंदोलन पर बैठे सहायक पुलिसकर्मियों पर शुक्रवार को जमकर लाठीचार्ज किया गया। वेतन बढ़ाने की मांग को लेकर सहायक पुलिसकर्मी सीएम आवास घेरने पहुंचे थे। सुरक्षाबलों ने बैरिकेडिंग कर उन्हें रोकने की कोशिश की, लेकिन प्रदर्शनकारी उग्र हो गए और बैरिकेडिंग तोड़कर आगे बढ़ने लगे। इस दौरान सुरक्षाबलों पर पथराव भी किया गया। जिसके बाद पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया। वहां खड़ी कई गाड़ियों में भी तोड़फोड़ की गई। इस घटना में दोनों पक्षों के कई लोग घायल हुए हैं। जानकारी के मुताबिक, मुख्यमंत्री आवास घेराव से पहले सहायक पुलिसकर्मियों का एक प्रतिनिधिमंडल ने वरीय अधिकारियों के साथ बातचीत की थी। इस बातचीत में एक साल इसे बढ़ाने और वेतन बढ़ोतरी पर सहमति बन गई थी। प्रतिनिधि वापस लौटे, तो सीएम आवास घेराव की योजना बनी।

सुकमा-बीजापुर जिले में हैवी रेन का रेड अलर्ट

दो दिन भारी बारिश के आसार, अगले 24 घंटे में 204एमएम वर्षा का अनुमान

रायपुर, 19 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में मौसम विभाग ने आज सुकमा और बीजापुर जिले में बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में कुछ जगहों पर अगले 24 घंटे के दौरान 204 मिमी तक बारिश हो सकती है। वहीं, आज और 20 जुलाई को मध्य और दक्षिण छत्तीसगढ़ में भारी से अति भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है।

इसके साथ ही गरियाबंद, धमतरी, बालोद, बस्तर, कोंडागांव, दंतेवाड़ा, कांकेर, और बीजापुर में ऑरेंज अलर्ट है। रायपुर, बलौदा बाजार, दुर्ग, राजनांदगांव और मोहला मानपुर में हैवी रेन फॉल का यलो अलर्ट जारी किया गया है। प्रदेश के बाकी हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश होगी।

उत्तर छत्तीसगढ़ में एक बार फिर कमजोर मानसून के सक्रिय होने के आसार हैं। गुरुवार को सरगुजा संभाग के कई इलाकों में खंड वर्षा हुई। सरगुजा जिले में अब तक औसत बारिश की 40 फीसदी बारिश ही हो सका है। बंगाल की खाड़ी में बन रहे नए सिस्टम से मानसून द्रोणिका एक

बार फिर से सक्रिय होने के आसार हैं। इसके कारण शुक्रवार को संभाग के कुछ इलाकों में बारिश होगी। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में मौसम बारिश के लिए अनुकूल बना हुआ है। बादलों में नई हलचल देखने को मिल रही है। इससे अनुमान लगाया जा रहा है कि कल से अधिकांश स्थानों पर तेज गरज-चमक के साथ बारिश होगी। लोगों को गर्मी और उमस से राहत मिल सकती है। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक दो दिनों में होने वाली बारिश से राज्य में बारिश का कोटा पूरा होने के आसार हैं। अभी 26 फीसदी तक कम वर्षा हुई है। प्रदेश में अब तक 299.7 मिलीमीटर बारिश हुई है। जबकिअब तक 407.1 मिलीमीटर बारिश हो जानी चाहिए थी। मौसम विभाग कहना है कि बंगाल की खाड़ी में बने मजबूत सिस्टम के कारण प्रदेश में अगले दो-तीन दिनों तक मानसूनी गतिविधियों में तेजी रहेगी। खासकर बस्तर संभाग के सभी जिलों में इस दौरान अच्छी बारिश होगी। बालोद जिले के कन्नेवाड़ा स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी मीडियम स्कूल भवन की दीवारों से बारिश के पानी का रिसाव होने लगा है। खिड़कियों से झरने की तरह बारिश का पानी क्लासरूम में गिरता है, जिससे फर्श पर पानी भरा रहता है। इस वजह से बच्चों को पढ़ने में काफी दिक्कतें हो रही हैं। इस भवन को 35 लाख की लागत से बनाया गया है।

सीजी-तेलंगाना बॉर्डर पर मुठभेड़

नक्सली के मारे जाने की खबर, पड़ोसी राज्य की ग्रेहाउंड फोर्स छत्तीसगढ़ के जंगलों में घुसी, माओवादियों को घेरा

जगदलपुर, 19 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़-तेलंगाना राज्य की सीमा पर शुक्रवार सुबह तेलंगाना ग्रेहाउंड फोर्स की नक्सलियों के साथ मुठभेड़ हो गई। बताया जा रहा है कि बीजापुर जिले के इल्मीडी के जंगल में घुसी ग्रेहाउंड फोर्स ने नक्सलियों की एक बड़ी टीम को घेर रखा है। दोनों तरफ से हुई गोलीबारी में एक माओवादी मारा गया है। सूत्रों के हवाले से मिली खबर के मुताबिक मुठभेड़ में कई नक्सलियों के घायल होने की सूचना है। हालांकि इसकी ऑफिशियल पुष्टि नहीं हुई है।

दंतेवाड़ा, बीजापुर और सुकमा जिले की सीमा पर पिछले 24 घंटे में 2 अलग-अलग जगह आईईडी ब्लास्ट हुए। जिसकी चपेट में आने से 2 जवान शहीद हो गए, वहीं 6 जवान घायल हैं। घायलों में 2 डीआरजी के जवान हैं, बाकी एसटीएफ के हैं। इधर, दंतेवाड़ा पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ में जवानों ने 1 महिला माओवादी को मार गिराया है।

पुलिस को सूचना मिली थी कि इन तीनों जिलों के बॉर्डर पर नक्सलियों के दरभा डिवीजन, पश्चिम बस्तर डिवीजन और मिलिट्री नंबर 2 के नक्सली मौजूद हैं। इसी सूचना के आधार पर तीनों जिलों से डीआरजी, एसटीएफ, बस्तर फाइटर और सीआरपीएफ के जवानों को 16 जुलाई को सर्च ऑपरेशन के लिए रवाना किया गया था।

टाइगर रिजर्व की इजाजत मिली, 10 साल बाद भी नोटिफिकेशन नहीं

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट का सरकार को अल्टीमेटम 4 हफ्ते में मांगा जवाब, कहा–जल्द फैसला लें

रायपुर, 19 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने गुरु घासीदास नेशनल पार्क को टाइगर रिजर्व घोषित करने के नोटिफिकेशन को लेकर 4 सप्ताह में जवाब मांगा है। कोर्ट की ओर से कहा गया है कि यह अंतिम अवसर है, राज्य सरकार इस पर जल्द फैसला ले। हाईकोर्ट इसे लेकर लगी जनहित याचिका पर सुनवाई कर रहा था।

एनटीसीए (राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण) से 2014 में शुरुआती और 2022 में आखिरी अनुमति दे दी गई। इसके बाद भी राज्य सरकार ने इसे टाइगर रिजर्व घोषित नहीं किया। कांग्रेस सरकार का मानना था कि जहां रिजर्व घोषित किया गया, उस पूरे इलाके में महत्वपूर्ण खनिजों की खदान और घना जंगल है।

रिजर्व बनने के बाद अगर इस इलाके में खनन बंद करना पड़ा तो इससे राज्य को गंभीर आर्थिक संकट उठाना पड़ सकता है। दूसरी ओर प्रदेश में सरकार बदलने के बाद वन्य जीव एक्टिविस्ट को उम्मीद है कि शासन इस पर जल्द निर्णय लेगा।

भाजपा शासन काल में भेजा गया था प्रस्ताव

दरअसल, पूर्ववर्ती रमन सिंह सरकार ने साल 2012 में गुरु घासीदास नेशनल पार्क को टाइगर रिजर्व घोषित करने के सैद्धांतिक निर्णय लिया था। इसका प्रस्ताव भी एनटीसीए को भेजा था। इसमें गुरु घासीदास नेशनल पार्क और तमोर पिंगला सेंचुरी को मिलाकर टाइगर रिजर्व बनाने का ड्राफ्ट था।

कांग्रेस सरकार में यह मामला इस रिजर्व एरिया के कोल ब्लॉक, आइल ब्लॉक और मिथेन गैस ब्लॉक पर फंस गया। राज्य सरकार प्रस्तावित गुरु घासीदास नेशनल पार्क को टाइगर रिजर्व घोषित करती है तो क्षेत्रफल के हिसाब से यह देश का तीसरा सबसे बड़ा रिजर्व होगा।

छत्तीसगढ़ सरकार ने 2022 में एनटीसीए को अंतिम स्वीकृति के बाद ड्राफ्ट भेजा था। एनटीसीए ने शीघ्रता से ड्राफ्ट स्वीकार कर नोटिफिकेशन के लिए राज्य सरकार को अनुमति दे दी। इस बीच राज्य सरकार के खनिज विभाग ने 19 मई 2023 को घासीदास टाइगर रिजर्व में पेट्रोलियम पदार्थ गैस की संभावना जताते हुए भारत सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय से सहमति लेने की सिफारिश की। फिर से तभी से टाइगर रिजर्व का मामला ठंडे बस्ते में चला गया।

2019 में लगी जनहित याचिका के बाद लगातार सुनवाई चलती रही। हर बार की तरह भी इस बार पेशी आगे बढ़ाने की अर्जी सरकार की ओर से दी गई थी। लेकिन हाईकोर्ट चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस रविंद्र कुमार अग्रवाल ने सुनवाई के बाद सरकार को आखिरी बार 4 सप्ताह का समय दिया है।

याचिकाकर्ता और एक्टिविस्ट अजय दुबे ने बताया कि, घासीदास टाइगर रिजर्व बनने से झारखंड के पलामू से लेकर मध्यप्रदेश के बांधवगढ़ तक टाइगर का कॉरिडोर सुरक्षित होगा। ये प्रस्तावित रिजर्व क्षेत्र है और हाथियों के मूवमेंट के लिए भी यह बेहद संवेदनशील इलाका है।

भारत का आखिरी चीता भी इसी टाइगर रिजर्व के इलाके में मिला था। यहीं शिकार भी हुआ था। दुबे ने कहा कि भविष्य के पीढ़ियों को बेहतर जंगल और वन उपलब्ध कराना हमारी जिम्मेदारी है।

मुफ्त की मछली के लालच में मौत

शराब के नशे में जाल देखकर बूढ़ा तालाब में उतरा युवक, डूबने से चली गई जान

रायपुर, 19 जुलाई (एजेंसियां)। रायपुर में एक युवक की मुफ्त की मछली के लालच में पानी में डूबने से मौत हो गई। युवक शराब के नशे में मछली पकड़ने का जाल देखकर बूढ़ा तालाब में उतर गया, जिससे जाल में फंसी कुछ मछलियों को वह पकड़ सके, लेकिन पानी में उतरते ही वह तैर नहीं पाया और डूब गया। पुलिस को जानकारी मिलते ही एसडीआरएफ की मदद से युवक की लाश को पानी से बाहर निकाला गया। पूरा मामला पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र के बूढ़ा तालाब का है। पुरानी बस्ती थाना प्रभारी योगेश कश्यप से मिली जानकारी के मुताबिक, बबलू मरकाम(25) पुजारी नगर कोतवाली थाना क्षेत्र का रहने वाला है। वह शराब के नशे में शाम साढ़े 6 बजे के आसपास बूढ़ा तालाब के पास से गुजर रहा था। इस दौरान तालाब में मछली पकड़ने का जाल बिछा हुआ था। बताया जा रहा है कि युवक जाल में फंसी मछली के लिए पानी में उतर गया। कुछ देर बाद वह गहरे पानी में चला गया और नशे में होने की वजह से ज्यादा देर तक तैर नहीं पाया, जिससे डूबकर मौत हो गई। आसपास के लोगों ने इस बीच पानी में हलचल करते देखा तो उन्होंने पुलिस को सूचना दी।

मौके पर पुरानी बस्ती और कोतवाली थाना दोनों की पुलिस टीम पहुंची। उन्होंने एसडीआरएफ की टीम को भी बुलाया। टीम ने वाटर बोट के सहारे गहरे पानी में करीब 2 घंटे तक युवक की तलाश की। कड़ी मशक्कत के बाद लाश गहरे पानी से मिल गई। पुलिस ने उसे बाहर निकाल कर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

बाजार ने हमारा किचन बिगाड़ दिया है और स्वाद ने शरीर : डॉ खादर

अयोध्या, 19 जुलाई (एजेंसियां)। मिलेट्स मैन के नाम से ख्यात पद्मश्री डॉ खादर वली ने कहा कि मिलेट्स स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद आहार है। खान पान हमारी बीमारियों की जड़ हैं। उचित आहार का उपयोग कर हम बीमारियों से बचाव कर सकते हैं।

डॉ खादर आज यहाँ नरेन्द्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में स्वस्थ भारत अभियान के 9 वें स्थापना दिवस अवसर पर 'अमृतकाल में भारत का स्वास्थ्य एवं आहार परम्परा' विषय पर आयोजित संगोष्ठी को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बाजार ने हमारा किचन बिगाड़ दिया है और स्वाद ने शरीर। जानते समझते हुए भी फास्ट फूड खाकर हम बीमार हो रहे हैं और जीवन भर की कमाई डॉक्टरों को सौंप कर कंगाल हो रहे हैं। हमें आनेवाली पीढ़ियों की जिन्दगी सुरक्षित बनाने के लिए मिलेट्स को अपने भोजन में अपनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि खेती का उद्देश्य खाने के लिए होना चाहिए, बेचने के लिए नहीं। शरीर स्वस्थ रहेगा तो किसी भी उपाय से पैसा कमाया जा सकता है लेकिन शरीर खराब रहेगा तो संसार का सारा ऐश्वर्य धरा का धरा रह जाएगा। इसलिए किसानों को अपनी सोच बदलनी होगी। मिलेट्स की खेती के लिए आगे आना होगा। मिलेट्स का रकबा बढ़ाना होगा।

उन्होंने जोर देकर कहा कि देश को निरोग डॉक्टर नहीं किसान बना सकते हैं। डॉक्टर बीमारियों को दवा देकर दबा देते हैं जबकि मिलेट्स बीमारियों को जड़ से समाप्त कर देता है। इसीलिए हमारे प्रधानमंत्री श्री अन्न को बढ़ावा देने की वकालत करते हैं। देश स्वस्थ बनेगा तो समाज खुशहाल बनेगा। उन्होंने कहा कि वर्षों से हमारे किसान भाई धान और गेहूं की खेती करते रहे हैं। इसमें पानी की खपत ज्यादा होती है। नतीजा यह है कि पानी पाताल में जा रहा है। कई जगह जल संकट या कहें कि सूखे के हालात बनते जा रहे हैं। मिलेट्स की खेती में पानी की खपत कम होती है और उपज भी अधिक होती है। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए पूर्व सांसद और अवसर ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ आर के सिन्हा ने बताया कि मिलेट्स की खेती के लिए हर तरह की जमीन उपजाऊ होती है। उन्होंने कहा कि मिलेट्स की उत्पादकता बढ़ाने के लिए उसकी तीन बार 21 दिन, 42 दिन और 63 दिन पर छंटाई करनी जरूरी है। मिलेट्स हमारी रक्त कोशिकाओं को साफ करता है और उसे मजबूत बनाता है।

जंगली सुअर और हिरण के शिकार पर वन विभाग ने दी दबिश

कोरबा, 19 जुलाई (एजेंसियां)। कोरबा में जंगली जानवरों का शिकार कर शिकारी फरार हो गए। वन विभाग की टीम ने बंद घर का ताला तोडक़र जब दबिश दी शिकारी तो नही मिले लेकिन जंगली सूअर और चीतल के अवशेष बरामद जरूर किये। कटघोरा वनमंडल के अंतर्गत वन परिक्षेत्र पाली के मुनगाडीह परिसर के अधीन आने वाले ग्राम दमिया में अवैध शिकार करने की सूचना वनमंडलाधिकारी कुमार निशांत को मिली थी। उन्होंने तत्काल पाली रेंजर को निर्देशित कर टीम गठित किया और उप वनमंडलाधिकारी पाली के नेतृत्व में ग्राम दमिया में उक्त स्थान पर दबिश दी गई। हमले के पहुंचने से पहले शिकारी फरार हो गए और उक्त घर में ताला लगा हुआ मिला।

मुख्यमंत्री-गृहमंत्री ने शहीद जवान को दिया कंधा

रायपुर में 'भारत' के लिए पूरा मोहल्ला रोया, बीजापुर नक्सल हमले में हुए थे शहीद

रायपुर, 19 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और गृहमंत्री विजय शर्मा ने शहीद जवानों के पार्थिव शरीर को कंधा दिया। रायपुर के रहने वाले भारत साहू 17 जुलाई को बीजापुर में हुए नक्सल हमले में शहीद हो गए थे। शुक्रवार को उनके पार्थिव देह को रायपुर लाया गया। सीएम साय ने माना स्थित चौथी बटालियन पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित की। भारत की अर्थी को कंधा देने के बाद उन्हें पूरे सम्मान के साथ रायपुर स्थित उनके निवास मोवा के लिए विदा किया गया। तिरंगे में लिपटे शहीद भारत जब अपने मोहल्ले पहुंचा, तो पूरे इलाके के लोगों की आंखें नम हो गईं। महिलाएं-पुरुषों की जमा भीड़ की आंखों में गम के आंसू थे। मगर होठों पर पूरे जोश के साथ भारत

माता के जयकारे लगा रहे थे। यह जयकारे राष्ट्र की मां और शहीद हुए भारत की मां के लिए भी था। जिसने अपने बेटे को नक्सल मोर्चे पर प्रदेश की रक्षा के लिए भेजा था। इस दौरान लोग खुद ही घरों से निकलकर भारत की अंतिम यात्रा में शामिल हुए। इलाके में सभी दुकानें बंद रहीं। बड़ा जनसमूह शहीद के साथ था। नक्सलवाद मुर्दाबाद, भारत मां के लाल चले जैसे नारों से मोवा इलाका गूंज उठा। नक्सलवाद के प्रति लोगों में गुस्सा साफ देखा जा रहा था। भारत के पिता रामाधार साहू ने बताया कि, मेरे बेटे के तीन बच्चे हैं। 2 साल का एक छोटा बेटा है, दो बेटियां हैं, जो पांचवी और तीसरी कक्षा में पढ़ती हैं। उसकी पत्नी तो बात ही नहीं कर पा रही, वो सदमे में है। इतना कहकर भारत के पिता भी चुप हो गए। उनका परिवार रायपुर के मोवा में रहता है। भारत एसटीएफ में नक्सलियों से लड़ाई में सबसे आगे आकर लड़ने वाली टीम में थे। शहीद के पिता रामाधार साहू ने बताया कि, एसटीएफ के अधिकारी 18 जुलाई की सुबह बेटे का पार्थिव शरीर भेजने वाले थे।

नीट पेपर लीक में मेडिकल की स्टूडेंट हिरासत में

रिम्स के डॉक्टर बोले- पेपर लीक के खुलासे के बाद से ही सहमी रहती थी

रांची, 19 जुलाई (एजेंसियां)। नीट यूजी पेपर लीक मामले में सीबीआई ने रिम्स की एमबीबीएस फर्स्ट ईयर की स्टूडेंट को हिरासत में लिया है। वो गर्ल्स हॉस्टल 3 में रहती है। सीबीआई की टीम ने गुरुवार को पूछताछ के लिए बुलाया था, लेकिन वो नहीं आई। इसके बाद सीबीआई की टीम रिम्स पहुंची और उसे अपने साथ ले गई। रिम्स के एक डॉक्टर के मुताबिक पेपर लीक की बात सामने आने के बाद से ही सहमी रहती है। वो अपने साथियों से भी ज्यादा बात नहीं करती थी। इससे पहले बुधवार को भी सीबीआई ने पटना एम्स के चार स्टूडेंट को गिरफ्तार किया था। गिरफ्तार छात्रों में सीवान के चंदन सिंह, पटना के कुमार शानू, धनबाद के राहुल आनंद और अररिया के करण जैन हैं। वहीं गुरुवार को कोर्ट ने इन छात्रों के अलावा 1 बिचौलिए सुरेंद्र को रिमांड पर सीबीआई को सौंप दिया। गिरफ्तार सुरेंद्र परीक्षा माफिया और एम्स के छात्रों के बीच मिडिल मैन है। सुरेंद्र के संपर्क में ही ये चारों छात्र थे। जब सीबीआई पूछताछ करने लगी तो शुरु में चारों ने बरगलाया। लेकिन जब सीबीआई ने वैज्ञानिक साक्ष्य दिखाकर पूछताछ शुरू की तो सबने जुर्म कबूल कर लिया। इन चारों छात्रों का निलंबन तय माना जा रहा है। एम्स निदेशक डॉ. जीके पाल ने बताया कि शुक्रवार को इस मामले को लेकर प्रशासकीय बैठक होने वाली है। इंटरनल जांच के लिए कमेटी बना दी गई है। नीट पेपर लीक मामले में सीबीआई ने गुरुवार को रॉकी उर्फ राकेश को बिहार से गिरफ्तार किया था।

सीबीआई के सूत्रों के मुताबिक, रॉकी ने ही नीट का पेपर लीक होने के बाद उसे हल कराकर एक आरोपी चिंटू के मोबाइल पर भेजा था। केंद्रीय जांच एजेंसी ने सुबह रॉकी को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने उसे 10 दिन की रिमांड पर सीबीआई को सौंप दिया।

पाकुड़ हिंसा के बाद अब लैंड जिहाद

बाबूलाल ने ट्वीट किया वीडियो कहा, आदिवासियों से हड़पी जा रही है जमीन

पाकुड़, 19 जुलाई (एजेंसियां)। झारखंड के पाकुड़ में दो समुदाय के बीच हुई हिंसा ने राजनीतिक रंग ले लिया है। दो गुटों की झड़प को लेकर भाजपा के कई नेताओं ने सोशल मीडिया पर कई पोस्ट किए। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने एक के बाद एक कई वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है। उन्होंने कहा कि इस बढ़ती हिंसा के पीछे बांग्लादेशी घुसपैठिया हैं। बाबूलाल ने एक वीडियो शेयर किया जिसमें जमीन को लेकर दो पक्ष आपस में लड़ते दिखाई दे रहे हैं। इस वीडियो में एक व्यक्ति की आवाज भी सुनाई दे रही है जिसमें वो कह रहा है "जीना मुश्किल कर देंगे"।

इस वीडियो को शेयर करते हुए बाबूलाल मरांडी ने लिखा अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों द्वारा झारखंड के आदिवासियों को दी जा रही इस खतरनाक धमकी को सुनिए और झारखंड के खौफनाक भविष्य का अंदाजा लगाईए! पाकुड़ जिला के महेशपुर थाना अंतर्गत गायबथान में 'लैंड जिहाद' का मामला सामने आया है, जहां घुसपैठियों ने जमीन मालिकों को मारपीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया गया।

इस पोस्ट में बाबूलाल मरांडी ने हेमंत सोरेन पर भी निशाना साधा है उन्होंने लिखा, अबुआ राज और जल-जंगल-जमीन के स्वयंभू ठेकेदार हेमंत सोरेन ने अब आदिवासियों की पहचान को मिटाने का ठेका ले रखा है। हेमंत सोरेन की सरकार में यदि आदिवासियों ने अपनी जमीन बांग्लादेशी घुसपैठियों के हाथ में नहीं सौंपी, तो उनका जीना मुहाल कर दिया जाएगा। आदिवासी महानायकों की धरती पर आदिवासी महिलाओं बेटियों पर बढ़ता अत्याचार अत्यंत दुखद है। पाकुड़ मोहर्रम के बाद से ही चर्चा में है।

जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के नीलामी गांव में दो समुदायों के बीच हिंसक झड़प हुई।

बांग्लादेश में आरक्षण के खिलाफ हिंसा, 39 की मौत

प्रदर्शनकारियों ने गाड़ियां फूंकी, सरकारी चैनल में आग लगाई, 300 लोग भारत पहुंचे

ढाका, 19 जुलाई (एजेंसियां)। बांग्लादेश में सरकारी नौकरियों में आरक्षण के खिलाफ हफ्ते भर से जारी विरोध-प्रदर्शन अब उग्र हो गया है। प्रदर्शनकारियों ने गुरुवार शाम बांग्लादेश के मुख्य सरकारी टीवी चैनल बीटीवी के मुख्यालय में आग लगा दी। एएफपी की रिपोर्ट के मुताबिक गुरुवार शाम को सैकड़ों प्रदर्शनकारी बीटीवी ऑफिस के कैंपस में घुस आए और 60 से ज्यादा गाड़ियां भी फूंक दी। प्रधानमंत्री शेख हसीना ने कल ही बीटीवी को इंटरव्यू दिया था। छात्रों और पुलिस के बीच गुरुवार को हिंसक झड़पें भी हुईं। पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक हिंसा में गुरुवार को कम से कम 18 लोगों की मौत हुई। इसके अलावा 2500 से अधिक लोग घायल हुए। प्रदर्शन शुरू होने के बाद से कम से कम 39 लोगों की मौत हुई है। बांग्लादेश में जारी हिंसा के बाद वहां से भारतीय लोगों का पलायन शुरू हो गया है। अधिकारियों ने गुरुवार को कहा कि हिंसा के बाद वहां फंसे 300 से अधिक भारतीय, नेपाली और भूटानी नागरिक मेघालय पहुंच गए हैं। इनमें से अधिकांश छात्र हैं।

असम सरकार ने कहा कि वह पड़ोसी देश में रह रहे अपने लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विदेश मंत्रालय के संपर्क में है। बांग्लादेश 1971 में आजाद हुआ और इसी साल से वहां पर 56 फीसदी कोटा सिस्टम लागू हो गया था। इसमें स्वतंत्रता सेनानियों के बच्चों को नौकरी में 30%, पिछड़े जिलों के लिए 10%, महिलाओं के लिए 10%, अल्पसंख्यकों के लिए 5% और 1% विकलांगों को दिया गया। इस हिसाब से सरकारी नौकरियों में 56% आरक्षण है। साल 2018 में 4 महीने तक छात्रों के प्रदर्शन के बाद हसीना सरकार ने कोटा सिस्टम खत्म कर दिया था, लेकिन बीते महीने 5 जून को सुप्रीम कोर्ट ने सरकार को फिर से आरक्षण लागू करने का आदेश दिया। कोर्ट ने कहा कि 2018 से पहले जैसे आरक्षण मिलता था, उसे फिर से उसी तरह लागू किया जाए। शेख हसीना सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के खिलाफ अपील भी की मगर सुप्रीम कोर्ट ने अपना पुराना फैसला बरकरार रखा। इससे छात्र नाराज हो गए। अब इसी के खिलाफ पूरे देश में प्रदर्शन हो रहा है। इससे पहले बुधवार को बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने राष्ट्र के नाम संबोधन दिया। उन्होंने घोषणा की है कि रिजर्वेशन के खिलाफ आंदोलन में हुई मौतों की जांच के लिए एक न्यायिक जांच समिति बनाई जाएगी। उन्होंने छात्रों से देश की न्यायिक प्रणाली में विश्वास बनाए रखने की अपील की। हसीना ने आरक्षण विरोध प्रदर्शन में हुए जानमाल के नुकसान पर दुख जताया है। उन्होंने छात्रों से अपील कि है कि वे उपद्रवियों को स्थिति का फायदा उठाने का मौका न दें। प्रधानमंत्री ने कहा कि जिन लोगों ने हत्याएं की हैं, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाया है, उन्हें कटघरे में लाया जाएगा, चाहे वे किसी भी पार्टी से जुड़े हों।

'मिसाइल बल कार्यक्रम' में भ्रष्टाचार हैरत में कम्युनिस्ट सरकार

एक और सैन्य अधिकारी पर गिर सकती है गाज

बीजिंग, 19 जुलाई (एजेंसियां)। चीन के खुफिया मिसाइल और परमाणु बल कार्यक्रम में भ्रष्टाचार और अनियमितताएं की खबरें सामने आने के बाद सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी सचेत हो गई है। मिसाइल बल कार्यक्रम में अनियमितताओं के आरोप में इससे पहले पूर्व रक्षा मंत्री ली शांगफू पर भी कार्रवाई हो चुकी है। अब कम्युनिस्ट पार्टी ने एलान किया है कि इस मामले में अन्य बड़े नेताओं के खिलाफ भी भ्रष्टाचार विरोधी जांच शुरू की जाएगी। आपको बता दें कि इससे पहले चीन के खुफिया मिसाइल और परमाणु कार्यक्रम के जिम्मेदारी पूर्व रक्षा मंत्री जनरल ली शांगफू के कंधों पर थी। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में भ्रष्टाचार और अनियमितता की खबरें सामने आईं थी। जांच के घेरे में शांगफू के उत्तराधिकारी माने जाने वाले जनरल ली युचाओ भी आ गए थे। जांच के बाद शांगफू और युचाओ को बर्खास्त कर दिया गया था।

मेलोनी की लंबाई का मजाक उड़ाने के मामले में तीन साल बाद कार्रवाई

पत्रकार पर लगा 4 .57 लाख का जुर्माना

रोम, 19 जुलाई (एजेंसियां)। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी की लंबाई का मजाक उडाना पत्रकार को महंगा पड़ गया। सोशल मीडिया पोस्ट पर मजाक उडाने पर पत्रकार को स्थानीय अदालत ने 5465 डॉलर (4.57 लाख) का जुर्माना लगाया है। यह मामला है अक्तूबर 2021 का। जब एक पत्रकार गिउलिया कॉर्टेस ने इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी की लंबाई को लेकर कमेंट किया। सोशल मीडिया पर पीएम मेलोनी पर किए गए कमेंट के बाद से पत्रकार कॉर्टेस की मुश्किलें बढ़ती गईं। इटली पीएम मेलोनी ने पत्रकार के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी थी। दरअसल मेलोनी ने कॉर्टेस द्वारा प्रकाशित उनकी एक तस्वीर को लेकर आपत्ति जताई थी, उनका कहना था कि तस्वीर नकली है। तस्वीर में पृष्ठभूमि में दिवंगत फासीवादी नेता बेनिटो मुसोलिनी की तस्वीर थी। कॉर्टेस ने ट्वीट किया था, जिसका अनुवाद है कि मैं आपसे डरती नहीं हूं। आप तो मुझे नजर भी नहीं

आतीं, क्योंकि आपकी लंबाई महज 1.2 मीटर (4 फुट) ही है। बता दें कि मेलोनी की लंबाइ अलग-अलग मीडिया वेबसाइट पर 1.58 से 1.63 मीटर बताई गई है। कॉर्टेस को अदालत ने इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी का मजाक उड़ाने के लिए 5,000 यूरो (5,465 डॉलर) का हर्जाना देने का आदेश दिया है। यही नहीं 2021 में पत्रकार गिउलिया कोर्टेस कोअक्टूबर 2021 में ट्विटर पर मेलोनी की ऊंचाई के बारे में एक कटाक्ष के लिए बॉडी शेमिंग के नाम पर 1,200 यूरो का निलंबित जुर्माना लगाया गया था। इस फैसले के बाद गुरुवार को एक्स पर अंग्रेजी में लिखते हुए कॉर्टेस ने कहा कि इटली में स्वतंत्र पत्रकारों के लिए यह कठिन समय है। उन्होंने कहा, आशा करते हैं कि आगे अच्छे दिन आएंगे। हम हार नहीं मानेंगे! हालांकि पीएम मेलोनी के वकील ने कहा कि प्रधानमंत्री मिलने वाली जुर्माना राशि को दान करेंगी। रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स द्वारा इस वर्ष पत्रकारों के विरुद्ध दर्ज किए गए मुकदमों की संख्या में वृद्धि का हवाला दिया गया। जिसके कारण 2024 के विश्व प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक में इटली को पांच पायदान नीचे खिसकाकर 46वें स्थान पर ला दिया गया। वहीं मेलोनी पत्रकारों को अदालत में घसीटने से पीछे नहीं हटतीं। पिछले साल रोम की एक अदालत ने बेस्ट-सेलिंग लेखक रॉबर्टो सविआनो पर 1,000 यूरो और कानूनी खर्च का जुर्माना लगाया था, क्योंकि उन्होंने 2021 में टेलीविजन पर अवैध आव्रजन पर उनके सख्त रुख को लेकर उनका अपमान किया था।

ब्रिटेन के लीड्स में हिंसा भड़की दंगाइयों ने गाड़ियां फूंकी

बच्चों ने पुलिस को पत्थर मारे, माता-पिता से बच्चे छीनकर चाइल्ड केयर होम भेजा जा रहा था

लंदन, 19 जुलाई (एजेंसियां)। ब्रिटेन के लीड्स शहर में बीती रात हिंसा भड़क गई। भीड़ ने पुलिस की गाड़ियों और बसों में आग लगा दी। ब्रिटेन की मीडिया आउटलेट मिरर के मुताबिक एजेंसी की ओर से बच्चों को माता-पिता से कस्टडी में लेकर चाइल्ड केयर होम में भेजा जा रहा था। इसी के विरोध में लोग सड़कों पर उतर आए।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि लीड्स के हेयरहिल्स इलाके की लग्जर स्ट्रीट पर गुरुवार को स्थानीय समयानुसार पांच बजे लोगों की भीड़ जुटना शुरू हुई। इसके कुछ ही देर बाद भीड़ उग्र हो गई। इस भीड़ में बच्चे भी शामिल थे। पुलिस पूरे इलाके में हेलिकॉप्टर से निगरानी रख रही है। ब्रिटेन की गृहमंत्री यवेटे कूपर ने बताया कि वे इस हिंसा से स्तब्ध है। साथ मामले पर स्थानीय पुलिस से रिपोर्ट मांगी है। उन्होंने कहा कि इस तरह की हिंसा के लिए ब्रिटेन में कोई जगह नहीं है। मैं लगातार अधिकारियों के संपर्क में हूं। गिप्टन और हेयरहिल्स की काउंसिलर सलमा आरिफ ने लोगों से घरों के अंदर रहने की अपील की है। हिंसा के वीडियो वायरल होने के बाद इसमें आस-पास के लोग भी शामिल हो गए। पुलिस के मुताबिक अभी हालात सामान्य हो चुके है। लेकिन लोगों को हिदायत दी गई है की जब तक जरूरी न हो घर बाहर न निकले। हालांकि,अभी तक किसी के घायल होने की खबर नहीं है। स्थानीय लोगों ने बताया कि बीते कुछ दिनों से हमारे बच्चों को चाइल्ड केयर होम में रखा जा रहा है। प्रशासन को लगता है कि परिजनों की देखरेख में किसी बच्चे की परवरिश सही तरीके से नहीं हो पा रही है तो ऐसे बच्चों को चाइल्ड केयर होम में रखा जाना चाहिए।

स्टेज पर खड़ी महिला को अपनी पत्नी समझ बैठे जो बाइडन

वॉशिंगटन, 19 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन की सेहत पर बीते कुछ समय में लगातार सवाल उठे हैं। ऐसे सवालों ने एक बार फिर से जोर पकड़ा है। इसकी वजह बाइडन का एक नया वीडियो है। एक्स एक सामने आए एक वीडियो में बाइडन स्टेज पर एक महिला की तरफ जाते हुए दिख रहे हैं। इसी समय उनकी पत्नी जिल आकर उनको रोकती हैं और माइक की तरफ जाने को कहती हैं। वीडियो शेयर करते हुए दावा किया गया है कि इस महिला को बाइडन पहचान नहीं पाए थे, वो इस महिला को अपनी पत्नी जिल समझ बैठे थे और स्टेज पर ही किस करने वाले थे।

बाइडन का ये वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल है और हजारों यूजर्स ने इस पर कमेंट किए हैं। यूजर्स ने सवाल किया है कि अगर ये अपनी पत्नी को नहीं पहचान पा रहे हैं तो कैसे देश को चलाएंगे। कई यूजर्स ने इस साल होने वाले चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से बाइडन की उम्मीदवारी पर भी सवाल किए हैं। यूजर्स ने कहा है कि उनकी सेहत को देखते हुए वह राष्ट्रपति पद के लिए सही उम्मीदवार नहीं हो सकते हैं। बाइडन का ये वीडियो कितना पुराना है, ये साफ नहीं हो सका है। फिलहाल बाइडन को कोरोना पॉजिटिव पाए जाने के बाद अपने घर पर ही आइसोलेशन में रखा गया है।

बीते कुछ समय में एक के बाद एक ऐसे वाकये हुए हैं, जिनसे बाइडन की सेहत पर सवाल खड़े हुए हैं। जून में इटली में इस समय जी-7 समिट के दौरान बाइडन के एक वीडियो सामने आया था। इसमें देखा गया था कि जब सभी नेताओं का ग्रुप फोटो हो रहा था तो वह एक दूसरी ही दिशा में चल दिए थे। बाइडन के एक अलग दिशा में चल देने पर जैसे ही इटली की पीएम मेलोनी ने उनकी मदद करते हुए उनको वापस फोटो के लिए बुलाया था।

तुर्की ने भारत को हथियार बेचने पर लगाया 'बैन'

पाकिस्तान के दोस्त एर्दोगन ने लिया सीक्रेट फैसला, गलती से खुल गई पोल

अंकारा, 19 जुलाई (एजेंसियां)। तुर्की हमेशा इस्लामिक देश होने के कारण पाकिस्तान के समर्थन में रहता है। इस कारण अब तुर्की और भारत के संबंधों में बड़ी गिरावट देखी जा रही है। तुर्की सरकार ने दुनिया के सबसे बड़े हथियार आयातकों में से एक भारत को सैन्य उपकरण बेचने पर सीक्रेट तरीके से प्रतिबंध लगा दिया है। एर्दोगन की सरकार ने बैन का सीधा फैसला नहीं लिया है। लेकिन किसी भी हथियार बिक्री को मंजूरी नहीं दी जा रही है। यह फैसला तब लिया गया है जब कुछ महीनों पहले भारत ने जहाज निर्माण परियोजना में शामिल तुर्की की फर्म के साथ कॉन्ट्रैक्ट रद्द कर दिया था। तुर्की सरकार ने बैन के बारे में कोई बड़ी घोषणा नहीं की है। लेकिन इसका खुलासा तुर्की संसद में एक बंद दरवाजे के सत्र में हुआ।

विदेश मामलों की समिति में 10 जुलाई 2024 के बहस के विवरण के मुताबिक तुर्की की शीर्ष हथियार खरीद एजेंसी, प्रेसीडेंसी ऑफ डिफेंस इंडस्ट्री (एसएसबी) के उपाध्यक्ष मुस्तफा मूरत सेकर ने अनजाने में इस सीक्रेट नीती का खुलासा कर दिया। हालांकि तुर्की की ओर से उठाए गए इस कदम से कोई हैरानी नहीं होनी चाहिए। क्योंकि जब भी जियोपॉलिटिक्स की बात आती है तो दोनों एक दूसरे के विपरीत दिखते हैं। पाकिस्तान के साथ करीबी के बीच देखा जाता है कि तुर्की लगातार भारत विरोधी बयान देता है। यही कारण है कि भारत भी तुर्की के खिलाफ खड़ा हो रहा है। वह भी लगातार तुर्की के दुश्मन ग्रीस से जुड़े विवाद को उठाता रहता है। अप्रैल में भारत ने जहाज निर्माण परियोजना में शामिल तुर्की की एक फर्म के साथ अनुबंध रद्द कर दिया था। साथ ही अप्रैल में ही भारत ने ग्रीस के सेना प्रमुख का स्वागत किया था। सेकर ने अपने खुलासे को संवेदनशील बताते हुए सांसदों को बताया कि जब ग्राहक भारत से जुड़ा होता है तब सरकार की तरफ से एक भी सैन्य वस्तु की बिक्री की मंजूरी नहीं दी जाती। भारत के साथ मतभेद के खतरे के बावजूद गुप्त प्रतिबंध की जानकारी सार्वजनिक कर दी गई है। भारत दुनिया के शीर्ष पांच हथियार आयातकों में से एक है। यह हथियार कंपनियों के लिए एक बड़ा बाजार है, जो लगभग 100 अरब डॉलर का आयात करता है। उन्होंने कहा, 'हालांकि हमारी राजनीतिक परिस्थितियों और पाकिस्तान के साथ हमारी दोस्ती के कारण, हमारा विदेश मंत्रालय हमें भारत में किसी भी निर्यात पर सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं देता है और परिणामस्वरूप हम अपनी कंपनियों को कोई परमिट नहीं देते हैं।'

तेल अवीव की सड़कों को ड्रोन से बनाया गया निशाना

विस्फोट में एक की मौत और 10 घायल, सेना ने बढ़ाई गश्त

तेल अवीव, 19 जुलाई (एजेंसियां)। तेल अवीव में शुक्रवार सुबह-सुबह एक बड़ा विस्फोट हुआ। विस्फोट से कम से कम 10 लोग घायल हो गए। साथ ही एक व्यक्ति की मौत हो गई। वहीं इजरायली सेना विस्फोट की समीक्षा कर रही है। साथ ही निगरानी बढ़ा दी गई है। इजरायल को अब ड्रोन से निशाना बनाया जाने लगा है।

इजरायल में मध्य तेल अवीव की सड़कों पर सुबह-सुबह एक विस्फोट ने अफरा-तफरी मचा दी। दरअसल पिछले नौ महीनों से हमास और इजरायल के बीच युद्ध चल रहा है। इस दौरान हूतियों ने हमास के साथ सहानुभूति दिखाते हुए बार-बार ड्रोन ओर मिसाइल इजरायल पर दागी हैं। लेकिन फिर सभी को या तो इजरायल या क्षेत्र में तैनात पश्चिमी सहयोगियों द्वारा रोक दिया गया था। बता दें कि दोनों ने अब तक हूतियों पर कोई हमला नहीं किया है, बल्कि इसके सहयोगियों को आगे बढ़ने का मौका दिया। क्योंकि वह गाजा में युद्ध और लेबनान के हिजबुल्लाह आतंकवादी समूह के साथ चल रही लड़ाई पर अपना ध्यान केंद्रित कर रहा है।

शुक्रवार सुबह हुए विस्फोट से दस लोग बुरी तरह घायल हो गए, वहीं एक अन्य की मौके पर ही मौत हो गई। घायलों का इलाज जारी है, हमले में एक 50 वर्षीय व्यक्ति को मृत घोषित कर दिया गया। इस विस्फोट के बाद से ही इजरायली सेना अलर्ट मोड पर है। वे विस्फोट की समीक्षा कर रहे हैं। इस घटना के बाद से ही हवाई गश्त भी बढ़ा दी गई है। जिसकी प्रारंभिक जांच में अब तक यह सामने आया है कि यह हवाई लक्ष्य के कारण हुआ था।

हूती विद्रोहियों ने ली हमले की जिम्मेदारी

यमन के हूती विद्रोहियों ने इजरायल की सड़कों पर हुए विस्फोट की जिम्मेदारी ली है। एपी की रिपोर्ट के अनुसार यमन के हूती विद्रोहियों ने तेल अवीव पर ड्रोन हमले की जिम्मेदारी ली है।

हम ज्यादा इंडियन चाहते हैं

भारतीय कामगारों के लिए दरवाजे खोलेगा जर्मनी, लाखों को मिलेगी नौकरी

बर्लिन, 19 जुलाई (एजेंसियां)। जर्मनी की सरकार देश में गहराते श्रम संकट को दूर करने के लिए भारत की ओर देख रही है। जर्मन सरकार ने योजना बनाई है कि श्रम की कमी से निपटने के लिए भारतीय कामगारों को ज्यादा नियुक्ति दी जानी चाहिए। जर्मनी के लेबर मिनिस्टर ह्यूबर्टस हील ने इस संबंध में अपनी सरकार के प्लान की जानकारी देते हुए कहा है कि कुशल श्रम की आवश्यकता को पूरा करने के लिए सभी तरह के प्रयास किए जा रहे हैं। एक नई योजना बनाई जा रही है, जिसके तहत जर्मनी भारत से बड़ी संख्या में कुशल श्रमिकों को नियुक्त करना चाहता है। इसे पूरा करने के लिए सभी जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। शेंगेन न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, हील ने बर्लिन के फ्री यूनिवर्सिटी में भारतीय छात्रों के साथ एक बातचीत में इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इस संबंध में संबंधित अधिकारी

काम कर रहे हैं। इस शरद ऋतु में जर्मन और भारत सरकार के परामर्श के लिए इंडियन स्किल्स वर्कर स्ट्रैटजी (भारतीय कुशल श्रमिक रणनीति) को पेश करेंगे। यह रणनीति विदेश कार्यालय और संघीय श्रम मंत्रालय और दूसरे संबंधित कार्यालय मिलकर तैयार कर रहे हैं। भारतीय छात्रों के साथ अपनी चर्चा के दौरान हील ने जर्मनी की जनसांख्यिकीय संरचना के चलते श्रम बाजार की चुनौतियों पर भी बात की। लेबर मिनिस्टर हील ने कहा कि जर्मनी में 'तेज दिमाग और मदद करने वाले हाथों' का स्वागत किया जाता है और आगे भी कुशल कामगारों के लिए दरवाजे खुले रहेंगे। इंस्टीट्यूट फॉर एम्प्लॉयमेंट रिसर्च (आईएबी) के एक अध्ययन का जिक्र करते हुए मंत्री हील ने कहा कि जर्मनी को 2035 तक 70 लाख मजदूरों की जरूरत होगी। जर्मनी 70 से अधिक व्यवसायों में श्रमिकों की कमी का सामना कर रहा है। सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों में परिवहन, विनिर्माण, निर्माण, स्वास्थ्य सेवा, इंजीनियरिंग और आईटी हैं। जर्मनी ने हाल के महीनों में कई बदलाव लागू किए हैं, जिससे कुशल श्रमिकों के लिए देश में रहना आसान हुआ है।

सरकार ने श्रमिकों के लिए जर्मनी को और अधिक आकर्षक बनाने के लिए सुधार किए हैं। इससे अप्रूवल क्वालिफिकेशन का इंतजार कर रहे ईयू ब्लू कार्ड वाले विदेशी श्रमिकों को तीन साल तक रहने की क्षमता के साथ देश में काम करने की अनुमति भी मिल जाएगी।

वेदांत पटेल बोले- भारत-अमेरिका भागीदारी अहम

यूक्रेन में न्यायपूर्ण शांति का समर्थन करने की अपील

वाशिंगटन, 19 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका ने भारत को कई प्रमुख क्षेत्रों में अपना भागीदार बताया है। साथ ही नई दिल्ली से यूक्रेन के लिए स्थायी और न्यायपूर्ण शांति प्राप्त करने के प्रयासों का समर्थन करने का आग्रह किया है। पीएम मोदी की रूस यात्रा के बाद अमेरिकी विदेश विभाग के प्रधान उप प्रवक्ता वेदांत पटेल से बृहस्पतिवार को सवाल किया गया। जिसका जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि भारत एक ऐसा देश है, जिसके साथ हम कई प्रमुख क्षेत्रों में भागीदार हैं। यह पिछली गर्मियों में स्पष्ट रूप से प्रदर्शित हुआ था, जब हमने प्रधानमंत्री मोदी की राजकीय यात्रा की मेजबानी की थी। वहीं, यूक्रेन और रूस की क्षेत्रीय संप्रभुता पर चल रही आक्रामकता और उल्लंघन के संदर्भ में, उन्होंने कहा, हम भारत सहित सभी भागीदारों से यूक्रेन के लिए एक स्थायी और न्यायपूर्ण शांति के प्रयासों का समर्थन करने के लिए कहते रहेंगे। हम रूस से भी आग्रह करते हैं कि वह यूक्रेन के संप्रभु क्षेत्र से अपनी सेना को वापस बुलाए। पीएम नरेंद्र मोदी 8-9 जुलाई तक रूस की आधिकारिक यात्रा पर थे। इस दौरान उन्होंने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की। 2022 में मॉस्को और कीव के बीच युद्ध शुरू होने के बाद से यह पीएम मोदी की पहली रूस यात्रा थी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोदिमीर जेलेंस्की ने पीएम मोदी की रूस यात्रा पर निराशा व्यक्त कर शांति प्रयासों के लिए विनाशकारी झटका बताया था। जबकि, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ अपनी द्विपक्षीय वार्ता के दौरान, पीएम मोदी ने रूस-यूक्रेन संघर्ष में बच्चों की हत्याओं का मुद्दा उठाया था।

अपनी धुरी पर घूमती धरती की बदल रही रफ्तार

लंबे हो रहे दिन और रात का समय घट रहा

वॉशिंगटन, 19 जुलाई (एजेंसियां)। जलवायु परिवर्तन और तेजी से पिघलती बर्फ पृथ्वी की गतिविधियों को भी प्रभावित कर रही है। ईटीएच ज्यूरिख के शोधकर्ताओं के हाल ही में किए गए एक अध्ययन से पता चलता है कि जलवायु परिवर्तन और ग्रह की इंटरनल डायनेमिक्स की वजह से पृथ्वी की स्पिन धुरी बदल रही है। शोधकर्ताओं ने ध्रुवीय गति को बेहतर ढंग से समझने के लिए एआई-मॉडल का उपयोग किया है, जो क्रस्ट के सापेक्ष पृथ्वी की रोटेशन धुरी की रफ्तार है। डेक्कन हेराल्डॉ की रिपोर्ट के मुताबिक,

ईटीएच ज्यूरिख में स्पेस जियोडेसी के प्रोफेसर बेनेडिक्ट सोजा ने बताया है कि इंसानों की गतिविधियों का हमारे ग्रह पर काफी अधिक प्रभाव पड़ता है। हाल के दो अध्ययनों में पृथ्वी की घूमने की रफ्तार, बर्फ की परतों के पिघलने और दिन-रात की अवधि के बीच संबंध की जांच की गई है। पृथ्वी की सतह पर बर्फ पिघलने की वजह से धरती का रोटेशन धीमा हो जाता है और दिन बढ़ जाता है। शोध से पता चला है कि धीमा रोटेशन दिनों को सामान्य 86,4000 सेकंड की तुलना में कुछ मिलीसेकंड तक बढ़ा देता है। पृथ्वी का घूर्णन धीमा होने की वजह ध्रुवों पर बर्फ के पिघलने से द्रव्यमान भूमध्य रेखा की ओर पुनर्वितरित हो जाता है। यहां ध्रुवों से भूमध्य रेखा तक आने वाले पानी के कारण पृथ्वी का संतुलन गड़बड़ा जाता है।

बेनेडिक्ट सोजा का कहना है कि जलवायु परिवर्तन के कारण पृथ्वी की घूर्णन धुरी हिल रही है। कोणीय गति के सरंक्षण से मिलने वाली प्रतिक्रिया भी पृथ्वी के कोर की गतिशीलता को बदल रही है। सोजा ने कहा कि भले ही पृथ्वी का घूर्णन केवल धीरे-धीरे बदल रहा हो लेकिन अंतरिक्ष में नेविगेट करते समय इस प्रभाव को ध्यान में रखा जाना चाहिए।

भारतीय मूल के पूर्व मंत्री पर 13 अगस्त से शुरू होगा केस

अदालत का मुकदमे से पहले बयान देने से इंकार

सिंगापुर, 19 जुलाई (एजेंसियां)। सिंगापुर की एक अदालत ने भारतीय मूल के पूर्व मंत्री एस ईश्वरन की याचिका शुक्रवार को खारिज कर दिया। याचिका में उन्होंने अभियोजन पक्ष को अपने खिलाफ कथित भ्रष्टाचार से जुड़े मुकदमे के लिए सभी गवाहों के बयान सौंपने के लिए बाध्य करने की मांग की थी। इस मामले पर मुकदमा अगले महीने शुरू हो रहा है।

भारतीय मूल के पूर्व केंद्रीय मंत्री एस ईश्वरन पर 35 आरोप हैं, जिन पर कार्रवाई होनी है। चैनल न्यूज एशिया की रिपोर्ट के अनुसार ईश्वरन पर सरकारी कर्मचारी के

तौर पर कीमती सामान प्राप्त करने के 32 मामले, भ्रष्टाचार के दो मामले और न्याय में बाधा डालने का एक मामला शामिल है। इस रिपोर्ट के अनुसार पूर्व परिवहन मंत्री के खिलाफ इन आरोपों से संबंधित मुकदमा 13 अगस्त को हाई कोर्ट में शुरू होना है। ईश्वरन के वकील जून में हुई सुनवाई में अपना पहला प्रयास पहले ही हार चुके हैं। इसके बाद 5 जुलाई दूसरे प्रयास में आपराधिक पुनरीक्षण सुनवाई हुई। न्यायमूर्ति विंसेंट होंग ने कहा कि आपराधिक प्रक्रिया संहिता में ऐसा नहीं लिखा है कि अभियोजन पक्ष को अपने गवाहों के सभी सशर्त बयानों या उन गवाहों के मसौदा बयानों का खुलासा करना आवश्यक है। इस तर्क को मानने का आपराधिक प्रक्रिया में कोई प्रावधान नहीं है। उन्होंने बचाव पक्ष के इस तर्क को भी खारिज कर दिया कि अभियोजन पक्ष की ओर से प्रक्रिया का दुरुपयोग या गंभीर अन्याय हुआ है। अभियोजन पक्ष ने कहा कि बचाव पक्ष अभियोजन पक्ष की स्थिति को गलत तरीके से प्रस्तुत कर रहा है। साथ ही बचाव पक्ष ने खुद ही अपनी स्थिति बदल दी है। अभियोजन पक्ष ने ईश्वरन की पत्नी टेलर के मैरी और उनके तत्कालीन निजी सहायक आइवी चैन वान हियांग सहित 56 गवाहों की सूची का खुलासा किया है। यदि लोक सेवक के रूप में कोई मूल्यवान वस्तु प्राप्त करने का दोषी पाया जाता है, तो ईश्वरन को दो साल तक की जेल, जुर्माना या दोनों हो सकते हैं।

नेता प्रतिपक्ष जूली बोले- सदन में मेरा माइक बंद किया

जयपुर, 19 जुलाई (एजेंसियां)। विधानसभा में माइक बंद करने का विवाद एक बार फिर गर्माता दिख रहा है। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने मंत्रियों के साथ अब विधानसभा स्पीकर पर भी गंभीर सवाल उठाए हैं। जूली ने स्पीकर की तुलना धृतराष्ट्र तक से करते हुए उन पर पक्षपात करने के आरोप लगाए हैं। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा- सदन में मंत्री जिस तरह का व्यवहार रहे हैं। अध्यक्ष उसको संरक्षण दे रहे हैं। लोकतंत्र की हत्या करने का काम कर रहे हैं। ऐसा मैंने कभी नहीं देखा कि आप नेता प्रतिपक्ष का माइक बंद कर दें। मेरा दूसरी बार माइक बंद कर दिया,इतनी गुंडागर्दी और तानाशाही है। मंत्री कोई असंसदीय शब्द कहें। हम विरोध करें तो वो सुनते नहीं, यह उनकी हालत है।

जूली ने कहा- आप किस दिशा में विधानसभा को लेकर जाना चाहते हो। इस विधानसभा की महान परंपराएं रही हैं। आंख बंद कर रहे हो, धृष्टराष्ट्र बन रहे हो। मैंने कभी जीवन में नहीं देखा। खूब विरोध होता है, विपक्ष भी सवाल उठाता है। हम भी सत्ता में रहे हैं, विपक्ष अपनी बात रखता था,सत्ता अपने पक्ष तरीके से उठाता है लेकिन इस प्रकार की तानाशाही, हिटलर शाही हमने नहीं देखी। इस प्रकार की गुंडागर्दी हम बर्दाश्त करने वाले नहीं हैं, अगर यह लोग तरीके से नहीं चलेंगे तो हम सदन नहीं चलने देंगे।

मंत्री सदन में असंसदीय शब्द बोलते हैं, उनको अध्यक्ष बचाते हैं, वे धृष्टराष्ट्र बन रहे हैं

जूली ने कहा- ये सदन में हिंदू मुस्लिम की बात करना चाह रहे हैं। जाति धर्म की बात करना चाह रहे हैं। कौन लोग हैं जो देश को तोड़ना चाहते हैं, हम इनसे पूछना चाहते हैं। आप बकवास करके सदन में जिस तरह का माहौल पैदा करो कि हम लोग उठकर चले जाएं। हमने जनजाति की डिमांड पर मंत्री का रिप्लाई सुना। जनजाति विकास के मंत्री भी नए थे लेकिन बार-बार हमारे पूर्व मंत्री को इंगित कर रहे थे, ऐसा होता नहीं है अध्यक्ष को इंगित करते हैं फिर भी हमने उनको सुना।

विधानसभा स्पीकर बोले- मुझे धृतराष्ट्र कहते हो, ये शर्मनाक

जयपुर, 19 जुलाई (एजेंसियां)। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली के स्पीकर वासुदेव देवनानी को धृतराष्ट्र कहने के मामले में सदन में जमकर हंगामा हुआ। इस कारण विधानसभा की कार्यवाही को स्पीकर ने पहले एक घंटे और फिर आधे घंटे के लिए स्थगित कर दिया। दरअसल, आज शून्यकाल की कार्यवाही शुरू होते ही नेता प्रतिपक्ष ने कल अनुदान मांगों पर जवाब के दौरान हुए हंगामे और मंत्रियों के आचरण का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि कल जिस तरह मंत्रियों ने आचरण किया, असंसदीय शब्द बोले उन्हें कार्यवाही से नहीं निकाला। इसलिए बाहर जाकर बोलने की नौबत आई। जूली ने कहा कि अध्यक्षजी, आपका झुकाव विपक्ष की तरफ रहना चाहिए, लेकिन हम देखते हैं आपका झुकाव सत्ता पक्ष की तरफ रहता है। इस पर स्पीकर ने कहा कि तो क्या आप आसन को धृतराष्ट्र कहेंगे। मुझे आपने धृतराष्ट्र कहा, आसन के प्रति इस तरह की टिप्पणी शर्मनाक है। इस पर माफी मांगनी चाहिए।

सरकारी कर्मचारी ने सिर में गोली मारी, मौत

कार में पिस्टल, आईडी कार्ड और सुसाइड नोट मिला; जयपुर के रहने वाले थे

सीकर, 19 जुलाई (एजेंसियां)। सीकर में महिला एवं बाल विकास विभाग के सीनियर असिस्टेंट ने शुक्रवार सुबह करीब 10 बजे अपनी कार में खुद के सिर में गोली मार ली। इससे उनकी मौत हो गई।

गाड़ी से पिस्टल, सुसाइड नोट, आधार कार्ड और आई कार्ड मिला है। वह जयपुर के रहने वाले थे। फिलहाल सुसाइड का कारण आर्थिक तंगी सामने आया है। पुलिस ने शव को एसके हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी में रखवाया है। थानाधिकारी इंद्रराज मरोड़िया ने बताया- घटना जयपुर-बीकानेर हाईवे पर सत्यम सिटी के पास की है। सूचना पर सीओ सिटी शाहीन सहित सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। परिजनों के आने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

थानाधिकारी इंद्रराज ने बताया- अजीत सिंह (42) जयपुर के विद्याधर नगर के रहने वाले थे। वे नावां (नागौर) में पोस्टेड थे। उनकी गाड़ी सत्यम सिटी के पास सड़क किनारे खड़ी मिली। गाड़ी में ही पिस्टल से खुद को गोली मारी है। मौके पर पहुंचे तो वह जिंदा थे। उन्हें गाड़ी से निकालकर हॉस्पिटल लेकर गए, लेकिन डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। फिलहाल आर्थिक तंगी के चलते सुसाइड करना पाया गया। सुसाइड नोट में अपने रिश्तेदारों और परिचितों से माफी मांगी है।

घटना स्थल के पास ऑटोमोबाइल की एक वर्कशॉप है। उसके मालिक विजेंद्र ढाका ने बताया- वर्कशॉप में काम करने वाला जावेद दूध लेकर लौट रहा था। तब उसने गोली चलने की आवाज सुनी।

14 साल की लड़की बनी 2 बच्चों की मां

मम्मी-पापा के झगड़े में बुआ ने बेचा; खरीद-फरोख्त मामले में बाप-बेटे अरेस्ट

जयपुर, 19 जुलाई (एजेंसियां)। जयपुर में 14 साल की लड़की के दो बच्चों को जन्म देकर मां बनने का मामला सामने आया है। मम्मी-पापा के झगड़े के बीच बुआ ने उसको एक परिवार को बेच दिया। किशोरी की खरीद-फरोख्त के मामले में आरोपी बाप-बेटे को मुरलीपुरा थाना पुलिस ने अरेस्ट किया है। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। डीसीपी (वेस्ट) अमित कुमार ने बताया- पति-पत्नी के आपसी झगड़े ने एक किशोरी का बचपन छीन लिया। 11 साल की बालिका माता-पिता के झगड़े में पिसकर रह गई। झगड़े के चलते माता-पिता अलग रहने लगे। 11 साल की बेटी को बुआ के हवाले कर दिया। बुआ ने नाबालिग

भतीजी को पाल पोसकर बड़ा करने के बजाय हरियाणा के एक परिवार को 2 लाख रुपए में बेच दिया।

परिवार में बच्ची के साथ दरिंदगी शुरू हो गई। 12 साल की उम्र में बालिका ने बेटे को जन्म दिया। अब वह 14 साल की उम्र में दो महीने पहले बेटी को जन्म दिया। परिवार के उत्पीड़न से बचकर भागी किशोरी ने दो दिन पहले मुरलीपुरा थाने में शिकायत दर्ज करवाई। पुलिस ने नाबालिग की खरीद-फरोख्त व पॉक्सो एक्ट के तहत रिपोर्ट दर्ज की। एक टीम को अंबाला भेज गया। जहां एक सीमेंट फैक्ट्री से बालिका की खरीद-फरोख्त मामले में आरोपी बाप-बेटे को अरेस्ट किया गया। डीसीपी (वेस्ट) अमित कुमार ने बताया- आरोपी बाप-बेटे ने बालिका को खरीदने के बाद फर्जी डॉक्यूमेंट से उसका आधार कार्ड बनवा लिया। आधार कार्ड में बालिका की उम्र 24 साल बताई है। जिससे कोई उनसे बालिका के बारे में पूछताछ करे तो आधार कार्ड दिखाकर उसे चुप कर दे। आरोपियों से पूछताछ करने के साथ ही बालिका की बुआ के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है। एसएचओ (मुरलीपुरा) सुनील कुमार ने बताया- उत्तर प्रदेश निवासी 14 साल की लड़की की शिकायत पर पॉक्सो एक्ट के तहत रिपोर्ट दर्ज की गई थी। वह पिछले करीब 7-8 महीने से मुरलीपुरा इलाके में किराए से रह रही है। नाबालिग पीड़िता ने बताया- उसके माता-पिता पहले मुरलीपुरा इलाके में ही किराए से रहते थे। दोनों के बीच झगड़ा होता था, जिसके कारण दोनों अलग रहने लगे। झगड़े के बाद माता-पिता ने उसे नीमराना में रहने वाली बुआ को सौंप दिया। बुआ ने उसे हरियाणा में एक परिवार को बेच दिया।

आदिवासी हिंदू नहीं तो उन्हें आरक्षण भी नहीं मिलना चाहिए'

बीजेपी विधायक समाराम बोले-आदिवासी धर्म परिवर्तन करके ईसाई बन रहे, जांच होनी चाहिए

जयपुर, 19 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के बांसवाड़ा में मानगढ़ से एक बार फिर से भील प्रदेश बनाने की मांग की गूंज गुरुवार को विधानसभा में भी सुनाई दी। सदन शुरू होने से पहले शिक्षा शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने आदिवासियों की डीएनए जांच के बयान को लेकर माफी मांगी, लेकिन शाम होते-होते आदिवासी समुदाय से आने वाले समाराम गरासिया ने बड़ा बयान दिया है।

विधायक समाराम ने टीएडी और सामाजिक न्याय अधिकारिता विभाग की अनुदान मांगों पर चर्चा के दौरान कहा कि मैं आदिवासी क्षेत्र से आता हूं। यहां कई

आदिवासी अपना धर्म परिवर्तन करके ईसाई बन जाते हैं, इसकी जांच होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि जिन्होंने अपना धर्म बदल लिया, उनको जनजाति की लिस्ट से हटाया जाना चाहिए, क्योंकि ये अपना धर्म तो ईसाई बताते हैं और आदिवासियों के लिए बनी योजना का फायदा लेते हैं। जो आदिवासी खुद को हिंदू नहीं मानते है, उन्हें आरक्षण का लाभ भी नहीं मिलना चाहिए।

विधायक समाराम ने कहा कि हर आदिवासी हिंदू है, क्योंकि हिंदू वहीं है, जो सनातन से चला आ रहा है। आदिवासी भी सनातनी है। ऐसे लोगों को जनजाति की लिस्ट से हटाया जाना चाहिए, जो खुद को हिंदू नहीं मानते हैं, क्योंकि जनजाति का आरक्षण केवल हिंदुओं को ही दिया गया है। समाराम से पहले किशनगंज से बीजेपी विधायक ललित मीणा ने भी आज सदन कहा था कि जो लोग अपना धर्म परिवर्तन कर लेते हैं, उन्हें आरक्षण का लाभ नहीं मिलना चाहिए।

बीएपी के सांसद राजुकमार रोत व अन्य विधायक हमेशा सार्वजनिक मंच से कहते आए हैं कि वे हिंदू नहीं हैं। इसे लेकर उन्होंने अपने-अपने तर्क भी दिए थे। इनके बयान के बाद शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा था कि अगर आदिवासी ऐसा कहते है तो इनके डीएनए की जांच करवा लेंगे कि इनके पिता कौन हैं।

दिलावर के इस बयान के बाद सदन के अंदर औऱ बाहर हंगामा हो गया था।

राजस्थान में फिर से मानसून एक्टिव, 30 जिलों में अलर्ट

बारिश से जज के मकान का छज्जा गिरा; पाली में 2 महिलाओं पर बिजली गिरी, मौत

जयपुर, 19 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान में एक बार फिर से मानसून एक्टिव हो गया है। प्रदेश के 30 जिलों में आज भी अलर्ट जारी किया गया है। पाली सिरोही, उदयपुर, अजमेर और दौसा समेत अधिकांश हिस्सों में आंधी-बारिश का येलो अलर्ट है।

इससे पूर्व गुरुवार को उदयपुर, जोधपुर, कोटा, भरतपुर और अजमेर संभाग के कई जिलों में बारिश हुई। इससे तापमान में 2 डिग्री तक गिरावट आई है। वहीं, पाली में आकाशीय बिजली गिरने से देवरानी-जेठानी की मौत हो गई। बालोतरा में भी तेज बारिश से एक जज के घर में नुकसान हुआ है। राजस्थान में अब तक सामान्य से 2 फीसदी ज्यादा बारिश हो चुकी है। प्रदेश में 18 जुलाई तक मानसून सीजन में औसत बरसात 137.7MM बारिश होती है, जबकि इस सीजन में अब तक 140.2MM बारिश हो चुकी है। दोनों महिलाएं रिश्ते में देवरानी-जेठानी थी। बकरी चराकर लौटते समय तेज बारिश के बीच आकाशीय बिजली गिरने से दोनों की मौत हो गई। दोनों महिलाएं रिश्ते में देवरानी-जेठानी थी। बकरी चराकर लौटते समय तेज बारिश के बीच आकाशीय बिजली गिरने से दोनों की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार पाली की गोड़वा फली निवासी कैसी बाई (45) और चुनी बाई (40) की बिजली गिरने से मौके पर ही मौत हो गई। शाम करीब 5 बजे ग्रामीणों ने नजदीकी पहाड़ी पर धमाके की आवाज सुनी तो सभी लोग उस ओर दौड़े।

तलाशी में चाकू मिला तो युवक को बेल्ट से पीटा

बोला- 3 दिन से भूखा हूं, जयपुर में मेरी गैंग है

दौसा, 19 जुलाई (एजेंसियां)। बस्ती में देर रात घूमने युवक को लोगों ने चोरी के शक में बुरी तरह पीट दिया। पूछताछ करने के बाद भी उसने मुंह नहीं खोला। पिटाई के बाद उसने कहा कि वह 3 दिन से भूखा है। होटल के उसे खाना पैक कराकर दिया तो जाते-जाते वह बोला- जयपुर में मेरी गैंग है। मामला दौसा जिले के लालसोट थाना इलाके के डिडवाना गांव की रैगर बस्ती का है। घटना गुरुवार रात 11.30 बजे की है। रैगर बस्ती के पास बालाजी ढाबा चलाने वाले अश्विनी शर्मा ने बताया- गुरुवार रात लगभग 25 साल का युवक रैगर मोहल्ले में घूम रहा था। लोगों ने उससे परिचय पूछा तो उसने जवाब नहीं दिया। लोगों से हाथ छुड़ाकर वह बस्ती से 400 मीटर दूर भागकर ढाबे के पास 33 केवी लाइन के खंभे में जा छुपा।

3 साल की बच्ची को नोचता रहा पागल कुत्ता

गाल काटकर अलग किया; घर से 200 मीटर दूर कुरकुरे लेने गई थी

अलवर, 19 जुलाई (एजेंसियां)। 3 साल की बच्ची हाथ में 5 रुपए लेकर घर से 200 मीटर दूर कुरकुरे लेने गई थी। पागल कुत्ते ने बच्ची पर अटैक कर दिया। उसका गाल नोच खाया। लोगों ने बच्ची को कुत्ते से बचाया। बच्ची लहूलुहान हो गई। घर में कोहराम मच गया। बच्ची की हालत गंभीर है। अलवर के जिला हॉस्पिटल में बच्ची को 12 टांके लगाए गए हैं। मामला तिजारा-खैरथल जिले के मुंडावर थाना क्षेत्र के तिन किरुड़ी गांव का है। घटना गुरुवार शाम 6 बजे के करीब हुई।

अलवर जिला हॉस्पिटल में बच्ची काव्या (3) को लेकर आए उसके बड़े भाई रोहित नट ने बताया- छोटी बहन कल शाम पापा से 5 रुपए लेकर घर से 200 मीटर दूर स्थित दुकान पर कुरकुरे लेने गई थी। वहां पागल कुत्ते ने बच्ची को दबोच लिया। कुत्ते ने बच्ची का चेहरा बुरी तरह नोच लिया। गाल का हिस्सा कटकर अलग हो गया। बच्ची की चीख-पुकार सुन लोग दौड़े लेकिन एक मिनट तक कुत्ते ने बच्ची को नहीं छोड़ा। इस दौरान दुकान पर मौजूद गांव के सुमित, रोशन व ममता बच्ची को कुत्ते से बचाने के प्रयास करते रहे। कुत्ता उन्हें भी काटने दौड़ा। इन लोगों ने कुत्ते को ईंट मार-मार कर भगाया और बच्ची को बचाया। तब तक कुत्ता बच्ची का आधा गाल काट चुका था। घायल बच्ची को हम तिन किरुड़ी गांव से कुछ किलोमीटर की दूरी पर स्थित हरसौली सीएचसी लेकर गए। वहां से बच्ची को अलवर रेफर कर दिया गया। अब अलवर जिला हॉस्पिटल में बच्ची का लाज चल रहा है। डॉक्टर ने 12 टांके लगाए हैं।

अलवर जिला हॉस्पिटल के डॉ. मान सिंह ने कहा- बच्चे के चेहरे पर तीन-चार जगह घाव थे। गाल का आधा हिस्सा काटकर अलग हो गया था। गाल पर 12 टांके लगाए हैं। अभी तक बच्ची को तीन इंजेक्शन लगे हैं। जल्दी ही पांच और इंजेक्शन लगेंगे। बच्ची अब खतरे से बाहर है। उसके स्वास्थ्य पर नजर बनाए हुए हैं। जरूरत के अनुसार आगे इलाज होगा।

डॉ. संदीप शर्मा ने कहा- परिजन जब बच्ची को हॉस्पिटल लेकर आए तो उसकी हालत गंभीर थी। ड्रेसिंग की। आगे सर्जरी करने का ही विकल्प है।

बालिका के पिता टिंकू ने बताया- मैं गांव में ही मजदूरी करता हूं। मेरे 5 बेटे बेटी हैं। कल शाम बच्ची पैसे लेकर दुकान तक गई थी। तिन किरुड़ी गांव में यह पागल कुत्ता पहले भी दो-तीन लोगों का काट चुका है। जिम्मेदारों को परवाह नहीं है। खमियाजा मासूम बच्चों को भुगतना पड़ रहा है। कुत्ते ने 3 साल की बहन को जगह-जगह नोचा है।

भजन संध्या में नाचते-नाचते आई मौत

गायक कलाकर पर जाकर गिरा; छोटा भाई बोला- हार्ट अटैक से गई जान

अजमेर, 19 जुलाई (एजेंसियां)। भजन संध्या में एक बुजुर्ग की हार्ट फेल होने से मौत हो गई। इस दौरान वह भजनों पर नाच रहा था, तभी वह अचानक गश खाकर नीचे गिरा। मामला अजमेर जिले के पीसांगन में गुरुवार रात करीब 11:30 बजे का है। भजन संध्या में मौजूद लोगों को कुछ समझ नहीं आया। इस पर शिव कॉलोनी निवासी बाबूलाल कहार (54) को पीसांगन हॉस्पिटल ले गए। जहां डॉक्टर्स ने मृत घोषित कर दिया।

मृतक बाबूलाल के छोटे भाई जगदीश ने बताया कि गांव के ही खाकी जी महाराज मंदिर में भजन संध्या का आयोजन किया गया था। गांव के लोग भी इस भजन संध्या में शामिल थे। भजन संध्या में पहुंचे श्रद्धालुओं को नाचता देख बाबूलाल भी भजनों पर नाचने लगा। करीब 15 से 20 मिनट तक वह लगातार नाच रहे थे। इसी दौरान उनके सीने में दर्द हुआ। नाचने के दौरान उन्हें अटैक आया तो वह अचानक गश खाकर पास में बैठे भजन गायक पर जाकर गिर पड़े। कुछ देर में जब वे नहीं उठे तो वहां मौजूद लोगों ने उन्हें उठाने की कोशिश की लेकिन वे अचेत थे। भाई ने बताया कि गांव के लोगों ने घर पर फोन कर बताया कि बाबूलाल की तबीयत खराब हो चुकी है। इस पर मैं भी वहां पहुंचा। गांव के लोगों की मदद से हॉस्पिटल ले जाया गया। यहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया और बताया कि हार्ट अटैक से उनकी मौत हुई है। शुक्रवार को बाबूलाल का अंतिम संस्कार कर दिया गया है।

2 थाना क्षेत्रों से तीन नाबालिग लड़कियां लापता

पीड़ित परिवार ने थाने पर दी शिकायत, पुलिस जांच में जुटी

अजमेर, 19 जुलाई (एजेंसियां)। अजमेर शहर में 3 नाबालिग लड़कियों के लापता होने का मामला सामने आया है। मामले में तीनों नाबालिग लड़कियों के परिवार वालों ने अपने-अपने संबंधित थाने में मुकदमा दर्ज करवाया है। संबंधित थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

केस 1- गंज थाना पुलिस के अनुसार पीड़ित पिता की ओर से थाने पर मुकदमा दर्ज करवाया गया है। पिता ने शिकायत देकर बताया कि उसकी बेटी 8वीं तक पढ़ाई करके छोड़ दी थी। वर्तमान में घर पर ही रह रही थी। 17 जुलाई को उसकी बेटी अपनी मां को बुआ के घर जाने की कहकर घर से निकली थी। लेकिन वह वापस घर नहीं आई। इसके बाद वह अपनी बहन के घर ढूंढने पहुंचे तो बेटी वहां भी नहीं मिली। बेटी के मोबाइल पर संपर्क किया तो वह भी बंद आ रहा है। पड़ोसियों और रिश्तेदारों से फिर पूछताछ की तो किसी को कुछ पता नहीं था। पिता ने कहा की बेटी को एक अज्ञात नंबर से फोन आ रहा था। जिन्हें फोन करने वाले व्यक्ति पर शक है। गंज थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

केस 2- रामगंज थाना पुलिस के अनुसार पीड़ित पिता ने थाने पर मुकदमा दर्ज करवाया है। पिता ने बताया कि 17 जुलाई को वह अपनी पत्नी के साथ घर से बाहर गए हुए थे। उसकी 17 साल की बेटी घर पर अकेली थी। इसके बाद उसकी बेटी घर से बिना बताए कहीं चली गई। बेटी का मोबाइल भी स्विच ऑफ आ रहा है। पड़ोसी और रिश्तेदारों से पता करने पर भी बेटी का पता नहीं चला। रामगंज थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

केस 3- रामगंज थाना पुलिस के अनुसार थाने पर पीड़ित मां की ओर से भी मुकदमा दर्ज करवाया गया है। पीड़ित मां ने पुलिस को बताया कि उसकी बेटी घर से बिना बताए कहीं चली गई है। जिसकी तलाश करने पर उसका कुछ पता नहीं चला। मां की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जयपुर में बिल्डिंग के छठे फ्लोर से गिरा मजदूर, मौत

टॉयलेट के लिए नींद में था उठा , निर्माणाधीन लिफ्ट ब्लॉक से गिरा नीचे

जयपुर, 19 जुलाई (एजेंसियां)। जयपुर में निर्माणाधीन बिल्डिंग के 6 फ्लोर से मजदूर के गिरने से मौत हो गई। छत पर सोते समय टॉयलेट जाने के लिए वह नींद में उठा था। निर्माणाधीन लिफ्ट ब्लॉक खुला होने के कारण वह नीचे ग्राउंड फ्लोर पर जा गिरा। अशोक नगर थाना पुलिस ने SMS हॉस्पिटल में पोस्टमॉर्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया। मृतक की पत्नी ने ठेकेदार की लापरवाही के कारण मौत होने का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज करवाया है। SI धर्म सिंह ने बताया- हादसे में मनण्डला मध्य प्रदेश निवासी अजय गौंड (30) पुत्र मुन्ना परते की मौत हो गई। वह पिछले करीब 10 महीने से 22-गोदाम स्थित निर्माणाधीन बिल्डिंग में रहकर बेलदारी कर रहा था। 12 जुलाई की रात को वह निर्माणाधीन बिल्डिंग के 6 फ्लोर पर सोने चला गया। देर रात टॉयलेट के लिए नींद में उठकर चला।छत पर निर्माणाधीन लिफ्ट ब्लॉक से नीचे ग्राउंड फ्लोर पर आ गिरा। धमाके की आवाज सुनकर साथी मजदूरों ने अजय को संभाला।

बीकानेर में ट्रक में पीछे से घुसी कार,6 की मौत

भारत माला हाईवे पर हादसा, पूरा परिवार खत्म, कार में फंसे रह गए शव

बीकानेर, 19 जुलाई (एजेंसियां)। बीकानेर में गुरुवार रात भीषण सड़क हादसे में 6 लोगों की मौत हो गई। घटना बीकानेर से 100 किमी दूर महाजन थाना क्षेत्र में हुई। सभी मृतक कार में सवार थे। मरने वाले सभी लोग हरियाणा के डबवाली के रहने वाले थे।

बताया जा रहा है कि पंजाब के डबवाली से बीकानेर जा रही तेज रफ्तार कार खड़े ट्रक में पीछे से घुस गई। इससे कार में सवार लोग चपेट में आ गए। कार से दो यात्री उछल कर सड़क पर गिर गए और मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसा इतना भीषण था कि कार का अगला हिस्सा चकनाचूर हो गया। कार को काटकर शव निकाले गए। महाजन एसएचओ कश्यप सिंह ने बताया- डबवाली से कार में महिलाओं और बच्चों समेत छह लोग बीकानेर जा रहे थे। हादसे में कार पूरी तरह पिचक गई। कार को काटकर बड़ी मशक्कत से शवों को बाहर निकाला गया। पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और एक बच्ची ने अस्पताल ले जाते समय दम तोड़ दिया। इस हादसे में हरियाणा के डबवाली का पूरा परिवार खत्म हो गया। मरने वालों में नीरज कुमार, सुनयना, नीरज के पिता शिव कुमार, मां आरती, बेटा डूग्गू, बेटी भूमिका शामिल हैं।

अब आदिवासियों को दरवाजे पर मिलेगी चिकित्सा सुविधा

कंटेनर अस्पताल के जरिए मिलेगा लाभ

मुलुगु, 19 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। दूरदराज के गांवों में रहने वाले आदिवासियों को उनके दरवाजे पर चिकित्सा सहायता प्रदान करने के प्रयास के तहत, राज्य स्वास्थ्य विभाग ने एक पूर्वनिर्मित स्वास्थ्य उप-केंद्र स्थापित किया है, जो मुलुगु जिले के तड़वई मंडल के बांधला ग्राम पंचायत के पोचारम के दूरदराज के एजेंसी क्षेत्र में रहने वाले लोगों को आपातकालीन चिकित्सा उपचार प्रदान करने के लिए कंटेनर अस्पताल के रूप में लोकप्रिय है। डॉक्टरों, आवश्यक उपकरणों और दवाओं से लैस यह अस्पताल आदिवासी परिवारों को चिकित्सा सहायता प्रदान करने के लिए गांवों में घूमेगा। मोबाइल यूनिट संदिग्ध रोगियों की जांच करेगी और आवश्यकतानुसार दवाएं दी जाएंगी। स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, इस पहल का मुख्य उद्देश्य उन पांच आदिवासी गांवों की सेवा करना था जो बरसात के मौसम में 2 से 3 महीनों के लिए मुख्य क्षेत्र से कटे रहते हैं।

कलेक्टर की पहल से हुई कंटेनर अस्पताल की स्थापना :

अधिकारियों ने बताया कि परिवहन सुविधाओं की कमी के कारण चिकित्सा कर्मचारियों के लिए दूरदराज के गांवों में जाकर आदिवासियों को उपचार प्रदान करना मुश्किल हो रहा है इसलिए मुलुगु जिला कलेक्टर ने पहल की और कंटेनर अस्पताल की स्थापना की।

हैदराबाद में 7 लाख रुपये की लागत से बने इस कंटेनर अस्पताल में नर्सों और स्वास्थ्य अधिकारियों के लिए अलग-अलग कमरे हैं। इसमें एक छोटी प्रयोगशाला भी है, जिससे मौसमी बीमारियों और सांप के काटने के इलाज के साथ-साथ गर्भवती महिलाओं के लिए प्रसव की सुविधा भी उपलब्ध कराई जा सकती है। हाल ही में महिला एवं बाल कल्याण मंत्री दानसारी अनसूया ने इस सुविधा का शुभारंभ किया।

स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने में निभाएंगे अहम भूमिका :

मोबाइल यूनिट ताड़वई मंडल के बंधला ग्राम पंचायत में पोचापुर के आसपास नरसापुर, अलीगुडेम, बंधला और बोलेपल्ली गांवों के लिए एक अतिरिक्त स्वास्थ्य उप-केंद्र के रूप में काम करेगी। कंटेनर अस्पताल के प्रबंधन के लिए एक स्थानीय सहायक नर्स मिडवाइफ (एएनएम), एक स्थानीय स्वास्थ्य सहायक और एक आकस्मिक कार्यकर्ता और एक सुरक्षाकर्मी को नियुक्त किया गया है। हालांकि डॉक्टर वहां स्थायी रूप से तैनात नहीं होंगे, लेकिन वे सप्ताह में एक या दो बार दौरा करेंगे। एक अधिकारी ने बताया कि आपातकालीन स्थिति में, मोबाइल यूनिट का उपयोग एम्बुलेंस के रूप में किया जाएगा, ताकि मरीजों को नजदीकी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों या सरकारी अस्पतालों में पहुंचाया जा सके। स्वास्थ्य अधिकारियों को उम्मीद है कि कंटेनर अस्पताल दूरदराज के आदिवासी इलाकों में स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

पिस्ता बाई शकुंतला बाई चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा छात्रवृत्ति वितरित

हैदराबाद, 19 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पिस्ता बाई शकुंतला बाई चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा विद्यार्थियों में छात्रवृत्ति वितरित की गई। ट्रस्ट के चेयरमैन मुकुंद लाल अग्रवाल ने बताया कि इसमें विद्यार्थी के कक्षा की तथा उसके द्वारा परीक्षा में प्राप्त अंकों की कोई पाबंदी नहीं थी। ट्रस्ट का उद्देश्य अभिभावकों में अपने बच्चों को शिक्षा दिलवाना था। इस ट्रस्ट के मैनेजिंग ट्रस्टी राजेंद्र कुमार सरायवाला हैं। रविवार को अग्रवाल समाज तेलंगाना के कार्यालय में फॉर्म वितरित किए गए तथा वहीं पर फॉर्म भरवाकर प्राप्त किए गए ताकि विद्यार्थियों अथवा अभिभावकों का समय बचाया जा सके। विद्यार्थियों अथवा उनके अभिभावकों में छात्रवृत्ति के चेक ट्रस्ट के चेयरमैन मुकुंद लाल अग्रवाल द्वारा वितरित किए गए।

मृत हेड कांस्टेबल के परिवार को एसपी ने प्रदान किया चेक

आसिफाबाद, 19 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। जी दयानंद, जो ईजगांव पुलिस स्टेशन में हेड कांस्टेबल के रूप में कार्यरत थे, उनकी दिसंबर 2023 में दिल का दौरा पड़ने से मृत्यु हो गई। एसपी डीवी श्रीनिवास द्वारा आज अपने कार्यालय में मृतक हेड कांस्टेबल जी दयानंद के परिवार को 8,00,000 (आठ लाख) रुपये का सुरक्षा चेक प्रदान किया गया।

एसपी ने कहा कि अधिकारी और कर्मचारी पुलिस विभाग में जो लोग लगातार ड्यूटी पर हैं, वे अपने स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। पुलिस विभाग मृत पुलिसकर्मियों के परिवारों के साथ हमेशा खड़ा रहेगा। जिला पुलिस कार्यालय के अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाने की सलाह दी गई है मृत पुलिसकर्मियों के परिवारों को जल्द से जल्द सभी प्रकार का पुरस्कार मिले। इसी तरह, एसपी ने दयानंद के परिवार के सदस्यों को आश्वासन दिया कि वह यह सुनिश्चित करने के लिए कड़ी मेहनत करेंगे कि परिवार के एक योग्य व्यक्ति को सरकारी नौकरी मिले। अतिरिक्त एसपी प्रभाकर राव, आरआई एडमिन पेद्दैया, जिला पुलिस कार्यालय एओ श्रीनिवास, जिला पुलिस संगम के अध्यक्ष एम विजय शंकर रेड्डी, वरिष्ठ सहायक अजय वर्मा और दयानंद की पत्नी और बेटे विजय ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

महिला शक्ति कैंटीन तत्काल शुरू की जाए : कलेक्टर

आसिफाबाद, 19 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता) जिला कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे ने कहा कि सरकार ने महिलाओं के विकास में सहयोग के लिए महिला शक्ति योजना शुरू की है। शुक्रवार को जिला अतिरिक्त कलक्टर दीपक तिवारी ने जिला चिकित्सा अधिकारी तुकाराम के साथ जिला केन्द्र स्थित सरकारी अस्पताल में महिला शक्ति योजना के तहत स्थापित की जा रही कैंटीन के कार्य का निरीक्षण किया।

कलेक्टर ने कहा कि महिलाओं के आर्थिक विकास के लिए सरकार महिला शक्ति योजना के माध्यम से मदद करेगी और अधिकारियों को जल्द ही कैंटीन शुरू करने के लिए कदम उठाने चाहिए। कैंटीन अस्पताल में आने वाले मरीजों और तीमारदारों के लिए उपयोगी होगी और कैंटीन इस तरह दिखनी चाहिए कि उनमें गुणवत्तापूर्ण नाश्ता और सामान मिले। शक्ति योजना से महिला संघों को अतिरिक्त आय होगी। कैंटीन को सोमवार तक खोलने के लिए तैयार कर लिया जाना चाहिए और यह सार्वजनिक रेडियो कार्यक्रम में आने वाले लोगों के लिए बहुत सुविधाजनक होगा। परियोजना अधिकारी रामकृष्ण, अस्पताल पर्यवेक्षक चेन्नाकेशवुलु, तहसीलदार श्रीनिवास राव, एपीएम श्रीनिवास, महिला संघ के सदस्यों और अन्य ने भाग लिया।

भारतीय महिलाओं ने चटाई पाकिस्तान को धूल

क्रिकेट एशिया कप 2024 : भारत की सात विकेट से जीत

दीप्ति को मिले तीन विकेट

दांबुला,19 जुलाई (एजेंसियां)। महिला एशिया कप 2024 में भारत ने जीत के साथ अपने अभियान का आगाज किया है। भारतीय महिला टीम ने पाकिस्तान को पहले ही मैच में सात विकेट से हरा दिया। इस जीत के साथ भारत ग्रुप ए की अंक तालिका में दो अंकों के साथ पहले स्थान पर पहुंच गया।

दांबुला के रणगिरी दांबुला अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में शुक्रवार को महिला एशिया कप का दूसरा मुकाबला भारत और पाकिस्तान के बीच खेला गया। इस मैच में पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया और 19.2 ओवर में 10 विकेट पर 108 रन बनाए। जवाब में भारतीय टीम ने 14.1 ओवर में तीन विकेट पर 103 रन बनाए और सात विकेट से यह मुकाबला अपने नाम कर लिया। भारत की इस जीत में टीम की सलामी जोड़ी का अहम योगदान रहा। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 85 रनों की साझेदारी हुई।

2 लाख तक के सभी ऋणों को माफ करे सरकार

बीआरएस विधायक ने की व्यापक फसल ऋण माफी की मांग

सभी पासबुक धारकों को मिलना चाहिए लाभ : रेड्डी

हैदराबाद, 19 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस विधायक पल्ला राजेश्वर रेड्डी ने किसानों के लिए व्यापक फसल ऋण माफी की मांग की। उन्होंने जोर देकर कहा कि 2 लाख रुपये तक के सभी ऋणों को बिना किसी प्रतिबंध के माफ किया जाना चाहिए और सभी पासबुक धारकों को इसका लाभ मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने रायथु भरोसा कृषि निवेश सहायता के तहत किसानों को भुगतान के लिए 12,000 करोड़ रुपये के मुकाबले सिर्फ 6,000 करोड़ रुपये के साथ योजना को लागू किया है। शुक्रवार को तेलंगाना भवन में बोलते हुए राजेश्वर रेड्डी ने किसानों को अपर्याप्त सहायता देने के लिए कांग्रेस सरकार की आलोचना की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा स्वयं जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार, राज्य सरकार ने ऋण माफी के लिए केवल 6,000 करोड़ रुपये दिए, जो फसल ऋण वाले कुल किसानों में से केवल 30 प्रतिशत को कवर करता है और राशि के मामले में, केवल 20 प्रतिशत को कवर करता है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा घोषित योजना के लिए 31,000 करोड़ रुपये की आवश्यकता के मुकाबले केवल 6,000 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं।

बीआरएस विधायक ने बताया कि कांग्रेस ने रायथु भरोसा के तहत किसानों को प्रति एकड़ 7,500 रुपये देने का वादा किया था, जबकि 1.5 करोड़ एकड़ के लिए यह राशि 12,500 करोड़ रुपये होनी चाहिए थी। उन्होंने कहा कि कृषि ऋण माफी योजना से राज्य में 2 लाख रुपये तक के फसल ऋण वाले कुल 40 लाख किसानों में से केवल 10 लाख को ही लाभ हुआ। उन्होंने कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद से किसानों की आत्महत्याओं में वृद्धि की ओर भी ध्यान दिलाया और रायथु भरोसा योजना के तहत तत्काल वित्तीय सहायता जारी करने की मांग की। उन्होंने कहा कि रेवंत रेड्डी और उनका मंत्रिमंडल झूठे वादों से किसानों को धोखा दे रहा है। उन्होंने अपनी भ्रामक रणनीति की तुलना जोसेफ गोएबल्स से की। रेड्डी ने याद दिलाया कि बीआरएस शासन के दौरान किसानों को पर्याप्त वित्तीय सहायता प्रदान की गई थी, जिसमें रायथु बंधु कृषि निवेश सहायता के तहत किसानों को 70,000 करोड़ रुपये और फसल ऋण माफी के तहत 30,000 करोड़ रुपये शामिल थे। 1.2 लाख किसानों के परिवारों को बीमा के रूप में 7,000 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया। उन्होंने कांग्रेस सरकार से अपने वादों का सम्मान करने और यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि सभी पात्र किसान इस योजना से लाभान्वित हों। विधायक केपी विवेकानंद और कोवा लक्ष्मी ने भी बात रखी।

सीएसआईआर-आईआईसीटी में 'पारंगत' प्रशिक्षण का प्रारंभ

हैदराबाद, 19 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सीएसआईआर - भारतीय रासायनिक प्रौद्योगिकी संस्थान, हैदराबाद में हिंदी शिक्षण योजना, राजभाषा विभाग, भारत सरकार का पाठ्यक्रम 'पारंगत' की कक्षाओं का प्रारंभ किया गया। इसमें आईआईसीटी सहित सीएसआईआर-सीसीएमबी, क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान होमियोपैथी के कार्मिकों को भी हिंदी में कार्यालय के कामकाज करने का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

कार्यक्रम के प्रारंभ में आईआईसीटी के प्रशासन नियंत्रक एम. आनंद कुमार ने कहा कि हिंदी की ये कक्षाएँ हिंदी में काम करने में होनेवाली कठिनाइयों को दूर करेंगी एवं कार्मिकों के झिझक को तोड़ेंगी।

आईआईसीटी के मुख्य वैज्ञानिक तथा ज्ञान एवं सूचना प्रबंधन के अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र रेड्डी ने कहा कि हैदराबाद की हिंदी में अपनापन है, जो बोलने और सुनने में मीठी है। इसकी मीठास को कार्यालयीन हिंदी में पिरोकर हिंदी में आसानी से काम किया जा सकता है। प्रतिभागियों के साथ-साथ इस अवसर पर क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थान (होमियोपैथी) के प्रभारी डॉ पी हिमाबिंदु, आईआईसीटी के वित्त एवं लेखा नियंत्रक मनोजा प्रसाद एवं प्रशासनिक अधिकारी वाई श्रीनिवास राव, प्राध्यापक नीता बेटेगेरी, हिंदी अधिकारी डॉ. सौरभ कुमार, सीसीएमबी के हिंदी अधिकारी एवं अनुवादक नुपूर रानी प्रसाद एवं सविता कुमारी मौजूद थे।

गौ माता को राष्ट्र माता बनाने की मांग को लेकर बजरंग सेना तेलंगाना द्वारा भू लक्ष्मी माता मंदिर, बेगम बाजार में अध्यक्ष एनआर लक्ष्मण राव के नेतृत्व में हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। जिसमें भक्तों और राहगीरों ने भाग लिया और लगभग 600 हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर विनय तिवारी, येरम श्रीनिवास, मनोज मोगलगिड्डी, सुनील अग्रवाल, नरेश, प्रवीण यादव, संजय दाहिमा उपिस्थित थे।

पारसीगुटा स्थित श्री आईमाता बडेर में गुरु पूर्णिमा व मायरा आयोजन समिति हैदराबाद, देवाशीष सेवा संस्थान-भगोड़ा के सानिध्य में आयोजित तीसरे दिन नानी बाई का मायरा कथा महोत्सव में कथा का रसपान कराते हुए पूज्य बालयोगी संतोषरामजी महाराज। अवसर पर कथा, प्रसादी व महोत्सव का लाभ लेते हुए आयोजकगण व भक्तगण।

पांडुलिपि विज्ञान प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 19 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इंडियन मेडिकल हेरिटेज, हैदराबाद द्वारा पांडुलिपि विज्ञान पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य भारत के विभिन्न लिपियों के बारे में ज्ञान प्रदान करना है ताकि विद्वानों को चिकित्सा पांडुलिपियों के आसान अनुवाद में सक्षम बनाया जा सके। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि, केंद्रीय आयुर्वेदिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के महानिदेशक प्रो वैद्य रबीनारायण आचार्य और अन्य अतिथियों द्वारा किया गया। एनआईआईएमएच के सहायक निदेशक डॉ जीपी प्रसाद ने साहित्यिक अनुसंधान के क्षेत्र में एनआईआईएमएच की गतिविधियों और उपलब्धियों का संक्षिप्त परिचय दिया। प्रो वैद्य रबीनारायण आचार्य ने वैज्ञानिक समुदाय के लिए भारत में चिकित्सा पांडुलिपियों के अधिग्रहण और अनुवाद के महत्व के बारे में बात की और इस दिशा में केंद्रीय आयुर्वेदिक विज्ञान अनुसंधान परिषद और एनआईआईएमएच द्वारा किए गए कार्यों पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने यह भी वादा किया कि परिषद विभिन्न संस्थानों और विभागों में पांडुलिपियों के संरक्षण और अनुवाद में तेलंगाना के राज्य विश्वविद्यालयों को अपना समर्थन देगी। उद्घाटन सत्र में डॉ. श्रीनिवास राव जे, वैज्ञानिक ई/उप निदेशक, राष्ट्रीय पोषण संस्थान (आईसीएमआर), सुब्बा राव, और अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद डॉ शहजादी सुल्ताना, प्रो डॉ. के निष्ठाश्वर और देशभर से विद्वानों ने भाग लिया। इस अवसर पर 'तेलंगाना राज्य ओरिएंटल पांडुलिपि पुस्तकालय और अनुसंधान संस्थान हैदराबाद में संरक्षित यूनानी चिकित्सा पांडुलिपियों की वर्णनात्मक सूची' और सीसीआरए एस द्वारा प्रकाशित 'ज्वारद्विशती' का विमोचन किया गया।

तेरापंथ महिला मंडल वार्षिक साधारण सभा संपन्न

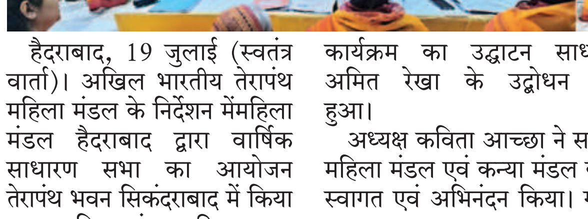

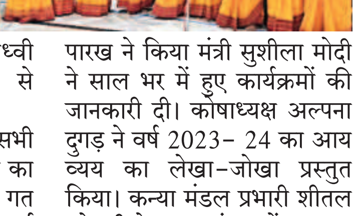

हैदराबाद, 19 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशन मेंमहिला मंडल हैदराबाद द्वारा वार्षिक साधारण सभा का आयोजन तेरापंथ भवन सिकंदराबाद में किया गया। महिला मंडल की अध्यक्षा कविता आच्छा की अध्यक्षता में वार्षिक साधारण सभा रखी गई। कार्यक्रम का उद्घाटन साध्वी अमित रेखा के उद्बोधन से हुआ।

अध्यक्ष कविता आच्छा ने सभी महिला मंडल एवं कन्या मंडल का स्वागत एवं अभिनंदन किया। गत साधारण सभा का वाचन भूतपूर्व मंत्री श्वेता सेठिया ने किया। संविधान वाचन पूर्व अध्यक्ष प्रेम पारख ने किया मंत्री सुशीला मोदी ने साल भर में हुए कार्यक्रमों की जानकारी दी। कोषाध्यक्ष अल्पना दुगड़ ने वर्ष 2023- 24 का आय व्यय का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया। कन्या मंडल प्रभारी शीतल कोठारी ने कन्या मंडल में सालभर में आयोजित कार्यों का विवरण दिया।

तेयुप ने करवाया जैन संस्कार विधि से भूमि पूजन

हैदराबाद, 19 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेरापंथ युवक परिषद, हैदराबाद के जैन संस्कार कों द्वारा उप्पल स्थित भगवान महावीर आत्मगौरव ट्रस्ट की भूमि पर जैन संस्कार विधि से भूमि पूजन कार्यक्रम करवाया। ट्रस्ट के चेयरमैन योगेश सिंघी ने भगवान महावीर आत्मगौरव ट्रस्ट पर भूमि पूजन के लिए तेयुप हैदराबाद को आमंत्रित किया। कार्यक्रम में तेयुप अध्यक्ष अभिनंदन नाहटा ने कहा कि जैन संस्कार विधि पवित्र एवं पावन विधि है और हम इसे घर घर तक पहुंचाएंगे। कार्यक्रम में निवर्तमान अध्यक्ष निर्मल दुगड़, मंत्री अनिल दुगड़, कार्यक्रम में जैन सेवा संघ अध्यक्ष योगेश सिंघवी, महामंत्री अशोक मुथा, प्रोजेक्ट चेयरमैन गौतम सहलोत इस कार्यक्रम में विशेष रूप से उपस्थित रहे। साथ ही प्रोजेक्ट ट्रस्टी एवं जैन समाज के नागरिक कार्यक्रम में शामिल हुए। यह भूमि तेलंगाना सरकार द्वारा जैन सेवा संघ को सम्पूर्ण जैन समाज के उपयोग हेतु प्रदान की गई है।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

आखिर थम गई...

जब यह एरर होता है, तो कंप्यूटर ऑटोमेटिकली रिस्टार्ट हो जाता है, और जो डेटा सेव नहीं किया गया है उसके खो जाने की संभावना होती है।

कंप्यूटर सिस्टम को साइबर अटैक और वायरस से बचाने के लिए विंडोज बेस्ड कंप्यूटर में क्राउडस्ट्राइक नाम के सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल होता है। यह बेहद जाना-माना एंटीवायरस सॉफ्टवेयर है और बड़ी कंपनियां सिक्योरिटी के लिए इसे इस्तेमाल करती हैं।

गुरुवार रात (18 जुलाई) को क्राउडस्ट्राइक सॉफ्टवेयर ने एक अपडेट रिलीज किया, जिसने विंडोज कंप्यूटर में अचानक गड़बडी पैदा कर दी। जिन कम्प्यूटर्स पर यह अपडेट गया, वे सब क्रैश होते चले गए। इन्हीं कंप्यूटर्स पर एयरलाइंस की बुकिंग और चेक इन सर्विस आधारित है। लिहाजा ये तमाम सर्विसेस बंद पड़ गईं। माइक्रोसॉफ्ट का विंडोज सिस्टम एयरपोर्ट और इन फ्लाइट सर्विसेस के लिए इस्तेमाल किया जाता है।

शिवाजी का 'बाघ नख'...

महल में पहुंचते ही अफजल खान ने शिवाजी को गले लगाने के लिए अपनी बांहें फैला दीं। जैसे ही दोनों गले मिले शिवाजी अचानक परेशान हो गए, क्योंकि अफजल खान ने अचानक उनके गले को अपनी बाहों में जकड़ लिया और कटार से उन पर हमला किया। ये सब अचानक हुआ, लेकिन शिवाजी ने बहुत तेजी से प्रतिक्रिया दी। अफजल खान की कमर को पकड़ लिया और उसके पेट में अपना बाघ-नख घुसा दिया। अपने दाहिने हाथ से उन्होंने अफजल पर बिछुवे से हमला किया। हमला होते ही अफजल खान चिल्ला पड़ा। सैनिकों को शिवाजी को मारने का आदेश दिया।

घायल अफजल को उनके सैनिकों पालकी में बिठाकर भागने लगे। शिवाजी और उनके सैनिकों ने उनका पीछा किया। पहले उन्होंने पालकी उठाने वालों के पैर काटे और फिर उसमें सवार अफजल खान को मार डाला।

इस हमले में अफजल का भतीजा रहीम खान भी मारा गया। उसी समय शिवाजी के साथियों ने बिगुल बजा दिया। जंगलों में छिपे शिवाजी के सैनिक बाहर निकल आए। बीजापुर के आदिलशाही सैनिकों ने भागने की कोशिश की, कुछ ने लड़ाई भी लड़ी, लेकिन उन्हें चारों ओर से घेर लिया गया था। इस हमले में कुल 3000 सैनिक मारे गए।

बीजेपी सांसद...

उन्होंने जज की नौकरी छोड़कर बीजेपी के टिकट पर दूसरी बार चुनाव लड़ा और सांसद बन गए। बता दें कि अभी तक इस मामले को लेकर पुलिस में कोई भी आवेदन नहीं दिया गया है।

यूपी के कानपुर से आया कॉल

सांसद सोलंकी ने बताया कि सुबह वे स्टडी रूम में स्टडी कर रहे थे। तभी उनके पास एक कॉल आया जिसमें सामने वाले ने उन्हें जान से मार देने की धमकी दी है। सांसद की शिकायत के बाद पुलिस एक्टिव हो गई है। पुलिस को शुरुआती जांच में पता चला है कि कॉल उत्तर प्रदेश के कानपुर से आया था। फिलहाल पुलिस नंबर को ट्रेस करने की कोशिश कर रही है।

राज्य सरकार अलर्ट

सूत्र बताते हैं कि सांसद महेंद्र सिंह सोलंकी को धमकी भरा कॉल आने के बाद राज्य सरकार भी इस मामले को लेकर गंभीर हो गई है। फिलहाल सांसद सोलंकी ने इस मामले को लेकर कोई बयान नहीं दिया है। बता दें कि दो माह पहले सांसद सोलंकी के घर चोरी हो गई थी। इस केस में पुलिस ने नाबालिग सहित चार आरोपियों को गिरफ्तार किया था।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

वनडे में नहीं होगी रविंद्र जडेजा की वापसी? चैंपियंस ट्रॉफी के लिए यह है बीसीसीआई का प्लान

नई दिल्ली, 19 जुलाई (एजेंसियां)। बीसीसीआई ने गुरुवार को श्रीलंका के खिलाफ वनडे और टी20 सीरीज के लिए टीम का ऐलान किया। इस ऐलान के बाद कई सवाल उठे। रविंद्र जडेजा की वनडे टीम में गैरमौजूदगी ने भी फैंस को हैरान किया। अब ऐसी खबरें आ रही हैं कि जडेजा शायद अब कभी वनडे टीम में नजर नहीं आएंगे। टीम इंडिया ने उनकी जगह के लिए दो और दावेदार तैयार करने का फैसला किया है।

सेलेक्टर्स अक्षर और सुंदर को देना चाहता है मौका

बीसीसीआई के लिए वनडे के लिहाज से अगला सबसे बड़ा लक्ष्य चैंपियंस ट्रॉफी है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक रोहित शर्मा और विराट कोहली चैंपियंस ट्रॉफी में नजर आएंगे लेकिन जडेजा इस प्लान में शामिल नहीं है। हिंदुस्तान टाइम्स ने

बीसीसीआई सूत्र के हवाले से लिखा, 'अगले साल चैंपियंस ट्रॉफी से पहले भारत को केवल छह वनडे खेलने हैं। इनमें तीन श्रीलंका के खिलाफ हैं। सेलेक्टर्स अक्षर पटेल और वॉशिंगटन सुंदर को मौका देना चाहती हैं।'बीसीसीआई के पास स्पिन गेंदबाज ऑलराउंडर के तौर पर काफी विकल्प हैं। भारत के पास हार्दिक पंड्या और जसप्रीत बुमराह का विकल्प फिलहाल नहीं है लेकिन उनके पास जडेजा के विकल्प हैं।

जडेजा के प्रदर्शन पर नहीं है कोई सवाल

वनडे फॉर्मेट में रविंद्र जडेजा का प्रदर्शन अच्छा रहा। उन्होंने 2019 वर्ल्ड कप से लेकर अब तक उन्होंने 44 वनडे मैच खेले हैं जिसमें उन्होंने 40 के औसत से 644 रन बनाए। वहीं उन्होंने 37 के औसत से 44 विकेट भी लिए हैं। उनका इकोनमी रेट 4.9 का है। उन्होंने आगे कहा, 'रविंद्र जडेजा के प्रदर्शन में कोई कमी नहीं है। अब मैनेजमेंट भविष्य के बारे में सोचकर और विकल्प देखना चाहता है।'

टेस्ट फॉर्मेट में अहम है जडेजा

रविंद्र जडेजा टी20 से संन्यास ले चुके हैं वहीं अब उनके वनडे फॉर्मेट में नजर आने की उम्मीद भी कम है। हालांकि टेस्ट में जडेजा अब भी टीम का अहम हिस्सा है। उन्होंने कहा, 'जडेजा ने टेस्ट क्रिकेट में शानदार हैं। भारतीय कंडीशंस में उनकी गेंदबाजी भी शानदार है। वह वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के लिए टीम के लिए काफी अहम है।'

गौतम गंभीर-रोहित शर्मा नहीं तो किसने किया हार्दिक पंड्या को 'क्लीन बोल्ड'?

नई दिल्ली, 19 जुलाई (एजेंसियां)। हार्दिक पंड्या कप्तानी के दौड़ में आगे थे और ऑफिशली नाम का ऐलान होना था, लेकिन अचानक से ऐसा क्या हुआ कि उनका सारा गेम ही पलट गया। सूर्यकुमार यादव को कप्तान बनाने की बात गौतम गंभीर ने पिच नहीं की थी। न ही रोहित शर्मा सीन में थे तो किसने किया हार्दिक पंड्या को बोल्ड? जानें

भारत का श्रीलंका दौरा 27 जुलाई से शुरू होगा और इसमें तीन टी20 मैच और उसके बाद तीन मैचों की वनडे सीरीज होगी। दौरे के लिए बीसीसीआई चयन समिति ने टीम में कुछ बड़े और कड़े फैसले लेकर हर किसी को हैरान कर दिया। खासकर सूर्यकुमार यादव को हार्दिक पंड्या की जगह टी20 कप्तान बनाया गया, जबकि उपकप्तानी तक उनके खाते में नहीं गई। देखा जाए तो फ्रंट रो में बैठे हार्दिक पंड्या अचानक से बैकबेंचर हो गए। इस फैसले को लेकर हर कोई इसलिए भी हैरान था, क्योंकि टी20 विश्व कप में जबरदस्त प्रदर्शन करने के बाद हार्दिक पंड्या को कप्तान के तौर पर देखा जा रहा था।

सूर्यकुमार अचानक से सीन में

आए और छा गए। टी20 विश्व कप फाइनल में करिश्माई कैच लपकने वाले सूर्या के कप्तान बनने को लेकर शायद ही किसी ने अंदाजा लगाया था। माना भी यही जा रहा है कि इस फैसले के पीछे गौतम गंभीर हैं, जिनकी कप्तानी में कभी सूर्यकुमार यादव कोलकाता नाइटराइडर्स में खेले थे। हालांकि, एक रिपोर्ट की मानें तो गौतम गंभीर वो शख्स नहीं हैं, जिन्होंने फैसला किया। यही नहीं, उन्होंने तो डायरेक्ट नाम भी पिच नहीं किया था। रोहित शर्मा का भी कोई खास रोल नजर नहीं आया।

इस बारे में बीसीसीआई के एक अधिकारी ने हिंदुस्तान टाइम्स को बताया- गंभीर ने सीधे तौर पर सूर्या के लिए नहीं कहा। अधिकारी ने बताया कि गौतम गंभीर सिर्फ इतना चाहते थे कि कप्तान वही बने, जिसके साथ वर्कलोड मैनेजमेंट की समस्या न हो। अधिकारी के अनुसार, उन्होंने यह स्पष्ट कर दिया कि वह ऐसे कप्तान के साथ काम करना चाहेंगे जिसका कार्यभार बाधा न बने। इस बारे में अगरकर अपने विचारों के साथ स्पष्ट थे। इसके बाद अजीत अगरकर ने मोर्चा संभाला। दूसरी ओर, सिलेक्टर्स ने प्लेयर्स से भी बात की, जिसमें यह सामने आया कि हार्दिक से कहीं बेहतर कप्तान सूर्या हैं।

इस बीच सूर्यकुमार की तरह हार्दिक को भी वनडे टीम से बाहर कर दिया गया है। भारत के पास हार्दिक का विकल्प नहीं है, लेकिन चैंपियंस ट्रॉफी पाकिस्तान में होने के कारण वे गेंदबाजी ऑलराउंडर की भूमिका निभाने के लिए अक्षर पटेल और वाशिंगटन सुंदर पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल को वनडे और टी20 दोनों के लिए उप-कप्तान नियुक्त किया गया है, जिससे वे भविष्य के कप्तानी के दावेदार बन गए हैं।

वनडे टीम में जगह मिली तो हर्षित ने पापा पर लुटाया प्यार, ऐसे मनाया जश्न

नई दिल्ली, 19 जुलाई (एजेंसियां)। श्रीलंका दौरे पर तीन वनडे मैचों की सीरीज के लिए टीम इंडिया का ऐलान कर दिया गया है। इस टीम में तेज गेंदबाज हर्षित राणा को भी जगह मिली है। वनडे टीम में जगह पाने के बाद हर्षित राणा ने सोशल मीडिया पर अपनी खुशी जाहिर की और अपने पिता के साथ तस्वीर को शेयर किया। हर्षित के पिता ने टीम इंडिया की जर्सी पहनी हुई थी। इसके साथ ही उन्होंने लिखा, 'यह आपका है... लव यू डैड'। हालांकि, टी20 सीरीज के लिए हर्षित को टीम में शामिल नहीं किया गया।

बता दें कि हर्षित ने इंडियन प्रीमियर लीग में गौतम गंभीर की देख रेख में दमदार खेल का प्रदर्शन किया था। हर्षित आईपीएल के 17वें सीजन में कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए मैदान पर उतरे थे। केकेआर को चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाई थी। हर्षित ने केकेआर के लिए 17वें सीजन में 13 मैचों में 19 विकेट झटके थे। यही कारण है कि उन्हें टीम इंडिया के लिए वनडे फॉर्मेट में पहली बार मौका दिया गया है।

घरेलू क्रिकेट में हर्षित राणा रहा है दमदार प्रदर्शन

हर्षित राणा ने घरेलू क्रिकेट में भी अपना खूब दम दिखाया है। दिल्ली के लिए खेलने वाले हर्षित ने 7 फर्स्ट क्लास, 14 लिस्ट ए और 25 टी20 मैचों में मैदान पर उतरे हैं। फर्स्ट क्लास क्रिकेट में हर्षित राणा ने 28 विकेट अपने नाम किए है। लिस्ट ए में उन्होंने 22 विकेट झटके। इसके अलावा टी20 में उनके नाम 28 विकेट दर्ज है। फर्स्ट क्लास में तो हर्षित ने तो बैटिंग में भी कमाल किया है। इस फॉर्मेट में हर्षित का सर्वोच्च स्कोर नाबाद 122 रन का है।

गौतम गंभीर के कोच बनते ही भारतीय क्रिकेट में कई बड़े बदलाव देखने को मिल चुके हैं। टी20 टीम में हार्दिक पंड्या को कप्तानी नहीं दिया जाना हो या फिर वनडे में युवा खिलाड़ियों को मौका। गौतम गंभीर ने वनडे टीम में हर्षित राणा के साथ-साथ रियान पराग को भी 50 ओवर क्रिकेट में मौका दिया गया है।

वेस्टइंडीज के खिलाफ इंग्लैंड ने पहले दिन ठोक दिए 416 रन

नई दिल्ली, 19 जुलाई (एजेंसियां)। इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट में शानदार बल्लेबाजी की। 19 जुलाई (शुक्रवार) को नॉटिंघम के ट्रेंटब्रिज में बेन स्टोक्स की अगुआई वाली टीम ने 88.3 ओवर में 416 रन ठोक दिए। हालांकि, टीम ऑलआउट हो गई। इंग्लैंड के लिए ओली

पोप ने 121 रन बनाए। ओपनर बेन डकेट ने 71 रन बनाए।

कप्तान बेन स्टोक्स ने 69 रन बनाए। हैरी ब्रूक और जेमी स्मिथ ने 36-36 रन की पारी खेली। क्रिस वोक्स ने 37 रन बनाए। टेस्ट क्रिकेट में एक दिन में 416 रन बनाना बहुत बड़ी बात ऐसा काफी कम अवसर पर होता है। हालांकि, इंग्लैंड का स्कोर एक दिन में सबसे ज्यादा रन के मामले में टॉप-10 में भी नहीं आता।

अलजारी जोसेफ ने 3 विकेट लिए

वेस्टइंडीज के लिए अलजारी जोसेफ ने 3 विकेट लिए। जायडन सील्स, केविन सिंक्लेयर और केवम हॉज को 2-2 विकेट मिले। शमार जोसेफ को 1 विकेट मिला। शोएब बशीर के तौर पर इंग्लैंड का आखिरी विकेट गिरा। इसके साथ ही पहले दिन का स्टंप्स हो गया। दूसरे दिन वेस्टइंडीज की टीम बल्लेबाजी के लिए उतरेगी।

इंग्लैंड ने 64 रन के अंदर गंवा दिए 5 विकेट

इंग्लैंड की टीम ने छठा विकेट 342 रन पर गंवाए। बेन स्टोक्स आउट हुए। इसके बाद विकटे गिरने का सिलसिला शुरू हुआ। 64 रन के अंदर टीम ऑल आउट ह गई। 342 पर 6 से स्कोर 416 पर 10 हो गया। स्टोक्स के बाद जेमी स्मिथ, गस एटकिंसन , क्रिस वोक्स और शोएब बशीर आउट हो गए। 3 मैचों की टेस्ट सीरीज में इंग्लैंड 1-0 से आगे है।

धोनी के खास लोगों को चुन-चुनकर बाहर कर रहे गौतम गंभीर? पहली टीम घोषित करते ही विवादों में फंसे

नई दिल्ली, 19 जुलाई (एजेंसियां)।बतौर हेड कोच पहली बार भारतीय स्क्वॉड चुनने के साथ ही गौतम गंभीर विवादों में फंस चुके हैं। 18 जुलाई की रात श्रीलंका दौरे के लिए भारतीय टी-20 और वनडे टीम की घोषणा की गई। रोहित शर्मा के संन्यास लेने के बाद हार्दिक पंड्या की जगह सूर्यकुमार यादव टी-20 टीम के नए कप्तान चुन लिए गए हैं। इसके अलावा रुतुराज गायकवाड़, रविंद्र जडेजा सरीखे दिग्गजों को बाहर करने के बाद नया विवाद खड़ा हो गया है। इंटरनेट पर फैंस गौतम गंभीर पर मनमानी करने का आरोप लगा रहे हैं। इतना ही कुछ लोग तो ये तक कहने से भी नहीं चूके कि गंभीर जानबूझकर उन लोगों का पत्ता काट रहे हैं, जिनके पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी से अच्छे रिश्ते हैं। नवभारत टाइम्स ऐसे किसी दावे की पुष्टि नहीं करता, लेकिन ये जानना भी जरूरी हैं कि धोनी से जुड़े वो कौन से खिलाड़ी है, जिन्हें टीम में नहीं चुना गया।

रुतुराज गायकवाड़

इस खिलाड़ी को महेंद्र सिंह धोनी का बेहद करीबी माना जाता है। आईपीएल में धोनी ने गायकवाड़ को अपनी कप्तानी में ग्रूम किया अब गायकवाड़ चेन्नई सुपरकिंग्स के नए कप्तान हैं। वर्ल्ड कप के ठीक बाद जिम्बाब्वे दौरे पर महाराष्ट्र के इस ओपनर ने 7, 77* और 49 रन की पारी खेली थी। इसी तरह जिम्बाब्वे दौरे पर टी-20 में 46 गेंद में शतक बनाने वाले अभिषेक शर्मा टीम में जगह नहीं बना पाए क्योंकि तीसरे नंबर पर उनके लिए कोई जगह नहीं है जहां कप्तान खुद बल्लेबाजी करेंगे।

रविंद्र जडेजा

इस लिस्ट में दूसरा नाम रविंद्र जडेजा का है। धोनी और जडेजा की जुगलबंदी भी किसी से छिपी नहीं है। दोनों आईपीएल में चेन्नई सुपरकिंग्स के दो सबसे मजबूत आधार स्तंभ हैं। टी-20 वर्ल्ड कप के बाद संन्यास लेने वाले जडेजा वनडे टीम से बाहर हैं। सूत्रों की माने तो जडेजा नए हेड कोच गौतम गंभीर और चीफ सिलेक्टर अजीत अगरकर के चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के प्लान का हिस्सा नहीं है। ऐसे में अब उनके पास सिर्फ टेस्ट क्रिकेट ही बचा है।

हार्दिक पंड्या

मौजूदा टीम इंडिया में महेंद्र सिंह धोनी के सबसे खास लोगों में पंड्या का नाम भी शामिल है। पंड्या और धोनी मैदान के भीतर और बाहर दोनों ही जगहों पर खास बॉन्ड शेयर करते हैं। इस बीच गौतम गंभीर का पद संभालते ही पंड्या की कप्तानी छीनकर सूर्या को थमा देना भी इस विवाद को हवा देता है। कप्तानी गंवाने वाले पंड्या को टी-20 टीम में जगह मिली है, लेकिन निजी कारणों से उन्होंने एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में नहीं खेलने का फैसला किया है। दूसरी ओर रियान पराग को टी-20 और वनडे दोनों टीम में जगह मिली है।

टी-20 और वनडे सीरीज के लिए भारतीय स्क्वॉडः सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल, रिंकू सिंह, रियान पराग, ऋषभ पंत, संजू सैमसन, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, अर्शदीप सिंह, खलील अहमद और मोहम्मद सिराज।

ODIः रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, विराट कोहली, केएल राहुल, ऋषभ पंत, श्रेयस अय्यर, शिवम दुबे, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, वाशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह, रियान पराग, अक्षर पटेल, खलील अहमद, हर्षित राणा।

गौतम गंभीर के हेड कोच बनते ही ठंडे पड़े विराट कोहली बीसीसीआई से किया पुराने गिले-शिकवे मिटाने का वादा

नई दिल्ली, 19 जुलाई (एजेंसियां)। जब भी भारतीय क्रिकेट टीम के एंग्री यंग मैन प्लेयर्स की लिस्ट बनेगी तो गौतम गंभीर और विराट कोहली का नाम सबसे ऊपर आएगा। दिल्ली के इन लड़कों में कूट-कूटकर एटिट्यूड भरा हुआ है, जो मैदान पर उन्हें दूसरों से अलग बनाता है। गुस्सा तो मानो हर दम नाक पर ही चढ़ा रहता है। उम्र में खुद से सात साल बड़े 'गौतम भैय्या' से कोहली कई बार ग्राउंड पर भिड़ चुके हैं, लेकिन अब कहानी अलग है। बीसीसीआई ने गौतम गंभीर को टीम का हेड कोच बना दिया है। ऐसे में दोनों दिग्गजों को अपना 'इगो' और 'स्टारडम' अलग रखना ही होगा ताकि ड्रेसिंग रूम का माहौल ठीक रह सके। इस दिशा में विराट कोहली ने पहला कदम आगे बढ़ा दिया है, उन्होंने भारतीय क्रिकेट बोर्ड को आश्वासन दिया है कि वह गौतम गंभीर के साथ अपनी पुरानी तकरारों को भूलकर आगे बढ़ने के लिए तैयार हैं।

विराट ने बीसीसीआई से क्या वादा किया?

हमारे सहयोगी क्रिकबज की एक रिपोर्ट के मुताबिक, कोहली ने बीसीसीआई को बता दिया है कि वह पुरानी कड़वी यादों को भुलाकर नई शुरुआत करने के लिए तैयार हैं क्योंकि यही टीम और भारतीय क्रिकेट के सर्वोत्तम हित में है। रिपोर्ट में कहा गया, 'माना जाता है कि कोहली ने कहा है कि पिछले मुद्दों से उनके पेशेवर संबंधों पर कोई असर नहीं पड़ेगा। उन्होंने इस बारे में संबंधित बीसीसीआई अधिकारियों को स्पष्ट रूप से बता दिया है।' रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि इस मुद्दे पर चर्चा संभवतः टी-20 विश्व कप फाइनल के बाद हुई थी।

पहले छुट्टी चाहते थे विराट अब खेलना होगा

यहां बताना जरूरी हो जाता है कि 29 जून को भारत की टी-20 विश्व कप जीत के बाद से परिवार के साथ लंदन में समय गुजार रहे कोहली को रोहित शर्मा के साथ-साथ श्रीलंका दौरे के लिए भारत के वनडे स्क्वॉड में शामिल किया गया है। इससे पहले खबर आ रही थी कि कोहली और रोहित इस सीरीज में नहीं खेलना चाहते हैं और दोनों दिग्गज बुमराह के साथ आराम करेंगे। वैसे भी जब से गौतम गंभीर को भारत का नया हेड कोच बनाने की बात चल रही थी तभी से विराट कोहली के साथ उनके कड़वाहट भरे रिश्तों को भी याद किया जा रहा था। आईपीएल में ऐसे कई मौके आए जब दोनों दिग्गजों के बीच तीखी बहस हुई।

दोनों की सुलह में ही टीम की भलाई

रोहित के टी-20 फॉर्मेट से संन्यास लेने के बाद हार्दिक पंड्या की जगह सूर्यकुमार यादव को टी-20 कप्तान बनाया गया है। पूरी उम्मीद है कि अब सूर्या की कप्तानी में ही 2026 का टी-20 वर्ल्ड कप खेला जाएगा, जिसकी मेजबानी भारत और श्रीलंका मिलकर करेंगे। 27 जुलाई से शुरू हो रहा श्रीलंका दौरा भारत के मुख्य कोच के रूप में गंभीर का पहला कार्यभार होगा। द्रविड़ का कार्यकाल पिछले महीने टी-20 वर्ल्ड कप के बाद खत्म हो गया था। किसी भी कोच या खिलाड़ी को हारना पसंद नहीं है और गंभीर-कोहली के साथ भी यही कहानी है। दोनों ही भारत के लिए मैच और ट्रॉफियां जीतना चाहते हैं, अब 50 ओवर में अगला बड़ा टूर्नामेंट 2025 की चैंपियंस ट्रॉफी है।

बाबर, शाहीन अफरीदी और मोहम्मद रिजवान नहीं खेलेंगे यह फ्रेंचाइजी लीग, पीसीबी क्यों नहीं देगा एनओसी

नई दिल्ली, 19 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के स्टार खिलाड़ी बाबर आजम, मोहम्मद रिजवान और शाहीन अफरीदी को ग्लोबल टी20 कनाडा में खेलने के लिए नोऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट मिलने की संभावना नहीं है। पाकिस्तानी मीडिया जियो न्यूज ने सूत्रों के हवाले से जानकारी दी। लीग का शेड्यूल पाकिस्तान के किसी सीरीज या मैच से नहीं टकरा रहा है। इसके बावजूद खिलाड़ियों को एनओसी नहीं मिलेगी।

पाकिस्तान को बांग्लादेश के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेलना है। इसकी शुरुआत 21 अगस्त से होगी। कनाडाई लीग 25 जुलाई से 11 अगस्त तक खेली जाएगी। यह भी बताया गया कि एनओसी से इन्कार का कारण यह है कि सभी प्रारूपों में खेलने वाले खिलाड़ियों को नीति के अनुसार प्रमाण पत्र जारी नहीं किया जाएगा।

नसीम शाह को भी द हंड्रेड के लिए नहीं दिया गया एनओसी

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड खिलाड़ियों को एनओसी जारी करने के पक्ष में नहीं है क्योंकि उनके आगे व्यस्त कार्यक्रम हैं। स्टार पेसर नसीम शाह को भी पिछले हफ्ते द हंड्रेड में खेलने के लिए एनओसी देने से मना कर दिया गया था। सूत्रों ने जियो न्यूज को बताया कि पाकिस्तान के क्रिकेटर द्वारा प्रस्तुत आवेदन की समीक्षा करने के बाद एनओसी से इन्कार करने का निर्णय लिया गया।

नसीम का आवेदन क्यों हुआ खारिज

सूत्रों ने बताया कि नसीम के आवेदन को इसलिए खारिज कर दिया गया है ताकि उन्हें चोट से बचाया जा सके क्योंकि यह युवा खिलाड़ी पाकिस्तान के लिए तीनों प्रारूपों में खेलता है और पिछले साल चोट और फिटनेस चुनौतियों का सामना करता रहा।

स्टार तिकड़ी के अलावा, मोहम्मद आमिर, मोहम्मद नवाज, आसिफ अली और इफ्तिखार अहमद के पास भी ग्लोबल टी20 कनाडा अनुबंध है। इस सप्ताह की शुरुआत में, पीसीबी के अध्यक्ष नकवी ने कहा कि खिलाड़ियों को कुछ मानदंडों के आधार पर एनओसी मिलेगी। जो खिलाड़ी मानदंडों को पूरा करेंगे उन्हें एनओसी मिलेगी।

नौ साल के इंतजार के बाद भारतीय क्रिकेटर दीपक हूडा को मिली मोहब्बत

फोटो शेयर कर कहा- मेरा सपना अब पूरा हुआ

नई दिल्ली, 19 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय ऑलराउंडर दीपक हूडा टीम इंडिया से बाहर चल रहे हैं लेकिन उनकी जिंदगी में बड़ा पल आया है। लखनऊ सुपर जायंट्स के इस बल्लेबाज ने 15 जुलाई को शादी की। उन्होंने शुक्रवार को शादी की तस्वीरें शेयर करके अपनी जिंदगी की इस खुशी के पल को फैंस के साथ शेयर किया।

बेहत खूबसूरत लग रही थी जोड़ी

दीपक हूडा ने तस्वीरें शेयर की जिसमें वह सफेद रंग के कुर्ते में नजर आ रहे थे। उन्होंने लाल रंग का साफा बांधा हुआ था। उनकी पत्नी लाल रंग के लहंगे में बेहद खूबसूरत लग रही थीं। उन्होंने पहाड़ी नथ पहनी हुई थी। एक तस्वीर में दीपक हूडा अपनी पत्नी के सामने सर झुकाए हुए नजर आ रहे थे। वहीं सबसे पहली तस्वीर में वह एक-दूसरे को प्यार से निहार रहे थे।

दीपक ने लिखा रोमांटिक कैप्शन

दीपक ने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, '9 साल का इंतजार, हर लम्हा, हर सपना, हर बात हमें इस खूबसूरत दिन तक लेकर आई। हमें माफ कीजिएगा अगर हम एक दूसरे के साथ थोड़ा और समय दे, वह कहानी बनाएं जो बस हमारा दिल सुन सकता है, हम थोड़ा खो जाएं क्योंकि आखिरकार हम एक दूसरे को मिल गए हैं।' उन्होंने आगे लिखा, 'मेरे घर में स्वागत है

मेरी लिटल-पिटल हिमाचली लड़की। अपने परिवार और दोस्तों के बीच हमने अपने सफर की शुरुआत की। आप सभी का बहुत शुक्रिया।'

उनके इस पोस्ट पर कई क्रिकेटर्स ने कमेंट करके बधाई दी। उन्होंने लिखा, 'आप दोनों को बधाई।' युजवेंद्र चहल ने भी बधाई लिखी। लखनऊ सुपर जायंट्स के मालिक संजीव गोएंका ने कमेंट करते हुए लिखा, 'आप दोनों को बहुत शुभकामनाएं। 'उमरान मलिक, मोहम्मद नबी और खलील अहमद ने भी दीपक को बधाई दी।

सीएम का सरकारी स्कूलों को मजबूत करने की योजना तैयार करने का निर्देश

सीएम ए. रेवंत रेड्डी ने ए. कोंडल गौड़ 'चलो नशे से छुटकारा पाएं' गीत के पोस्टर का अपने जुबली हिल्स आवास पर विमोचन किया। इस अवसर पर सांसद अनिल कुमार यादव, तेलंगाना सरकार राजपत्र के कार्यकारी संपादक कोडुरु श्रीनिवास राव उपस्थित रहे।

हैदराबाद, 19 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)।सरकारी स्कूलों को मजबूत करने के लिए सरकार नई नीति लेकर आगे बढ़ रही है। मुख्यमंत्री ने शिक्षा सचिव बुर्रा वेंकटेशम को अगले तीन वर्षों में सरकारी स्कूलों को मजबूत करने की योजना तैयार करने का निर्देश दिया। सीएम ने एकीकृत आवासीय के समानांतर अर्ध आवासीय विद्यालयों को भी जारी रखने के लिए प्रस्ताव तैयार करने का आदेश दिया।

सीएम को प्ले स्कूल की तर्ज पर आंगनवाड़ी केंद्रों में तीसरी कक्षा तक की शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रस्ताव तैयार करना चाहिए। यह सुझाव दिया गया है कि छात्रों को अपने ही गाँव में पढ़ने की अनुमति दी जानी चाहिए। सीएम ने सुझाव दिया कि आंगन वाड़ियों में पढ़ाने के अलावा एक शिक्षक की नियुक्ति की योजना बनाई जानी चाहिए।

सीएम को चौथी कक्षा से अर्ध आवासीय विद्यालय में पढ़ाई की योजना बनानी चाहिए। सीएम ने सुझाव दिया कि सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि गांवों से अर्ध-आवासीय स्कूलों तक जाने के लिए परिवहन सुविधा प्रदान की जाए। शिक्षाविदों की राय लेने के बाद सीएम ने कहा कि एक-दो मंडलों में पायलट प्रोजेक्ट चलाने की योजना बनाई जाए।

सरकारी फंड के साथ-साथ सीएसआर फंड से भी छात्रों को सभी सुविधाएं मिलें, इसके लिए कदम उठाना चाहिए। विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाने का निर्देश।

शहीद स्तूप के पास सीएम के चित्र पर दुग्धाभिषेक किया

कांग्रेस ने किसानों की कर्ज माफी को ऐतिहासिक बताया

हैदराबाद, 19 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पीसीसी महासचिव चरकोंडा वेंकटेश और पुन्ना कैलाश नेता ने कहा कि स्वतंत्र भारत के इतिहास में एक ही समय में किसानों का दो लाख रुपये का कर्ज माफ करने का श्रेय तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को है। शुक्रवार को विधानसभा के सामने शहीदों के स्तूप पर सीएम का पलाभिषेक किया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि चुनाव से पहले वारंगल किसान घोषणा पत्र में राहुल गांधी द्वारा दिये गये वचन को निभाने में सीएम रेवंत रेड्डी की वीरता की कहानी कि सीएम रेवंत 75 लाख किसान परिवारों के आंसू पोंछने के लिए कंगन बन गये हैं।

रेवंत रेड्डी ने ऐसे किसानों के आंसू पोंछने का फैसला करते हुए कहा कि भले ही केसीआर तेलंगाना के गठन के बाद दो बार सीएम रहे, लेकिन उन्होंने किसानों का भला नहीं किया, उन्होंने राज्य को कर्ज से बर्बाद कर दिया और किसानों को धोखा दिया। उन्होंने कार्यकर्ताओं की ओर से तेलंगाना के किसानों को धन्यवाद दिया। उन्होंने मांग की कि राजनीतिक लाभ के लिए किसानों को गुमराह करने वाले हरीश राव को तेलंगाना के लोगों से माफी मांगनी चाहिए। कार्यकर्ताओं ने किसानों की ओर से उन्हें धन्यवाद दिया कि बीआरएस सरकार ने दस वर्षों में केवल 21 हजार करोड़ रुपये खर्च किए, लेकिन आज की रेवंत रेड्डी की सरकार ने 31 हजार करोड़ रुपये के साथ किसानों का कर्ज माफ किया है और लोगों से कर्ज माफ कराया है। इस अवसर पर रेवंत रेड्डी के चित्र का पलाभिषेक किया गया।

कार्यक्रम में टीपीसीसी महासचिव चरकोंडा वेंकटेश, पुन्ना कैलाश नेता बट्टू जगन यादव, बालकृष्ण नेता, रामबाबू नायडू, दर्श सतीश, कुराकुला सीनू, साई प्रकाश, पथपल्ली नरसिम्हा, बुची रेड्डी, शंकर नाइक, रापोलु वासु, मल्लेशु, रविकुमार, मुन्ना नाइक और अन्य ने भाग लिया।

विद्यालयों में बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराया जाना चाहिए : शांति कुमारी

विभिन्न कल्याण विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक

हैदराबाद, 19 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्य सचिव शांति कुमारी ने विभिन्न कल्याण विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक की तथा राज्य में एकीकृत आवासीय कल्याण विद्यालयों की स्थापना के लिए भूमि तथा अन्य बुनियादी ढांचे की पहचान के लिए किए जाने वाले उपायों की समीक्षा की। मुख्य सचिव ने कहा कि मुख्यमंत्री के विजन के अनुरूप इन विद्यालयों में बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराया जाना चाहिए। विद्यालयों में विशाल कक्षा कक्ष, खेल का मैदान, अभिभावकों को अपने बच्चों से मिलने के लिए अलग कमरा आदि होना चाहिए। उन्होंने कहा कि इन सभी भवनों के लिए एक समान डिजाइन तैयार किया जाना चाहिए तथा एक सप्ताह में यह बनकर तैयार हो जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि कार्यों की प्रगति की निगरानी के लिए बुनियादी ढांचे पर सरकार के सलाहकार की एक समिति गठित की जानी चाहिए। समाज कल्याण विभाग के प्रधान सचिव इस परियोजना के लिए नोडल अधिकारी के रूप में कार्य करेंगे तथा इसमें अन्य कल्याण विभागों के सचिव भी शामिल होंगे। अधिकारियों ने मुख्य सचिव को बताया कि 49 आवासीय कल्याण विद्यालयों के प्रस्ताव तैयार हैं, जिनमें से आठ विद्यालय इस वर्ष तैयार हो चुके हैं। 31 आवासीय कल्याण विद्यालयों के लिए जिला कलेक्टरों द्वारा भूमि की पहचान कर ली गई है, जबकि शेष 10 विद्यालयों के लिए भूमि की पहचान का कार्य प्रगति पर है। बैठक में सरकार के सलाहकार श्रीनिवास राजू, प्रमुख सचिव राजस्व नवीन मित्तल, प्रमुख सचिव एससी विकास श्रीधर, टीएसडब्ल्यूआरईआईएस सचिव अलुगु वार्शिनी, अल्पसंख्यक कल्याण आयुक्त तफसीर इकबाल और अन्य अधिकारी शामिल हुए।

सफलता तभी मिलेगी जब प्रयास करेंगे : शिखा

एचपीएस रामंतपुर में मनाया गया अलंकरण समारोह

हैदराबाद, 19 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। अतिरिक्त डीजीपी सीआईडी और टीएस साइबर सुरक्षा ब्यूरो की निदेशक शिखा गोयल ने शुक्रवार को छात्रों से अपने आराम क्षेत्र से बाहर निकलने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि सफलता उन लोगों को मिलेगी जो इसके लिए प्रयास करते हैं। शुक्रवार को हैदराबाद पब्लिक स्कूल (एचपीएस) रामंतपुर के छात्रों को संबोधित करते हुए शीर्ष पुलिस अधिकारी ने कहा कि चीजों के होने का इंतजार मत करो। अपने आराम क्षेत्र से बाहर निकलो। जोखिम लो और असफल होने से मत घबराओ। असफल हुए बिना कुछ हासिल नहीं होता। जब तुम असफल हो जाओ, तो सुनिश्चित करो कि तुम वापस उछलो। बहुत सारे उतार-चढ़ाव होंगे।

सीपी ने लाल दरवाजा सिंहवाहिनी श्री महाकाली मंदिर और अक्कन्ना मदन्ना मंदिर का दौरा किया

हैदराबाद, 19 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस आयुक्त हैदराबाद के. श्रीनिवास रेड्डी लाल दरवाजा सिंहवाहिनी श्री महाकाली मंदिर और अक्कन्ना मदन्ना मंदिरों का दौरा किया। बोनालु पर्व के अवसर पर की जा रही सुरक्षा, संरक्षा एवं यातायात व्यवस्था की समीक्षा की गई। इस अवसर पर बोलते हुए, सीपी ने सबसे पहले सभी भक्तों को बोनाला उत्सव की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि मैं बहुत खुश हूं और आज बोनाला उत्सव के अवसर पर लाल दरवाजा सिंह वाहिनी श्री महाकाली मंदिर में पारंपरिक मंदिर शिखर पूजा और ध्वजारोहण कर खुद को भाग्यशाली महसूस कर रहा हूं। लाल दरवाजा अम्मा का आशीर्वाद सभी पर बना रहे और मैं कामना करता हूं कि तेलंगाना राज्य तेजी से विकसित हो और लोग खुशी से रहें।

आगामी बोनालु उत्सव और अंबारी जुलूस के अवसर पर, हैदराबाद सिटी पुलिस की ओर से एक हजार पुलिस अधिकारी और कर्मचारी कड़ी सुरक्षा और सुरक्षा व्यवस्था करेंगे। उन्होंने कहा कि हम अन्य सरकारी विभागों के समन्वय से यह सुनिश्चित करेंगे कि श्रद्धालुओं को कोई असुविधा न हो। सीपी के साथ सुश्री स्नेहा मेहरा आईपीएस डीसीपी साउथ जोन और श्री आर वेंकटेश्वरलु डीसीपी ट्रैफिक और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

खनिज अन्वेषण हैकथॉन और महत्वपूर्ण खनिज रोड शो आज

कार्यक्रम में कोयला और खान राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे व बिहार के डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा भाग लेंगे

हैदराबाद, 19 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। खान मंत्रालय शनिवार को बेगमपेट में खनिज अन्वेषण हैकथॉन और महत्वपूर्ण खनिज रोड शो की मेजबानी करेगा। कार्यक्रम में केंद्रीय कोयला और खान मंत्री जी. किशन रेड्डी, कोयला और खान राज्य मंत्री सतीश चंद्र दुबे, बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा भाग लेंगे। खनिज अन्वेषण हैकथॉन अभिनव खनिज खोज तकनीकों पर केंद्रित होगा। इस पहल का उद्देश्य विश्व स्तर पर प्रचलित अत्याधुनिक तकनीकों का उपयोग करके खनिज पूर्वानुमान को बढ़ाना है। प्रतिभागी भूभौतिकीय डेटा की व्याख्या और मॉडलिंग, कई डेटा सेटों के एकीकरण और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और मशीन लर्निंग (एमएल) जैसी उभरती हुई तकनीकों के अनुप्रयोग में गहराई से उतरेंगे। कार्यक्रम के दौरान, किशन रेड्डी राष्ट्रीय जिला खनिज फाउंडेशन (डीएमएफ) पोर्टल भी लॉन्च करेंगे। यह देश भर के जिला खनिज फाउंडेशनों की जानकारी जुटाने के लिए एक केंद्रीकृत मंच होगा। पोर्टल डीएमएफ डेटा तक पहुंच की सुविधा प्रदान करेगा और इसके तहत विकास और उपयोग को ट्रैक करेगा। खान मंत्रालय ने एमएमडीआर अधिनियम की धारा 11डी के तहत प्रदत्त शक्तियों के तहत 29 फरवरी, 2024 को महत्वपूर्ण और रणनीतिक खनिजों की ई-नीलामी के दूसरे और तीसरे चरण का शुभारंभ किया है। मंत्री किशन रेड्डी द्वारा दूसरे और तीसरे चरण के ब्लॉकों के लिए पसंदीदा बोलीदाताओं की घोषणा भी की जाएगी। इस कार्यक्रम के बाद 24 जून, 2024 की एनआईटी के तहत लॉन्च किए गए महत्वपूर्ण और रणनीतिक खनिज ब्लॉकों की ई-नीलामी के चौथे चरण पर एक रोड शो होगा।

यूट्यूबर प्रणीत हनुमंतु पर ड्रग्स लेने का मामला दर्ज

हैदराबाद, 19 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। विवादित यूट्यूबर प्रणीत हनुमंथु के खिलाफ एक और मामला दर्ज किया गया है, जिन्हें पहले 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेजा गया था। इस बार पुलिस ने उनके खिलाफ ड्रग्स लेने का मामला दर्ज किया है। जांचकर्ताओं के अनुसार, मेडिकल जांच से पता चला है कि चंचलगुडा स्थित केंद्रीय कारागार में बंद प्रणीत हनुमंतु ने पहले नशीले पदार्थ का सेवन किया था। साइबर सुरक्षा पुलिस ने हाल ही में एक पॉडकास्ट के दौरान पिता और बेटी के एक वीडियो के बारे में उनकी आपत्तिजनक टिप्पणियों के बाद उन्हें गिरफ्तार किया था। इस बीच, साइबर सुरक्षा पुलिस ने अदालत में एक याचिका दायर कर प्रणीत की आगे की पूछताछ के लिए 3 दिन की हिरासत मांगी।

प्रजावाणी कार्यक्रम में कुल 545 आवेदन प्राप्त हुए

हैदराबाद, 19 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। महात्मा ज्योतिबा पूले प्रजा भवन में आयोजित प्रजावाणी कार्यक्रम में कुल 545 आवेदन प्राप्त हुए। अधिकारियों ने बताया कि राजस्व संबंधी 95, नागरिक आपूर्ति विभाग से संबंधित 84, विद्युत विभाग से संबंधित 82, आवास से संबंधित 79, पंचायती राज ग्रामीण विकास विभाग से संबंधित 47 तथा अन्य विभागों से संबंधित 158 आवेदन प्राप्त हुए हैं। इस कार्यक्रम में राज्य योजना आयोग के उपाध्यक्ष चिन्नारेड्डी ने भाग लिया और आवेदन प्राप्त किये। उन्होंने प्रजा भवन में आये लोगों से उनकी समस्याएं पूछीं।

केटीआर ने कृषि ऋण माफी को लेकर सीएम को घेरा

'ध्यान भटकाने और फंड भटकाने' में लगी हुई है सरकार

किसानों की पीड़ा सुनने के लिए कोई तैयार नहीं

हैदराबाद, 19 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि किसानों की कर्ज माफी योजना के कुप्रबंधन के कारण फंड और ध्यान को महत्वपूर्ण मुद्दों से भटकाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि रेवंथ रेड्डी सरकार 'ध्यान भटकाने और फंड भटकाने' में लगी हुई है। करीब सात महीने तक लोगों को गुमराह करने के बाद सरकार ने फसल ऋण माफी योजना लागू की जो एक आपदा साबित हुई। उन्होंने कहा कि किसानों को राहत देने के बजाय इससे और दुख हुआ क्योंकि दिशा-निर्देश इस योजना के लिए मौत की घंटी साबित हुए। उन्होंने कहा कि हालांकि वे पात्र हैं, फिर भी कई किसान हैरान हैं कि उनके ऋण क्यों माफ नहीं किए गए? कोई भी उनकी पीड़ा सुनने के लिए तैयार नहीं है। उन्होंने कृषि ऋण माफी योजना के कार्यान्वयन का जश्न मनाने के पीछे के तर्क पर सवाल उठाया, जिससे पात्र लाभार्थी संकट में हैं। उन्होंने कहा कि 40 लाख पात्र किसानों में से लगभग 30 लाख किसान निराश हैं। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने किसानों को रायथु भरोसा निवेश सहायता के वितरण में अत्यधिक देरी के लिए सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने याद दिलाया कि जून में वितरित होने वाला रायथु भरोसा, चालू फसल सीजन के लिए जुलाई में भी किसानों के बैंक खातों में जमा नहीं किया गया है। उन्होंने इस योजना के तहत बटाईदार किसानों को 15,000 रुपये और खेत मजदूरों को 12,000 रुपये देने के अधूरे वादों की ओर भी इशारा किया।

अपराध को दबाना बर्दाश्त नहीं- डॉ. जितेन्द्र

डीजीपी ने पुलिस अधिकारियों को दिया बेहतर पुलिसिंग का मंत्र

हैदराबाद, 19 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक डॉ. जितेन्द्र ने बंजारा हिल्स स्थित टी.जी.सी.एंड.सी.सी. के ऑडिटोरियम में हैदराबाद सिटी पुलिस अधिकारियों के साथ एक संवाद सत्र आयोजित किया। कोत्ताकोटा श्रीनिवास रेड्डी, पुलिस आयुक्त, हैदराबाद सिटी, विक्रम सिंह मान, एडिशनल सी.पी., कानून एवं व्यवस्था, पी. विश्व प्रसाद., एडिशनल सी.पी., यातायात, जे. परिमाला हाना नूतन, संयुक्त सी.पी. (प्रशासन) और हैदराबाद सिटी पुलिस के सभी विंग के सभी डी.सी.पी., एडिशनल डी.सी.पी. और ए.सी.एस.पी. ने इस सत्र में भाग लिया। डीजीपी, तेलंगाना ने कानून और व्यवस्था बनाए रखने, लोगों की बड़ी भीड़ वाले विभिन्न त्योहारों/कार्यक्रमों के लिए बुंडोबस्ट व्यवस्था, अपराध जांच और पता लगाने में सुधार, उपद्रवी शीटरों को नियंत्रित करने आदि के लिए हैदराबाद सिटी पुलिस की सराहना की। दुनिया भर में पुलिसिंग में बदलाव हो रहा है और हमें अपनी स्थानीय आवश्यकताओं के अनुसार सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाना चाहिए। हमारी अपनी विशिष्टताएँ हैं और हम तदनुसार नवीनतम रुझानों को अपनाते हैं। हैदराबाद वास्तव में एक वैश्विक और महानगरीय शहर है जिसमें तकनीकी मानव शक्ति और भारी निवेश और तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है और इसे देश का सबसे रहने योग्य शहर भी घोषित किया गया है। डीजीपी ने कैशलेस ट्रैफ़िक चालान प्रणाली को अपनाने का उल्लेख करते हुए उल्लेख किया कि हमें नई तकनीकों को अपनाना चाहिए, जिनका शुरू में बहुत विरोध होता है। एक पुलिसकर्मी की उपस्थिति प्रभावशाली और साफ-सुथरी होनी चाहिए और उसे खराब नहीं दिखना चाहिए क्योंकि लोग सबसे पहले हमारी उपस्थिति से ही हमारा मूल्यांकन करते हैं। हमें नागरिकों के साथ उचित व्यवहार करने की आवश्यकता है क्योंकि सार्वजनिक व्यवहार एक संवेदनशील मामला है। किसी को भी शिकायत दर्ज करने से नहीं रोका जाना चाहिए क्योंकि इससे हमें विभिन्न मुद्दों को जानने और उनसे अधिक उचित तरीके से निपटने में मदद मिलती है। अपराध को दबाना बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने पुलिस बल को प्रशिक्षण या तकनीकी खामियों के मामले में अंतराल की समीक्षा करने को कहा, जो हमें उपलब्ध संसाधनों का अधिकतम उपयोग करने से रोकते हैं। पुलिस की दृश्यता भी सर्वोच्च प्राथमिकता है और लोगों से बातचीत करने और उनकी समस्याओं को समझने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। डीजीपी ने यातायात की स्थिति के बारे में भी बात की और पीक आवर्स के दौरान केवल विनियमन कार्य, सुरक्षा संबंधी प्रवर्तन, बिना नंबर प्लेट वाले सभी वाहनों पर उचित नंबर प्लेट लगवाने, नशे में वाहन चलाने वालों पर लगाम लगाने, यातायात संकेतों की उपयोगिता को अनुकूलित करने और यातायात विंग द्वारा किए जा रहे अच्छे कार्यों को नागरिकों के साथ साझा करने के लिए सप्ताह में कम से कम एक बार नियमित प्रेस विज्ञप्ति जारी करने पर जोर दिया। डीजीपी ने वीआईपी संस्कृति को कम करने और सोशल मीडिया को संभालने के लिए एक अच्छी टीम विकसित करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। अंत में डीजीपी ने प्रत्येक पुलिस अधिकारी को अच्छे रोल मॉडल बनने और सकारात्मक धारणा बनाने के लिए और अधिक मेहनत करने का आह्वान किया।

डीजीपी ने फर्जी पुलिस कॉल धोखाधड़ी के खिलाफ जनता को चेताया

हैदराबाद, 19 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) डॉ. जितेन्द्र ने शुक्रवार को पुलिस कर्मियों के नाम पर फर्जी कॉल करने वाले जालसाजों की बढ़ती प्रवृत्ति के बारे में जनता को सख्त चेतावनी जारी की। इन जालसाजों का उद्देश्य आम नागरिकों को धोखा देना और उनसे पैसे ऐंठना है।

शुक्रवार को तेलंगाना डीजीपी के आधिकारिक हैंडल 'एक्स' पर डीजीपी ने एक घोटाले का वीडियो साझा किया, जिसमें एक जालसाज ने झूठा दावा किया कि एक व्यक्ति का बेटा बलात्कार के लिए जेल में बंद है और इस मुद्दे को सुलझाने के लिए पैसे की मांग की। डीजीपी ने एक्स पर कहा कि पुलिस डीपी फोटो वाले अजनबी आपको कॉल करके बताएंगे कि आपका कोई रिश्तेदार पकड़ा गया है या उनके नाम पर अवैध ड्रग कूरियर आए हैं और उन्होंने कोई और बड़ी गलती की है, जिससे आप तनाव में आ जाएंगे और आपको फंसाया जाएगा। ऐसे फोन कॉल से सावधान रहें। इसके अलावा, डीजीपी ने इस बात पर जोर दिया कि पुलिस कभी भी फोन पर पैसे नहीं मांगती है और उन्होंने नागरिकों से 1930 डायल करके ऐसी कॉल की सूचना देने का आग्रह किया।

24 को 300 साल पुराना 'पल्लवोत्सवम' मनाएगा टीटीडी

सहस्त्र दीपंकर सेवा के बाद निकलेगा भव्य जुलूस

तिरुमाला, 19 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) 24 जुलाई को मैसूर के महाराजा के जन्म नक्षत्र उत्तराभाद्र के अवसर पर 300 साल पुराना पारंपरिक पल्लवोत्सवम उत्सव मनाएगा। उत्सव के एक हिस्से के रूप में, सहस्र दीपंकर सेवा के बाद, उत्सव की मूर्तियों श्री मलयप्पा स्वामी के साथ श्रीदेवी और भूदेवी को कर्नाटक चौलट्री तक जुलूस के रूप में ले जाया जाएगा। कर्नाटक राज्य सरकार के प्रतिनिधि और मैसूर के महाराजा के प्रतिनिधि विशेष हरथी के साथ देवताओं का स्वागत करेंगे।

टीटीडी ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि किंवदंती के अनुसार, मैसूर के महाराजा ने श्रीवारी मंदिर को भूमि और आभूषण, गरुड़, गज, मुट्यापु पंडिरी, सर्वभूपाल, अश्व, सूर्यप्रभा और चंद्रप्रभा वाहन का भारी दान दिया था, इसके अलावा उन्होंने ब्रह्मोत्सव के दौरान इस्तेमाल की जाने वाली हाथीदांत की पालकी भी दी थी। महाराजा ने मैसूर संस्थानम की ओर से श्रीवारी मंदिर में ब्रह्मदीप, महाराजदीप और अखंडदीप में प्रतिदिन पांच किलो घी चढ़ाने की परंपरा भी शुरू की तथा श्रीवरु की सुप्रभात सेवा से पहले प्रतिदिन नवनीता हरथी की भी परंपरा शुरू की, जो आज भी जारी है।

उत्सव के हिस्से के रूप में, श्रीवारी मंदिर में हर महीने उत्तराभाद्र नक्षत्र के दिन शाम 7.30 बजे एक विशेष स्थानम आयोजित किया जाएगा। इसी तरह, उगादि, दिवाली और अनिवरा अस्थाना उत्सवों पर, मैसूर के महाराजा के नाम पर एक विशेष हरथी होती है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि श्री कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर आयोजित उत्तलोत्सव के दिन भी, श्री मलयप्पा स्वामी पारंपरिक सम्मान प्राप्त करने के लिए कर्नाटक चूलट्री का दौरा करते हैं।

पुराने शहर के मदीना रोड पर लगी आग

हैदराबाद, 19 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पुराने शहर के मदीना रोड स्थित एक इमारत में शुक्रवार सुबह आग लग गई। किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

स्थानीय लोगों के अनुसार, आग एक इमारत की दूसरी मंजिल पर लगी, जहां एक कपड़ों की दुकान थी और बाद में यह ऊपरी मंजिलों तक फैल गई, जहां कपड़ा सामग्री और रेडीमेड परिधान रखे हुए थे।

स्थानीय लोगों की सूचना पर दमकल विभाग और पुलिस के अधिकारी मौके पर पहुंचे। गौलीगुड़ा और मोगलपुरा फायर स्टेशनों से दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और दमकलकर्मियों ने एक घंटे में आग पर काबू पा लिया।

श्रीवाणी ट्रस्ट के टिकटों की कीमतों में कटौती

500 ही रहेगा ऑनलाइन कोटा

हैदराबाद, 19 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) ने तिरुमाला में बढ़ती तीर्थयात्रियों की भीड़ को देखते हुए श्रीवाणी ट्रस्ट के टिकटों की कीमत कम करने का फैसला किया है, जो सोमवार से लागू होगा। टीटीडी की ओर से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि श्रीवाणी टिकटों का ऑनलाइन कोटा 500 ही रहेगा, जबकि प्रतिदिन 1000 ऑफलाइन टिकटों में से 100 तिरुपति हवाई अड्डे पर और 900 तिरुमाला के गोकुलम रेस्ट हाउस पर जारी किए जाएंगे। टीटीडी प्रबंधन ने श्रद्धालुओं से इस बदलाव पर ध्यान देने और अधिकारियों के साथ सहयोग करने की अपील की।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence[illegible], Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.